फातिमा फ़ैज़

डैगन बिर्ड

अजीब जादू की किताब 1

Table of Contents

शीर्षक पेज
कॉपीराइट
अंतर्वस्तु
परिचय
1. अध्याय 1
2. अध्याय 2
3. अध्याय 3
4. अध्याय 4
5. अध्याय 5
6. अध्याय 6
7. अध्याय 7
8. अध्याय 8
9. अध्याय 9
10. अध्याय 10
11. अध्याय 11
12. अध्याय 12
13. अध्याय 13
14. अध्याय 14
15. अध्याय 15
16. अध्याय 16
17. अध्याय 17
18. अध्याय 18
19. अध्याय 19
20. अध्याय 20
21. अध्याय 21
22. अध्याय 22

23. अध्याय 23
24. अध्याय 24
25. अध्याय 25
26. अध्याय 26
27. अध्याय 27
28. अध्याय 28
29. अध्याय 29
30. अध्याय 30
31. अध्याय 31
32. अध्याय 32
33. अध्याय 33
34. अध्याय 34
35. अध्याय 35
36. अध्याय 36
37. अध्याय 37
38. अध्याय 38
39. अध्याय 39

ड्रैगन वार्ड

अजीब जादू पुस्तक 1

फातिमा फ़ायेज़

कॉपीराइट © 2022 फातिमा फ़ायेज़ द्वारा
सर्वाधिकार सुरक्षित।
इस पुस्तक का कोई भी भाग लेखक की लिखित अनुमति के बिना किसी भी रूप में या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिक माध्यम से, जिसमें सूचना भंडारण और पुनर्प्राप्ति प्रणाली शामिल है, पुनरुत्पादित नहीं किया जा सकता है, सिवाय पुस्तक समीक्षा में संक्षिप्त उद्धरणों के उपयोग के।
V20220513
कवर डिज़ाइन: जुआन द्वारा पुस्तक कवर और डिज़ाइन

अंतर्वस्तु

ृचय
अध्याय 1
अध्याय 2
अध्याय 3
अध्याय 4
अध्याय 5
अध्याय 6
अध्याय 7
अध्याय 8
अध्याय 9
. अध्याय 10
. अध्याय 11
. अध्याय 12
. अध्याय 13
. अध्याय 14
. अध्याय 15
. अध्याय 16
अध्याय 17
. अध्याय 18
. अध्याय 19
. अध्याय 20
. अध्याय 21
. अध्याय 22
. अध्याय 23
. अध्याय 24
. अध्याय 25
. अध्याय 26
अध्याय 27

. अध्याय 28
. अध्याय 29
. अध्याय 30
. अध्याय 31
. अध्याय 32
. अध्याय 33
. अध्याय 34
. अध्याय 35
. अध्याय 36
अध्याय 37
. अध्याय 38
. अध्याय 39

परिचय

प्रिय पाठक,

यह पुस्तक स्ट्रेंज मैजिक श्रृंखला की प्रस्तावना है। स्पेन के बार्सिलोना में बसी इस जादुई दुनिया में डूबने का आनंद लें।

आयशा बोन श्रृंखला के प्रशंसकों के लिए, आपको कुछ ऐसे सरप्राइज़ मिलेंगे जो मुझे उम्मीद है कि आपको प्रसन्न करेंगे।

पढ़ने का आनंद लें!

फातिमा फ़ायेज़
मैं हमेशा की तरह बार्सिलोना के गोथिक क्वार्टर में घूम रहा था, नई गार्गोयल मूर्तियों की तस्वीरें खींचने के लिए खोज रहा था, तभी किसी ने मुझे धक्का दे दिया। मेरे पास ही एक ज़ोरदार धमाका हुआ और मैं घुटनों के बल गिर पड़ा। स्तब्ध होकर मैंने पीछे मुड़कर देखा तो जहाँ मैं खड़ा था, वहाँ पत्थर के टुकड़े बिखरे पड़े थे।

घबराकर मैं उठा और चारों ओर देखने लगा कि मुझे किसने धक्का दिया था, लेकिन मैं अकेला था। मैंने अपना सिर उठाकर ऊंचे गिरजाघर के अग्रभाग की ओर देखा कि पत्थर कहाँ से आया था। मुझे कुछ भी असामान्य नहीं दिखा। न तो कोई टूटी हुई इमारत थी और न ही कोई गार्गोयल गायब था। मैंने उस पत्थर की ओर देखा जिसने मुझे लगभग कुचल दिया था। पत्थर के पास एक फ्लायर गिरा था। मैं पास गया और उसे उठा लिया।

एक आइसक्रीम विक्रेता दौड़कर मेरे पास आया, उसके चेहरे पर चिंता साफ झलक रही थी। "क्या आप ठीक हैं?"

"हाँ, मैं ठीक हूँ," मैंने झूठ बोला, उस बाल-बाल बचने की घटना से मैं अभी भी सहमी हुई थी। मैंने अपने हाथ में पर्चा कसकर पकड़ रखा था। "धन्यवाद।"

उसकी निगाहें मुझ पर ऐसे घूम रही थीं मानो मेरी बात का खंडन करने के लिए कुछ ढूंढ रही हों, और फिर उसकी नज़र मेरे घुटनों पर टिक गई। मैंने नीचे देखा तो मेरी एकदम नई जींस फटी हुई थी। जींस पर खून का एक छोटा सा धब्बा रिसने लगा था। मैंने दुकानदार को देखकर मुस्कुराने की कोशिश की। मेरा चेहरा तनाव से भरा हुआ था और मैं सोच रही थी कि उसे मैं कैसी दिख रही होंगी।

"आस-पास एक छोटा सा फव्वारा है। आप वहाँ गंदगी साफ कर सकते हैं। अपना ख्याल रखना," आइसक्रीम बेचने वाले ने आखिर में कहा। वह चला गया, और आखिरी बार मेरी तरफ मुड़कर देखा।

मुझे दर्द से कराहने की छूट मिली। चोट देखने के बाद, मुझे अपने छिले हुए घुटने में तेज़ दर्द महसूस हो रहा था। मैं नीचे झुकी और धीरे से बड़बड़ाई। खून तो ज़्यादा नहीं निकला था, लेकिन मेरी सौतेली माँ मुझे फिजूलखर्ची कहने वाली थी क्योंकि मैंने इतनी जल्दी अपनी जींस फाड़ दी थी। मुझे उन्हें यह यकीन दिलाने का कोई तरीका ढूंढना होगा कि ये जींस हमेशा से ऐसी ही थीं। लेकिन पहले मुझे खून के निशान साफ करने होंगे।

मैं उस फव्वारे की ओर चल पड़ा जिसके बारे में विक्रेता ने मुझे बताया था। मुझे एहसास हुआ कि मेरे हाथ में अभी भी वह पर्चा है। मैंने उसे अपनी पिछली जेब में डाल लिया। मैंने खून का धब्बा साफ किया और बैठ गया, अपने घुटनों में बढ़ती

अकड़न को दूर करने की कोशिश कर रहा था। मैंने देखा कि लोग मेरे चारों ओर घूम रहे थे और प्रसिद्ध बार्सिलोना कैथेड्रल के नज़ारे का आनंद ले रहे थे।

कुछ ही महीने पहले बार्सिलोना आने के बाद से मैं लगभग हर दिन यहाँ आता रहा हूँ। मेरे परिवार के बाकी सदस्य मुझसे ज़्यादा जल्दी घुल-मिल गए थे। मेरे पिताजी अपनी नई नौकरी में व्यस्त थे, जबकि मेरी सौतेली माँ अपनी कंसल्टेंसी के लिए नेटवर्किंग करने जाती थीं। मेरे भाई इस नई जगह पर खूब खुश नज़र आ रहे थे। माँ से दूर रहना उनके लिए बहुत फ़ायदेमंद साबित हो रहा था। वैसे भी वे उनसे ज़्यादा मिलते नहीं थे। वह मेरी माँ थीं, उनकी नहीं, लेकिन मेरी सौतेली माँ उन्हें समय-समय पर मिलने के लिए बुलाती रहती थीं। वह चाहती थीं कि माँ को यह एहसास रहे कि उनका अभी भी एक परिवार है।

मानसिक अस्पताल में मेरी माँ के मिलने का समय सीमित होने के कारण उनसे अक्सर मिलना मुश्किल हो जाता था। उन्हें वहाँ भर्ती हुए बहुत समय हो गया था, जिससे हमारे परिवार पर और भी तनाव बढ़ गया था। दूसरी बार जब उन्होंने मुझे जान से मारने की कोशिश की, तो मेरे पिता ने मुझे उनसे अकेले मिलने जाने से मना कर दिया। सच कहूँ तो, उन्हें पहली कोशिश के बारे में पता ही नहीं था। और फिर उन्होंने हमें वहाँ से निकालकर एक नए शहर में बसाने का फैसला किया। लगता है मेरे पिता सही थे; दूर जाना हमारे परिवार के लिए सबसे अच्छा फैसला था।

मेरे मन का एक हिस्सा अब भी उसे छोड़कर जाने को लेकर दुविधा में था, क्योंकि उससे मिलने के लिए सिर्फ मेरी चाची ही थीं। उसने मुझे जान से मारने की कोशिश की होगी, लेकिन फिर भी वह मेरी माँ थी।

माँ से अलग होने के अलावा, घर से दूर जाने से मेरे जीवन में उतना फर्क नहीं पड़ा जितना मेरे भाइयों के जीवन में पड़ा था। मैं हमेशा से अकेला रहना पसंद करता था। मुझे यही अच्छा लगता था। मेरा अकेलापन माँ की परेशानियों से शुरू हुआ, लेकिन फिर मुझे दोस्तों के बिना रहना सहज लगने लगा। मुझे किताबें पढ़ना या घूमने-फिरने में मजा आता था। मुझे बार्सिलोना की गलियों में घूमना, अलग-अलग मोहल्लों को देखना और वहाँ रहने वाले लोगों से मिलना बहुत पसंद था। वहाँ करने के लिए इतना कुछ था कि मैं कभी ऊब नहीं सकता था।

मैं थोड़ा हिला और मुझे याद आया कि मेरी पिछली जेब में अभी भी एक पर्चा पड़ा हुआ है। मैंने उसे बाहर निकाला और मुड़े हुए कागज को सीधा किया। उस पर बड़े-बड़े मोटे अक्षरों में लिखा था, ड्रैगन से प्यार करना ज़रूरी है। उसके नीचे लिखा था:
क्या आपको ड्रैगन पसंद हैं?
क्या आप रोमांच और उत्साह की तलाश में हैं?
क्या आप अपने जीवन में बदलाव के लिए तैयार हैं?
ड्रैगन रिसर्च इनिशिएटिव प्रोग्राम एक युवा पहल है जिसका उद्देश्य समुदाय के युवा सदस्यों को लक्षित करना है।
इस कार्यक्रम के लिए पात्र होने के लिए, आवेदकों की आयु 16 से 18 वर्ष के बीच होनी चाहिए और वे बार्सिलोना के निवासी होने चाहिए।
इस जीवन में एक बार मिलने वाले अवसर के लिए ड्रैगन रिसर्च एंड अथॉरिटी सेंटर पर जाएँ।

मैंने पर्चे पर तारीख और समय देखा। मैंने अपनी घड़ी देखी; उनके बंद होने से पहले मेरे पास आधा घंटा था। पता पास ही था, पंद्रह मिनट से भी कम दूरी पर। मैंने एक बार फिर उन शब्दों पर नज़र डाली और किस्मत पर भरोसा करने का फैसला किया।
मैं उठा और भागने लगा।

दो

अध्याय दो

पर्चे पर लिखे पते ने मुझे एक विशाल किले तक पहुँचा दिया। मैं वहाँ खड़ा होकर देखता रह गया। यह ईंट और लोहे से बना था और स्पष्ट रूप से बहुत पुराना था। इमारत का अग्रभाग किसी वास्तुकार का सपना था, जिसमें जटिल नक्काशी और

मेहराब बने हुए थे। इसके कोनों पर चार मीनारें थीं और ऊपर की ओर प्राचीरें थीं। बस एक खाई की कमी थी। किले के चारों ओर लगे ताड़ के पेड़ों ने इसकी भव्यता को और भी धूमिल कर दिया।
मैं प्रवेश द्वार के करीब पहुंचा। लकड़ी का दरवाजा मेरी ऊंचाई से लगभग दुगना था। दरवाजे के पास एक कांस्य पट्टिका पर लिखा था, "ड्रैगन अनुसंधान एवं प्राधिकरण केंद्र"। इमारत पर इतने गार्गोयल बने हुए थे जितने मैंने गोथिक क्वार्टर में किसी और इमारत पर नहीं देखे थे। लगभग सभी गार्गोयल ड्रैगन थे। मैं उनका अध्ययन करना चाहता था, लेकिन केंद्र बंद होने से पहले मेरे पास केवल पांच मिनट थे।
मैंने धातु के हैंडल से लकड़ी का दरवाज़ा खींचा, मुझे लगा था कि उसके आकार और वज़न के कारण थोड़ी रुकावट आएगी, लेकिन दरवाज़ा आश्चर्यजनक रूप से हल्का था। मैं अंदर कदम रखा और पलकें झपकाईं, मेरी आँखें लॉबी के धुंधलेपन में अभ्यस्त हो रही थीं। चंदन की तेज़ खुशबू मेरी नाक में आई। मैंने उसे अंदर लिया। मेरे सामने एक बड़ी, अलंकृत मेज थी। मेज के पीछे मुझसे कुछ ही बड़ा एक लड़का बैठा था। मेरे आने पर उसने ऊपर नहीं देखा। उसके कंधे तक लहराते हुए भूरे बाल थे। मेरे बाईं ओर तीन गलियारे थे। मैंने एक पल के लिए सोचा कि इनमें से प्रत्येक कहाँ जाता है।
"नमस्ते। मैं इस कार्यक्रम के लिए आवेदन करने आया हूँ।" मैं लड़के के पास गया और उसे दिखाने के लिए पर्चा उठाया।
कुछ असहज क्षणों तक उसने मुझे इंतज़ार करवाया, फिर उसने अपना सिर उठाया। उसने पर्चे को नज़रअंदाज़ कर दिया और उसकी भूरी आँखें मुझे घूरने लगीं। असहज महसूस करते हुए, मैंने पर्चा मेज पर रख दिया। उसने मेरी ओर देखा और बोला, "बहुत ही कम समय बचा है, है ना?"
मैंने पीछे मुड़कर देखा तो दरवाजे के ऊपर एक बड़ी घड़ी लगी हुई थी। पर्चे पर लिखे समय के समाप्त होने में बस एक मिनट बचा था। मैं उसकी तरफ मुड़ी और समझ नहीं पा रही थी कि क्या कहूँ। क्या वह चाहता था कि मैं चली जाऊँ? मेरे चेहरे के भावों से शायद मेरा सवाल ज़ाहिर हो गया था, क्योंकि उसने गहरी साँस ली।

उन्होंने अपनी कुर्सी पीछे धकेली और खड़े हो गए। "मेरे पीछे आओ," उन्होंने अपनी डेस्क से उठते हुए कहा। वे तेज़ी से आगे बढ़े और मुझे उनके साथ कदम मिलाकर चलने के लिए दो कदम बढ़ाने पड़े। हम गलियारे से तेज़ी से निकले, लगभग एक दर्जन बंद दरवाज़ों के पास से गुज़रे। जल्दबाजी में मुझे हर दरवाज़े पर लगी नामपट्टियाँ पढ़ने का मौका नहीं मिला।

जब गलियारा मुड़ा हुआ था, वहाँ एक दरवाजे पर अचानक रुकने पर मैं उससे टकराते-टकराते बचा। उसने दरवाजा खोला और मैं उसके पीछे-पीछे अंदर गया। वहाँ एक कमरा था जिसमें कुर्सियाँ दीवारों से सटाकर रखी थीं। तीन लोग बैठे हुए थे और हमारी तरफ देख रहे थे, उनके चेहरों पर जिज्ञासा साफ झलक रही थी। वे सब मेरी ही उम्र के लग रहे थे, इसलिए शायद वे भी उसी कारण से वहाँ आए थे जिस कारण से मैं आया था। मेरे दाहिनी ओर, एक महिला काउंटर पर बैठी कागज़ात देख रही थी और कलम से अपने मुँह को थपथपा रही थी। हम स्पष्ट रूप से किसी प्रतीक्षा कक्ष में थे।

"आपका नाम क्या है?" मेरे गाइड ने मुझसे पूछा।

मैंने कहा, "वैनेसा गार्सिया।"

"बैठ जाइए। जब वे तैयार हो जाएंगे तो आपको बुला लेंगे," उन्होंने कहा।

वह काउंटर पर बैठी महिला के पास गया। दोनों के बीच कुछ बातचीत हुई, उसने मेरी तरफ इशारा किया और महिला ने मुझे नापसंदगी भरी नज़रों से देखा। मैं उनकी बातें सुन नहीं सका, लेकिन यह स्पष्ट था कि वह मेरे देर से आने से नाराज़ थी। मैं पास की खाली कुर्सी पर बैठ गया, जो संयोगवश छोटे बैंगनी और नीले बालों वाली एक लड़की के बगल में थी। वह मुझे घूर रही थी, जबकि बाकी आवेदक बस चोरी-छिपे देख रहे थे।

"यह आवेदन पत्र भरें और तैयार होने पर उसे वापस कर दें।" लड़का क्लिपबोर्ड पर कागज़ों की शीट और एक पेन लेकर लौटा। उसने मुझे आखिरी बार देखा और चला गया।

मैंने फॉर्म भरना शुरू किया। मेरे बगल में बैठी लड़की ने कहा, "इसमें कुछ अजीब सवाल हैं।"

मैंने आवेदन पत्र पर सरसरी नजर डाली और मुझे लगा कि मैंने वही चीजें देख ली हैं जिनके बारे में वह बात कर रही थी:
क्या आपको जादू पसंद है?
क्या आप अलौकिक शक्तियों में विश्वास करते हैं?
मैंने उससे पूछा, "यह कार्यक्रम किस बारे में है? क्या तुम्हें पता है?"
"सच में नहीं, लेकिन मेरी एक दोस्त ने मुझे आवेदन करने की सलाह दी। उसे पिछले साल दाखिला मिल गया था और उसने कहा कि यह कोशिश करने लायक है।" उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया। "मैंने सुना है कि तुमने उसे बताया था कि तुम वैनेसा हो। मैं मारिबेल हूँ।"
मैंने अपना पेन नीचे रखा और उनसे हाथ मिलाया। "आपसे मिलकर अच्छा लगा। क्या आप यहाँ काफी देर से इंतज़ार कर रही थीं?"
उसने होंठों को टेढ़ा करते हुए व्यंग्य भरी मुस्कान दी। "यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप लंबे समय से क्या मतलब समझते हैं। मेरे हिसाब से तो आधा घंटा हो चुका है। अगर मेरी दोस्त ने मुझे यह मौका छोड़ने पर जान से मारने की धमकी न दी होती, तो मैं अब तक चली गई होती। मुझे इंतज़ार करना बिल्कुल पसंद नहीं है।"
मैंने पूछा, "उसने आपको कार्यक्रम के बारे में क्या बताया?"
"उसने कहा था कि इससे मेरी जिंदगी बदल जाएगी।" मैरिबेल ने अपने छोटे बालों की एक लट कान के पीछे कर ली। "जिंदगी उबाऊ हो रही थी, इसलिए मैंने उसकी बात सुनने का फैसला किया।"
मैंने फॉर्म पर टैप किया। "वे हमसे यह क्यों पूछते हैं कि क्या हम इस कार्यक्रम के लिए पूर्णकालिक रूप से प्रतिबद्ध हो सकते हैं?"
"एक बार आपका चयन हो जाने के बाद, आप यहीं केंद्र में रहेंगे।"
मेरी भौंहें तन गईं। "यहाँ?"
उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "मुझे ठीक से पता नहीं कहाँ, लेकिन मेरी दोस्त ने बताया कि यह एक तरह का बोर्डिंग स्कूल है, बस फर्क इतना है कि आप सप्ताहांत में अपने माता-पिता से मिल सकते हैं। मेरे माता-पिता से बहुत झगड़े होते हैं, इसलिए मैंने सोचा कि यह उनसे दूर जाने का एक अच्छा मौका होगा।"

ऐसा लगा जैसे मारिबेल और मुझमें कुछ समानता हो। मैंने उसे मुस्कुराकर देखा और फॉर्म भरने में जुट गई। मैंने लड़के के कहने पर फॉर्म भरते ही काउंटर पर बैठी महिला को दे दिया। फॉर्म लेते समय उसने मेरी तरफ देखा तक नहीं।
जैसे ही मैं अपनी सीट पर वापस लौटी, उस महिला ने पुकारा, "मैरिबेल, अब तुम्हारी बारी है। अंदर जाओ।"
"शुभकामनाएं," मैंने लड़की से कहा जब वह खड़ी हुई।
उसने मुझे एक तरफा मुस्कान दी। "तुम भी।"
मैंने उसे कमरे में आते देखा। फिर हम तीन लोग रह गए। मैंने बाकी दो आवेदकों को देखा। लड़का अपनी सीट पर धँसा हुआ था, उसकी लंबी टांगें उसके सामने फैली हुई थीं। उसकी उंगलियाँ होठों पर आपस में जुड़ी हुई थीं और वह सोच में डूबा हुआ लग रहा था। लड़की ने अपनी बाहें बाँध रखी थीं और गुस्से में दिख रही थी। मुझे आश्चर्य हुआ कि वह कितनी देर से इंतज़ार कर रही थी।
आधे घंटे के भीतर ही वे दोनों दरवाजे से बाहर निकल गए। मैरिबेल कभी बाहर नहीं आई, इसलिए मैंने मान लिया कि कमरे के अंदर ही कोई दूसरा निकास मार्ग होगा।
"वैनेसा," एक आवाज़ ने मुझे पुकारा और मेरी तल्लीनता से बाहर निकाल दिया। मैंने ऊपर देखा तो वह महिला दरवाजे की ओर इशारा कर रही थी। उसने अपना सिर नीचे झुका रखा था और कागजी कार्रवाई में मग्न थी।
मैं उठा और कमरे को पार किया। जैसे ही मैंने दरवाजे से अंदर कदम रखा, मुझे एहसास हुआ कि यह एक गलती थी: मैंने तैयारी नहीं की थी। मैं यहाँ बस यूं ही आ गया था।
"हैलो," एक आदमी ने मुझे नमस्कार किया। वह एक लंबी मेज के पीछे बैठे तीन लोगों में से एक था। उस आदमी ने मुस्कुराते हुए उनके सामने वाली खाली कुर्सी की ओर इशारा किया। दोनों महिलाएं ऊबी हुई लग रही थीं।
मैं सीट पर बैठ गया।
"वैनेसा, है ना?" उसने मेरे हां में सिर हिलाने का इंतज़ार किया और फिर बोला, "चलिए सीधे मुद्दे पर आते हैं। आपने इस कार्यक्रम के लिए आवेदन क्यों किया?"
मुझे लगा कि यह दिलचस्प लग रहा है।

उसने अपना सिर झुकाया। "कौन सा हिस्सा?"
"सच कहूं तो, मुझे ड्रैगन वाला हिस्सा पसंद आया। मुझे ड्रैगन बहुत पसंद हैं और पोस्टर में भी यही मांगा गया था।"
महिलाओं ने एक-दूसरे की ओर देखा। यह महसूस करके मेरा दिल बैठ गया कि मैं उन पर अच्छा प्रभाव नहीं डाल पा रही थी। मेरा पैर अपने आप चलने लगा और ज़मीन पर थपथपाने लगा।
"आपकी उम्र कितनी है?" हल्के बालों वाली महिला ने पूछा।
"सत्रह।" लगभग। पांच महीने में यह सच हो जाएगा।
"क्या आप बार्सिलोना के निवासी हैं?"
"हाँ।"
"आप यहां कब से रह रहे हैं?" उसने आगे पूछा।
"एक महीना।"
"एक महीना?" एक पतली भौंह उठी।
मेरा गला सूख गया था। मैंने अपने निचले होंठ को चाटा। "हाँ, मैं अभी-अभी यहाँ आई हूँ।"
"आप इससे पहले कहाँ रहती थीं?" दूसरी महिला ने पूछा।
मैं मलागा के ठीक बाहर एक कस्बे में पला-बढ़ा हूँ।
क्या आप अगले दस वर्षों तक बार्सिलोना में रहने की योजना बना रहे हैं?
"मुझे पक्का नहीं पता। शायद?" मैं अपनी सीट पर बेचैनी से हिलने-डुलने लगी। मुझे ठीक से पता ही नहीं था कि अगले साल मैं क्या करने वाली हूँ। मुझे कैसे पता चलेगा कि अगले दस साल मैं कहाँ रहूँगी?
सुनहरे बालों वाली महिला ने भौंहें चढ़ाईं। वह अपने सहयोगियों की ओर मुड़ी और फिर मेरी ओर। "हमसे मिलने आने के लिए धन्यवाद। दुर्भाग्यवश, ऐसा लगता है कि हम आपको इस कार्यक्रम में दाखिला नहीं दे सकते।"
"अह, धन्यवाद।" मैं अपनी कुर्सी से उठ खड़ा हुआ। मैंने उन्हें सिर हिलाकर अभिवादन किया और लड़खड़ाते हुए कमरे से बाहर निकल गया।
मुझे इस बात का एहसास हुआ कि मैंने किसी असाधारण चीज में शामिल होने का मौका खो दिया है।

और मुझे खुद से नफरत हो रही थी कि मैंने इसे भी बिगाड़ दिया, ठीक वैसे ही जैसे मैं हमेशा सब कुछ बिगाड़ देता था।

अध्याय 3

"तुम किस बात पर उदास हो?" मेरी सौतेली माँ ने मुझसे पूछा।
"कुछ नहीं।" यह पूरी तरह सच नहीं था। मैं कल के इंटरव्यू में गड़बड़ करने के लिए अब भी खुद से नाराज़ थी। जितना ज़्यादा मैं इसके बारे में सोचती, उतना ही ज़्यादा नाराज़ होती जाती। मुझे अपने परिवार से दूर भागने और रहने का मौका मिल सकता था। मैं अपने परिवार से प्यार करती थी, लेकिन जब भी मैं उनके आसपास होती, बस उनसे दूर रहना चाहती थी। जब मेरी माँ अकेली और दूर होती, तो उनके आसपास रहना मुझे अपराधबोध से भर देता था। मुझे लगता था कि उनके साथ समय बिताकर मैं उनके साथ विश्वासघात कर रही हूँ।
मेरी सौतेली माँ ने मेरा मज़ाक उड़ाते हुए कहा, "जाओ, टहल लो और अपनी ऊर्जा बदल लो। इस समय तुम्हारी आभा बहुत ही नकारात्मक है।" वह कॉफी टेबल के पास गई और एक छोटी बोतल उठा ली।
मेरे पिताजी अपनी कुर्सी पर बैठकर समाचार देख रहे थे। "फूलों वाली खुशबू वाली खुशबू इस्तेमाल करो। अगरबत्ती वाली खुशबू से मेरा सिर दर्द करने लगता है।"
उसने उठाई हुई छोटी बोतल वापस रख दी और दूसरी बोतल उठाने के लिए हाथ बढ़ाया।
"मेरी आभा ठीक है," मैंने उससे कहा जब वह मेरे पास आई।
"नहीं, ऐसा नहीं है।" उसने मेरे चारों ओर परफ्यूम छिड़का।
ट्यूबरोज़ की खुशबू नाक में पहुँचते ही मुझे छींक आ गई। मेरी सौतेली माँ को ऑरा क्लींजर बहुत पसंद थे। वो हर हफ्ते एक नया ऑरा क्लींजर खरीदती थीं। उनसे मुझे छींक आने के अलावा कोई खास फायदा नहीं होता था।

उसने बोतल एक तरफ रख दी और पीछे मुड़कर कहा, "उदास होना बंद करो और थोड़ी ताज़ी हवा में जाओ। टहलने से तुम्हारा संतुलन वापस आ जाएगा।"
मैंने अपनी आँखें घुमाने से खुद को रोका। मुझे महसूस हुआ कि मेरे पिता हमें देख रहे हैं और मेरी सौतेली माँ के साथ पहले से ही हालात काफी तनावपूर्ण थे। मुझे अपने जीवन में इस बारे में और उपदेश सुनने की ज़रूरत नहीं थी कि मुझे अपने भाइयों के प्रति सम्मानजनक और एक अच्छा आदर्श बनना है।
मुझे बचपन से ही पता था कि मेरा परिवार बाकी परिवारों जैसा नहीं है। मेरे सौतेले भाइयों के साथ, एक ही पिता होने के अलावा, मेरी एकमात्र समानता यह थी कि हमारी माताएँ थोड़ी सनकी थीं। मुझे अपने जीवन के वे कुछ पल याद हैं जब मेरे माता-पिता साथ थे और सब कुछ शांत था। मेरी माँ के मानसिक अस्पताल जाने के बाद हमारा परिवार उथल-पुथल में पड़ गया। उसके बाद मेरे पिता ने मेरी देखभाल करने की पूरी कोशिश की, लेकिन वे वास्तव में स्नेह देने वाले पिता नहीं थे।
उन्होंने कुछ समय बाद ही दोबारा शादी कर ली, लेकिन मुझे हमेशा अपने "नए" परिवार से अलग-थलग महसूस होता रहा। मैं अपने सौतेले भाइयों से प्यार करती थी, और मेरी सौतेली माँ ठीक थीं, लेकिन मुझे कभी भी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि मैं उनसे जुड़ी हुई हूँ। कई बार मुझे यह डर सताता था कि कहीं मुझे भी अपनी माँ का पागलपन विरासत में न मिल जाए और मुझे भी कहीं कैद न कर दिया जाए। कसम से, कभी-कभी मुझे ऐसा लगता था जैसे मेरे पिता भी मुझे देखकर यही सोच रहे हों।
उनकी दूसरी पत्नी हंसमुख थीं और हमेशा सकारात्मक ऊर्जा और शक्तियों के बारे में बातें करती रहती थीं। उनकी पहली पत्नी, मेरी माँ, छुपे हुए तत्वों और वास्तविकता को समझने की बात करती थीं। ज़ाहिर है, मेरे पिता की एक खास पसंद थी।
मैं अपार्टमेंट से निकला और एक बार फिर बार्सिलोना की सड़कों पर चलने लगा, मेरे विचार अभी भी मेरे पारिवारिक हालात से जुड़े हुए थे। उनसे कुछ समय के लिए दूर रहना अच्छा होता, लेकिन मुझे कार्यक्रम में दाखिला नहीं मिला था। जैसे-जैसे मैं साक्षात्कार के सवालों पर विचार करता गया, मुझे और भी बेहतर जवाब

सूझते गए जो मुझे देने चाहिए थे। यह निराशाजनक था। देखते ही देखते, मैं अपने पैरों पर खड़ा हो गया और वापस केंद्र की ओर चल पड़ा।
जब मैंने दोबारा उस शानदार इमारत की ओर देखा, तो मुझे एहसास हुआ कि मैं गार्गोयल्स का और भी ध्यान से अध्ययन करने का मौका इस्तेमाल कर सकता हूँ। कल मुझे सेंटर को पूरी तरह देखने का समय नहीं मिला था, इसलिए मैंने उसके चारों ओर घूमने का फैसला किया। इमारत पाँच मंज़िला लग रही थी। ऊपरी खिड़कियों के साथ-साथ खूबसूरत बालकनियाँ थीं। मैंने अपनी नज़रें छत की ओर उठाईं और जटिल नक्काशीदार गार्गोयल्स की प्रशंसा की। वे मुझे नीचे देख रहे थे। मेरे रोंगटे खड़े हो गए। ऐसा लगा जैसे वे सचमुच मुझे देख रहे हों। मैंने सोचा कि कितने लोगों को उन्होंने इस इमारत के पास से गुज़रते देखा होगा और वे कितनी कहानियाँ सुना सकते होंगे।
"इसे रोक।"
मैंने अपना सिर नीचे किया और आवाज़ का पीछा किया। मेरे बाईं ओर, मेरी उम्र के चार लोग—दो लड़के और दो लड़कियाँ—एक छोटे लड़के को घेरे हुए थे। वह बड़े लड़कों को घूर रहा था। उसकी मुट्ठियाँ बंधी हुई थीं और उसका जबड़ा हठपूर्वक कसा हुआ था।
लंबे लड़कों में से एक हँस पड़ा। "तुम इसके बारे में क्या करने वाले हो?"
"क्या आप सचमुच मुझे धमकी दे रहे हैं?" छोटे लड़के ने पूछा। उसने अपनी ठुड्डी ऊपर उठाई।
"अगर मैं हूँ तो क्या हुआ?" उसे सताने वाले ने उसे धीमी मुस्कान दी, जाहिर तौर पर छोटे को चिढ़ाने में उसे आनंद आ रहा था।
"अगर तुम मुझसे मुकाबला करने आ रहे हो तो तुम चारों को तैयार रहना होगा।" मैंने छोटे बच्चे की बहादुरी की प्रशंसा की।
"सच में? तुम अकेले ही हमें चुनौती दोगे?" बड़े वाले ने मुस्कुराते हुए कहा। उसकी मुस्कान से साफ झलक रहा था कि वह अपने प्रतिद्वंदी को धूल चटाने के लिए बेताब है।
मैं आगे बढ़ा। "वह अकेला नहीं होगा।"

वे सब मेरी ओर मुड़ गए। अगर मैं लड़ाई के लिए तैयार न होता, तो उनके चेहरों के हाव-भाव देखकर मुझे हंसी आ जाती।
लड़कियों में से एक ने भौंहें चढ़ाते हुए पूछा, "तुम कौन हो?"
"ऐसा व्यक्ति जिसे धमकियां देने वाले लोग पसंद नहीं हैं।" मैंने एक कदम और आगे बढ़ाया, मेरी मुट्ठियां कस गईं।
मैंने अपनी माँ के कहने पर आत्मरक्षा की कक्षाएं ली थीं। जब भी मैं उनसे मिलने जाती, वह मुझसे हर बार अपने दांव-पेच दिखाने को कहतीं ताकि मैं साबित कर सकूँ कि मुझे सब कुछ आता है। डॉक्टरों को लगा कि उन्होंने अपनी "शिक्षा" को कुछ ज़्यादा ही गंभीरता से ले लिया था, जब उन्होंने एक बार मुझ पर चाकू से हमला करने की कोशिश की। उस घटना के बाद मैंने और भी कक्षाएं लीं।
लड़की उलझन में दिखी। उसने उस लड़के की तरफ देखा जिसका मैं बचाव कर रहा था। "क्या वह तुम्हारी दोस्त है?"
मैं उसके चेहरे के भावों को समझ नहीं पाया। उनमें उलझन, जिज्ञासा और कुछ और भावों का मिश्रण था। फिर उसकी निगाहें तेज हो गईं। "क्या तुम मेरे साथ इन चारों से लड़ने को तैयार हो?"
"हां," मैंने कहा।
"क्यों? तुम तो मुझे जानते भी नहीं।" उसका सिर एक तरफ झुका हुआ था, मानो वह मेरे जवाब का इंतज़ार कर रहा हो। उसकी निगाहें इतनी गहरी थीं कि मुझे डर था कि कहीं मेरा जवाब उसे निराश न कर दे।
"जैसा कि मैंने कहा, मुझे धौंस जमाने वाले लोग पसंद नहीं हैं।"
मेरे जवाब पर सन्नाटा छा गया। उसने अपना सिर उठाया मानो हवा को सूंघ रहा हो। उसने संतुष्टि से सिर हिलाकर मुझे इशारा किया।
"आपने महिला की बात सुन ली," उसने बाकी लोगों से कहा। "एक तरफ हट जाओ।"
चारों ने एक-दूसरे की ओर देखा। लड़कियों में से एक लड़के की ओर एक कदम बढ़ी और मैंने उसे रोकने के लिए कदम आगे बढ़ाया।
लड़की ने मेरी तरफ देखा। वह मेरे बिल्कुल सामने खड़ी थी। उसने कहा, "तुम गलती कर रहे हो। तुम्हें नहीं पता कि तुम किस मुसीबत में फंस रहे हो।"

मैं अपनी बात पर अड़ा रहा। "मैं एक नौजवान के खिलाफ चार लोगों को देख रहा हूँ। मुझे लगता है कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि मुझे किस पक्ष का साथ देना चाहिए।"
उसने सिर पीछे करके ठहाका लगाया। मैं हैरानी से पलकें झपका गया। मुझे ऐसी प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं थी। उसने मेरी तरफ से उस लड़के की ओर देखा। "हम बाद में बात करेंगे। चलो," उसने अपने दोस्तों को निर्देश दिया। बिना कुछ और कहे, वह मुड़ी और बाकी तीन बदमाशों के साथ चली गई।
मेरे शरीर से एड्रेनालाईन का असर कम होते ही मैंने राहत की सांस ली। आखिरकार मुझे लड़ना नहीं पड़ेगा। मैंने उन्हें जाते हुए देखा। लड़कियों ने मेरी तरफ मुड़कर नहीं देखा, लेकिन जाते समय लड़कों ने मुझे गौर से देखा।
"तो क्या आप अक्सर रक्षक की भूमिका निभाते हैं?"
मैं मुड़ गया। लड़का मेरे जवाब का इंतजार कर रहा था।
"नहीं, लेकिन मैं उन्हें तुम्हें नुकसान पहुंचाने नहीं दे सकता था।"
वह मुस्कुराया। "वे मुझे नुकसान नहीं पहुंचाएंगे।"
मुझे तो ऐसा नहीं लगा।
लड़के की मुस्कान और चौड़ी हो गई। "नहीं, मुझे लगता है ऐसा नहीं हुआ। मेरा नाम क्रिस्टोफर है।" उसने मुझे अपना हाथ बढ़ाया।
मैंने उससे हाथ मिलाया। "मैं वैनेसा हूँ।"
"तुम यहाँ क्या कर रही हो, वैनेसा? भाग्य के किस मोड़ ने तुम्हें आज मेरा रक्षक बना दिया?"
"मैं कल एक साक्षात्कार के लिए आया था, लेकिन यहाँ रहते हुए मुझे गार्गोयल्स का अध्ययन करने का मौका नहीं मिला। इसलिए मैं उन्हें देखने के लिए वापस आया हूँ।"
उसने भौंहें चढ़ा लीं। "क्या कोई खास वजह है कि आपको इन खास गार्गोयल्स में दिलचस्पी है?"
"मुझे शहर के गार्गोयल बहुत पसंद हैं," मैंने बताया। "वे बहुत विविध हैं। मैं उन्हें देखकर उनकी तस्वीरें खींचकर अपने संग्रह में शामिल कर लेती हूँ। मैंने एक जगह पर इतने सारे ड्रैगन गार्गोयल कभी नहीं देखे, लेकिन शायद यह स्वाभाविक है

क्योंकि यह ड्रैगन अनुसंधान और प्राधिकरण केंद्र है। वे जादुई हैं।" मुझे एहसास हुआ कि मैं बहुत ज्यादा बोल रही हूँ, इसलिए मैं अचानक रुक गई।
वह मुस्कुराया। "क्या आप जादू में विश्वास करते हैं?"
"कभी-कभी।" कभी-कभी मुझे लगता है कि काश यह होता ताकि मैं भाग सकूँ।
"क्या आपको लगता है कि गार्गोयल हिलते-डुलते हैं?"
"अगर वे ऐसा कर दें तो यह जादुई होगा।" मैं मुस्कुराया, उस लड़के की हिलते-डुलते गार्गोयल की कल्पनाओं में खो गया।
"कल आपने इस कार्यक्रम के लिए आवेदन क्यों किया?" उसकी आँखों में जिज्ञासा की चमक थी। "और आपको इसके बारे में कैसे पता चला? मुझे हमेशा इस बारे में जानने की उत्सुकता रहती है।"
"मुझे लगा ये तो किस्मत थी। कुछ दिन पहले एक पत्थर का टुकड़ा लगभग मेरे ऊपर गिर पड़ा था, और मैंने वो पोस्टर सिर्फ इसलिए देखा क्योंकि मैं उससे बच गया था।" मैंने कंधे उचका दिए। "लेकिन मैं गलत था। ऐसा होना ही नहीं था।"
"मुझे इस बारे में इतना यकीन नहीं है," उसने धीमी आवाज़ में कहा। उसकी आवाज़ इतनी धीमी थी कि शायद उसे लगा कि मैंने उसे सुना ही नहीं।
"चलो," उसने कहा और सेंटर के दरवाजों की ओर चल पड़ा।
मैं वहीं जड़वत खड़ा रह गया। उसने पीछे मुड़कर देखा और रुक गया। "किस बात का इंतज़ार कर रहे हो?"
मेरे पैर चलने लगे। "हम कहाँ जा रहे हैं?"
"तुम्हें पता चल जाएगा।" क्रिस्टोफर ने मुझे एक बड़ी सी मुस्कान दी और फिर से चलने लगा।
वह मुझे गलियारों के एक भूलभुलैया से होते हुए एक दरवाजे तक ले गया और मैं उसके पीछे-पीछे अंदर चला गया। मैंने उस कमरे को पहचान लिया जहाँ मेरा साक्षात्कार हुआ था। यह एक अलग प्रवेश द्वार था। वही तीन लोग अभी भी मेज पर बैठे थे। हमारे प्रवेश करते ही उन्होंने अपना सिर ऊपर उठाया।
सुनहरे बालों वाली महिला खड़ी हो गई। "क्रिस्टोफर, आप यहाँ क्यों आए हैं?"
"मैं चाहता हूं कि इस लड़की को डीआरएसी आउटरीच कार्यक्रम में भर्ती कराया जाए।"

"क्या आप चाहती हैं कि वह DRIP कार्यक्रम में भाग ले?" महिला ने भौंहें चढ़ाते हुए कहा। "कल उसका आवेदन खारिज कर दिया गया था।"
"किन कारणों से?"
उन्होंने कहा, "अपर्याप्त उपयोग।"
"किस तरीके से?"
"दिशा का अभाव। भविष्य में अनिश्चित मूल्य। निवास स्थान को लेकर अनिर्णायक।"
मैंने विरोध करते हुए कहा, "मैंने तुम्हें बताया था कि मैं यहीं रहता हूँ।"
महिला ने कंधे उचकाते हुए कहा, "लेकिन आपको पता नहीं था कि आप कहाँ जा रहे हैं।"
मैंने बचाव करते हुए कहा, "मैं एक किशोरी हूँ।"
"यह कोई बहाना नहीं चलेगा।" उसने नाक सिकोड़ी।
मैं अवाक रह गया।
"उसका दाखिला कराओ," क्रिस्टोफर ने हमारी बातचीत को बीच में रोकते हुए कहा।
"लेकिन अंतिम बारह उम्मीदवारों का चयन हो चुका है और उन्हें सूचित भी कर दिया गया है।" सुनहरे बालों वाली महिला ने मुझे नाराज़गी भरी नज़र से देखा। स्पष्ट था कि मैं उसके लिए और काम बढ़ा रहा था।
क्रिस्टोफर ने कंधे उचकाते हुए कहा, "तो इस साल कक्षा में तेरह छात्र होंगे।"
"ऐसा पहले कभी नहीं हुआ," महिला ने विरोध करते हुए कहा। "उसमें ऐसी क्या खास बात है?"
"उसने बहादुरी और आंतरिक शक्ति का प्रदर्शन किया। इसिडोरा, उसका दाखिला कराओ। मुझे यह बात तीसरी बार न कहनी पड़े।"
महिला ने अपना सिर झुकाया, मानो प्रणाम कर रही हो। "जी सर।"
मैं असमंजस में पड़कर उन दोनों को देखने लगी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि वह बुजुर्ग महिला क्रिस्टोफर के प्रति इतना आदर क्यों दिखा रही थी, मानो वह उससे श्रेष्ठ हो। उसने मुझे आँख मारी और कहा, "हर ड्रैगन को एक योद्धा की ज़रूरत होती है। तुम मेरी योद्धा हो।"

कमरे में मौजूद अन्य लोगों में से एक के मुंह से एक सिसकी निकली, जो जल्दी से दब गई।
उसकी मुस्कान और चौड़ी हो गई। उसे इस बात पर मज़ा आ रहा था कि उसने उन्हें चौंका दिया था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्यों। उसने इसिडोरा से पूछा, "कल वह कितने बजे यहाँ आएगी?"
"सुबह के नौ बजे," उसने निराशा भरे लहजे में कहा।
"बहुत बढ़िया। उसका परिचय पत्र और सामग्री तैयार कर दो, मैं उसे वापस लेने के लिए ले आऊंगा।" क्रिस्टोफर मेरी ओर मुड़ा। "मेरे साथ आओ, मैं तुम्हें जगह घुमा देता हूँ। आँगन में कुछ शानदार गार्गोयल हैं। तुम्हें वे बहुत पसंद आएंगे।"
और बस इसी तरह मैं उस कार्यक्रम का हिस्सा बन गया।

चार

अध्याय 4

मैं अनुरोध के अनुसार सुबह नौ बजे ड्रैगन अनुसंधान और प्राधिकरण केंद्र पर पहुँच गया।
कल का दिन बहुत भागदौड़ भरा था। मुझे अपने पिता के हस्ताक्षर के लिए एक अनुबंध दिया गया। उन्हें मनाने में थोड़ा समय लगा, लेकिन जब मैंने उन्हें ड्रैगन रिसर्च इनिशिएट प्रोग्राम के पूर्व प्रतिभागियों की जानकारी देने वाली वेबसाइट दिखाई, तो उनका रवैया काफी नरम पड़ गया। वेबसाइट पर दिखाए गए सभी पूर्व प्रतिभागी बेहद सफल रहे थे। सच कहूँ तो, मैं अपने पिता की हिचकिचाहट के लिए उन्हें दोष नहीं दे सकती। उन्हें यह बात अजीब लगी होगी कि मैं एक ऐसे बोर्डिंग स्कूल में पढ़ने जा रही हूँ जिसके बारे में उन्हें कुछ भी पता नहीं था। वेबसाइट पर सभी पूर्व छात्रों की सूची देखकर, उन्हें मानना ही पड़ा कि यहाँ की शिक्षा कहीं और मिलने वाली शिक्षा से कहीं बेहतर है। मैंने उन्हें बताया कि कार्यक्रम में ट्यूशन और भोजन का खर्च शामिल है, यह मुफ्त शिक्षा है। जब मैंने उन्हें बताया कि मैं

सप्ताहांत में परिवार से मिल पाऊँगी, तो वे मान गए और आखिरकार उन्होंने कागज़ात पर हस्ताक्षर कर दिए।
मैं मुक्त था।
परिचयात्मक पैकेट बहुत संक्षिप्त था, उसमें केवल कुछ ही कागज़ थे जिनमें लिखा था कि कार्यक्रम शुरू होने के बाद हमें इसके बारे में और अधिक जानकारी मिलेगी। उसमें परिवीक्षा अवधि का कोई ज़िक्र नहीं था, लेकिन मैं इस बार कोई गलती न करने के लिए दृढ़ संकल्पित था, चाहे परिवीक्षा अवधि हो या न हो।
मैं फिर से प्रतीक्षाकक्ष में थी। इस बार मेरे साथ बारह और लोग बैठे थे। मैंने मैरिबेल को देखकर मुस्कुराया। उसने मुझे एक तरफा मुस्कान दी। उसे यह जानने की ज़रूरत नहीं थी कि मैं क्रिस्टोफर के प्रभाव के कारण संयोगवश इस कार्यक्रम में शामिल हुई थी। उसकी शक्ति का रहस्य अब भी मुझे आकर्षित कर रहा था। मुझे इसके बारे में और जानकारी जुटानी होगी।
कुछ लोग आपस में घबराकर बातें कर रहे थे, लेकिन माहौल में उत्साह साफ झलक रहा था। हममें से किसी को नहीं पता था कि आगे क्या होने वाला है। मैंने कमरे में नज़र घुमाई और पाया कि वहाँ सात लड़के और पाँच लड़कियाँ थीं। अगर मैं कार्यक्रम में शामिल न होता तो संख्या बारह होती।
साक्षात्कार लेने वाला व्यक्ति बाहर आया। उसने हम सबकी गिनती की। उसने खुद को सिर हिलाकर अभिवादन किया और बोलना शुरू किया। "मेरा नाम गिलन है और मैं इस कार्यक्रम की अवधि के दौरान आपका प्रशिक्षक रहूंगा। ड्रैगन रिसर्च इनिशिएट प्रोग्राम में चुने जाने पर आपको बधाई। एक प्रतिभागी के रूप में, आप कुछ चुनिंदा लोगों में शामिल हो गए हैं। ड्रैगन रिसर्च एंड अथॉरिटी सेंटर आपके साथ साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध है और आपके शैक्षिक और व्यावसायिक जीवन में एक महत्वपूर्ण योगदान देगा। पिछले प्रतिभागियों को इस कार्यक्रम से बहुत लाभ हुआ है। आपको इसका भरपूर लाभ उठाना चाहिए।"
वह रुका। उसकी भूरी आँखें हमारे समूह पर टिकी थीं। "आज ओरिएंटेशन का दिन है। आपको एक साथ बहुत सारी जानकारी मिलेगी। कुछ जानकारी आपको भारी लग सकती है। अगर आपको बात करनी हो, तो मैं उपलब्ध हूँ। आपके मन में

कोई भी सवाल हो, तो बेझिझक मुझसे पूछें। लौटने पर आपको आपके रहने की जगह दिखाई जाएगी। आपका सामान पहले ही वहाँ पहुँचा दिया गया है।"
"क्या सबके पास अपनी अनुसूची की एक प्रति है?" उनके इस प्रश्न के उत्तर में एक साथ कई लोगों ने 'हां' कहा।
उन्होंने आगे कहा, "इस क्षण से, आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप कार्यक्रम में उल्लिखित प्रत्येक कार्यक्रम में उपस्थित हों। अनुपस्थित रहने पर आपको कार्यक्रम से निष्कासित कर दिया जाएगा। कोई बहाना नहीं चलेगा।"
मेरे बाईं ओर, काले बालों वाले एक लड़के ने हाथ उठाया। "मेरी इस महीने की बीस तारीख को व्यस्तता है। मैं यहाँ नहीं आ पाऊँगा।"
"आप जा सकते हैं।" गिलन ने काउंटर के पीछे खड़ी महिला की ओर इशारा करते हुए कहा। "कृपया शेड्यूल और हैंडबुक की अपनी प्रति पाओला के पास छोड़ दें।"
लड़के ने पलकें झपकाईं। "लेकिन..."
गिलन ने लड़के के स्पष्टीकरण का इंतजार नहीं किया। "कोई अपवाद नहीं। हमारे पास ज्यादा समय नहीं है, इसलिए मैं आपसे जल्दी करने का अनुरोध करता हूँ।"
कमरे में बस एक ही आवाज़ थी, वो थी लड़के का अपनी सीट से उठकर गिलन के निर्देशों का पालन करना। हम सबने देखा कि उसने बड़ी गंभीरता से अपना सामान पाओला को सौंप दिया। उसने गिलन को अविश्वास भरी निगाहों से देखा, मानो उनके पुनर्विचार का इंतज़ार कर रहा हो, लेकिन गिलन उसकी तरफ देख ही नहीं रहे थे। लड़का मुँह फेरकर चला गया, उसके कंधे झुके हुए थे। मैं उसे कमरे से जाते हुए नहीं देख सका, इसलिए मैंने अपनी स्नीकर्स को घूरना ही बेहतर समझा।
लड़के के पीछे दरवाजा बंद होते ही गिलन बोला, "क्या किसी और को कोई समस्या है? मैं चाहता हूँ कि तुम अभी चले जाओ, बाद में नहीं। आज के बाद तुम्हारे पास मरने के अलावा कोई चारा नहीं है। समझे?"
मौत? मैंने झट से अपना सिर उठाया। गुइलेन का चेहरा भावहीन था। एक अजीब सी बेचैनी के साथ मुझे एहसास हुआ कि वह जो कह रहा था, वह सच था। यह किस तरह का कार्यक्रम था? मैंने चुपके से बाकी लोगों पर नज़र डाली और देखा कि उनमें से ज़्यादातर मेरी ही तरह सहमे हुए थे। मैं बढ़ती हुई आशंका के साथ गुइलेन के आगे बोलने का इंतज़ार करने लगा।

"और कोई नहीं? ठीक है फिर।" उन्होंने मेरी तरफ मुस्कुराते हुए कहा, उनकी मुस्कान उनकी आँखों तक नहीं पहुँची। "वाह, देखो तो सही। लगता है मेरी कक्षा में बारह ही होंगे। मुझे सम संख्याएँ बहुत पसंद हैं।"
जब बाकी लोग मेरी तरफ घूरने लगे तो मुझे लगा कि मेरा चेहरा लाल हो गया है।
"चलिए पता लगाते हैं कि सबका नाम क्या है," गुइलेन ने आगे कहा। "बताइए, आपका नाम क्या है?" उन्होंने मुझसे पूछा।
"मैं वैनेसा हूँ," मैंने कहा। गिलन की नज़र मेरे बाईं ओर बैठे लड़के पर पड़ी। सभी ने जल्दी-जल्दी अपने नाम बताए।
मैं केविन हूँ।
"एलेना।"
"आइरिस।"
"क्वेंटिन।"
"जोर्डी।"
मैं ओलिवर हूँ।
"मैरिबेल।"
"मैं पोल हूँ।" पोल के घुंघराले बाल बिखरे हुए थे और उसके चेहरे पर एक सुस्त मुस्कान थी। मैंने भी मुस्कुराकर जवाब दिया।
"फ्रेंको यहाँ है।"
"बीट्रिज़।"
"मैं लेइरे गोमेज़ हूँ। मेरे पिता रामोन गोमेज़ हैं।" लेइरे की नाक उठी हुई थी जिससे उसका रूप-रंग घमंडी लगता था। उसने चुनौती भरे अंदाज़ में अपनी एक भौंह उठाई, लेकिन गिलन के चेहरे पर कोई भाव नहीं था। उसे साफ़ तौर पर इस बात से कोई फ़र्क नहीं पड़ता था कि उसके पिता कौन हैं। लेइरे के बगल में बैठी लड़की, बीट्रिज़ ने आँखें घुमाईं। मैंने अपनी मुस्कान छिपा ली।
"तुम बारह लोग मेरे साथ अपने ताबीज़ लेने चलो। चलो चलते हैं।" गुइलेन आगे-आगे चलने लगा और हम सब उसके पीछे-पीछे चल दिए।

अध्याय 5

बाहर धूप खिली हुई थी। पक्षी चहचहा रहे थे और हल्की-हल्की हवा चल रही थी। मैंने गहरी सांस ली और घास की खुशबू को महसूस किया। खुली हवा में होना अच्छा लग रहा था। हम गिलन के पीछे-पीछे मुख्य सड़कों और संकरी भीतरी गलियों से होते हुए आगे बढ़े। हम एक तंग गली से निकले जो एक चौड़ी गली में खुलती थी। मैंने आश्चर्य से चारों ओर देखा। मुझे लगा था कि मैंने एल बोर्न जिले का हर कोना देख लिया है, लेकिन मैं यहाँ पहले कभी नहीं आया था।

गिलन एक दुकान के प्रवेश द्वार पर रुका और उसकी नज़रें हम सब पर इस तरह घूमीं मानो वह गिन रहा हो कि हम सब मौजूद हैं या नहीं। हम एक बड़ी खिड़की के सामने खड़े थे जिसमें सुंदर आभूषणों के डिज़ाइन प्रदर्शित थे। दरवाजे के ऊपर लगे साइनबोर्ड पर सुनहरे अक्षरों में करम ज्वैलरी लिखा था। गिलन ने दरवाजा खोला और हम उसके पीछे-पीछे अंदर चले गए। दुकान इतनी विशाल थी कि हम पचास लोग आराम से समा सकते थे, फिर भी आरामदायक महसूस हो रही थी। कमरे के बीच में गहरे रंग की लकड़ी और कांच से बना एक डिस्प्ले केस था जिसमें शानदार आभूषण रखे थे। बड़ी खिड़कियों से आती रोशनी से अंदर रखे आभूषण हीरे और रत्नों पर पड़ने वाली चमक से जगमगा रहे थे।

"ये दीना हैं," गिलन ने कहा। "ये करम ज्वैलरी की मालकिन हैं। इस कार्यक्रम के तहत आपको एक ताबीज दिया जाएगा। आप कोई भी गहना चुनिए और दीना उसमें एक रत्न जोड़कर उसे आपके लिए खास बना देंगी।" ज्वैलर ने अपनी तर्जनी और अंगूठे के बीच एक लाल रत्न दिखाया। उसने अपना हाथ हिलाया और ऐसा लगा जैसे पत्थर के अंदर एक छोटी सी आग जल रही हो।

गिलन ने आगे कहा, "केंद्र आपके ताबीज़ों का भुगतान करेगा। आपको इन्हें दिन-रात हर समय पहनना होगा। स्टोर में घूमकर सोच-समझकर चुनाव करें। आप एक ताबीज़ चुन सकते हैं, लेकिन सुनिश्चित करें कि वह ऐसा हो जिसे आप रोज़ाना आराम से पहन सकें।"

लेयर ने पूछा, "कुछ भी?"
"कुछ भी।" गुइलेन ने अपने दांत दिखाए। शायद यह मुस्कुराने की कोशिश थी।
भूरे बालों वाले एक दुबले-पतले लड़के ने कहा, "मैं गहने नहीं पहनता।"
"उसके पास बैज, पिन और कफ़लिंक का अच्छा संग्रह है। मैं कफ़लिंक न खरीदने की सलाह दूंगी। टी-शर्ट के साथ इन्हें पहनना मुश्किल होता है। आप चाहें तो देख लीजिए। आपके पास चुनने के लिए तीस मिनट हैं।"
लीरे तेजी से दुकान के केंद्र की ओर, बड़े कांच के डिस्प्ले केस की तरफ बढ़ी। बाकी लोग अलग-अलग दिशाओं में चले गए।
मेरे बगल में बैठी लड़की ने नाक सिकोड़ते हुए कहा, "उसकी आदत ही यही है कि वह सबसे महंगी चीजें ही ढूंढती है।"
मैंने उसकी तरफ देखा। यह वही लड़की थी जिसने थोड़ी देर पहले लेयर के परिचय देने पर अपनी आँखें घुमाई थीं: बीट्रिज़। "क्या तुम उसे जानती हो?" मैंने पूछा।
उसने मुंह बनाया। "वह हमारे परिवार की दोस्त है। हम बचपन से एक-दूसरे को जानते हैं। वह थोड़ी ज्यादा ही नखरे वाली है। मेरा नाम बीट्रिज़ है। आपका नाम क्या है?"
मैंने कहा, "वैनेसा।"
"आप बार्सिलोना में नए हैं।" यह सवाल जैसा नहीं लग रहा था।
"हां तुम्हें कैसे पता?"
बीट्रिज़ ने मुझे गौर से देखा। "तुममें कुछ अलग बात है। मैं समझ नहीं पा रही, पर तुम सबसे अलग दिखते हो। बाकी सब लोग एक खास अंदाज़ में चलते हैं। मैं इसे ठीक से समझा नहीं सकती।" उसने दुकान में फैले हुए हमारे समूह के बाकी लोगों की ओर इशारा करते हुए कहा, "चलो, अपने ताबीज़ चुन लेते हैं, इससे पहले कि वे सब बिक जाएँ।"
बीट्रिज़ अपनी दाहिनी ओर वाली शेल्फ की तरफ बढ़ी और मैं उसके पीछे-पीछे गया। दुकान में कई अलमारियाँ थीं जो उसी भूरे रंग की लकड़ी से बनी थीं जिससे दुकान के बीच में रखा डिस्प्ले केस बना था। ये अलमारियाँ गहनों की शोभा बढ़ा रही थीं। जिस अलमारी के पास हम खड़े थे, उसमें अंगूठियों की कतारें लगी थीं।

सोने, गुलाबी सोने और चांदी की आधुनिक डिज़ाइन वाली अंगूठियाँ। बीट्रिज़ ने एक-एक करके अंगूठियों को देखते हुए अपने होंठ दबाए। उसने मेरी तरफ देखा। "कुछ पसंद आया?"
"नहीं, ऐसा नहीं है।" मैंने अपने हाथ ऊपर उठाए। "मुझे अंगूठी पहनना उतना पसंद नहीं है।"
उसने अपना सिर झुकाया। "कान की बालियां? हार? पायल?"
मेरा हाथ गले में लटके पतले सोने के हार पर गया। "शायद इससे मेल खाने वाला कुछ मिल जाए?"
बीट्रिज़ कांच के बक्सों की कतारों में आगे बढ़ने लगी और मैं उसके पीछे-पीछे इत्मीनान से चल रहा था। उसने मुझे आवाज़ दी और एक बक्से की ओर इशारा करते हुए बोली, "यह ठीक रहेगा। यह तुम पर जंच रहा है।"
मैं उसके पास गया और उस चीज़ को देखा जिसकी ओर वह इशारा कर रही थी। वह एक गोल सोने का सिक्का लग रहा था जिस पर उड़ते हुए अजगर की आकृति बनी हुई थी। अजगर के ऊपर एक अर्धचंद्र और एक तारा बना हुआ था। तारे के केंद्र में एक हीरा जड़ा हुआ था। वह बेहद खूबसूरत था। लेकिन उस पर लगे भारी भरकम दाम से लग रहा था कि वह बहुत ही महंगा है।
मैंने बीट्रिज़ से धीरे से कहा, "मुझे लगता है कि हीरे को किसी रत्न से बदलना गलत होगा।"
"मैं इस गहने को फिर से बना सकती हूँ ताकि यह अर्धचंद्र और सूर्य का रूप ले ले। रत्न सूर्य के केंद्र में होगा," मेरे कंधे के ऊपर से एक आवाज़ आई। "इसे पहनकर देखो।"
डिजाइनर ने डिब्बा खोला और पेंडेंट बाहर निकाला। उसने इसे मेरे गले में पहनाने की पेशकश की और मैं मुड़ गई। जैसे ही सोने की चेन मेरे गले के गड्ढे में गिरी, मैंने उसे महसूस किया। उसकी लंबाई एकदम सही थी और वह बिल्कुल भी भारी नहीं लग रही थी। अगर ज़रूरत पड़े तो मैं इसे दिन-रात पहन सकती हूँ। मैंने शीशे में देखा और मुझे यह बहुत पसंद आया।
दीना मुझे इधर-उधर घूमते हुए देखती रही। उसने मुझे एक प्यारी सी मुस्कान दी। "तुम्हें क्या लगता है?"

"अर्धचंद्र और सूर्य?" मेरी आवाज में संदेह था।
"मुझ पर भरोसा रखो, मैं इसे कामयाब बना दूंगा। तुम्हें यह बहुत पसंद आएगा।"
"लेकिन कीमत..." मेरी आवाज़ रुक गई क्योंकि बीट्रिज़ ने मुझे कोहनी मारी। मुझे एहसास हुआ कि मैं डिज़ाइनर से कह रही थी कि उसका काम बहुत महंगा है। अपनी बेअदबी पर शर्मिंदा होकर मैंने झट से अपना मुंह बंद कर लिया।
उसने मुझे आँख मारी। "कीमत की चिंता मत करो। सेंटर के ग्राहक बहुत अच्छे हैं और बदले में उन्हें अच्छी छूट मिलती है। ड्रैगन अपना सोना देने में बहुत नखरे करते हैं। क्या मैं इसे लिख लूँ?" दीना ने कलम और कागज हाथ में लिए मुझसे पूछा।
"जी हाँ, कृपया।" मैंने पेंडेंट को उतारकर केस पर सीधा रख दिया।
"तुम्हारा नाम क्या है?"
वैनेसा गार्सिया।
उसने कागज़ उठाया और सूची देखी, मेरा नाम मिलते ही उसने मेरा चयन लिख लिया। दीना ने मेरी तरफ मुस्कुराते हुए कहा, "मुझे यकीन है कि आपको अंतिम उत्पाद पसंद आएगा। कृपया मुझे माफ़ करें, मुझे बाकी लोगों की मदद करनी है।" वह लेइरे की तरफ चली गई, जो हाथ बांधे और उदास चेहरे के साथ खड़ी थी। मैंने कुछ मिनट तक उसे डिज़ाइनर से बहस करते देखा। मैं सोच रही थी कि क्या लेइरे का दिन खराब था या वह हमेशा ऐसी ही रहती है।
"देखा? मैंने कहा था ना कि सब ठीक है। मुझे अपना ढूंढने दो।" बीट्रिज़ मुस्कुराई।
"क्या आपने अपना आइटम चुन लिया?" गुइलेन मेरे बगल में आ खड़ा हुआ।
"हाँ, यही पेंडेंट।" मैंने उसकी ओर इशारा किया। जितना ज़्यादा मैं उसे देखती रही, उतना ही वह मुझे पसंद आने लगा। उसका आकार और माप मुझे प्राचीन ग्रीस के किसी सिक्के की याद दिलाता था। इस पर किसी पौराणिक जीव की आकृति अंकित करवाना उचित रहेगा।
गिलन ने हार को गौर से देखा। "यह ड्रैगन वाला हार? बिल्कुल भी शालीन नहीं है, है ना? जाओ और उन लोगों के साथ इंतज़ार करो जिन्होंने अपना हार चुन लिया है।"

हम इंतज़ार करते रहे जबकि बाकी चार प्रतिभागी अपने ताबीज़ खोजते रहे। मैंने अपने सामने बैठे दो लड़कों को कंगन और अंगूठी चुनने के फ़ायदों पर चर्चा करते सुना और बीट्रिज़ को एक डिस्प्ले केस से दूसरे डिस्प्ले केस में जाते देखा। लेयर अब गिलन से बहस कर रही थी, उसकी आवाज़ तेज़ हो गई थी। ऐसा लग रहा था कि वह दुकान की सबसे महंगी चीज़ खरीदना चाहती थी, चाहे वह कितनी भी व्यावहारिक क्यों न हो। गिलन के चेहरे के भाव समझना मुश्किल था। एक पल के लिए मुझे लगा कि काश यह समस्या उसी के साथ होती।
बाकी लोगों ने झुमके, पिन, कंगन, पायल और अंगूठियां चुनी थीं। हम तीनों ने ही हार चुने थे।
लड़कों में से एक ने पूछा, "तुम्हें क्या लगता है कि वे हमें ताबीज क्यों पहना रहे हैं?"
"वे शायद इनका इस्तेमाल हमारा पता लगाने के लिए करेंगे," मैरिबेल ने जवाब दिया। उसने अपने बैंगनी बालों की एक लट कान के पीछे दबा ली। उसने स्टड इयररिंग्स पहने थे।
"वे हमारा पीछा क्यों करेंगे?" एक गोरी लड़की ने भौंहें चढ़ाते हुए पूछा।
मैरिबेल ने कंधे उचकाते हुए कहा, "उसने हमसे इन्हें दिन-रात पहने रहने के लिए क्यों कहा? यह अजीब है, है ना?"
बाकी लोग भी सहमति में बुदबुदाए। हमें बिल्कुल भी पता नहीं था कि ये ताबीज किस काम आते हैं, लेकिन अंत में सब खुश थे क्योंकि हमें कुछ सुंदर चीज़ मिल रही थी।
या फिर हम ऐसा कर सकते थे अगर लेयरे ने कभी अपना मन बना लिया होता।

छह

अध्याय 6

सभी लोगों द्वारा अपने-अपने ताबीज़ चुन लेने के बाद, हम दुकान से बाहर निकले और गिलन के पीछे-पीछे उस इलाके का भ्रमण करने लगे। वह जगह-जगह

रुककर हमें कुछ खास दुकानों के बारे में बताते रहे।
"क्या तुम्हें पता है हम ये क्यों कर रहे हैं?" मैरिबेल ने अपने बगल में बैठे लड़के से पूछा। उसने कंधे उचकाकर जवाब दिया।
ऐसा लग रहा था कि मैं अकेली नहीं थी जो सोच रही थी कि इस दौरे का मकसद क्या था। डेढ़ घंटे बाद, हम खुद को करम ज्वैलरी के सामने वापस पाए। हम अंदर गए और दीना ने हमारे नाम पुकारते हुए हमें हमारे मनपसंद ताबीज़ सौंप दिए।
बीट्रिज़ ने अपनी अंगूठी देखकर स्तब्ध रह गई। उसने चांदी की एक अंगूठी चुनी थी जिसमें पहले छोटे हीरों से घिरा एक ओपल लगा हुआ था। अब ओपल की जगह एक चमकदार लाल रत्न जड़ा हुआ था। यह रत्न मुझे टाइगर-आई स्टोन की याद दिलाता था, जिस तरह से प्रकाश पड़ने पर यह चमकता था। यह देखकर आश्चर्य होता था कि पत्थर के भीतर का लाल और नारंगी रंग आग की लपटों जैसा दिखता था, मानो बीट्रिज़ ने अपने हाथों में एक छोटी सी आग पकड़ रखी हो।
दीना हमें ताबीज़ बांटती रहीं। ताबीज़ मिलते ही हमने उन्हें धन्यवाद दिया और हम सभी अपने डिज़ाइनों से खुश थे। मेरे पेंडेंट में तारे की जगह सूरज लगाने का उनका सुझाव बिल्कुल सही था। यह बेहद खूबसूरत लग रहा था और मुझे बहुत पसंद आया।
"दीना, आपकी कड़ी मेहनत के लिए धन्यवाद," गिलन ने हम सभी को अपने-अपने हिस्से मिल जाने के बाद कहा।
"मुझे बहुत खुशी हुई। मुझे उम्मीद है कि आप सभी को अपने नए ताबीज पसंद आएंगे। इन्हें अच्छे से पहनें।" दीना ने मुस्कुराते हुए हमारी ओर देखा।
गिलन हमें दुकान से बाहर ले गया और हम बत्तख के बच्चों की तरह उसके पीछे-पीछे चलने लगे जैसे बत्तख के बच्चे अपनी माँ के पीछे चलते हैं। हमें देखने वाले हर किसी को हम बस किसी फील्ड ट्रिप पर गए छात्रों जैसे ही लग रहे थे।
"अपने सामान उतारो," गिलन ने कहा। उसने तब तक इंतज़ार किया जब तक हम सभी ने उसकी बात नहीं मान ली। फिर उसने अपनी जेब से एक छोटा सा मखमली थैला निकाला। "मुझे दे दो।"
हमने एक-दूसरे को हैरानी भरी नजरों से देखा और उन्हें देने के लिए आगे बढ़े। उसने एक-एक करके ताबीज़ थैले में रख दिए। "ठीक है, चलो चलते हैं।"

हम उसके पीछे-पीछे गली में तब तक चलते रहे जब तक वह रुक नहीं गया। हमारे चारों ओर भीड़भाड़ थी, लोग काम पर जा रहे थे या अपने काम निपटा रहे थे। कुछ पर्यटक वास्तुकला की तस्वीरें लेने के लिए रुके हुए थे, लेकिन बड़े समूह अभी तक बाहर नहीं निकले थे।
"सड़क के उस पार देखो। तुम्हें क्या दिखाई देता है?" उसने हमसे पूछा।
मेरी नज़रें आसपास की दुकानों पर टिक गईं। हम उसी इलाके में थे जहाँ वह हमें पहले घुमाने के लिए लाया था। ऐसा लग रहा था जैसे उसे इस जगह से बहुत लगाव हो।
"एक बंद प्राचीन वस्तुओं की दुकान," क्वेंटिन ने कहा।
"एक शौक की दुकान," एलेना ने कहा।
"एक गिरवी की दुकान," केविन ने आगे कहा।
गिलन को मिली प्रतिक्रियाओं में अंतर देखकर खुशी हुई। "अपने ताबीज वापस ले लो और उन्हें पहन लो।"
मैंने अपनी बारी का इंतज़ार किया जबकि मुझसे आगे खड़े लोगों ने अपनी बारी ले ली। जैसे ही मेरे साथियों ने अपने-अपने ताबीज़ पहने, समूह में मौजूद सभी लोग हैरानी से चौंक उठे। मैंने जल्दी से अपना हार वापस पहन लिया और पलकें झपकाईं। मेरे आस-पास के लोग हैरानी जताते रहे। हमारे सामने सड़क के उस पार एक दुकान थी जो कुछ देर पहले तक वहाँ नहीं थी। एक बड़े से बोर्ड पर लिखा था, "जादुई प्रतीक"।
जब हम शांत हुए, तो गुइलेन ने बताया कि अभी-अभी क्या हुआ था। "आपके टोकन आपको एक ऐसी दुनिया में ले जाते हैं जो पहले आपसे छिपी हुई थी। अपने टोकन पहने रहें और आप वही देखेंगे जो हम देखते हैं। अपने चारों ओर देखें।"
"हम?" बीट्रिज़ ने दोहराया। हमने एक-दूसरे की ओर देखा। मैं अब भी सोच रही थी कि गिलन ने ऐसा कौन सा हथकंडा अपनाया था जिससे ऐसा लग रहा था मानो कोई दुकान अचानक प्रकट हो गई हो।
गिलन ने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बजाय, वह दृढ़ता से गलियों में चलने लगा और हम उसके पीछे-पीछे चले। कुछ लोग अपनी बालकनियों पर बैठे हुए हमारे समूह को देख रहे थे, लेकिन किसी ने हमारी तरफ ध्यान नहीं दिया। हम संकरी

गलियों से गुज़रे और रंग-बिरंगी इमारतों के पास से निकले जिन पर से पेंट उखड़ रहा था। इस इलाके में कुछ खूबसूरत भित्तिचित्र थे। मैं हमेशा से ही बेहतरीन कला की सराहना करता आया हूँ।
अचानक मुझे किसी के हांफने की आवाज़ सुनाई दी। मैंने दाईं ओर मुड़कर देखा तो बीट्रिज़ की आँखें चमक उठी हुई थीं। "क्या यह वही है जो मैं सोच रही हूँ?"
मैंने उसकी नज़र का पीछा किया और देखा कि एक लंबा-सा प्राणी हमारी ओर आ रहा है। दीवार पर बने भित्तिचित्रों में मेरी इतनी खोई हुई थी कि मैंने उसे देखा ही नहीं। मैं उसे टकटकी लगाकर देखती रही। वह लगभग एक पेड़ जैसा लग रहा था।
"यह क्या है?" मैंने बीट्रिज़ से फुसफुसाकर पूछा।
“मुझे लगता है यह एक अप्सरा है,” उसने जवाब दिया। बाकी समूह उस प्राणी को हमारे पास से गुजरते हुए देखकर अचंभित रह गया।
जैसे ही वह प्राणी हमारे पास से गुजरा, मानो जादू टूट गया हो, समूह आगे बढ़ता रहा। गिलन ने इन प्रतिक्रियाओं पर ध्यान नहीं दिया। हम दौड़कर उसके पास पहुँचे। वह एक गली में मुड़ गया। जब हम एक बेकरी के पास से गुजरे, तो मेरी पलकें झपकीं। बेकर के कान नुकीले थे। इसके अलावा, वे पूरी तरह से सामान्य दिख रहे थे। मुझे पता था कि यह एक और ऐसी छवि थी जिसे हम अपने ताबीज के बिना नहीं देख पाते। इससे पहले कि मैं बेकरी को दोबारा देख पाता, हम उस खुशबूदार दुकान को पार कर चुके थे।
सड़क पर थोड़ी दूर आगे जाकर एक संकरी गली खुल गई। इमारत के कोने पर एक छोटा सा भित्तिचित्र बना हुआ था। गिलन भित्तिचित्र के पास रुका और हमारी ओर मुड़ा। "ठीक है, तो आपने शायद पहले ही ताबीज़ों का असर देख लिया होगा।" उसने बीट्रिज़ की ओर देखा। "ये ताबीज़ आपको ऐसी जादुई चीज़ें देखने की शक्ति देते हैं जो आप जैसे गैर-जादुई इंसानों को दिखाई नहीं देतीं। एक छिपी हुई दुनिया, अगर आप चाहें तो।"
हमारे बीच कानाफूसी और सवालों का तूफान सा मच गया।
"जादुई चीजें?"
"छिपी हुई दुनिया?"
"क्या मैंने कोई चलता-फिरता पेड़ देखा?"

गिलन सवालों के बीच में ही बोलते रहे। "अगर आप अपना ताबीज उतार देंगे, तो आप गुप्त दुनिया को नहीं देख पाएंगे। ताबीज नियमों के तहत आते हैं, इसलिए आपके लिए अपने ताबीज का ध्यान रखना ज़रूरी है। अगर यह खो जाए, तो हमें तुरंत सूचित करें। क्या आप समझ गए?"
उनके सवाल के जवाब में एक साथ कई लोगों ने हां में जवाब दिया।
गिलन ने आगे कहा, "मुझे पता है कि आपमें से कई लोग इस कार्यक्रम में शामिल होने से उत्साहित हैं, और आपमें से कई लोगों ने अपनी देखभाल और भलाई के लिए केंद्र पर आँख बंद करके भरोसा किया है। हम पर आपके भरोसे के लिए हम आभारी हैं और हम इसे कायम रखेंगे। ड्रैगन्स के रूप में हम यही करते हैं।"
"ड्रैगन?" यह शब्द समूह में गूंज उठा। मेरा दिमाग तेज़ी से सोचने लगा। अचानक मुझे पर्चे पर लिखे सवाल समझ में आने लगे। मुझे क्रिस्टोफर के साथ हुई बातचीत याद आ गई। वह युवा था, लेकिन ज़िम्मेदार था। वह एक ड्रैगन था।
"ड्रैगन," गिलन ने दोहराया, जिससे समूह शांत हो गया। "ड्रैगन रिसर्च एंड अथॉरिटी सेंटर, जिसे संक्षेप में डीआरएसी कहते हैं, बार्सिलोना और आसपास के क्षेत्रों का प्रमुख प्राधिकरण है। हम डिएगो का अनुसरण करते हैं, जो ड्रैगन शिफ्टर्स का नेता है और उसके अधिकार क्षेत्र में रहने वाले अन्य शिफ्टर्स का भी। ड्रैगन रिसर्च इनिशिएट प्रोग्राम के प्रतिभागियों के रूप में, आप भी उसके अधिकार और संरक्षण में हैं।"
एक अकेला हाथ हवा में उठा हुआ था।
"जी?" गिलन ने केविन को पुकारा।
"ड्रैगन का रूप बदलने वाले?" उसने पूछा।
"ऐसे लोग जो ड्रैगन में बदल सकते हैं और ड्रैगन में भी बदल सकते हैं।"
"क्या तुम उनमें से एक हो?" केविन ने मुश्किल से अपनी बात कही।
"हां," गिलन ने पुष्टि की।
समूह में सन्नाटा छा गया। हम अपने प्रशिक्षक को घूर रहे थे, जिन्होंने अभी-अभी खुलासा किया था कि वे एक अलौकिक प्राणी हैं, और वो भी एक ड्रैगन। "कोई और सवाल? या मैं आगे बढ़ूँ? ठीक है, तो मेरा कर्तव्य है कि मैं आपको सूचित करूँ कि यद्यपि आप डीआरएसी की सुरक्षा में हैं, फिर भी आपको सावधानी बरतने की

आवश्यकता है। आपको अपने आस-पास के वातावरण के प्रति सजग रहना होगा।" उन्होंने इमारत पर लिखे भित्तिचित्र की ओर इशारा किया। "क्या कोई मुझे बता सकता है कि इसका क्या अर्थ है?"
मैंने बीट्रिज़ से हैरानी भरी नज़रें मिलाईं। उसने कंधे उचका दिए। बाकी सब भी हमारी तरह ही हैरान-परेशान दिख रहे थे।
गिलन ने समझाया, "हम ड्रैगन शहर और बाहरी इलाकों पर राज करते हैं। हालांकि, हम अलौकिक शक्तियों वाले प्राणी अलग-अलग इलाकों में आते-जाते हैं। ड्रिप में शामिल होने के नाते, समुदाय में आपकी एक खास हैसियत है। लेकिन इसका मतलब यह भी है कि बहुत से लोग अभी भी आपको सिर्फ इंसान ही समझते हैं। अपनी सुरक्षा के लिए हर समय सतर्क रहना और अपने आस-पास के माहौल से वाकिफ रहना आपकी ज़िम्मेदारी है।" उन्होंने एक बार फिर भित्तिचित्र की ओर इशारा करते हुए कहा, "जिन सड़कों पर आप चलते हैं, उन पर ध्यान दें। यह निशान दर्शाता है कि बिल्ली के रूप बदलने वाले प्राणी अक्सर इस सड़क पर आते-जाते हैं।"
"क्या इसका मतलब यह है कि हम यहां पैदल नहीं चल सकते?" लेयर ने पूछा।
उसने सिर हिलाया। "नहीं। लेकिन अगर तुम यहाँ आकर उन्हें ठेस पहुँचाते, तो बात अलग होती।"
"तो हमें यह जानने की क्या ज़रूरत है कि इस गली में कौन से अलौकिक प्राणी आते-जाते हैं?" पीछे से एक आवाज़ आई।
गिलन ने जवाब दिया, "क्योंकि ये निशान हैं। आप मानव मीडिया से जानते हैं कि आकार बदलने वाले प्राणियों और पिशाचों के बीच अच्छे संबंध नहीं होते। यह सच है और कुछ मामलों में तो यह बात कम ही कही गई है। दीवारों पर निशान लगाना सुरक्षा या खतरे का संकेत देता है। यह मुसीबत से बचने का एक तरीका है।"
"लेकिन अगर ड्रैगन राज करते हैं, तो क्या हर जगह ड्रैगन की आकृतियाँ नहीं होनी चाहिए?" लेयर ने पूछा।
उसकी निगाहें लेइरे पर टिकी हुई थीं। "हमारे निशान हर जगह हैं।"
"गार्गोयल्स," मैंने फुसफुसाते हुए कहा। बार्सिलोना में मैंने जितने भी ड्रैगन गार्गोयल्स देखे थे, वे अचानक समझ में आ गए। जब मैंने इंटरनेट पर उनके बारे में खोजबीन

की, तो मुझे यह स्पष्टीकरण मिला कि स्थानीय लोककथाओं और संस्कृति में कैटालोनिया के संरक्षक संत, सेंट जॉर्जी और एक अत्याचारी ड्रैगन पर उनकी प्रसिद्ध विजय पर विशेष बल दिया जाता है। गार्गोयल्स उनकी विजय का सम्मान करने के लिए बनाए गए थे। पौराणिक कथाओं में रुचि रखने वाले व्यक्ति के रूप में, मुझे यह कथा अच्छी लगी, लेकिन यह नया स्पष्टीकरण अधिक तर्कसंगत लगा।
गिलन ने मेरी ओर देखा। इस बार उसकी मुस्कान उसकी आँखों तक पहुँच गई। "बिल्कुल।"
मैंने बीट्रिज़ की ओर मुस्कुराने के लिए मुड़ा और लेइरे के गुस्से भरे चेहरे को देखा। किसी को यह पसंद नहीं आया कि सारा ध्यान उससे हट गया है।
गिलन ने हमारी ओर मुस्कुराते हुए कहा, "आप इसमें शामिल जादू-टोने को समझ नहीं पाएंगे, लेकिन यह इस बात का उदाहरण है कि आपके ताबीज कितने महत्वपूर्ण हैं। ये आपको वह सब देखने में सक्षम बनाएंगे जो हम देखते हैं, उन खतरों को देखने में जो हम देखते हैं। इनका अच्छे से उपयोग करें और याद रखें कि अगर ये खो जाएं तो तुरंत सूचना दें। अब मेरे पीछे आइए, मैं आपको कुछ और चमत्कार दिखाऊंगा।"
हम गली से बाहर निकले और मैजिक रून्स नामक दुकान की ओर चल पड़े।

सात

अध्याय 7

जैसे ही हम छोटी सी दुकान में दाखिल हुए, मुझे लौंग, दालचीनी और लैवेंडर की खुशबू आई। यह कोई बुरी खुशबू नहीं थी, बल्कि खुशबुओं का एक दिलचस्प मिश्रण था।
दुकान का अंदरूनी हिस्सा साफ-सुथरा और व्यवस्थित था। बाहर से जितना दिखता था, उससे कहीं ज़्यादा विशाल था। मुझे लगा शायद इसमें भी जादू का कुछ हाथ था। हम सब गिलन के बोलने का इंतज़ार कर रहे थे। गहरे बालों वाली एक

युवती काउंटर के पीछे खड़ी थी और हमें मुस्कुराती हुई नज़रों से देख रही थी। मुझे आश्चर्य हुआ कि गिलन ने कितनी बार लोगों के जीवन को उलट-पुलट कर देने के बाद, सदमे से भरे चेहरों वाले लोगों के समूह के साथ यहाँ प्रकट हुआ होगा।
"सब लोग कार्मेन से मिलिए। वह इस दुकान की मालकिन है। क्या कोई अंदाज़ा लगा सकता है कि कार्मेन किस तरह की अलौकिक शक्ति से ग्रसित है?" गिलन ने अंत में कहा।
"ज़ाहिर है, एक चुड़ैल।" लेयर मुस्कुराई। उसका इरादा दुकान मालिक को ठेस पहुँचाने का था।
"हाँ," कारमेन ने जवाब दिया। "मैं हूँ। मुझे दिख रहा है कि आप सभी को अपने ताबीज़ मिल गए हैं। दीना मेरी दोस्त है। वह बेहतरीन गहने बनाती है। अपने ताबीज़ का ध्यान रखना और खो जाने पर तुरंत इसकी सूचना देना।" उसने गिलन को हल्की सी मुस्कान दी। ऐसा लग रहा था जैसे उन दोनों के बीच कोई निजी मज़ाक चल रहा हो।
गिलन ने दुकान में चारों ओर इशारा करते हुए कहा, "एक नज़र डालिए और जान लीजिए कि ऐसी दुकान में क्या-क्या मिलता है।" इससे पहले कि हम वहाँ से हट पाते, पीछे दरवाजे पर लगी घंटी बज उठी। मैंने पीछे मुड़कर देखा, लेकिन मुझे एक खाली खुला दरवाजा ही दिखाई दिया।
अचानक हवा में एक झिलमिलाहट हुई और हमारे सामने एक गार्गोयल प्रकट हो गया।
मैं उछल पड़ा।
गार्गोयल ने एक कर्कश आवाज निकाली, जिसे सुनकर मुझे एहसास हुआ कि वह हंस रहा था।
"मातेउ, तुम्हें इस तरह अचानक प्रकट नहीं होना चाहिए था। तुमने उन्हें डरा दिया," कारमेन ने उसे फटकारा।
वह गार्गोयल कुत्ते की तरह पानी झाड़ते हुए कांप रहा था। मैं मंत्रमुग्ध होकर उसके शरीर की हरकतें देख रहा था, सोच रहा था कि किस जादू से पत्थर इतनी सहजता से हिल सकता है। वह अपने घुटनों के बल बैठा था। उसका चेहरा और शरीर जानवरों का एक अजीबोगरीब मिश्रण था। ऐसा लग रहा था मानो मूर्तिकार तय ही

नहीं कर पा रहा था कि वह आखिर क्या तराश रहा है। मुझे लगा कि उस गार्गोयल में कुछ जाना-पहचाना सा है।
मैंने भौंहें चढ़ा लीं। "मैं तुम्हें जानता हूँ। तुम बार्सिलोना कैथेड्रल के पुल पर बैठते हो। तुम अक्सर अपनी जीभ बाहर निकाले रहते हो।"
गार्गोयल हँसा। मातेउ ने गुइलेन से कहा, "तुम्हारे चंगुल में एक तेज़ नज़र वाला गार्गोयल है। तुम्हें ऐसे और लोगों की ज़रूरत है।"
मैंने उससे पूछा, "क्या सभी गार्गोयल तुम्हारी तरह ही चलते हैं?"
"ज़्यादातर गार्गोयल चल सकते हैं, लेकिन कुछ ने शीतनिद्रा में जाकर जमे रहने का विकल्प चुना है। आप यह नहीं बता पाएंगे कि वे कौन से हैं, इसलिए जब भी आप उनके आसपास हों, तो निश्चिंत रहें कि कोई न कोई हमेशा आपको देख रहा है।" मातेउ ने मेरी तरफ़ आँख मारी।
गिलन ने कहा, "गार्गॉयल्स हमारे महान सहयोगी हैं। वे ड्रैगन रिसर्च एंड अथॉरिटी सेंटर को एक महत्वपूर्ण सूचना नेटवर्क प्रदान करते हैं।"
"क्या वे डीआरएसी को रिपोर्ट करते हैं?" लेयर ने पूछा।
"नहीं," गार्गोयल ने तीखे स्वर में उत्तर दिया। "हम ड्रिप्स नहीं हैं।"
"मातेउ," कारमेन ने पीछे से उसे फटकारा।
मुझे आश्चर्य हुआ कि ड्रिप क्या होता है। केविन ने ज़ोर से पूछा। इस बार गिलन ने जवाब दिया। "ड्रैगन रिसर्च इनिशिएट प्रोग्राम का प्रतिभागी। ड्रिप।" उसने फिर से दुकान की ओर इशारा किया। "ठीक है, गार्गोयल्स के बारे में इतना काफी है। चारों ओर देख लीजिए, लेकिन किसी भी चीज़ को मत छूना। अगर आपने इसे तोड़ा तो आप पर श्राप लग सकता है।" गिलन दो आर्मचेयर वाले बैठने की जगह की ओर चला गया। कारमेन एक पिछले कमरे में गायब हो गई।
समूह तितर-बितर हो गया। बीट्रिज़ एक बड़ी किताबों की अलमारी की ओर बढ़ी। लेयर काउंटर पर रखे गहनों को देखने लगी। बाकी लोग दुकान में इधर-उधर घूमकर उपलब्ध सामान का जायजा लेने लगे।
गार्गोयल खिड़की के पास वाली सीट पर जाकर बैठ गया। कुछ पल हिचकिचाने के बाद, मैं भी उसके पीछे-पीछे बैठ गया।

"जब पत्थरों ने मुझे लगभग कुचल दिया था, तब क्या तुम वहाँ थे?" मैंने पूछा। मुझे यह गहरा संदेह था कि यह कोई दुर्घटना नहीं थी।
"मुझे बिल्कुल भी समझ नहीं आ रहा कि आप क्या कह रहे हैं।" उसने अपनी एक भौंह उठाई, उसके चेहरे पर हल्की सी आत्मसंतुष्ट मुस्कान थी। "कार्यक्रम अब तक कैसा चल रहा है?"
"यह अद्भुत है। मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि यह सब मेरे आस-पास ही था। काश मुझे इसके बारे में पहले पता चल जाता। काश मेरे पास जादू होता।"
मातेउ ने सिर हिलाया। "ऐसा सोचना भी मत। जैसे ही उन्हें पता चलेगा कि तुम्हारे पास जादू है, तुम्हें कार्यक्रम से निकाल दिया जाएगा।"
"क्यों?"
"किसी भी चुड़ैल या अलौकिक शक्ति वाले प्राणी को ड्रिप बनने की अनुमति नहीं है। केवल मनुष्य ही ड्रिप बन सकते हैं।"
मैंने पूछा, "क्या आप जानते हैं कि ऐसा क्यों है?"
"इस कार्यक्रम का पूरा उद्देश्य मनुष्यों का एक नेटवर्क बनाना है। गार्गोयल्स सूचना केंद्रों के रूप में काम करते हैं। आप मानवीय संपर्क सूत्र के रूप में कार्य करते हैं।"
"किस कारण के लिए?"
मातेउ ने आह भरी। "अलौकिक शक्तियां रखने वाले लोग बहुत लंबी उम्र जीते हैं। उन्हें वैध पहचान पत्र, बैंक खाते और अन्य कानूनी औपचारिकताओं के लिए अंदरूनी तौर पर किसी की ज़रूरत होती है। वे आपको सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए प्रशिक्षित करते हैं ताकि आप उनके लिए एक अधिक उपयोगी संपत्ति बन सकें। मेरी सलाह मानो और सफल बनो। एक सफल वकील बनो, एक महान राजनेता बनो और कानूनों में बदलाव लाओ, जो चाहो करो। बस सफल बनो।"
मैंने कार्यक्रम में अपने उद्देश्य के बारे में ज़्यादा सोचा नहीं था। ज़ाहिर है, ड्रैगन हमारे साथ जो कर रहे थे उसके पीछे कोई न कोई मकसद ज़रूर रहा होगा। मैंने अपने हाथों से गले में लटके हुए पेंडेंट को कसकर पकड़ लिया।
मातेउ की निगाहें मेरी हर हरकत पर टिकी थीं। "तुम्हारे गले में लटकने वाली उस अंगूठी की कीमत तो बहुत ज़्यादा है। तुम जैसे कई लोगों पर इतना पैसा क्यों खर्च

किया? उन्हें पता है कि बाद में तुम उन्हें जो कुछ दे सकते हो, उसके मुकाबले यह एक छोटा सा निवेश है।"
"जो वे मुझे दे रहे हैं, उसके बदले में यह एक उचित सौदा लगता है।"
"क्या यह उनके लिए उचित है कि वे आप सभी को हमेशा के लिए कर्ज में डूबा रखें?"
मैंने अपने निचले होंठ को चबाया।
मातेउ ने सिर हिलाया। "इस बारे में सोचो। याद रखना, जीवन में कुछ भी मुफ्त नहीं होता।"

आठ

अध्याय 8

कारमेन की दुकान पर जाने के बाद, गुइलेन हमें वापस सेंटर ले गए। हमने कैफ़ेटेरिया में खाना खाया, जो हमारे अलावा बिल्कुल खाली था। खाने के दौरान, गुइलेन ने बताया कि हम किसी भी समय खाना ले सकते हैं। खाना खत्म होने पर, उत्साह फिर से उमड़ आया; हर कोई यह जानने के लिए उत्सुक था कि हम आगे क्या सीखेंगे। जब गुइलेन ने दोपहर का भोजन समाप्त होने की घोषणा की, तो हम सभी उनके पीछे-पीछे अपने अगले पाठ के लिए दौड़ पड़े। उन्होंने हमें एक अन्य प्रशिक्षक, इसिडोरा को सौंप दिया, जो मेरे इंटरव्यू में दिखी सुनहरे बालों वाली महिला थीं।
"सब लोग ध्यान से सुनो," गिलन ने कहा। "अब से आप अपनी नियमित कक्षाओं के अलावा विशेष पाठ्यक्रम भी लेंगे। आप शत्रु से मुकाबला और आत्मरक्षा का पाठ्यक्रम लेंगे, जिसमें आप हमलावर अलौकिक शक्तियों को प्रभावी ढंग से खदेड़ना सीखेंगे। आप नेतृत्व की मूल बातें, खजाना ढूंढना, अवसरों की पहचान करना और सामुदायिक गतिशीलता का अध्ययन भी करेंगे। अंत में, आप ड्रैगन की बुनियादी बातें सीखेंगे। आपकी नियमित कक्षाएं सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे

तक चलेंगी, फिर हम दोपहर के भोजन के लिए रुकेंगे। कक्षाएं शाम पांच बजे से आठ बजे तक फिर से शुरू होंगी। इसके बाद का समय आपका अपना है। आप केंद्र में रह सकते हैं या जा सकते हैं, लेकिन ध्यान दें कि रात ग्यारह बजे के बाद आने वाले किसी भी व्यक्ति को अंदर आने की अनुमति नहीं होगी। कोई अपवाद नहीं। क्या यह स्पष्ट है?" गिलन ने हमारी सहमति की प्रतीक्षा की और फिर कमरे से चले गए।

इसिडोरा ने हम सभी का अध्ययन किया। "मैं आपको सलाह देती हूं कि आप निरंतर स्वयं को बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत रहें।"

मेरे पीछे खड़े एक लड़के ने कहा, "मैंने और ज्यादा स्कूल का काम ले लिया है?"

उसने लड़के की ओर मुड़कर कहा, "हाँ, लेकिन तुम्हें कहीं बेहतर शिक्षा मिलेगी, और कार्यक्रम पूरा करने के बाद डीआरएसी के सभी संसाधन तुम्हारे साथ होंगे। हम उत्कृष्टता की उम्मीद करते हैं। फिर से बता दूं, शाम आठ बजे के बाद का समय तुम्हारा है। सप्ताहांत में, तुम घर लौट सकते हो या डीआरएसी में रह सकते हो। कृपया ध्यान दें कि हम तुम्हारे द्वारा हस्ताक्षरित गोपनीयता समझौते का पूरी तरह पालन करते हैं। तुम यहाँ से प्राप्त किसी भी जानकारी या कार्यक्रम से संबंधित किसी भी बात का खुलासा नहीं कर सकते। इसका पालन न करने पर मृत्युदंड दिया जा सकता है।"

इस पर उसने अपना हाथ उठाया और हम सब भयभीत होकर देखते रहे जब उसकी उंगलियां पंजों में बदल गईं। उसने हममें से हर एक की आंखों में आंखें डालकर कहा, "मुझे तुम्हें मारने में कोई संकोच नहीं है। मेरी सहनशीलता को मित्रता मत समझो। मेरा काम DRAC के रहस्यों को सुरक्षित रखना है, और अगर इसका मतलब तुम्हें खत्म करना है, तो ऐसा ही सही।" उसके पंजे अंदर चले गए और उसने हम पर धमकी भरी मुस्कान बिखेरी।

मुझे धीरे-धीरे इस कार्यक्रम में दाखिला लेने के अपने फैसले पर संदेह होने लगा था। छिपी हुई अलौकिक दुनिया को देखना एक अविश्वसनीय उपहार था, लेकिन क्या यह जोखिम उठाने लायक था?

"मैं तुम्हें तुम्हारे विंग तक ले जाऊंगी।" इसिडोरा मुड़ी और हम उसके पीछे-पीछे चले।

बीट्रिज़, पोल के साथ मेरे पास आई। हम गलियारे में साथ-साथ चलते रहे।
मैंने उनसे पूछा, "क्या आप लोग भी मेरी तरह भाषणों से ऊब चुके हैं?"
"यह तो कमाल था।" पोल की उंगलियों ने पंजे की नकल बनाई।
मैं हँस पड़ा। "यह कितना आश्चर्यजनक है कि हम सभी मारे जा सकते हैं?"
"नियमों का पालन करो। किसी को मत बताना।" पोल ने अपनी सुस्त मुस्कान के साथ कहा, "यह तो काफी आसान लगता है।"
"सोचो ये रहस्य कितने बड़े हैं। ये कितनी अजीब बात है कि हम ये सब देख सकते हैं लेकिन हमारे परिवार का कोई भी सदस्य नहीं देख सकता?" बीट्रिज़ ने पूछा।
"हम खास हैं," लेयर ने हमारे पीछे से कहा। "हमें वो चीजें देखने की इजाज़त है जो दूसरों को नहीं दिखतीं।" जल्दी से आगे बढ़ने और लाइन में सबसे आगे जाने की हड़बड़ी में उसने बीट्रिज़ को एक तरफ धकेल दिया।
वह केंद्र एक उलझन भरी जगह थी, जो आपस में जुड़ी हुई गलियों और कई बंद दरवाजों से भरी हुई थी। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या किसी को पता है कि उन सभी दरवाजों के पीछे क्या है और चाबियां किसके पास हैं। जैसे-जैसे हम आगे बढ़े, मैंने दीवारों पर छोटे-छोटे लाल त्रिकोण देखे। वे उस दिशा की ओर इशारा कर रहे थे जिस ओर हम बढ़ रहे थे।
हमारी प्रशिक्षक हमें तीन मंजिल ऊपर ले गईं और एक बड़े दरवाजे तक ले गईं। वह उसके सामने खड़ी हो गईं, हमारी ओर मुंह करके। हम इंतजार करते रहे। मुझे इन बातों से थोड़ी ऊब होने लगी थी।
"आपको अपना कमरा अंदर ही मिल जाएगा। गलियारों में चलते समय आपने शायद लाल त्रिकोण देखे होंगे।" उसने अपने पीछे दीवार पर बने त्रिकोणों की ओर इशारा किया। "ये त्रिकोण आपको आपके विंग तक का रास्ता दिखाएंगे। इनका अनुसरण करें ताकि आप रास्ता न भटकें।"
अच्छा, इससे बात स्पष्ट हो गई।
अंदर प्रवेश करते ही एक कमरा चुन लें। अंदर बारह कमरे हैं, आपमें से प्रत्येक के लिए एक कमरा। एक साझा क्षेत्र भी है। वहां बैठते समय सम्मानपूर्वक व्यवहार करें क्योंकि अन्य लोग आपको सुन सकते हैं। आपका सामान अंदर रखा हुआ है।
"इतना बड़ा दरवाजा क्यों है?" पोल ने पूछा।

“आपकी सुरक्षा के लिए इसे ध्वनि-रोधक और अग्निरोधक बनाया गया है,” इसिडोरा ने उत्तर दिया। “यहाँ एक अध्ययन कक्ष और पढ़ने का स्थान, साथ ही एक टेलीविजन कक्ष भी है। कृपया एक-दूसरे के स्थान का सम्मान करें। ड्रैगन होने के नाते, हम निजता को बहुत गंभीरता से लेते हैं और बिना अनुमति के किसी के कमरे में प्रवेश करने पर दंड दिया जाएगा। आपको संबंधित दंड पुस्तिका में मिल जाएंगे। प्रत्येक कमरे में पुस्तिका और आपकी पाठ्यपुस्तकें हैं। इन्हें पढ़ लें और हम कल से शुरू करेंगे। आपका दिन लंबा रहा है, इसलिए आपको छुट्टी दी जा रही है। कैंटीन में भोजन परोसा जाएगा। कोई आपको रास्ता दिखाने के लिए लेने आएगा। तब तक अपने विंग में ही रहें।”

उसने दरवाजा धक्का देकर खोला और लेयर तेजी से अंदर भागी और मंजिल के दूसरे छोर पर चली गई। बीट्रिज़ और मैंने आँखें घुमाईं और धीमी गति से उसके पीछे-पीछे चले गए। कुछ अन्य लोग लेयर का अनुसरण करते हुए आगे भाग गए। मैंने बीट्रिज़ के कमरे के बगल वाला कमरा चुना। यह कमरा लेयर से जितना संभव हो उतना दूर था।

मुझे लगने लगा था कि उससे जितनी अधिक दूरी होगी, डीआरएसी में मेरा समय उतना ही बेहतर होगा।

नौ

अध्याय 9

अगले दिन हमें हमारे विंग से बाहर निकालकर वापस कैफेटेरिया ले जाया गया। मैंने धीरे-धीरे गलियारों को पहचानना शुरू किया और अपने दिमाग में एक नक्शा बनाना शुरू कर दिया। त्रिभुजों को देखकर निश्चित रूप से मदद मिली। कैफेटेरिया के दरवाजे पर हमारे गाइड ने हमें बताया कि हमें आधे घंटे के भीतर बगल वाले कमरे में रिपोर्ट करना है।

पिछली रात के विपरीत, आज सुबह कैफेटेरिया लोगों से भरा हुआ था। बीट्रिज़ और मैंने एक-दूसरे को हैरानी भरी निगाहों से देखा।
"ये बहुत खूबसूरत हैं," उसने फुसफुसाते हुए कहा।
मैंने मेजों पर बैठे या भोजन लेने के लिए कतार में खड़े सभी पुरुषों और महिलाओं को देखा। हर किसी के पास खाने से भरी एक ट्रे थी और वे हंसते-हंसते बड़े चाव से खा रहे थे। बीट्रिज़ सही कह रही थी। वे वाकई खूबसूरत थे। हर कोई सेहतमंद लग रहा था। क्या वे सभी ड्रैगन रूप बदलने वाले थे? मैंने क्रिस्टोफर को ढूंढा, लेकिन वह या उसके साथ उस दिन देखे गए बाकी चार लोग मुझे कहीं नहीं दिखे।
जैसे ही हम अंदर दाखिल हुए, कुछ लोगों ने हमारी तरफ देखा। मुझे एहसास हुआ कि दरवाजे पर सिर्फ हम दोनों ही खड़े हैं, इसलिए मैंने बीट्रिज़ को कोहनी मारी। मैंने कहा, "चलो कुछ खाना खाते हैं।"
हम भीड़ भरे कमरे से होते हुए कतार तक पहुँचे। मैंने एक ट्रे उठाई और एक बीट्रिज़ को दी। बिना सोचे समझे, मुझे जो भी खाना दिया गया, मैंने सब उठा लिया और अपनी प्लेट में भर लिया। अलौकिक शक्तियों की मौजूदगी से मेरा ध्यान इतना भटक गया था कि मुझे अपनी ट्रे पर बढ़ते खाने के ढेर का पता ही नहीं चला।
मेरे पीछे से एक आवाज हंसी। "नई ड्रिप को तो काफी भूख लगती है, है ना?"
मैंने आवाज़ की तरफ मुड़कर देखा कि वो किसके बारे में बात कर रहा है। गहरी नीली आँखें मेरी आँखों से मिलीं। मैंने अपनी ट्रे पर नज़र डाली और कैंटीन वाली महिला से लिया हुआ ढेर सारा खाना देखा। मेरा चेहरा शर्म से लाल हो गया।
"व्यक्तिगत रूप से, मुझे लगता है कि अच्छी भूख वाले लोग दिलचस्प होते हैं," उसके दोस्त ने कहा। "शक तो उन लोगों पर होता है जो खाना खाने से इनकार करते हैं।" वह मेरी ओर मुड़ा और मुझे एक प्यारी सी मुस्कान दी।
वे दोनों मेरे मन में योद्धाओं की जो छवि थी, उसका प्रतिनिधित्व करते थे। दोनों सुगठित थे, उनकी कमीजों के नीचे मांसपेशियां स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थीं।
"लाइन में कौन रुकावट डाल रहा है?" एक और आवाज ने पूछा।
जैसे ही मैं वहां से हटने लगी, मेरा चेहरा और भी गर्म हो गया। जल्दबाजी में मैं लड़खड़ा गई और मेरी ट्रे लगभग मेरे हाथों से गिर ही गई। एक आदमी ने उसे पकड़ लिया। "संभलकर। अपने खाने का पहाड़ मत गिरा देना।"

"धन्यवाद," मैंने धीरे से कहा और उस मेज की ओर भागा जहाँ बीट्रिज़ हमारे समूह के बाकी सदस्यों के साथ बैठी थी।
"वे कौन थे?" मेरे बैठते ही वह हैरानी से मेरी ओर देखने लगी।
"मुझें नहीं पता।"
"क्या तुम्हें लगता है कि उनमें से एक डिएगो का गुंडा है?" मैरिबेल ने मुंह भर अनाज चबाते हुए कहा।
"प्रवर्तनकर्ता?" मैंने पूछा।
उसने सिर हिलाया। "ज़ाहिर तौर पर वह डिएगो का दाहिना हाथ है। वह यहाँ मौजूद ड्रैगन रूप बदलने वालों में दूसरा सबसे शक्तिशाली है।"
"क्या आपको लगता है कि हम डिएगो से मिलेंगे?" बीट्रिज़ ने पूछा।
क्वेंटिन हँसा। "वह हमारे साथ क्या करना चाहेगा?"
"क्या ऐसा कोई नियम नहीं है कि उसे हमसे मिलना ही होगा? क्या वह यह नहीं जानना चाहेगा कि सेंटर के आसपास कौन घूम रहा है?" बीट्रिज़ ने अपना खाना खाते हुए कहा।
क्वेंटिन ने कहा, "मुझे लगता है कि वह यह काम कम महत्वपूर्ण लोगों पर छोड़ देता है।"
उनकी टिप्पणी पर गिलन ने अपना सिर घुमाया। उन्होंने भौंहें चढ़ाईं।
केविन ने क्वेंटिन को कोहनी मारी। "वे तुम्हें सुन सकते हैं।"
"क्या?" क्वेंटिन ने अपनी भौंहें सिकोड़ीं।
"ड्रैगन रूप बदलने वाले। वे तुम्हें सुन सकते हैं। सभी रूप बदलने वालों की सुनने की शक्ति बहुत तेज़ होती है। क्या तुमने कल उनकी बात नहीं सुनी? तुम्हें क्या लगता है कि उन्होंने हमारे इलाके को ध्वनिरोधक क्यों बनाया है?" केविन ने अपना सैंडविच मुंह तक उठाया और उसमें एक बाइट ली।
"मुझे नहीं पता," क्वेंटिन ने कंधे उचकाते हुए कहा। "मुझे लगा कि वे नहीं चाहते कि हम उन्हें सुनें।"
मैरिबेल सोच में पड़ गई। "क्या आपको लगता है कि वे अजगर में बदल जाते हैं और आग उगलते हैं?"
मैंने उससे फुसफुसाते हुए कहा, "वह तुम्हें सुन सकता है।"

गिलन की निगाह मुझ पर पड़ी। वह खड़ा हुआ और हमारी तरफ आया। "क्या आप सबका खाना हो गया? ऐसा लगता है कि आप खाने से ज़्यादा बातें करने में रुचि रखते हैं। आपके पास खाना खत्म करने और बाहर मुझसे मिलने के लिए पाँच मिनट का समय है।"
डांट सुनकर हम अपनी सीटों पर धंस गए। हमने जल्दी से खाना खाया और बाहर जाकर उनका इंतजार करने लगे।
वह हमें आंगन पार करके इमारत के दूसरे हिस्से में ले गया। उसने हमें कतार में खड़ा किया और जाने से पहले आखिरी बार कहा, "ठीक से पेश आओ।"
कमरा छोटा था। बारह डेस्क और कुर्सियाँ हमारा इंतज़ार कर रही थीं। कोने में एक बड़ी डेस्क पर एक अधेड़ उम्र की महिला बैठी थी। उसकी आँखें पन्ना जैसी हरी थीं और बाल रूई जैसे सुनहरे थे। हमारे आने पर उसने ऊपर देखा। "बहुत अच्छा, आप यहाँ हैं। बैठ जाइए ताकि हम शुरू कर सकें।" हम अपनी-अपनी सीटों पर बैठ गए। "ड्रैगन फंडामेंटल्स में आपका स्वागत है। मेरा नाम कार्लोटा है और यहाँ आप महत्वपूर्ण बातें सीखेंगे। आप सभी को आचार संहिता दी गई है। आपको ये कल अपने कमरों में मिल जानी चाहिए थी। क्या आप सभी ने इन्हें पढ़ लिया है? अगर पढ़ लिया है तो हाथ उठाएँ। ईमानदारी से बताएँ।"
कक्षा के तीन-चौथाई छात्रों ने हाथ उठाया। मैं भी उनमें से एक था। मैं हमेशा जरूरत से ज्यादा तैयारी करता था।
"बहुत खूब। बाकी सब लोग आचार संहिता को ध्यान से पढ़ लें, खासकर इसलिए क्योंकि यह जीवन और मृत्यु का मामला हो सकता है।" उन्होंने मुस्कुराते हुए आगे कहा, "ड्रैगन के बारे में कुछ बुनियादी बातें। हम क्षेत्रीय प्राणी हैं। कुछ स्थान वर्जित हैं। अवज्ञा करके उस क्षेत्र में प्रवेश करना जहाँ आपका अधिकार नहीं है, तो आपको नुकसान का खतरा होगा। आपके कार्यों के परिणाम होते हैं और अधिकांश ड्रैगन पहले मारते हैं और बाद में सवाल पूछते हैं। क्या आप मेरी बात समझ रहे हैं?"
मैंने बीट्रिज़ और पोल के साथ चिंता भरी नज़रें मिलाईं।
"ऐसा लगता है कि कुछ गलतफहमी हो गई है। ड्रैगन शिफ्टर्स का नेता डिएगो है। वह बार्सिलोना और आसपास के इलाकों के सभी शिफ्टर्स पर राज करता है, सिर्फ

ड्रैगन शिफ्टर्स पर नहीं। उसे आपकी प्रगति या उसकी कमी के बारे में सूचित किया जाएगा। उसके संरक्षण में रहने वाला हर प्राणी उसकी सुरक्षा और शासन के अधीन है। उसकी सुरक्षा का उल्लंघन अवज्ञा और साधारण व्यवहार से न करें। अब, क्या आपके कोई प्रश्न हैं?"
"क्या हम ड्रैगन की सवारी कर पाएंगे?" केविन ने पूछा।
कार्लोटा ने तेवर चढ़ाए। उसकी आवाज़ में क्रोध था। "हम तुम्हारे लिए सवारी करने वाले घोड़े नहीं हैं।"
केविन अपनी सीट पर धंस गया।
मुझे खुशी थी कि मैंने वह सवाल नहीं पूछा। मैरिबेल के चेहरे के भाव से मुझे पता चल गया था कि वह भी यही सवाल पूछने वाली थी।
लेयर ने बोलना शुरू किया, "क्या हम कभी ड्रैगन देख पाएंगे? हम ड्रैगन-शिफ्टर्स के बारे में सुनते तो रहते हैं, लेकिन मैंने इसका कोई सबूत नहीं देखा है।"
मैं उसकी हिम्मत देखकर दंग रह गया। हमने देखा कि इसिडोरा का हाथ पंजों में बदल गया। ऐसा लग रहा था कि यह करतब यहाँ के प्रशिक्षकों का पसंदीदा था।
कार्लोटा ने लेयर को ठंडे भाव से देखा और ऐसे मुँह फेर लिया जैसे उसने कुछ कहा ही न हो। लेयर का चेहरा लाल हो गया; स्पष्ट रूप से उसे अनदेखा किए जाने की आदत नहीं थी।
बीट्रिज़ ने अपना हाथ उठाया। कार्लोटा के सहमति में सिर हिलाने के बाद, उसने पूछा, "क्या हम डिएगो से मिलेंगे?"
कार्लोटा ने अपनी उंगली मुंह पर रखी। "यह अनिश्चित है। यह काफी हद तक तुम्हारी पढ़ाई में प्रगति पर निर्भर करेगा। अब, मैं जो बताने जा रही हूं उसे ध्यान से सुनो।"
प्रशिक्षक ने हमें बताया कि ड्रैगन शिफ्टर्स बार्सिलोना में कैसे बसे और उनकी पहचान गुप्त रखने के लिए क्या उपाय किए गए थे। आधे घंटे तक ड्रैगन के इतिहास के बारे में जानने के बाद, मैं जाने के लिए तैयार था। नाम के बावजूद, ड्रैगन फंडामेंटल्स काफी उबाऊ था।
कार्लोटा ने शायद हमारी घटती रुचि को भांप लिया था। "चलिए मैं आपको संरक्षित क्षेत्र दिखा देती हूँ ताकि आप गलती से उनमें न भटक जाएं।"

हम उसके पीछे-पीछे कमरे से बाहर निकले। इस बार लेयर ने धक्का-मुक्की करके लाइन में आगे आने की कोशिश नहीं की, बल्कि वह मुझसे बस कुछ ही लोगों आगे थी।
"क्या तुम उसकी हिम्मत पर यकीन कर सकती हो?" मैंने बीट्रिज़ से फुसफुसाकर कहा।
बीट्रिज़ ने लेइरे की ओर देखा। "वह खुद को मुसीबत में डालने वाली है। वह ऐसे बर्ताव करती है जैसे वह खुद शिफ्टर्स से भी बेहतर हो।"
लीरे ने हमारी बातें सुनीं और पीछे हटकर हमारे साथ चलने लगी। "मेरे बारे में गपशप कर रहे हो?"
"तुम प्रशिक्षकों को नाराज कर रहे हो," बीट्रिज़ ने कहा।
"वे चाहते थे कि हम सवाल पूछें। मैं सवाल पूछ रहा हूं।"
मैंने सलाह दी, "आप अपना लहजा बदल सकते हैं।"
लेयर ने मेरी तरफ सिर घुमाया। "मैंने आपसे आपकी राय नहीं पूछी। आपको तो यहां होना ही नहीं चाहिए।"
मैं अचंभित रह गया। उसे कैसे पता चला?
उसकी आँखों में द्वेष झलक रहा था। "तुमने उसकी जगह ले ली।"
उसे क्रिस्टोफर के बारे में पता नहीं था। उसे लगा कि दूसरे लड़के को निकाले जाने का कारण मैं ही था। "मैंने उसकी जगह नहीं ली। उसने खुद ही यह कहकर अपनी जगह खो दी कि उसे और भी काम हैं।"
"तुम हममें से एक नहीं हो। तुम्हारा यहाँ कोई स्थान नहीं है, और तुम जल्द ही यहाँ से जाओगे। मैं तुम्हें इस कार्यक्रम से निकलवा दूँगी, देख लेना।" उसने मुझे एक घृणा भरी नज़र से देखा और आगे की ओर अकड़कर चली गई।

दस

अध्याय 10

ड्रैगन फंडामेंटल्स के बाद, हमें अपने कमरों में वापस जाकर बिस्तरों पर रखे हुए कपड़े बदलने का आदेश दिया गया। मुझे ढीले सूती कपड़े की हरी कमीज़ और गहरे रंग की पैंट मिली। मैंने कपड़ों को नाक के पास ले जाकर सूंघा। उनमें से ताज़ी धुली हुई खुशबू आ रही थी। मैंने उन्हें पहन लिया और विंग के प्रवेश द्वार पर इंतज़ार करने लगा।

बीट्रिज़, मैरिबेल और पोल पहले से ही केविन और क्वेंटिन के साथ वहाँ खड़े थे। हम सभी ने एक जैसे कपड़े पहने हुए थे।

मैंने मैरिबेल से कहा, "तुम्हारे बालों पर यह रंग बहुत अच्छा लग रहा है।"

"धन्यवाद।" उसने अपना हाथ उठाकर बैंगनी-नीले बालों की एक लट को कान के पीछे किया। उसके रत्न जड़े झुमके मेरी ओर चमक रहे थे।

"अब हमें इससे क्या सबक मिलता है?" क्वेंटिन ने पूछा।

"क्या तुमने अभी तक शेड्यूल नहीं पढ़ा?" केविन ने उससे पूछा। "और हमने जो पहना है, उसके आधार पर तुम्हारा क्या अनुमान है?"

"शत्रु से मुकाबला और आत्मरक्षा?" उसने पूछा।

केविन ने सिर हिलाया। "हाँ। क्या तुम तैयार हो कि मैं तुम्हें अपना दुश्मन बना लूँ? मैं युद्ध की घोषणा करूँगा और फिर तुम्हारी जमकर पिटाई करूँगा।"

हम सब हंस पड़े। दो दिन साथ बिताने के बाद ही हम जान गए थे कि केविन हम सब में सबसे शांत स्वभाव का था। मुझे उसके बारे में बस एक ही बात समझ नहीं आई, वो थी लेयर के साथ उसकी दोस्ती। ऐसा लगता था जैसे उनकी तुरंत ही अच्छी दोस्ती हो गई हो और वे अक्सर कैंटीन में साथ बैठते थे।

शैतान की बात।

लेयर अपने कमरे से बाहर निकली। पता नहीं क्यों, वर्दी उस पर कुछ अलग ही लग रही थी। बीट्रिज़ और मैंने एक-दूसरे को देखा। बीट्रिज़ मेरी ओर झुकी और बोली, "उसने ऐसा क्या किया कि यह इतनी फिट बैठ रही है?"

मैंने कहा, "लगता है उसने अपनी कमीज पीछे से बांधी है।"

मैं सही थी। जब लेयर हमारे पास आई, तो मैंने देखा कि उसने अपनी कमीज़ के पीछे एक गांठ बांध रखी थी ताकि वह उसके शरीर से और कसकर चिपक जाए। बीट्रिज़ ने अपने हाथ से अपनी मुस्कान छुपा ली।

दरवाजे पर एक लंबा आदमी आया। उसके बाल छोटे-छोटे कटे हुए थे, शहद जैसे रंग के। उसकी आँखें मुझे सर्दियों के दिन के आसमान की याद दिलाती थीं, धूसर और तूफानी, और जिस तरह से वह हमें घूर रहा था, ऐसा लग रहा था मानो वह अपने गुस्से को काबू में रखे हुए हो।
"क्या आप सब यहाँ हैं? मैं एन्ज़ो हूँ। ठीक है, चलिए आपको प्रशिक्षण मैदान में ले चलते हैं।" वह आदमी मुड़ा और तेज़ी से चल पड़ा। हम उसकी तेज़ गति का पीछा करने के लिए जल्दी से उसके पीछे चलने लगे। इस बार हम आंगन से होते हुए केंद्र के उस हिस्से में गए जहाँ हम पहले कभी नहीं गए थे।
यह एक खुला मैदान था जहाँ हर जगह लोग अभ्यास कर रहे थे। पुरुषों और महिलाओं के समूह स्ट्रेचिंग कर रहे थे, दौड़ रहे थे या कलाबाजियां दिखा रहे थे। बीच में रेत से भरा एक घेरा था जहाँ दो पुरुष आपस में कुश्ती कर रहे थे।
हवा में पसीने, रेत और घास की गंध थी।
"क्या आपको लगता है कि हम एनफोर्सर को लड़ते हुए देखेंगे?" मैरिबेल ने पूछा।
"यह तो बहुत ही शानदार होगा," पोल ने बीच में कहा।
"मैंने सुना है कि वह इतना अच्छा है कि उससे लड़ने के लिए एक साथ कई लोगों की जरूरत पड़ती है," बीट्रिज़ ने आगे कहा।
एनज़ो हमें अखाड़े के पास ले गया और वहाँ लड़ रहे आदमियों की ओर इशारा करते हुए बोला, "ये लोग ड्रैगन रूप बदलने वाले हैं। इन्हें देखो।"
उन आदमियों ने अपनी गति बढ़ा दी और अचानक मुझे बस एक धुंधला सा दृश्य दिखाई देने लगा। मेरी आँखें उनकी हरकतों का पीछा नहीं कर पा रही थीं। मेरे आस-पास के लोग चीखने लगे।
"शिफ्टर इंसानों से ज़्यादा तेज़ और फुर्तीले होते हैं," एन्ज़ो ने कहा। "नतीजतन, उनसे लड़ने में आप नुकसान में रहेंगे। इसका मतलब यह नहीं है कि शिफ्टर हमेशा जीतेंगे। इसका मतलब सिर्फ़ यह है कि लड़ाई के दौरान आपको ज़्यादा रचनात्मक और सोच-समझकर रणनीति बनानी होगी। इसीलिए इस क्लास में हम पहले हमला करते हैं और बाद में सवाल पूछते हैं। समझे?"
मैंने सिर हिलाया और मेरे आस-पास के लोगों ने भी ऐसा ही किया। रिंग में मौजूद पुरुष लड़ते रहे।

एनज़ो ने आगे कहा, "अलौकिक शक्तियों वाले लोगों ने गैर-जादुई दुनिया से छिपे रहने का समझौता किया है। कई लोगों ने स्थिति को बदलने और मनुष्यों को हमारे अस्तित्व से अवगत कराने की कोशिश की, लेकिन हमारे समुदाय के बाकी सदस्यों ने उन्हें ज़्यादा नुकसान पहुँचाने से पहले ही रोक दिया। सच्चाई उजागर करने से दुनिया में असंतुलन ही पैदा होगा, इसलिए हम छिपे रहते हैं। आप जैसे कुछ चुनिंदा लोगों को हमारी दुनिया में आने का निमंत्रण मिला है। हमेशा याद रखें: यह एक सम्मान है, अधिकार नहीं। हमारे अस्तित्व को उजागर करने पर गंभीर दंड मिलेगा।"

जैसे ही उसने अपना भाषण समाप्त किया, एक ज़ोरदार धमाका हुआ और एक रूप बदलने वाला रिंग के बीचोंबीच पीठ के बल गिर पड़ा। उसके पूरे शरीर पर खुले घावों से खून बह रहा था। हालांकि, कुछ ही सेकंड में घाव भर गए और उसका शरीर ठीक हो गया। खून के अलावा, वह ऐसा लग रहा था जैसे कुछ ही पल पहले उसने कोई हिंसक लड़ाई नहीं लड़ी हो। वह उठ खड़ा हुआ। यह वही आदमी था जिसने कैफेटेरिया में मुझे चिढ़ाया था, नीली आँखों वाला। मैंने दूसरे फाइटर की तरफ देखा और पाया कि वह उसका दोस्त था। उसने मुझे घूरते हुए देखा और मुस्कुराया। "सावधान रहो। रिंग में बेवकूफी मत करो। चोट लग जाएगी।"

जब मेरे समूह के बाकी लोग मेरी तरफ घूरने लगे तो मेरा चेहरा शर्म से लाल हो गया।

"अब तक कोई सवाल हैं?" एंज़ो ने समूह से पूछा।

"कानून कौन तय करता है?" केंटिन ने पूछा।

"हमारे पास कई नियामक निकाय हैं जो एक साथ मिलकर कानून बनाते हैं जिनका हम सभी पालन करते हैं।"

"क्या वे इंसानों पर भी राज करते हैं?" उसने पूछा।

"अलौकिक शक्तियों वाले प्राणियों का नैतिक दायित्व है कि वे मनुष्यों की रक्षा करें क्योंकि हम उनसे अधिक शक्तिशाली हैं। यदि लोग इस दायित्व का पालन नहीं करते हैं, तो समुदाय स्वयं इसका ध्यान रखेगा।"

"कैसे?"

"शिफ्टर्स के मामले में कुछ स्थितियों में आंतरिक न्याय होता है। एक वैम्पायर काउंसिल भी है। और एक सुपरनैचुरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन भी है जो ज़रूरत पड़ने पर हस्तक्षेप करेगा, लेकिन वे अंतिम उपाय हैं। अधिकांश अलौकिक समुदाय स्व-शासित हैं, और यह मॉडल अब तक कारगर साबित हुआ है।" एन्ज़ो ने क्वेंटिन से मुंह मोड़ा और समूह को संबोधित करना जारी रखा। "डीआरआईपी होने के नाते आपको आकर्षण पत्थर के ताबीज दिए गए हैं। ये अन्य अलौकिक प्राणियों को डीआरएसी के सदस्यों के रूप में आपकी पहचान बताते हैं, इसलिए इन्हें प्रदर्शित करना सुनिश्चित करें, अन्यथा आपको एक और इंसान समझ लिया जाएगा। इसके अलावा, आप इनके कारण निशाना भी बन सकते हैं।"
"तुम्हारा क्या मतलब है?" मैरिबेल ने चिंता से पूछा।
"जब तक कोई टकराव नहीं होता, समुदाय शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व में रहते हैं," एन्ज़ो ने कहा। "लेकिन कुछ लोग दूसरे समूहों को भड़काने के लिए आप पर हमला कर सकते हैं। इसीलिए यह ज़रूरी है कि आप दुश्मन से लड़ने और आत्मरक्षा के सही तरीके सीखें। आपको दुश्मनों द्वारा आप पर हमला करने के कई अलग-अलग तरीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा और यह सिखाया जाएगा कि उनसे कैसे निपटा जाए ताकि आपको उनके हमला करने से पहले ही पलटवार करने का मौका मिल सके।"
"ड्रैगन का रूप बदलने वालों पर कौन हमला करेगा?" क्वेंटिन ने पूछा।
एनज़ो ने हमारी ओर देखा। "क्या किसी को कोई अंदाज़ा है?"
"अन्य अलौकिक शक्तियां।"
"अन्य शिफ्टर।"
"फिलहाल ड्रैगन शिफ्टर्स का ही राज है। हालांकि, सत्ता का चक्र चलता रहता है," एन्ज़ो ने सहज भाव से कहा।
"पिशाच।" मुझे याद आया कि गिलन ने आकार बदलने वालों और पिशाचों के बीच टकराव का जिक्र किया था।
एनज़ो ने सिर हिलाया। "हाँ, पिशाचों और रूप बदलने वालों के बीच अच्छे संबंध नहीं होते। कम से कम आपके मनोरंजन उद्योग ने इस बात को तो सही दिखाया है।

आप हर तरह की अलौकिक शक्तियों से लड़ना सीखेंगे। लेकिन शुरुआत में, आपको अपनी ही शक्तियों से लड़ना सीखना होगा।"
एंज़ो की नज़र हम सब पर घूमी और लेइरे पर आकर रुकी। "तुम। रिंग में चुनौती देने के लिए किसी को चुनो।"
बिना एक पल भी गंवाए, लेयर मुड़ी और इशारा करते हुए बोली, "मैं उससे लड़ना चाहती हूँ।"
उसने सीधे मेरी तरफ इशारा किया।

अध्याय 11

लेइरे मुझसे लड़ना चाहता था।
मुझे अब भी यकीन नहीं था कि मेरी मौजूदगी ने उसे कैसे नाराज किया, लेकिन ऐसा हुआ था और अब उसने मुझे रिंग में लड़ने के लिए चुना था।
एनज़ो ने हम दोनों की ओर बारी-बारी से देखा। "रिंग के अंदर जाओ।"
हम दोनों ने उसके निर्देशों का पालन किया। मैं उसका सामना कर रही थी, वह बाघिन की तरह इधर-उधर घूम रही थी। बाकी समूह ने हमारे चारों ओर घेरा बना लिया था। बीट्रिज़ और मारिबेल के चेहरे पर चिंता के भाव थे। वे जानती थीं कि लेयर मुझे नुकसान पहुँचाना चाहती है। बाकी समूह को यह जानने में दिलचस्पी थी कि आगे क्या होगा। हम एन्ज़ो के आगे के निर्देशों का इंतज़ार कर रहे थे।
लीरे ने समूह से नज़रें हटाईं और मैंने देखा कि उसकी निगाह उस नीली आँखों वाले ड्रैगन-शिफ्टर पर पड़ी जिसने मुझसे थोड़ी देर पहले बात की थी। मैं गुस्से से भड़क उठी। वह एक ड्रैगन-शिफ्टर को प्रभावित करने के लिए ऐसा कर रही थी, और मैं उसकी इस दिखावेबाजी में बस एक मोहरा थी। अगर उसे लगता है कि वह मुझे हरा सकती है, तो वह गलत सोच रही है। मुझे अचानक अपनी माँ द्वारा मुझे दिलाई गई आत्मरक्षा की सभी कक्षाओं के लिए शुक्रगुजार महसूस हुआ।

एनज़ो ने इतनी ज़ोर से बोला कि सब सुन सकें। "रिंग फाइट्स के लिए सिर्फ़ एक ही नियम है।" वह रुका और हम सबके चेहरों को ध्यान से देखने के बाद बोला, "लड़ाई रिंग के अंदर ही होनी चाहिए। कोई अपवाद नहीं। रिंग से बाहर कदम रखा तो अयोग्य घोषित। रिंग के अंदर जो भी होगा, मान्य होगा। यही ड्रैगन्स की लड़ाई है। आज तुम्हारा लक्ष्य अपने प्रतिद्वंदी को ज़मीन पर गिराना और उसे हार मानने पर मजबूर करना है। जो आख़िरी तक खड़ा रहेगा, वही जीतेगा।"
एनज़ो ने बारी-बारी से हम सभी को सिर हिलाकर इशारा किया। "तैयार, चलो!" उसने गरजते हुए कहा।
लीरे सिर झुकाए मेरी ओर दौड़ी और मुझे ज़मीन पर गिरा दिया, जिससे मेरी सांसें रुक गईं। इससे पहले कि मैं संभल पाता, उसने अपना पूरा वज़न मेरे ऊपर डाल दिया।
वह मेरी कमर पर बैठ गई, लेकिन मैं उसे धक्का देकर उसका संतुलन बिगाड़ने में कामयाब रहा। उसने मेरी बांहें पकड़ने की कोशिश की, लेकिन मैंने अपने कंधे का इस्तेमाल करके उसकी पकड़ से खुद को छुड़ा लिया।
मैंने उसे लात मारी और उसे एक तरफ धकेलने में कामयाब रही, जिससे मैं उसे पूरी तरह से अपने ऊपर से हटा सकी। हांफते हुए, मैं जल्दी से खड़ी हो गई। लेयर नीचे झुककर मुझे देख रही थी, मेरी अगली चाल का अंदाज़ा लगाने की कोशिश कर रही थी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं।
"हमला करो," एन्ज़ो ने चिल्लाकर कहा।
अरे हां।
लीरे ने मुझ पर झपट्टा मारा और मैं उससे बचने के लिए एक तरफ मुड़ गई। वह बहुत आक्रामक थी। मैंने अपने विकल्पों के बारे में सोचा। उसने फिर से मुझ पर झपट्टा मारा और मेरी कमीज़ पकड़ ली। मैंने अपने बाएं हाथ से उसका दाहिना हाथ पकड़ा और उसकी उंगलियां मरोड़ दीं। वह दर्द से चीखी और उसके घुटने मुड़ गए। मैंने दबाव कम करने के बारे में सोचा, लेकिन मैंने उसे धक्का देकर ज़मीन पर गिरा दिया। मैंने उस पर वैसे नहीं बैठी जैसे वह मुझ पर बैठी थी, लेकिन बैठने का मेरा बहुत मन कर रहा था।
मैंने कहा, "हार मान लो।"

उसने दांत पीसते हुए कहा, "नहीं।"
मैंने उसका दूसरा हाथ पकड़ने की कोशिश की। उसने अपना हाथ छुड़ा लिया जिससे मेरे पकड़े हुए हाथ पर और दबाव पड़ा और वह दर्द से चीख पड़ी।
"टैप आउट करो," मैंने दोहराया।
यह तरकीब मैंने अपने भाइयों के साथ कुश्ती करते हुए सीखी थी। वे दोनों मुझसे हमेशा संख्या में ज़्यादा होते थे, लेकिन मुझे पता था कि अगर मैं उनकी उंगलियां पकड़ लूं, तो मैं उन्हें ज़रूर हरा दूंगा। बात यहाँ तक पहुँच गई थी कि वे मुझसे कुश्ती करते समय मुक्केबाज़ी के दस्ताने पहनते थे ताकि मैं उन्हें पकड़ न सकूँ।
मैंने उसे चेतावनी देते हुए कहा, "मैं तुम्हारी उंगलियां तोड़ दूंगा।"
उसकी आँखों में क्रोध झलक रहा था। "तुम्हारी हिम्मत नहीं होगी।"
मैंने उसकी उंगलियों पर थोड़ा और दबाव डाला और वह दर्द से चीख उठी। "कोशिश करो।"
उसने मुझे लात मारने के लिए अपने पैर का इस्तेमाल किया। मुझे यह कहते हुए शर्म आ रही है कि यह काम कर गया। मैं लड़खड़ाकर जमीन पर गिर पड़ा।
लेयर पहले से भी ज्यादा गुस्से में मेरे पास आई।
वह मेरे ऊपर झुक गई और मैंने देखा कि उसका पैर मेरे चेहरे की ओर आ रहा है।
लेकिन मुझे याद नहीं कि आगे क्या हुआ। मुझे बस इतना याद है कि अचानक एन्ज़ो की बाहें मेरे चारों ओर थीं और वह मुझे रोती हुई लेयर से खींचकर अलग कर रहा था। वह ज़मीन पर पड़ी थी, उसकी आँखों में आँसू भरे थे और डर से आँखें चौड़ी हो गई थीं, उसके चेहरे से खून बह रहा था।
मैंने पलकें झपकाईं और जोर-जोर से सांस लेने लगी। आखिर हुआ क्या था?
"मुझे पता था मैंने कहा था कि कोई नियम नहीं हैं, लेकिन मैंने इस स्तर की क्रूरता की उम्मीद नहीं की थी।" एन्ज़ो मुझे घूर रहा था। उसके चेहरे पर हैरानी और अचरज के भाव मिले-जुले थे। हमारे समूह के दो लोग लेइरे के पास दौड़े और उसे उठने में मदद की। वह दर्द से कराह रही थी, हर बार जब उसकी नज़र मुझसे मिलती तो वह भयभीत हो जाती। मैंने चारों ओर देखा। समूह में हर कोई उसी भय से भरा हुआ था।

क्या हुआ था? मुझे याद क्यों नहीं आ रहा था? मैंने क्या किया था?
मैंने लेइरे के बुरी तरह से घायल चेहरे से बहते खून को देखा।
एन्ज़ो के होंठ एक कठोर रेखा में जकड़े हुए थे।
मैंने भीड़ में बीट्रिज़ को ढूंढा और उसने भी मुझे ऐसे देखा जैसे मैं कोई राक्षस हूँ।
मैं इसे और बर्दाश्त नहीं कर सका।
मैं भाग गया।

अध्याय 12

मैं अंधाधुंध भागी और किसी तरह सेंटर के मुख्य हिस्से तक वापस पहुँचने में कामयाब हो गई। मैं गलियारों से भागती हुई अपने कमरे तक पहुँचने की कोशिश कर रही थी। मेरा दिमाग घबराहट से चीख रहा था। मैंने क्या कर दिया था? क्या मैं अपनी माँ जैसी बन रही थी?
मैं और तेज़ भागा। अचानक मेरे सामने एक दरवाज़ा खुला और एक आदमी बाहर निकला। मैं समय पर रुक नहीं पाया। मैं उससे टकरा गया और ऐसे उछल पड़ा जैसे किसी ईंट की दीवार से टकरा गया हो।
मैं ज़मीन पर गिर पड़ी। मेरी साँस रुक गई। मैं साँस लेने के लिए तड़प रही थी, मेरी आँखें चौड़ी हो गईं। मैं साँस नहीं ले पा रही थी। मेरा शरीर काँप रहा था, उससे टकराने के सदमे से अभी भी हिल रहा था।
मैं घबराहट में अपना गला नोचने लगी। मुझे सांस लेने में दिक्कत हो रही थी।
जिस व्यक्ति से मेरी टक्कर हुई थी, वह नीचे झुका और मुझे ध्यान से देखने लगा।
"शांत हो जाओ, तुम ठीक हो। तुम सांस ले सकते हो। तुम ठीक हो," उसने दोहराया।
मेरा दिमाग उसे समझने के लिए संघर्ष कर रहा था। मेरा शरीर अभी भी घबराहट की स्थिति में था और ऑक्सीजन पाने की कोशिश कर रहा था।

उन्होंने दोनों हाथों से आगे बढ़कर मेरे कंधों को धीरे से पकड़ा। "तुम ठीक हो, तुम ठीक हो। गहरी सांस लो। आराम करो।"
जब मेरी नज़र उसकी भूरी आँखों पर टिकी थी, तब उसने वही मंत्र दोहराया। उसकी पलकें घनी और काली थीं। मुझे अचानक एहसास हुआ कि जब मेरी साँस फूल रही थी, तब इस बात पर ध्यान देना कितना अजीब था। मैंने गहरी साँस ली। मुझे चक्कर आ रहा था और सिर घूम रहा था, लेकिन मेरी हृदय गति धीमी हो गई और शरीर आराम महसूस करने लगा। उसने मेरे कंधों पर अपनी पकड़ ढीली कर दी। "अब कैसा लग रहा है?"
मैंने कांपते हुए सिर हिलाकर उसे हां कहा। जैसे ही मेरे शरीर से एड्रेनालाईन का असर कम हुआ, मैं ढीली पड़ गई। उसने मुझे कसकर पकड़ लिया और ऐसे उठा लिया जैसे मैं कोई बच्ची हूँ। मैं बिल्कुल बेजान सी थी। उसने मुझे अपने सीने से लगा लिया और मेरे सिर को ऐसे सहलाया जैसे मैं कोई बिल्ली हूँ। "तुम ठीक हो," उसने दोहराया। "कंपकंपी जल्द ही ठीक हो जाएगी।"
मैंने गहरी-गहरी साँसें लीं जब तक कि मैं शांत नहीं हो गई और मेरी ऑक्सीजन की मात्रा सामान्य नहीं हो गई। जैसे ही घबराहट पूरी तरह से शांत हुई, मुझे एहसास हुआ कि मैं एक अजनबी की बाहों में हूँ जो मुझे पालतू बिल्ली की तरह सहला रहा है। यह सुकून देने वाला था, लेकिन अब जब मेरा दिमाग साफ सोचने लगा तो मुझे अचानक एहसास हुआ कि यह कितना अजीब था।
ठीक है, अब स्थिति थोड़ी अजीब हो गई थी।
मैं दूर हटने के लिए हिलने लगी, और उसने मुझे अपनी पकड़ से छोड़ दिया।
"तुम कहाँ जा रहे थे?" उसने मेरी तरफ देखा। ऐसा लग रहा था जैसे अगर मैं झुकने लगूँ तो वो मुझे पकड़ लेगा, इसलिए मैंने सीधा खड़ा रहना सुनिश्चित किया।
"मेरा कमरा।" मेरी आवाज़ कितनी कमज़ोर लग रही थी, यह सुनकर मुझे थोड़ी तकलीफ़ हुई।
उनकी नजर मेरी छाती पर पड़ी और मुझे एहसास हुआ कि वह मेरे लॉकेट को देख रहे थे। उन्होंने अपनी निगाहें उठाकर मेरी आंखों से फिर मिलाईं। "तुम भी प्रतिभागी हो? ड्रिप?"
मेंने सिर हिलाया।

"मैं तुम्हें तुम्हारे विंग तक ले जाऊंगा," उसने कहा।
"कोई बात नहीं। मैं खुद जा सकती हूँ," मैंने विरोध किया। मुझे इस आदमी के पास खड़े होने में बहुत शर्म आ रही थी। मैं बस अकेले रहना चाहती थी।
"तुम्हें पता है तुम्हारा चेहरा खून से लथपथ है?" उसने अपना सिर झुकाया।
मैंने झिझकते हुए अपना हाथ अपने चेहरे पर रख लिया।
"इसमें खून क्यों लगा है?" उसने नरमी से पूछा।
इससे पहले कि मैं उसे जवाब दे पाता, एन्ज़ो आ गया। "तुम यहीं हो। मैं तुम्हें लेने आ रहा था। मुझे नहीं पता तुम क्या सोच रहे थे, लेकिन हम यहाँ अपनी समस्याओं से भागते नहीं हैं।"
एनज़ो ने मेरे सहायक की ओर मुड़कर कहा, "उसे पकड़ने के लिए धन्यवाद।"
"मैंने उसे नहीं पकड़ा। उसने मुझे पकड़ा।" वह असमंजस में दिख रहा था।
"धन्यवाद," मैंने धीरे से कहा।
जब मैं और एन्ज़ो वहां से जाने लगे तो मैंने अनजाने में पीछे मुड़कर उसे देख लिया। मेरे रक्षक ने मुझे हाथ हिलाकर इशारा किया। मैं शर्म से लाल हो गई और नज़रें हटा लीं।
जैसे ही हम नज़रों से ओझल हुए, एन्ज़ो ने मुझे खरी-खोटी सुनाई। "तुमसे ही उम्मीद थी कि तुम मुसीबत खड़ी करोगे और फिर एनफोर्सर से टकराकर और भी मुसीबतें मोल लोगे।"
मेरा सिर एकदम ऊपर उठा। "क्या वो एनफोर्सर था?" जिस आदमी ने मुझे शांत किया था और मेरे साथ इतनी नरमी और स्नेह से पेश आया था, वही वो बड़ा, डरावना ड्रैगन-रूपी था जिसके बारे में सब कानाफूसी करते थे? वो वैसा नहीं था जैसा मैंने एनफोर्सर के बारे में सोचा था।
"हाँ," एन्ज़ो ने तीखे स्वर में कहा। "तुम्हें जितने भी लोगों से टकराना था, उनमें से डिएगो के दूसरे साथी से ही क्यों टकराना था? अब मुझे इस बारे में रिपोर्ट लिखनी पड़ेगी कि खून से लथपथ प्रतिभागी सेंटर में इधर-उधर क्यों भाग रहा है।" एन्ज़ो ने आह भरी और यह सोचकर निराश हो गया कि मैंने उसके लिए कितना अतिरिक्त काम बढ़ा दिया है।
मैंने कहा, "मुझे माफ कर दीजिए।"

एनज़ो ने चिढ़कर कहा, "अभी नहीं, तुम नहीं हो, लेकिन जब तुम देखोगे कि इस तरह प्रशिक्षण छोड़कर भागने की सज़ा क्या होती है, तो तुम हो जाओगे। अब तुम्हें कालकोठरी में जाना होगा।"
मैंने सिहरन को दबा लिया।

अध्याय 13

बाद में पता चला कि उस केंद्र में कोई कालकोठरी नहीं थी।
दरअसल, 'द डंगन्स' का मतलब रखरखाव विभाग में काम करने वाली दो बहनों से था। एन्ज़ो ने मुझे बस इतना कहकर वहाँ छोड़ दिया, "वह अब तुम्हारी है।"
तीन घंटे बाद, मैं रीडिंग रूम में सोफे पर लेटा हुआ था। मैं अपने कमरे में बंद नहीं रहना चाहता था, लेकिन मैं दूसरों के साथ बातचीत भी नहीं करना चाहता था, इसलिए मैं वहीं छिपा रहा।
मेरे पूरे शरीर में दर्द हो रहा था। उन महिलाओं ने मुझसे ऐसे घिनौने काम करवाए जिनके बारे में मुझे कभी पता ही नहीं था कि किसी इमारत के सही ढंग से काम करने के लिए उनकी ज़रूरत होती है। रसोई के फ्राइंग पैन के पीछे जमी हुई चिकनाई को खुरचने और बाथरूम की टाइलों के बीच की जगह को रगड़ने में तीन घंटे लग गए, जिससे मेरी हर मांसपेशी अकड़ गई और दर्द करने लगी।
मुझे दरवाजा खुलने की आवाज सुनाई दी। मैंने आंखें बंद कर लीं और सोने का नाटक किया। मुझे दरवाजा बंद होने की आवाज सुनाई दी और कदमों की आहट मेरी तरफ आती हुई सुनाई दी।
"वैनेसा?"
मैंने अपनी आंखें खोलीं और बीट्रिज़ का चेहरा चिंता से मेरी ओर देख रहा था।
"क्या तुम ठीक हो?" उसने पूछा।

"नहीं। मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं टूट गया हूँ।" मैंने कराहते हुए उठकर बैठने की मुद्रा अपनाई।
"क्या हुआ?" मुझे पता था कि वह लेयर के साथ मेरी लड़ाई के बारे में पूछ रही है, लेकिन मैंने जानबूझकर उसकी बात न समझने का नाटक किया। "एनज़ो ने मुझे उन महिलाओं के पास भेजा जिन्होंने मुझे ढेरों काम सौंप दिए। आपको यकीन नहीं होगा कि नाली की पाइप साफ़ करना कितना गंदा काम है। वहाँ नीचे अजीबोगरीब चीज़ें होती हैं। मुझे लगा कि मैंने कुछ हिलते हुए देखा।"
बीट्रिज़ ने उसकी बात मान ली और सोफे पर बैठ गई।
"मुझे यकीन नहीं हो रहा।" उसने सिर हिलाया। "यह एक अजीब जगह है। यह सोचना अजीब है कि हम यहाँ सिर्फ दो दिन से हैं। ऐसा लगता है जैसे बहुत लंबा समय बीत गया हो।"
"इसके बारे में मुझे बताओ।" ऐसा लग रहा था जैसे कालकोठरी से मेरा सामना हुए एक सदी बीत गई हो।
बीट्रिज़ कुछ पल चुप रहने के बाद बोली, "मुझे पता है कि आप इसके बारे में बात नहीं करना चाहेंगी, लेकिन सच में, रिंग में क्या हुआ था? एक पल पहले लेयर आपको पीट रही थी और अगले ही पल आपने उसका चेहरा फोड़ना शुरू कर दिया।"
मुझे थोड़ी शर्म महसूस हुई। "क्या वह ठीक है?"
"उसे अस्पताल ले जाना पड़ा। वह अभी तक वापस नहीं आई है, लेकिन मैंने केविन से सुना है कि वह ठीक हो जाएगी। उसे बस बहुत दर्द हो रहा है।"
"मुझे नहीं पता क्या हुआ।" मैंने अपने हाथों से अपना सिर थाम लिया।
"आपका क्या मतलब है?"
"सच कहूँ तो मुझे नहीं पता। मुझे याद नहीं है। जैसा आपने कहा, वैसा ही हुआ: एक मिनट पहले वह मुझे पीट रही थी और फिर मुझे बस उसका पैर दिखाई दिया और वह मुझ पर पैर रखने ही वाली थी और उसके बाद मुझे बस उसकी चीखें सुनाई दीं और उसका चेहरा खून से लथपथ था।"
"तुम्हें अचानक गुस्सा आ गया होगा," बीट्रिज़ ने कहा।
"नहीं।" मैंने सिर हिलाया। "मुझे लगा कि यह उससे कहीं अधिक था।"

मैंने अपने हाथों से अपना सिर उठाया और उसकी आँखों में सीधे देखते हुए कहा, "मुझे लगता है कि मुझे अच्छा लगा।"
उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। "तुम्हारा मतलब क्या है?"
"मैं... मेरे अंदर कुछ ऐसा था जो मुझे रोमांचित कर रहा था कि मैं उसे हरा रहा था," मैंने स्वीकार किया।
"यह आपके स्वभाव के विपरीत लगता है। मुझे पता है कि हम एक-दूसरे को अच्छी तरह से नहीं जानते, लेकिन आप एक सौम्य आत्मा प्रतीत होते हैं।"
उसकी मीठी बातों पर मैं मुस्कुराई। "यह मेरे स्वभाव के विपरीत है, लेकिन क्या पता यह जगह मुझे बदल रही हो?" मैंने अपना डर ज़ोर से कहा। मैंने सोचा था कि इस छिपी हुई दुनिया में प्रवेश करना अद्भुत होगा, लेकिन क्या पता यह मेरे अंदर की सबसे बुरी चीज़ों को बाहर निकाल दे? मुझे डर सता रहा था कि मैं धीरे-धीरे अपनी माँ की तरह बिखर रही हूँ। मैंने अपना सिर झुका लिया, बीट्रिज़ की आँखों में देखने में मुझे शर्म आ रही थी।
"खैर, मुझे अब भी लगता है कि तुम गुस्से में हो और ठीक से सोच नहीं पा रहे हो। एक दिन का समय दो, लेकिन लोगों की बातों पर ध्यान मत दो, ठीक है?" उसने मुझे आश्वस्त किया।
"क्यों? वे क्या कह रहे हैं?" मैंने उसकी ओर देखा।
"खैर, पोल को तो यह बहुत ही बढ़िया लगा," बीट्रिज़ मुस्कुराई। "असल में, केविन को छोड़कर लगभग सभी लड़कों को यही लगता है।"
मैंने धीमी आवाज़ में कहा, "वह लेयर का दोस्त है।"
"हां, लेकिन कुछ लड़कियां मन ही मन खुश थीं क्योंकि वह उन पर हुकूमत कर रही थी। वे सभी चाहती थीं कि काश वे खुद उसे पीट रही होतीं।"
"सच में?" मैंने अपना कंधा रगड़ा।
"हाँ। क्या इससे आपको अच्छा महसूस हो रहा है?"
"नहीं, असल में इससे मुझे और भी बुरा लगता है।"
"चिंता मत करो। मुझे लगता है कि हम इस तरह की कुछ और घटनाओं से गुज़रेंगे और लोग किसी और चीज़ के बारे में बात करने लगेंगे।" बीट्रिज़ ने अपने पैर फैलाए।

मैंने अपना सिर फिर से नीचे कर लिया। "लोग पहले से ही सोचते हैं कि मैं यहाँ का नहीं हूँ।"
"यह सच नहीं है। वह तो बस लेयर थी। हम सब यहाँ एक जैसे हैं। कुछ दिन पहले तक हमें इनमें से किसी भी चीज़ के अस्तित्व के बारे में पता नहीं था।" वह थोड़ी देर रुकी। "मैं तुमसे एक बात कबूल करती हूँ। उस क्लास ने मुझे डरा दिया था। मैंने दिन की शुरुआत यह सोचकर की थी कि यह सब कितना अद्भुत है और हमारे आस-पास इस खूबसूरत जादू को देखना, जिसे दूसरे इंसान कभी नहीं देख पाएंगे, कितना अविश्वसनीय है। मैं डरावने पहलू को भूल गई थी।" उसने मेरे चेहरे के भाव देखे और जल्दी से बोली, "तुम्हारे बारे में नहीं, यह तुम नहीं थे। मेरा मतलब है पिशाचों के बारे में। सोचो: अब पिशाच हमारे दुश्मन हैं क्योंकि हमने आकार बदलने वालों के साथ हाथ मिला लिया है। हमें इसके बारे में पहले से पता नहीं था। हम आए और हमने सारी खूबसूरत चीज़ें देखीं और अब वे हमें बता रहे हैं कि हमें आत्मरक्षा से पहले दुश्मन के हमले से लड़ना सीखना होगा। वे असल में हमें किस चीज़ के लिए प्रशिक्षित कर रहे हैं, और यह छिपी हुई दुनिया कितनी खतरनाक है?"
वह सही थी।
हम किस मुसीबत में फंस गए हैं?

चौदह

अध्याय 14

बीट्रिज़ के शब्द उसके जाने के काफी देर बाद तक मेरे दिमाग में गूंजते रहे। हम किस मुसीबत में फंस गए थे?
मुझे बेचैनी होने लगी। मैंने घड़ी देखी: कर्फ्यू से पहले मेरे पास एक घंटा था। टहलने जाने और वापस आने के लिए बस इतना ही समय काफी था। मुझे अपना दिमाग शांत करना था।

मैं उठा, बीट्रिज़ के कमरे तक गया और दरवाज़ा खटखटाया। "अंदर आ जाओ," उसने आवाज़ दी। मैंने दरवाज़ा धक्का देकर खोला। वह अपने बिस्तर पर लेटी किताब पढ़ रही थी।
मैंने पूछा, "क्या तुम मेरे साथ टहलने चलना चाहोगे?"
बीट्रिज़ ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "इस समय?"
"हां, मैं एक जगह स्थिर नहीं बैठ सकता। मुझे हिलना-डुलना पड़ेगा या कुछ और करना पड़ेगा।"
मुझे लगा था कि तुम कालकोठरी में रहकर थक गए होगे।
"मैं हूँ, लेकिन मुझे फँसा हुआ महसूस करना पसंद नहीं है। अभी मुझे ऐसा ही लग रहा है।" कभी-कभी यह भावना मुझ पर हावी हो जाती थी और मैं हमेशा भाग निकलने की ज़िद के आगे झुक जाती थी। घर पर, मुझे कभी-कभी खिड़की से चुपके से बाहर निकलना पड़ता था, बस उस जगह से निकलने के लिए। सौभाग्य से, अब मुझे ऐसा नहीं करना पड़ा। मैंने बालकनी की ओर देखा।
"माफ़ करना, मुझे आलस आ रहा है। मैं यहीं रुक जाऊंगी। शायद अगली बार आऊं। कहीं बाहर लॉक न हो जाना," उसने चेतावनी दी।
मैंने कहा, "मैं ऐसा नहीं करूंगा।"
मैं तीन मंजिल नीचे उतरकर रिसेप्शन तक पहुँचा। वहाँ मौजूद लड़के ने आलस भरे अंदाज़ में हाथ हिलाया। "ग्यारह बजे तक वापस आ जाना। नहीं तो बाहर ताला लग जाएगा।"
मैंने एक पल के लिए सोचा कि अगर मैं कमरे से बाहर लॉक हो जाऊं तो क्या होगा। बीट्रिज़ के कमरे की तरह मेरे कमरे में भी बालकनी थी। मैंने सोचा कि अगर ऐसी नौबत आई तो क्या मैं इमारत पर चढ़ पाऊंगी। मुझे एक दिन इसे आजमा कर देखना होगा। बैकअप प्लान रखना कभी बुरा नहीं होता।
मैं शहर के केंद्र से बाहर निकला और ताजी हवा में सांस ली। सड़कें धीरे-धीरे सुनसान हो रही थीं, लेकिन फिर भी काफी लोग इधर-उधर घूम रहे थे। बार्सिलोना एक ऐसा शहर था जो कभी सोता नहीं था। शाम को यहाँ बस थोड़ी देर के लिए आराम होता था और फिर सब कुछ दोबारा शुरू हो जाता था।

चलते-चलते मैं सोचने लगी कि पिछले कुछ दिनों में मेरा जीवन कितनी तेज़ी से बदल गया है। मेरा हाथ मेरे पेंडेंट की ओर बढ़ा। मैं इसे उतार सकती थी और अपने आस-पास के नए अजूबों को नज़रअंदाज़ कर सकती थी। मैंने कुछ नुकीले कानों वाले लोगों को देखा था। कुछ बौने जीव भी थे जो जिन्न जैसे दिखते थे। उन्हें देखकर जो विस्मय मेरे भीतर पैदा हुआ, उसने मेरे अंदर के डर को दूर कर दिया।
माँ हमेशा मुझसे कहती थीं कि ज़िंदगी डरावनी भी होगी और अद्भुत भी। वो गलत नहीं थीं। उस घटना के बाद से, जब भी मैं उनसे मिलने जाती, वो मुझे रहस्यमयी चेतावनियाँ देती थीं। अब उनकी चेतावनियाँ उतनी रहस्यमयी नहीं लगती थीं। वो हमेशा मुझसे कहती थीं कि ज़िंदगी एक अद्भुत और भयानक जगह है। मुझे लगता था कि उनका मतलब उस सुविधा केंद्र से है जहाँ वो थीं, लेकिन अब मुझे पता चल गया कि मैं गलत थी। मुझे आश्चर्य होता था कि क्या उन्हें इस दुनिया के बारे में पहले से ही पता था। मुझे उनसे यह पूछना याद रखना होगा।
मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या कुछ और प्रशिक्षण के बाद मैं अलग-अलग तरह के आकार बदलने वालों को पहचान पाऊँगी। यह मानना थोड़ा शर्मनाक था, लेकिन मैंने जितने भी आकार बदलने वाले देखे थे, वे सभी मुझे बेहद आकर्षक लगे। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या यह बात सभी आकार बदलने वालों के लिए सच थी या मैं सिर्फ सुंदर दिखने वालों पर ही ध्यान दे रही थी। पिशाच कैसे दिखते थे? क्या वे फिल्मों में दिखाए गए पारंपरिक नुकीले दांतों वाले जीव थे? क्या दर्पण में उनकी परछाई गायब हो जाती थी या वे चमगादड़ में बदल सकते थे?
मेरे आगे चल रहा एक आदमी मेरे ख्यालों में बसे पिशाच जैसा लग रहा था। वह हल्के कदमों से चल रहा था, उसके बाल काले थे और शरीर दुबला-पतला था। मैं कल्पना कर सकता था कि वह चमगादड़ बनकर उड़ जाएगा। बिना सोचे-समझे, अपने विचारों में खोया हुआ, मैं उसके पीछे चलने लगा। सौभाग्य से, उसका रास्ता मेरे रास्ते जैसा ही था और पार्क की ओर जाता था। वह मुख्य सड़क से एक छोटी सड़क पर मुड़ गया, और मैंने उसके पीछे चलने का फैसला किया। वैसे भी, मुझे उसी दिशा में जाना था।
मैं पिशाचों के बारे में तरह-तरह के सिद्धांत गढ़ने में इतना मशगूल था कि मैंने देखा ही नहीं कि वह खुद किसी का पीछा कर रहा था। मुझे तब पता चला जब उसके

आगे चल रही महिला ने मोड़ लिया और उसने भी। मुझे अपने शक की कोई वजह पता नहीं थी, इसलिए मैंने उसके पीछे चलना जारी रखने का फैसला किया। मुझे अपनी चाल थोड़ी धीमी करनी पड़ी। यहाँ की सड़कों पर यातायात कम था और मुख्य सड़कों की भीड़भाड़ के मुकाबले कम लोग थे। अगर वह आदमी पीछे मुड़कर देखता, तो मेरे पास छिपने की कोई जगह नहीं होती।

इस सिद्धांत पर विश्वास करने के लिए खुद को मूर्ख समझते हुए, मैंने फिर भी उसका पीछा करना जारी रखा। मैं उससे इतनी सावधानी से दूरी बनाए हुए था कि जब मैं उस मोड़ पर मुड़ा जहाँ से वह गया था, तो वह मुझे दिखाई नहीं दिया। मुझे अपनी मूर्खता पर लगभग हंसी आ गई। वह शायद इसी इलाके में रहता होगा और किसी दरवाजे से अंदर घुस गया होगा।

तभी एक आवाज ने मेरा ध्यान खींचा।

मैं स्थिर हो गया, यह पता लगाने की कोशिश कर रहा था कि यह कहाँ से आया है। मैं आगे बढ़ता रहा जब तक कि मैं एक संकरी गली के प्रवेश द्वार पर नहीं पहुँच गया।

मैं समय पर वहाँ पहुँच गया और मैंने देखा कि एक महिला ने अपना खंजर सीधे उस आदमी के दिल में घोंप दिया।

मेरे मुंह से एक सिसकी निकल गई। उस औरत का सिर मेरी हैरान आकृति की ओर घूम गया और उसकी आँखें सिकुड़ गईं। एक शिकारी की निगाहों के सामने मैं जड़वत खड़ा रह गया। मेरा हाथ अपने ताबीज की ओर बढ़ा, मानो वह मुझे इस स्थिति से बाहर निकाल सकता हो।

महिला बोलने के लिए मुंह खोलने ही वाली थी कि इससे पहले कि वह कुछ कह पाती, उस आदमी ने उसका चेहरा पकड़ लिया। वह उसकी तरफ मुड़ी और मुझे होश आया।

लड़ाई या उड़ान।

मैंने वही किया जो मुझे सबसे सही लगा।

मैं भाग गया।

अध्याय 15

रिसेप्शन पर बैठा लड़का मुझे देखकर हैरान रह गया। "आपके पास अभी भी समय है। आपको वापस इतनी दूर तक दौड़ने की कोई ज़रूरत नहीं थी।"
मुझे लगा कि कई ब्लॉक तक दौड़ने के बाद हांफने से मेरा चेहरा लाल हो गया होगा। "कोई बात नहीं," मैंने हांफते हुए कहा। मैं उसके पास से गुज़रकर बेडरूम वाले हिस्से की सीढ़ियों की तरफ चली गई। सिर्फ़ एक ही व्यक्ति था जिस पर मुझे भरोसा था और जिसे मैं ये बात बता सकती थी। मैं सीधे बीट्रिज़ के कमरे में गई और दरवाज़ा खटखटाया। दूर से आई "अंदर आ जाओ" की आवाज़ सुनकर मैंने दरवाज़ा खोलकर अंदर प्रवेश किया।
बीट्रिज़ अपने बिस्तर से उठकर बालकनी में आ गई थी। उसने मुझे अपने पास आने का इशारा किया।
मैं बाहर निकला और उसके सामने वाली कुर्सी पर बैठ गया। मेरी नाराज़गी देखकर उसने भौंहें चढ़ाईं और अपनी किताब गोद में रख ली। "क्या हुआ? तुम ठीक हो?"
अभी भी सांस लेने की कोशिश करते हुए, मैंने अपना सिर हिलाया।
"क्या यह लेयर है?" उसने पूछा।
"नहीं, इसका उससे कोई लेना-देना नहीं है।" मैं लेयर के बारे में भूल ही गया था। वो मेरे दिमाग में सबसे आखिरी चीज थी।
"जब आप बाहर थे तब कुछ हुआ था?"
"हां," मैंने कहा।
"क्या मुझे तुमसे जबरदस्ती पूछनी पड़ेगी? बताओ! क्या हुआ?" वह उठकर बैठ गई और आगे की ओर झुक गई।
"मुझे लगता है मैंने एक पिशाच को मरते हुए देखा।"
उसने मेरी तरफ पलकें झपकाईं। उसने मुझसे जो कुछ भी कहने की उम्मीद की थी, मुझे नहीं लगता कि उसने यह कहा था। "तुमने क्या कहा?"

"मुझे लगता है मैंने एक महिला को पिशाच को मारते हुए देखा," मैंने दोहराया। यह महत्वपूर्ण था कि बीट्रिज़ मेरी बात पर विश्वास करे।
"कहाँ?" बीट्रिज़ ने पूछा। उसकी भौंहें तन गई थीं।
"पार्क जाने के रास्ते में एक गली में।"
"क्या तुमने किसी को बताया?"
मैंने अपना सिर हिलाया। "और मुझे अब शक होने लगा है कि क्या वह सचमुच एक पिशाच था।"
"आपका क्या मतलब है?"
मैंने कंधे उचका दिए। "मैंने इतने अलग-अलग जीव देखे थे। मैं सोच रहा था कि पिशाच कैसा दिखता होगा और वह मुझे उसी तरह का लगा।"
"किस प्रकार का?"
वह शांत स्वभाव का और काले बालों वाला था।
उसने अविश्वास भरी निगाहों से मेरी ओर देखा। "सच में? इस कार्यक्रम में शामिल आधे लोगों का यही हाल है। असल में, इस छत के नीचे रहने वाले ज़्यादातर लोगों का यही हाल है।"
"मुझे नहीं पता। मुझे बस इतना पता है कि मैंने उसका पीछा करना शुरू कर दिया और जब मुझे लगा कि वह गायब हो गया है, तो अचानक मैंने उसे एक महिला द्वारा चाकू मारते हुए देखा।"
"वह महिला कौन थी? क्या वह कोई अलौकिक शक्ति थी?" बीट्रिज़ ने पूछा।
मैंने सिर हिलाया। "मुझे नहीं पता। वह बस एक महिला जैसी दिख रही थी। बीट्रिज़ ने मेरा पेंडेंट देखा।"
"फिर क्या हुआ?"
मैं भाग गया।
बीट्रिज़ ने अपना सिर झुकाया। "क्या आपको अस्पताल जाने की ज़रूरत है?"
"क्या? नहीं, उस महिला ने मुझे नहीं पकड़ा।"
उसने अपने होंठ काट लिए। वह कुछ कहने के लिए संघर्ष कर रही थी।
मैंने उससे पूछा, "क्या?"

उसकी आवाज कोमल थी। "क्या आपको लगता है कि पहले आपके साथ हुई मारपीट की वजह से ही आपको यह सब देखने को मिला?"
मेरा मुंह खुला रह गया। "तुम्हें लगता है कि मैं कल्पना कर रही हूँ?"
"मैं कल्पना नहीं कर रहा हूँ, लेकिन हो सकता है कि आपने वह न देखा हो जो आपको लगा कि आपने देखा है।"
"शायद तुम्हारे पास आना मेरी गलती थी।"
बीट्रिज़ चौंक गई। उसने अपने हाथ ऊपर उठाए। "मैं बस इतना कह रही हूँ कि तुम्हारी कहानी थोड़ी अटपटी सी लग रही है।"
मैं मुट्ठी भींचकर खड़ा हो गया। मैं गुस्से में था। "मुझे पता है मैंने क्या देखा।"
मुझे खेद है, मुझे खेद है। मुझे खुशी है कि तुम बच गए। मुझे लगता है कि तुमने यही सबसे अच्छा काम किया जो तुम कर सकते थे।
मेरे गले से एक दबी हुई हंसी निकली। "दुश्मन से लड़ाई के बारे में क्या?"
"दुश्मन से लड़ने और आत्मरक्षा करने से बेहतर है भागना। मुझे परवाह नहीं कि वे क्या कहते हैं।" बीट्रिज़ ने ज़ोर देने के लिए अपनी गोद में रखी किताब को पटका।
"अच्छा, लगता है आज दौड़ने में मेरा प्रदर्शन शानदार है। वैसे, छोड़ो ये बात। मैं तुम्हें बताना भूल गया था कि मेरी टक्कर एनफोर्सर से हो गई।"
"क्या?" बीट्रिज़ चीख पड़ी। "तुमने क्या किया? और मुझे इसके बारे में बताया भी नहीं? वह कैसा था? उसने क्या कहा?"
"मैं उससे टकरा गई थी, मैंने उसके साथ खाना नहीं खाया था।" मुझे यह बताने की इच्छा नहीं हो रही थी कि उसने मुझे अपनी बाहों में भर लिया था और मुझे बच्चे की तरह गोद में उठा लिया था। "उससे टकराना ऐसा लगा जैसे मैं किसी दीवार से टकरा गई हो। उसने सचमुच मेरी सांस रोक दी थी।"
बीट्रिज़ की आँखें हँसी से चमक उठीं।
मैंने अपने बालों में हाथ फेरा। "उसे छोड़ो। मैं उस पिशाच का क्या करूँगी?"
"कुछ नहीं," उसने कहा।
"आपका क्या मतलब है?"
"मतलब, तुम कुछ नहीं करती, कुछ नहीं कहती। उन्हें क्या पता कि तुमने कुछ देखा ही नहीं।" उसने कंधे उचका दिए।

"क्या तुम सच में आश्वस्त हो?" मैंने अपने होंठ दबा लिए। किसी को न बताना भाग जाने से भी बदतर लग रहा था।
"जो कुछ पहले हुआ, उसकी वजह से तुम पहले से ही मुसीबत में हो। क्या तुम और ज्यादा ध्यान अपनी ओर खींचना चाहते हो? वे तुम्हें उपद्रवी मानकर अलग कर सकते हैं।"
मैंने बीट्रिज़ की बातों और इस तथ्य पर विचार किया कि मुझे साक्षात्कार के कारण नहीं, बल्कि क्रिस्टोफर के हस्तक्षेप के कारण कार्यक्रम में प्रवेश मिला था। उसे इस बारे में पता नहीं था, लेकिन उसकी बात में दम था।
मैंने अपने निचले होंठ को चबाया।
"उस पिशाच का क्या हुआ?" मैंने दोबारा पूछा।
"याद रखना, हम आकार बदलने वालों के पक्ष में हैं, इसलिए तकनीकी रूप से एक कम पिशाच हमारे लिए अच्छा है।"
"यह बात सही नहीं लग रही है।"
उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "मैं अभी भी इसे समझने की कोशिश कर रही हूँ। यह डरावना है, इसलिए डरावनी चीजों से दूर रहो, ठीक है?"
"हाँ, तुम सही कह रही हो। यह सब वाकई बेहद डरावना है।" मैंने बालकनी से बाहर के नज़ारे की ओर देखा। बीट्रिज़ के पास पार्क का अच्छा दृश्य था। मुझे लगभग ऐसा लग रहा था जैसे लोग मुझे देख रहे हों। अलौकिक शक्तियों के बारे में सोचकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए। हम कुछ देर बैठे रहे, फिर बीट्रिज़ ने कहा, "दरअसल..." वह हिचकिचाई।
मैंने पूछा, "यह क्या है?"
"मैंने अपना मन बदल लिया है। शायद तुम्हें उन्हें बता देना चाहिए। मुझे लगा था कि वे तुम्हें उपद्रवी समझेंगे, लेकिन मैं गलत थी। गिलन ऐसा नहीं सोचेगा। मैं तुम्हें गलत सलाह नहीं देना चाहती। क्या तुम उन्हें बता दोगी?"
"मैं इस बारे में सोचूंगी।" उसे नहीं पता था कि गिलन उन लोगों में से एक था जो नहीं चाहता था कि मैं इस कार्यक्रम में शामिल होऊं। इससे उसे मुझे बाहर निकालने का बहाना मिल सकता था। अगर मैं किसी से बात कर सकती थी, तो वह क्रिस्टोफर था, लेकिन उस दिन के बाद से मैंने उसे नहीं देखा था।

"नहीं, वास्तव में मुझे लगता है कि मैंने आपको पहले जो सलाह दी थी वह गलत थी," बीट्रिज़ ने दोहराया।
मैंने उससे झूठ बोला, "मैं उन्हें कल बता दूंगी।" बीट्रिज़ को नहीं पता था कि "उन्हें" कौन थे।
"उन्हें बताओ," उसने जोर देकर कहा।
"मैं करूँगा।"

सोलह

अध्याय 16

मैं बीट्रिज़ के कमरे से बाहर निकली, अब भी डरी हुई थी। मैंने अपने कमरे का दरवाज़ा खोला और उसे बंद करने की कोशिश करते हुए भौंहें सिकोड़ीं। दरवाज़ा अटक गया था। मैंने उसे धक्का दिया और वह ज़ोर से बंद हो गया। मैंने ताला लगाया और अपने बिस्तर की ओर चल पड़ी।
मैं बाथरूम में गई। हाथ धोते हुए मैंने आईने में अपना चेहरा देखा। बहुत कुछ हो चुका था। मेरा दिमाग अभी भी उन सब बातों के बारे में सोच रहा था जो मैंने देखी थीं। मैं बाहर निकली। मैंने अपना लॉकेट उतारा और उसमें धधकती आग को देखा। मैंने उसे अपनी मेज पर रख दिया और अपनी कमीज़ उतारने लगी।
"कृपया ऐसा मत करो। इससे स्थिति असहज हो जाएगी।"
मैं डर के मारे उछल पड़ा। मैं एकदम से घूम गया।
छोटे, काले, घुंघराले बालों वाली एक महिला दरवाजे से टेक लगाकर खड़ी थी, उसने अपनी बाहों को अपनी छाती पर बांध रखा था।
"तुम कौन हो?" मैं खड़ा हुआ और अपने आस-पास पड़ी सबसे नज़दीकी चीज़ को हथियार की तरह इस्तेमाल करने के लिए उठाया और चेतावनी के तौर पर उसे अपने सामने रखा। दुर्भाग्य से, वह तो बस मेरा ताबीज़ था।

उस महिला ने अपनी बाहें खोलीं और आगे बढ़ी, जिससे उसका चेहरा रोशनी में आ गया। मेरी सांस अटक गई। यह वही महिला थी जो गली में मिली थी।
मैंने ताबीज को अपने सामने लहराया। "और पास मत आओ!" मैंने उसे चेतावनी दी। जैसे ही वह मेरे करीब आई, मैं बिस्तर के चारों ओर पीछे हट गई।
वह रुकी और उसने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "या फिर क्या? तुम मुझे हार से मारोगे?"
मैंने अपनी मेज से आचार संहिता की किताब उठाई और उसे उसकी ओर फेंक दिया।
"अरे!" उसने भौंहें चढ़ाकर उस जगह को रगड़ा जहाँ किताब लगी थी। वह झुककर किताब उठाने लगी और शीर्षक पढ़ने के लिए उसे पलटा। "ओह, मैंने यह किताब पढ़ी है। पढ़ने में अच्छी है। हर नियम तोड़ने पर मौत मिलती है। किताबें इधर-उधर नहीं फेंकनी चाहिए।" उसने किताब मेरे बिस्तर पर रख दी और मैं उसकी शांत मुद्रा देखकर अचंभित रह गया।
मैंने पूछा, "क्या तुम मुझे मारने नहीं आए हो?"
"नहीं, मैं ऐसा क्यों करूंगी?" वह सचमुच हैरान लग रही थी।
"तुमने गली में उस पिशाच को मार डाला।"
"हां।" उन्होंने इस पर और कुछ नहीं कहा।
"क्यों?" मेरी जिज्ञासा मुझ पर हावी हो गई।
"आज उसका दिन था।" उसने अपने घुंघराले बालों में हाथ फेरा और उन्हें झटक कर खोल दिया।
"तुमने मुझे कैसे ढूंढा?" मैंने ताबीज को अपने सिर से उतारकर अपनी कमीज के नीचे दबा लिया।
"तुम तो बड़े शक्की हो, है ना? खैर, इसी से तुम्हारी जान बचती है, इसलिए इसे मत भूलना। किसी पर भरोसा मत करना। वैसे, मैंने वो ताबीज़ देखा और मुझे पता है कि वो सीमित मात्रा में ही मिलते हैं। मैंने पता लगाया तो पता चला कि इस कार्यक्रम में बच्चों का एक नया बैच शामिल हुआ है। ये अपेक्षाकृत आसान था।"
मैंने कहा, "यह तो काफी तेज़ था।"

"मेरे संपर्क हैं। अब मैं बस थोड़ा सा जादू करने जा रहा हूँ जिससे आप वो सब भूल जाएँगे जो आपने देखा था।"
"क्यों? मैं कुछ नहीं कहूंगा।" मैं उससे और दूर हट गया।
"जिन लोगों के लिए मैं काम करती हूँ, उन्हें गवाह पसंद नहीं हैं। अगर मैं ऐसा नहीं करूँगी, तो वे तुम्हारे पीछे पड़ जाएँगे। यकीन मानो, यही बेहतर है।" उसने अपनी ही बात पर हल्की सी हँसी उड़ाई। "ठीक है, मुझे पता है मैंने अभी-अभी तुमसे कहा था कि लोगों पर भरोसा मत करो, लेकिन इस बार मेरी बात मानो।"
"मैं नहीं चाहती कि तुम मुझ पर जादू करो।" मैं पीछे हटती गई, यहाँ तक कि मेरी पीठ दीवार से टकरा गई। कमरे से बाहर निकलने के दो रास्ते थे, दरवाजा और बालकनी, और वह दोनों रास्तों में मेरे सामने खड़ी थी।
"तुम्हारे पास वास्तव में ज्यादा विकल्प नहीं है। मैं तुम्हारे सो जाने का इंतजार कर सकता हूं और फिर ऐसा कर सकता हूं, लेकिन मैं इतना छुपकर काम करने की कोशिश नहीं करता।"
जब मैं अपने विकल्पों पर विचार कर रहा था, तब वह धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करती रही। मैं जानता था कि वह एक हत्यारी है। अगर मैंने इनकार किया, तो संभव था कि वह मुझे मार डाले। मेरे लिए सहयोग करना ही सबसे अच्छा होगा। इससे ड्रैगन शिफ्टर्स को रिपोर्ट करने की समस्या भी हल हो जाएगी। मैं उस बात की रिपोर्ट नहीं कर सकता जो मुझे याद ही नहीं है।
मेरा संकल्प और भी दृढ़ हो गया, लेकिन मुझे कुछ शर्तें रखनी थीं। "क्या तुम वादा करते हो कि तुम गली में जो कुछ हुआ था, उसकी यादें ही मिटाओगे?"
"हां," उसने कहा।
"ठीक है।" मैं बिस्तर की ओर बढ़ा और बैठ गया।
वह तेज़ी से मेरे पास आई और अपनी जैकेट से खंजर निकाला। मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं और सुना कि उसने खंजर मेरे नाइटस्टैंड पर रख दिया। मैंने फिर से आँखें खोलीं। उसके चेहरे पर हंसी का भाव था। "मैं तुम्हें नहीं मारूंगी। मैं यह काम चुपचाप, बिना किसी शोर-शराबे के कर सकती हूँ।"
"चलो फिर, इसे खत्म करो," मैंने दांत पीसते हुए कहा। मुझे इस बात से नफरत थी कि मेरी यादें बदल दी जाएंगी, लेकिन मैं नहीं चाहती थी कि और भी अलौकिक

शक्तियां मेरे पीछे पड़ें।
"मेरा नाम आयशा है। आपका नाम क्या है?" उसने अचानक पूछा।
"वैनेसा।" मुझे आश्चर्य हुआ कि अगर वह मेरा नाम मेरी याददाश्त से मिटाने वाली थी तो वह मुझे अपना नाम क्यों बता रही थी।
"जब मैं यह मंत्र पढ़ूँगी तो अगर तुम आराम करोगे तो अच्छा रहेगा।" मेरे चेहरे के भाव देखकर वह हँस पड़ी। "मैं मन की बात तो नहीं जान सकती, लेकिन मैं देख सकती हूँ कि तुम कितने तनाव में हो।"
"अगर आपको मेरा नाम नहीं पता था तो आपने मुझे कैसे ढूंढा?" मुझे अभी भी उसके ताबीज के पीछे चलने की व्याख्या पर यकीन नहीं हो रहा था।
"मैं लोगों का पता लगाने में बहुत माहिर हूँ।" उसने अपने हाथ उठाए और मेरे सिर पर रख दिए। मैं चौंक गया और उसकी तरफ देखा, लेकिन उसकी आँखें एकाग्रता में बंद थीं। मुझे आश्चर्य हुआ कि इसमें कितना समय लगेगा।
आयशा ने भौंहें चढ़ाकर आंखें खोलीं। "क्या तुमने कोई जादुई वस्तु पहनी है?"
मैंने अपने हाथों से कमीज़ के नीचे से अपना पेंडेंट निकाला। "बस यही।"
"इसे उतार दो," उसने आदेश दिया।
मैंने उसकी बात मान ली।
उसने मुझसे पेंडेंट लिया और उसे गौर से देखा। "यह बहुत सुंदर है। दीना एक सच्ची कलाकार है।"
"तुम उसे जानते हो?" क्या इसी तरह उसने मुझे ढूंढा था?
"वह मेरी दोस्त है।" आयशा ने पेंडेंट को पलटकर देखा। "अगर तुमने हर समय उनके आसपास रहने के लिए साइन अप किया है, तो तुम्हें ड्रैगन से ज़रूर प्यार होगा।"
आयशा ने अपना हाथ आगे बढ़ाया और उसे फिर से मेरे सिर पर रख दिया। उसके चेहरे पर एकाग्रता का भाव आ गया। कुछ सेकंड बाद, वह अपनी एड़ियों पर पीछे की ओर झुक गई।
"क्या बात है?" मैं उसके चेहरे के भावों को समझ नहीं पा रहा था।
मुझे लगा कि यह पेंडेंट है, लेकिन यह नहीं है।
"क्या नहीं है? तुम किस बारे में बात कर रहे हो?"

वह झिझकी, उसकी निगाहें मुझे घूर रही थीं।
"बताओ!" मैंने ज़िद की। जो भी बात हो, मैं उसे संभाल सकता था।
आयशा ने अपने होंठ कसकर बंद कर लिए। अनिच्छा से उसने कहा, "तुम एक चुड़ैल हो।"
"क्या?" मैं चौंक गया। मुझे उससे ऐसी उम्मीद बिल्कुल नहीं थी। "नहीं, मैं नहीं हो सकता।" मुझे गार्गोयल मातेउ की कही बात याद आ गई कि अलौकिक शक्तियों वाले प्राणियों को इस कार्यक्रम में शामिल होने की अनुमति नहीं है।
"तुम एक चुड़ैल हो," आयशा ने धीरे से सिर हिलाया, उसका चेहरा गंभीर था। "बस देखते रहो जब ड्रैगन को पता चलेगा कि वे अपने महल में क्या लेकर आए हैं..."

सत्रह

अध्याय 17

नुकीले पंजों ने मेरे चेहरे पर वार किया, लेकिन वार बाल-बाल बच गया। मैं डर के मारे पीछे हट गया और ज़मीन पर गिर पड़ा। मैंने अपने हमलावर से चीखते हुए पूछा, "क्या तुम मेरा चेहरा नोच डालना चाहते हो?"
रूप बदलने वाली उस स्त्री की बर्फीली नीली आँखें चमक उठीं और वह एक तीखी हंसी हंस पड़ी। "तुम्हें क्या लगता है?"
"यह तो पागलपन है," मैंने कहा, मेरी आवाज में घबराहट साफ झलक रही थी।
वह शिकारी कदमों से मेरी ओर बढ़ी। मैं घबराकर पीछे हट गया और हथियार की तलाश में इधर-उधर देखने लगा। मेरी नज़र लगभग दस फीट दूर ज़मीन पर पड़ी एक तलवार और एक गदा पर पड़ी। मैं उठ खड़ा हुआ और गदा की ओर भागा। मैंने उसे उठाया और उस रूप बदलने वाली प्राणी की ओर मुड़ा।
"तुम इससे क्या करोगे?" उसकी आवाज़ में हंसी झलक रही थी। वह मुझे कभी भी रोक सकती थी। उसकी असाधारण गति के मुकाबले मेरी गति कछुए जैसी थी।

मैंने उससे बेखौफ होकर कहा, "मैं तुम्हारा सिर फोड़ दूंगा।" भारी वजन होने के बावजूद, लाठी उठाना और चलाना आसान था। मैंने कल्पना की कि यह एक बेसबॉल बैट है और मैंने ठीक-ठीक सोच लिया कि मैं उसे कैसे मारूंगा।
रूप बदलने वाली उस औरत ने अपना सिर पीछे झुकाया और फिर से हंस पड़ी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि इसमें हंसी की क्या बात है। अगर वो मेरा चेहरा नोच डालेगी, तो मैं भी उसका चेहरा चकनाचूर कर दूंगी। "देखते हो, इंसान, करके दिखाओ," उसने ताना मारा।
उस शब्द ने मेरे अंदर कुछ हलचल पैदा कर दी। मैंने उन भावनाओं को दबा दिया, उन्हें अपने अंदर कैद कर लिया। अगर मैं इस मुठभेड़ से बच गया तो बाद में उन भावनाओं के बारे में सोचूंगा।
"मेरा नाम वैनेसा है," मैंने उसकी घमंडी मुस्कान को घूरते हुए कहा।
"चलो फिर, वैनेसा, देखते हैं तुम्हारे पास क्या है," शिफ्टर ने अपनी उंगलियां चटकाते हुए कहा।
मुझे वह आवाज सुनकर सिहरन हुई।
उसके चेहरे पर एक तीखी मुस्कान आ गई। वह मेरी ओर झपटी और मैंने लाठी उठाकर उसकी ओर घुमाई। लाठी उसके शरीर से टकराने से पहले ही, वह ऐसे ज़मीन पर गिर पड़ी जैसे कोई पुश-अप करने वाली हो। लाठी उसके सिर के ऊपर से निकल गई, कोई नुकसान नहीं हुआ। वह उछलकर वापस खड़ी हो गई, अपनी फुर्ती और ताकत का प्रदर्शन करते हुए उसके घुटने उसकी छाती तक पहुँच गए। इससे पहले कि मैं लाठी वापस घुमा पाता, उसने अपना हाथ मेरी गर्दन पर कसकर पकड़ लिया और मुझे ज़मीन से ऊपर उठा लिया। मैंने लाठी छोड़ दी, मेरे हाथ उसकी उंगलियों को पकड़ने की कोशिश कर रहे थे जो मेरी गर्दन पर फंदे की तरह कस गई थीं। उसने मुझे और ऊपर उठा लिया जैसे मैं बिल्ली के बच्चे जितना हल्का हूँ। मेरे पैर की उंगलियां मुश्किल से ज़मीन को छू रही थीं।
"ऐसा लगता है कि लाठी तुम्हारे लिए सबसे अच्छा हथियार नहीं है," उसने फेंकी हुई वस्तु पर नजर डालते हुए सोचा।
मैंने उसे गाली दी, लेकिन वह एक दबी हुई घुरघुराहट जैसी आवाज बनकर निकली।

उसने अपना सिर झुकाया और मेरी तरफ ऐसे देखा मानो सोच रही हो कि कितनी आसानी से वो अपनी उंगलियाँ मेरी गर्दन पर कसकर मुझे मार सकती है। मैंने एक घुटना उठाया और उसके शरीर पर लात मारने की कोशिश की, लेकिन उसने अपने बाएँ हाथ से मुझे रोक दिया। मैंने अपने दूसरे पैर से उसे लात मारी और उसके कठोर शरीर से टकराते ही दर्द से कराह उठा। उसने मुझे ऐसे झटक दिया जैसे मैं कोई मक्खी हूँ।

सांस लेना और भी मुश्किल होता जा रहा था।

"तुम अब भी बहुत धीमे हो," उसने कहा। "तुम्हें अपने रक्षात्मक कौशल पर और अधिक काम करना होगा।"

कोई मजाक नहीं।

उसकी उंगलियों ने मुझे छोड़ दिया और मेरे पैर लड़खड़ा गए, मैं ज़मीन पर गिर पड़ा। जब मैं हांफ रहा था, उसने मेरी तरफ देखा। मेरी बेसुध हालत देखकर उसने अपनी आँखें घुमाईं।

"वह ठीक है," उसने कहा।

अभी भी सांस लेने की कोशिश करते हुए, मैंने भौंहें चढ़ा लीं और सोचने लगी कि वह किससे बात कर रही थी।

"मैंने उसे चोट नहीं पहुंचाई," उसने कंधे के ऊपर से एक ऐसे व्यक्ति से कहा जिसे मैं देख नहीं पा रहा था। "ज़्यादा नहीं," उसने आगे कहा।

वह एक तरफ मुड़ी, जिससे एक लंबा आदमी दिखाई दिया जिसके चेहरे पर गंभीर भाव थे और आंखें सिकुड़ी हुई थीं। गिलन।

"तुम वैनेसा के साथ क्या कर रहे हो?" उसने शैमा से पूछा।

"उसने आत्मरक्षा के सबक लेने को कहा था। मैं उसे सिखा रही हूँ।" शैमा ने कंधे उचका दिए।

गिलन के हावभाव से मुझे उसकी बात की पुष्टि या खंडन करने की प्रेरणा मिली।

मैंने अपना मुंह खोला और हां की जगह एक कर्कश आवाज निकली। मैंने गला साफ किया और फिर कोशिश की। "मैंने उससे पूछा था। उसने मुझे चोट नहीं पहुंचाई," मैंने पुष्टि की। "ज्यादा नहीं।"

"क्यों?" गुइलेन ने मुझसे पूछा। "क्या आपको धमकी मिली है?"

"मैं अपने पुराने शहर में आत्मरक्षा की कक्षाएं लेती थी।" यह सच था। जब से मेरी माँ ने मुझे जान से मारने की कोशिश की थी, तब से मैं नियमित रूप से कक्षाएं ले रही थी। और जब उसने दोबारा मुझे जान से मारने की कोशिश की, तो मैंने अपनी सुरक्षा के लिए और भी ज़्यादा मेहनत की। मैं जो कुछ भी सीखा था, उसे भूलना नहीं चाहती थी, खासकर उस जगह को देखते हुए जहाँ मैं रह रही थी।

मैंने जानबूझकर गिलन के सवाल का जवाब नहीं दिया था। मुझे अभी तक कोई धमकी नहीं मिली थी, लेकिन ड्रैगन रिसर्च एंड अथॉरिटी सेंटर में बिताया हर दिन मेरे लिए खतरे का एक और दिन था। मुझे ड्रैगन रिसर्च इनिशिएट प्रोग्राम में एक इंसान के रूप में भर्ती किया गया था। जब तक हत्यारी आयशा ने मेरी याददाश्त मिटाने की कोशिश नहीं की, तब तक मुझे पता नहीं चला था कि मैं एक चुड़ैल हूँ। और अगर ड्रैगनों को पता चल गया कि मैं क्या हूँ, तो वे मुझे मार डालेंगे। वे किसी चुड़ैल को अपने बीच रहने नहीं देंगे।

लेकिन मैं इस कार्यक्रम को यूं ही नहीं छोड़ सकता था। मुझे अपने बारे में और अधिक जानने की ज़रूरत थी, लेकिन जितना अधिक समय मैं वहां रहता, उतना ही अधिक खतरा था कि कोई मेरा रहस्य जान लेगा।

"किसी रूप बदलने वाले प्राणी के साथ आत्मरक्षा के सबक लेना, किसी इंसान के साथ आत्मरक्षा के सबक लेने जैसा नहीं है," गिलन ने स्पष्ट बात कहते हुए कहा।

"हमने कई सबक ले लिए हैं। मैंने उसे अभी तक अस्पताल नहीं भेजा है।" शैमा ने अपनी उंगलियां चटकाईं। उस आवाज़ से मुझे फिर से तकलीफ हुई। मैंने अपना हाथ गर्दन पर फेरा और वहाँ दर्द महसूस किया। इससे निशान पड़ जाएगा।

गिलन ने मेरे हाथ को देखा और शाईमा की ओर भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "बस याद रखना कि वह भी एक इंसान ही है।"

काश उसे पता होता।

अठारह

अध्याय 18

मैं अभी-अभी नहाकर बाहर निकला था और अपने कमरे में कपड़े पहन रहा था तभी किसी ने दरवाजे पर दस्तक दी।
"जी?" मैंने पुकारा। मैंने अपने सिर पर एक टी-शर्ट खींच ली।
"हे वैनेसा, क्या तुम हमारे साथ कैफेटेरिया में आना चाहोगी?" बीट्रिज़ ने दरवाजे के दूसरी तरफ से मुझसे पूछा।
"ज़रूर। मैं दो मिनट में आ रहा हूँ। मेरे बिना मत जाना।"
"ठीक है," बीट्रिज़ ने कहा।
मैंने जल्दी से कपड़े बदले और अपने कमरे से बाहर निकलकर दरवाज़ा बंद कर लिया। मैं ड्रैगन रिसर्च इनिशिएट प्रोग्राम के प्रतिभागियों के लिए बने साझा बैठक कक्ष में दाखिल हुई। यह केंद्र के एक हिस्से में स्थित था। यहाँ बारह कमरे थे। कुछ शयनकक्षों के दरवाज़े खुले थे और कमरों से संगीत की धुनें आ रही थीं। मैं बैठक कक्ष की ओर गई जहाँ मुझे लगा कि बीट्रिज़ होगी। मेरा अनुमान सही था। वह सोफे पर बैठी पॉल और मैरिबेल से बातें कर रही थी।
मैंने उससे कहा, "मैं तैयार हूँ।"
बीट्रिज़ खड़ी हो गई। उसने दूसरों से पूछा, "क्या आप हमारे साथ आ रहे हैं?"
मैरिबेल ने अपना सिर हिलाया, उसके छोटे नीले बाल लहरा रहे थे। "मुझे पढ़ाई करनी है।"
"ज़रूर," पोल खड़ा हो गया। "मैं खाना खा सकता हूँ।"
मैंने अपनी मुस्कान छिपाने की कोशिश भी नहीं की। पोल हमेशा कुछ न कुछ खाता रहता था, लेकिन उसके दुबले-पतले शरीर को देखकर यह पता नहीं चलता था।
"क्या तुम लोग कैंटीन जा रहे हो?" क्वेंटिन ने पूछा।
"हां," बीट्रिज़ ने उत्तर दिया।
"अगर आपको ठीक लगे तो मैं आपके साथ आऊंगा," उसने कहा।
"ज़रूर," उसने तिरछी नज़र से मुझे देखा और अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। मैंने उसके मौन प्रश्न का उत्तर कंधे उचकाकर दिया। पिछले तीन हफ़्तों में मैं अपने कुछ सहपाठियों से परिचित हो चुका था, लेकिन क्वेंटिन मेरे लिए अब भी एक अनछुआ

था। वह एक कूल अंदाज़ देता था, लेकिन जहाँ पोल आमतौर पर मज़ेदार और बेबाक था, वहीं क्वेंटिन के मन की बात मैं कभी नहीं जान पाता था।
हम गलियारे और सीढ़ियों से होते हुए, सेंटर के भूलभुलैया जैसे लेआउट को पार करते हुए कैफ़ेटेरिया तक पहुँचे। कैफ़ेटेरिया हमेशा खुला रहता था और समय के अनुसार, वहाँ दर्जनों लोग या बस कुछ ही लोग हो सकते थे। इस समय, वहाँ केवल दो ड्रैगन शिफ्टर खाना खा रहे थे, लेकिन मैं उन्हें पहचान नहीं पाया। मैंने उपलब्ध भोजन देखा, एक ट्रे उठाई और उसमें पटाटास ब्रावास और चिकन सींक भर लिए। हम कई खाली मेजों में से एक पर बैठ गए।
"तुम्हारी आत्मरक्षा की क्लास कैसी रही?" बीट्रिज़ ने मुझसे पूछा।
मैंने अपना हाथ अपनी गर्दन पर रखा। "मुश्किल है। मुझे कोई प्रगति होती नहीं दिख रही है।"
आपने उनके साथ कक्षाएं लेने का निर्णय क्यों लिया?
मैंने कंधे उचकाए और खाना खाने लगी। जब से मुझे पता चला कि मैं एक चुड़ैल हूँ, बीट्रिज़ और मेरे बीच सब कुछ अजीब सा हो गया था। मैंने बीट्रिज़ को इसके बारे में बताया था, लेकिन तब तक उसकी याददाश्त मिटाई नहीं गई थी। हत्यारी चुड़ैल आयशा चुपके से सेंटर में घुस आई और मेरी याददाश्त मिटाने की कोशिश की, लेकिन वह कामयाब नहीं हो पाई। इसी तरह मुझे पता चला कि मैं एक चुड़ैल हूँ। हम दोनों के लिए यह एक बड़ा झटका था। चूंकि आयशा मेरी याददाश्त नहीं मिटा सकी, इसलिए उसने मुझे बीट्रिज़ को दोबारा बताने से मना किया, और तब से यह राज़ हम दोनों के बीच ही रहा। भले ही बीट्रिज़ को पता नहीं था, फिर भी उसे कुछ गड़बड़ लग रही थी और उसने मुझसे कई बार पूछा कि क्या मुझे कुछ हुआ है। मैंने सामान्य दिखने की कोशिश की, लेकिन फिर भी यह अजीब था कि मैं क्या हूँ और इसे अपनी सबसे करीबी दोस्त से छुपा रही थी। मैं खुद को अलग-थलग और अकेला महसूस कर रही थी। और मुझे इस बात का बहुत डर था कि शिफ्टर्स को पता चल जाएगा। मैंने घर लौटने के बारे में सोचा था, लेकिन अगर मैं ऐसा करती, तो मुझे कोई जवाब नहीं मिलता। मुझे ड्रैगन शिफ्टर्स को उनका चार्मस्टोन भी वापस देना होगा, और इसके बिना मैं छिपी हुई जादुई दुनिया को नहीं देख पाऊँगा। मुझे यहीं रुककर इसका हल निकालना होगा।

"क्या आप विश्वास कर सकते हैं कि हमें यहां आए हुए एक महीने से ज्यादा हो गया है?" क्वेंटिन ने अपने बर्गर का एक टुकड़ा खाते हुए कहा।
मैंने सिर हिलाया। "समय कितनी जल्दी बीत गया।"
"इस अजीब दुनिया के बारे में जितना ज़्यादा मैं जानता हूँ, उतना ही ज़्यादा हैरान होता हूँ," पोल ने अपनी ट्रे मेज पर रखते हुए कहा। "क्या आप लोगों को पता है कि एक ऐसी चुनौती भी है जिसमें हर कोई जान की बाज़ी लगाता है?"
बीट्रिज़ और मैं उसे घूरने लगे। "क्या?"
क्वेंटिन ने कहा, "हां, मैंने भी इसके बारे में सुना है। मुझे नहीं पता कि इन सभी सत्ता संघर्षों के बीच चीजें स्थिर कैसे रह पाती हैं।"
"क्या डिएगो हर बार जीतता है?" बीट्रिज़ ने पूछा।
"मुझे लगता है ऐसा ही है, वरना वह ड्रैगन शिफ्टर्स का मुखिया नहीं होता।" पोल ने अपने पेय का एक घूंट लिया।
हममें से किसी ने भी डिएगो को अभी तक न तो देखा था और न ही उससे मुलाकात की थी। जहाँ तक हमें पता था, वह विशाल जबड़ों वाला एक दैत्य राक्षस था। दूसरे ड्रैगन रूप बदलने वाले उसके बारे में शायद ही कभी बात करते थे। जब हम पूछते, तो वे अस्पष्ट जवाब देते। अगर आयशा से मेरी मुलाकात न हुई होती, उस चुड़ैल से जिसने मेरा दिमाग मिटाने की कोशिश की थी, तो मैं डिएगो के अस्तित्व पर ही सवाल उठा देता। लेकिन उसने मेरा नाम लेकर मुझे चेतावनी दी थी कि मैं ड्रैगनों को अपना रहस्य न बताऊँ। उसने उसका नाम ऐसे लिया जैसे वह कोई भूत हो।
"तो क्या वे उन्हें मार डालते हैं?" बीट्रिज़ ने पूछा।
"हाँ," पोल ने अपनी गर्दन पर काटने का इशारा किया। "मर गया।"
"वह कितने लोगों से लड़ता है?" उसने पूछा।
"जो कोई भी उसे चुनौती देना चाहे।"
"क्या यहाँ सिर्फ़ ड्रैगन ही हैं?" मैंने पूछा। इस कार्यक्रम में शामिल होने के बाद से मुझे पता चला था कि ड्रैगन के अलावा भी कई तरह के रूप बदलने वाले जीव होते हैं। और मैं हर दिन नए-नए अलौकिक प्राणियों के बारे में जान रही थी। अब तक मैं दो चुड़ैलों, कुछ गार्गोयल से मिल चुकी थी और एक पिशाच को मरते हुए देख चुकी

थी। तब से मैंने खुद को केंद्र में अलग-थलग कर लिया था। कार्यक्रम शुरू करने के बाद से मैं अपने परिवार से सिर्फ़ एक बार ही मिली थी। ज़्यादातर अलौकिक प्राणी अच्छे थे, लेकिन कुछ नहीं थे। यह दुनिया खतरनाक थी, खासकर अगर आप तालाब की सबसे छोटी मछली हों।

हां, यह जानकर मुझे बहुत बड़ा झटका लगा था कि मैं एक चुड़ैल हूं।

सबसे पहले मैंने आत्मरक्षा की कक्षाएं लेने का अनुरोध किया। गिलन ने मना कर दिया, इसलिए मैंने एक अन्य प्रशिक्षक से पूछा और उन्होंने मुझे शाईमा के पास भेज दिया।

"तुम्हारी पढ़ाई कैसी चल रही है?" पोल ने पूछा।

"वह अब भी मुझसे बेहतर साबित हो रही है।" मेरी प्रगति में हो रही धीमी गति बेहद निराशाजनक थी।

"वह ड्रैगन का रूप बदलने वाली है। ज़ाहिर है, वह तुम्हें हर बार हराएगी," वह हंसते हुए बोला।

"उसने कहा कि मैं सामान्य मनुष्यों से भी तेज हूँ।" मुझे उम्मीद थी कि मैं कोई जादुई क्षमता दिखा रहा हूँ।

"तुम हो। हम सबने यह देखा," क्वेंटिन ने कहा।

मैंने अपने होंठ दबा लिए। क्वेंटिन सेंटर में मेरे दूसरे दिन हुई मेरी लड़ाई और उसके बाद भाग जाने की बात कर रहा था। मैं इसके बारे में बात नहीं करना चाहती थी।

"मैंने देखा है कि तब से तुमने किसी से लड़ाई नहीं की है और न ही किसी को चुनौती दी है। क्या तुम डरे हुए हो?" क्वेंटिन ने पूछा।

"बदतमीज़ी मत करो," बीट्रिज़ ने उस पर फुफकारते हुए कहा।

"वह डरी हुई नहीं है।" पोल की आँखों में समझदारी झलक रही थी। "वह बस किसी को चोट नहीं पहुँचाना चाहती। चाहे वह लेयर ही क्यों न हो।"

मुझे अचानक निगलने में कठिनाई होने लगी।

"लेइरे को जो मिला, वो उसी के लायक था।" क्वेंटिन ने कंधे उचकाते हुए कहा। "वैसे भी उसने कुछ सीखा तो नहीं। वो अब भी तुम्हारी जिंदगी मुश्किल बना रही है।"

ड्रैगन रिसर्च इनिशिएट प्रोग्राम हम सबके लिए बिल्कुल नया था। एक जादुई पत्थर की मदद से जादुई दुनिया में कदम रखना हमारे लिए एक बड़ा झटका था, लेकिन हममें से ज़्यादातर लोग वहाँ ढल गए। लेइरे को छोड़कर। ऐसा लग रहा था मानो वो मेरी ज़िंदगी नरक बनाने पर तुली हुई हो। शायद दूसरे ही दिन उसे पीटकर मैंने उसके लिए इस नई दुनिया में ढलना मुश्किल कर दिया था, लेकिन मुझे याद नहीं कि क्या हुआ था। मुझे बस इतना याद है कि उसने मुझे लड़ाई के लिए चुनौती दी थी, और मैंने उसकी चुनौती स्वीकार कर ली थी, उसे सीधे अस्पताल भेज दिया था। उसके बाद से वो और भी ज़्यादा परेशान करने लगी थी, मुझे तंग करने के नए-नए तरीके ढूंढती रहती थी।

बीट्रिज़ ने नाक सिकोड़ते हुए कहा, "यह सच है। लेयर को कभी समझदारी से काम लेना नहीं आता था।" कार्यक्रम में शामिल होने से पहले ही बीट्रिज़ लेयर को जानती थी, जो उसका दुर्भाग्यपूर्ण अनुभव था।

"अच्छा, कम से कम उसे यह तो पता है कि तुम उसकी जमकर पिटाई कर सकते हो।" केंटिन मुस्कुराया।

मैंने सिर हिलाया। "मैं उसे मारना नहीं चाहती। मुझे हिंसा से नफरत है। इसीलिए मैं आत्मरक्षा का प्रशिक्षण ले रही हूँ। मैं किसी को चोट नहीं पहुँचाना चाहती। मैं दूसरों को नुकसान पहुँचाए बिना अपनी रक्षा करना सीखना चाहती हूँ।"

"तुम किसी को नुकसान नहीं पहुँचाओगे," पोल ने मुझे दिलासा देते हुए कहा। "वैसे भी, तुम्हें जादू के बारे में पता होना चाहिए।"

मेरी आंखें हैरानी से चौड़ी हो गईं। "क्या? तुम्हारा क्या मतलब है?"

उसने मुस्कुराते हुए अपना खाना फिर से शुरू कर दिया।

उसे क्या पता था?

उन्नीस

अध्याय 19

"तुम्हें जादू के बारे में सब कुछ पता है," क्वेंटिन ने दोहराया।
मैंने अपने दो सहपाठियों, क्वेंटिन और पोल की ओर देखा। "तुम्हारा क्या मतलब है?"
"तुम जादू की दुकान पर उस गार्गोयल से बहुत देर तक बातें करते रहे। मैंने तुम्हें उससे जादू के बारे में पूछते हुए सुना," पोल ने कहा। उसने भौंहें चढ़ाते हुए पूछा, "तुम्हें क्या लगता है मेरा मतलब क्या था?"
मैंने राहत की सांस ली। आखिरकार उसे मेरा राज़ पता नहीं चला। बीट्रिज़ ने मुझे अजीब नज़र से देखा। मैंने चेहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश की। "मुझे नहीं पता। हमने ज़्यादातर गार्गोयल्स के बारे में ही बात की।"
"क्या आप उस दुकान पर वापस जाना चाहेंगे?" पोल ने हमसे पूछा। "मैं और अधिक जानना चाहूंगा।"
मैंने एक पटाटास ब्रावास को गोदते हुए सोचा। शायद मुझे अपने सवालों के जवाब मिल जाएं। "ज़रूर, क्यों नहीं?"
क्वेंटिन ने अपने बर्गर का एक और टुकड़ा खाया, चबाया और कंधे उचका दिए। उसे साफ तौर पर कोई फर्क नहीं पड़ता था।
"शायद वे प्रेम औषधि बेचते हों।" बीट्रिज़ की आँखें चमक उठीं। उसने ताली बजाई। "हाँ, चलो वहाँ चलते हैं। हम कब जा सकते हैं?"
पोल हँस पड़ा। "तुम किसका नाम लिखने की कोशिश कर रहे हो?"
"कोई नहीं," उसने धीरे से कहा। उसका चेहरा लाल हो गया।
उसने उसे एक हल्की सी मुस्कान दी। "कौन है? हम आपकी मदद कर सकते हैं।"
बीट्रिज़ शर्म से अपना सिर नीचे झुका लिया। पोल ने क्वेंटिन से नज़रें मिलाईं। उसने मेरी तरफ़ देखकर अपनी भौंहें उठाईं और मैंने सिर हिला दिया। मुझे शक था कि वह अचानक इतनी शर्मीली क्यों हो गई थी, लेकिन मैं उसका राज़ किसी को बताना नहीं चाहती थी।
"कल क्लास खत्म होने के बाद हम जाएंगे।" क्वेंटिन ने अपना बर्गर खत्म किया और उंगलियों से गिरे हुए टुकड़ों को चाट लिया।
"कल हमारी आखिरी क्लास में क्या है?" बीट्रिज़ ने पूछा।
मैंने जवाब दिया, "ड्रैगन के मूल सिद्धांत।"

हमारी कक्षाएं प्रतिदिन सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक चलती थीं, जिसके बाद हम दोपहर के भोजन के लिए रुकते थे। उसके बाद शाम पांच बजे से आठ बजे तक कक्षाएं फिर से शुरू हो जाती थीं। पूरा कार्यक्रम हमें उत्कृष्टता के लिए तैयार करने के लिए बनाया गया था, इसीलिए हमने नियमित कक्षाओं के अलावा नेतृत्व की मूल बातें, खजाना ढूंढना, सामुदायिक गतिशीलता और शत्रु से मुकाबला और आत्मरक्षा जैसी असाधारण कक्षाएं भी लीं। शत्रु से मुकाबला और आत्मरक्षा की कक्षा में ही लेयर ने मुझे चुनौती दी थी।
"ठीक है, हम कल वहाँ जाएँगे," पोल ने पुष्टि की।
"क्या आपको लगता है कि वह गार्गोयल वहां होगा?" बीट्रिज़ ने मुझसे पूछा।
"शायद वो नहीं आएगा। क्या तुम्हें लगता है कि वो सारा दिन दुकान पर ही रहता है?" मेरे जवाब देने से पहले ही केंटिन ने कहा। "वो वहाँ काम नहीं करता।"
"क्या आपको वहां जाने का रास्ता याद है?" बीट्रिज़ ने हमसे पूछा।
हम सब हंस पड़े। ज़ाहिर है, वह मज़ाक कर रही थी।
"जैसे कि मैं भूल जाऊंगा। गिलन ने हमें बस गोल-गोल घुमाकर रख दिया।" केंटिन ने आंखें घुमाईं।
"आपको उन्हें श्रेय देना होगा। हम एल बोर्न के उस हिस्से को कभी नहीं भूलेंगे," पोल ने कहा।
मैंने सिर हिलाया। "क्या यह अजीब नहीं है कि ये सभी जादुई जीव वर्षों से हमारे आसपास घूम रहे हैं, लेकिन हम उन्हें देख नहीं पाए?"
तकनीकी तौर पर, मैं कुछ महीने पहले ही बार्सिलोना आया था। यहाँ आने से पहले, मैं मलागा के बाहर एक छोटे से कस्बे में रहता था। मैंने गिलन से पूछा था कि क्या अलौकिक शक्तियां केवल बार्सिलोना में ही पाई जाती हैं और उसने मुझे बताया कि वे पूरी दुनिया में मौजूद हैं।
"हाँ, और बस यही काफी था।" बीट्रिज़ ने अपनी अंगूठी दिखाने के लिए हाथ उठाया। बीच में एक चमकीला रत्न जड़ा हुआ था। मेरा हाथ गले में लटके ताबीज पर गया। मेरा रत्न एक पेंडेंट में था। मैंने लड़कों की तरफ देखा। उन सभी के पास भी एक-एक रत्न था।
"मुझे आश्चर्य है कि ये ताबीज कैसे काम करते हैं," पोल ने सोचा।

जब हम पहली बार कार्यक्रम में शामिल हुए, तो गिलन हमें एल बोर्न का भ्रमण कराने ले गया था। हमने वह सब देखा जो आम तौर पर हर इंसान देखता है, दुकानों से लेकर गिरजाघर और अन्य इमारतें। लेकिन फिर हमें करम ज्वैलरी से हमारे ताबीज़ मिले और जब हमने उन्हें पहना तो हमारे आस-पास सब कुछ बदल गया। दुनिया पहले जैसी ही दिख रही थी, लेकिन ताबीज़ मिलते ही उसके रहस्य उजागर हो गए। हमने अचानक अलौकिक शक्तियों को हर रूप और आकार में देखा। इंसानी आकर्षण गायब हो गया। हमने नुकीले कान, रोएँदार चेहरे और अजीबोगरीब जीव देखे जो इंसानों की नज़र से अदृश्य होकर हमारे बीच घूम रहे थे।

मेरे सहपाठियों को यह नहीं पता था कि मैंने अपने गले में लटके ताबीज की वजह से एक हत्या भी देखी थी। हमारे सामने कई राज़ खुल चुके थे, लेकिन मैंने भी कुछ राज़ दूसरों से छिपाना शुरू कर दिया था। मैं उन्हें यह नहीं बता सकती थी कि मैंने क्या देखा और क्या सीखा है, लेकिन मैं और जानने के लिए उनकी मदद ले सकती थी।

बीस

अध्याय 20

"हर प्राणी में जादू मौजूद होता है, चाहे आपको इसका एहसास हो या न हो। यहां तक कि आप मनुष्यों के भीतर भी जादू की एक चिंगारी होती है।" गिलन कुछ देर रुके और उनकी निगाहें कक्षा में उपस्थित हम सभी पर टिक गईं।

बीट्रिज़, पोल, क्वेंटिन और मैंने कल ही तय किया था कि हम क्लास के बाद बाहर जाएंगे। मुझे उनके बारे में पता नहीं था, लेकिन मेरा दिन बहुत लंबा था और बाहर जाने की बेचैनी मुझे बेताब कर रही थी। मैं ड्रैगन रिसर्च एंड अथॉरिटी सेंटर से बाहर निकलने के लिए बहुत उत्सुक थी।

"क्लास खत्म करने से पहले एक आखिरी बात। शिफ्टर गैदरिंग की तैयारी में हमें पत्थरों को साफ करने के लिए स्वयंसेवकों की जरूरत है।"
कक्षा में फुसफुसाहट फैल गई क्योंकि बाकी लोग "शिफ्टर इकट्ठा हो रहे हैं" शब्द दोहरा रहे थे। लेयर ने अपना हाथ हवा में उठा दिया। मैंने बीट्रिज़ के साथ हैरानी भरी नज़रें मिलाईं। लेयर मुझे ऐसी नहीं लगती थी जो स्वेच्छा से दूसरों के बाद सफाई करे। उसे तो गंदगी फैलाना ज़्यादा पसंद था।
"जी?" गिलन ने कहा।
"वैनेसा कहती रही हैं कि उन्होंने सेंटर को जो भी अवसर दिए हैं, उनके बदले में वह कुछ देना चाहेंगी। मुझे यकीन है कि वह स्वयंसेवा करना पसंद करेंगी।"
मेरा मुंह खुला का खुला रह गया। क्या उसने मुझे स्वेच्छा से आगे आने के लिए कहा?
बीट्रिज़ ने अपने होंठ दबा लिए। पोल और क्वेंटिन ने भी अपनी सीटों से मेरी तरफ देखा। मेरे चेहरे के भाव देखकर क्वेंटिन ने भौंहें चढ़ा लीं। पोल ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं और मैंने सिर हिला दिया।
"वैनेसा को कोई आपत्ति तो नहीं है, है ना?" लेयर की निगाहें मुझ पर टिक गईं। उसके होठों पर मुस्कान उसकी आंखों में छिपी दुर्भावना को पूरी तरह से छिपा नहीं पाई।
"दरअसल..." मैंने कहना शुरू किया।
"मैं चाहूँगा कि प्रत्येक स्वयंसेवक अपना नाम स्वयं आगे रखे," गिलन ने लीरे से बात करते हुए बीच में ही टोक दिया। "मुझे खुशी है कि आप ऐसा महसूस करती हैं और मैं आपका नाम सूची में जोड़ दूँगा क्योंकि मुझे यकीन है कि आप भी केंद्र को उन सभी अवसरों के लिए धन्यवाद देना चाहेंगी जो आपको मिले हैं।"
लेइरे ने अपना मुंह खोला।
गिलन मुस्कुराया और अपने नुकीले दांत दिखाए।
लेयर ने अपना मुंह बंद कर लिया और हार मानकर अपनी सीट पर धंस गई।
गिलन ने कक्षा में चारों ओर देखा। "मुझे खुशी है कि लेयर ने एक अच्छा उदाहरण बनने का फैसला किया है। मैं मेज पर एक कागज रख रहा हूँ। बाहर जाते समय अपना नाम लिख लेना।" उन्होंने हमें जाने की अनुमति दे दी।

मैं उठते ही अपनी कुर्सी पीछे धकेल दी।
"क्या आप चाहते हैं कि मैं उससे बात करूं?" क्वेंटिन ने मेरे पीछे से कहा।
मैंने गर्दन घुमाकर उसकी ओर देखा। "तुम ऐसा करोगे?"
उसके माथे पर शिकन आ गई। "बेशक। मैं तुम्हारे लिए कुछ भी कर सकता हूँ।"
उसके शब्दों में छिपी भावना को महसूस करके मैं स्तब्ध रह गई। उसके चेहरे पर लाली छा गई और जैसे ही उसके शब्द सन्नाटे में गूंजे, उसने अपनी नज़रें ज़मीन पर झुका लीं।
मेरे सीने में गर्माहट की लहर दौड़ गई। मेरे होंठों पर मुस्कान आ गई। "धन्यवाद।"
उसकी निगाहें मेरी निगाहों से मिलीं। ऐसा लगा जैसे वह मेरे चेहरे पर कुछ खोज रहा हो, और उसके चेहरे पर आई मुस्कान से ऐसा लगा कि उसे वह मिल गया जिसकी उसे तलाश थी। "स्वागत है।"
पोल ने जोर से गला साफ किया। "तो तुम उसके बारे में क्या करने वाले हो?"
मैंने उनसे मुंह फेर लिया और लेयर की पीठ की ओर देखने लगी। वह कक्षा से बाहर निकल गई। मेरी आवाज इतनी ठंडी थी मानो पानी जम गया हो, जब मैंने जवाब दिया, "मैं उसका ख्याल खुद रख लूंगी।"
बीट्रिज़ मेरे बगल में आकर खड़ी हो गई। वह हमारी तरफ देखते हुए लगभग उछलती हुई सी लग रही थी। "चलो, लेयर और उसके ड्रामे को भूल जाओ। चलो यहाँ से निकलकर मैजिक रून्स चलते हैं।"

इक्कीस

अध्याय 21

हम ड्रैगन रिसर्च एंड अथॉरिटी सेंटर से मैजिक रून्स देखने के लिए उत्सुकता से निकले। हम सभी बहुत खुश थे। मौसम सुहावना था और क्षितिज पर कुछ बादल थे। हवा में पत्तों की खुशबू फैली हुई थी। मैंने गहरी सांस ली।
"क्या तुम लोग कोई गेम खेलना चाहते हो?" पोल ने मजाक में पूछा।

मैंने पूछा, "कौन सा खेल?"
"इंसान या सुपरहीरो?" उसने जवाब दिया।
बीट्रिज़ ने अपनी भौहें ऊपर उठाईं। "एक अनुमान लगाने वाला खेल?"
"हां, देखते हैं कि कौन इंसान है और कौन सुपरहीरो, यह पहचानने में सबसे अच्छा कौन है।"
मैंने अपने होंठ काट लिए।
"क्या?" पोल ने मेरी अनिर्णय की स्थिति को देखते हुए पूछा।
मैंने हिचकिचाते हुए पूछा, "क्या आपको लगता है कि हमें ताबीज के साथ खेलना चाहिए?"
"इसे हमारी ट्रेनिंग का हिस्सा समझो। हमें इन जीवों को पहचानना सीखना होगा। अगर एक दिन ये हमसे छीन लिए गए तो क्या होगा?" उसने अपने ताबीज पर नज़र डाली और फिर मेरी तरफ देखा। "क्या तुम इसके बिना इन्हें पहचानना नहीं चाहोगे?"
"मुझे नहीं लगता कि तुम इसे इतनी आसानी से समझ पाओगी।" मैंने अपने मन की बात नहीं कही: कि मैं अलौकिक शक्तियों में से एक हूँ, एक चुड़ैल हूँ, और यहाँ तक कि ड्रैगन रूप बदलने वाले भी इसे नहीं देख पाए थे। आयशा ने मुझे बताया था कि उन्होंने मुझे इसलिए नहीं देखा क्योंकि मेरी जादूई शक्ति अवरुद्ध थी और अभी तक प्रकट नहीं हुई थी। वह मुझे यह नहीं बता पाई थी कि ऐसा क्यों है या इसे कैसे अनलॉक किया जाए। यही कारण था कि मैं किसी से बात करना चाहती थी। मैं इसका हल निकालना चाहती थी।
मुझे जो भी ज्ञान प्राप्त होगा, वह उपयोगी होगा। मैं अपने सहपाठियों को इसके बारे में नहीं बता सकता, लेकिन शायद अगर मैं इसे एक खेल में बदल दूं, तो वे मुझे जानकारी देकर अनजाने में ही इसे समझने में मेरी मदद करेंगे।
"ठीक है, पहले कौन जाना चाहता है?" क्वेंटिन ने पूछा।
बीट्रिज़ ने कंधे उचकाते हुए कहा, "मैं करूँगी।"
उसने अपनी अंगूठी उतारकर अपनी जेब में रख ली।
हम तीनों ने एक-दूसरे की तरफ देखा। "तो यह कैसे काम करता है?" उसने पूछा।

"चलिए, हम किसी एक व्यक्ति की ओर इशारा करके उससे पूछते हैं," पोल ने सुझाव दिया।
"ठीक है," मैंने कहा।
हम वाया लाइटाना पर चल रहे थे और हमें नुकीले कानों वाला एक पतला प्राणी दिखाई दिया। मैं यह नहीं बता सका कि वह एल्फ था या फे। हालाँकि हम हफ्तों से जादुई दुनिया के संपर्क में थे, फिर भी हम अलौकिक प्राणियों की विभिन्न उप-प्रजातियों को पूरी तरह से नहीं समझ पाए थे। ड्रैगन आत्ममग्न थे और मुख्यतः अपने बारे में ही बात करते थे। वैसे भी वे हमें अपने बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताते थे। खैर, वे हमें उबाऊ बातें तो बताते थे, लेकिन वे रोचक बातें नहीं बताते थे जो हम जानना चाहते थे।
"हरे रंग की शर्ट वाला आदमी," पोल ने बीट्रिज़ से कहा।
उसने आंखें सिकोड़ीं। मैं सोच रही थी कि उसने ताबीज की मदद के बिना क्या देखा होगा। मैंने नुकीले कानों वाला एक दुबला-पतला आदमी देखा, जिसके चेहरे पर एक अलौकिक चमक थी। उसकी उभरी हुई गाल की हड्डियां और नाजुक चेहरे की बनावट उसकी अलौकिकता को दर्शा रही थी। हम जानते थे कि बीट्रिज़ ने शायद हरे रंग की कमीज़ पहने एक आदमी को ही देखा होगा।
"मानव," बीट्रिज़ ने कहा।
"अपना ताबीज पहन लो।" पोल हँस पड़ा।
उसने उसे अपनी उंगली में पहनाया और कराह उठी।
"वह तुम्हें कैसा दिखता था?" पोल ने अपना सिर झुकाया।
"वह बिल्कुल एक आम आदमी जैसा दिखता था।"
"अगला कौन जाना चाहता है?" क्वेंटिन ने पूछा।
हम चलते रहे। आस-पास कोई खास अलौकिक प्राणी नहीं थे जिन पर उंगली उठाई जा सके। मैंने सुझाव दिया, "क्यों न हम किसी कॉफी शॉप में यह खेल खेलें और वहां से गुजरने वाले लोगों पर उंगली उठाएं?" मैंने चारों ओर नज़र घुमाई। "मुझे नहीं लगता कि ड्रैगन खुश होंगे अगर उन्हें पता चले कि हम इधर-उधर घूम रहे हैं और इतनी ज़ोर-ज़ोर से ताबीज़ों के बारे में बात कर रहे हैं।"
"यह गिलन ने किया था," पोल ने बताया।

क्वेंटिन ने कहा, "मुझे लगता है कि गिलन को हमसे अलग विशेषाधिकार प्राप्त हैं। वैनेसा सही कह रही है।"
पोल ने कंधे उचकाते हुए कहा, "जो भी हो।"
हम मोड़ मुड़े और खुद को उस गली में पाया जहाँ मैजिक रूम्स था। बीट्रिज़ ने दरवाज़े को धक्का दिया लेकिन वह हिला तक नहीं। क्वेंटिन ने दरवाज़े पर लगे नोट की ओर इशारा किया। "क्या तुम्हें नोट नहीं दिख रहा?"
नोट पर लिखा था, "कुछ समय के लिए बाहर जा रही हूँ।" दुकान की मालकिन कारमेन ने उस पर हस्ताक्षर किए थे और अपना फ़ोन नंबर भी छोड़ दिया था।
हमने एक-दूसरे की तरफ देखा। "अब तुम क्या करना चाहती हो?" मैंने पूछा।
"हम अभी भी खेल सकते हैं," पोल ने सुझाव दिया।
"चलो बैठने के लिए कोई जगह ढूंढते हैं।" क्वेंटिन ने हमारे चारों ओर देखा।

अध्याय 22

हम गलियों में घूमते रहे। रास्ते में हमें एक आइसक्रीम की दुकान दिखी और पोल ने हमें रुकने को कहा ताकि वह भी आइसक्रीम खा सके। हम एल बोर्न की भीतरी गलियों में घूमते रहे, जहाँ हमें भित्तिचित्रों से सजी दीवारें और तपस बार दिखाई दिए।
"उस जगह के बारे में क्या ख्याल है?" मैंने इशारा करते हुए कहा। "लेकिन मुझे लगता है कि खेल यह अनुमान लगाने का होगा कि कौन सी अलौकिक शक्ति किस प्रकार की है।"
रेस्टोरेंट के ऊपर लगे एक बोर्ड पर लिखा था कि यह मिगुएल का रेस्टोरेंट है। यह बहुत ही सरल था। कुछ अलौकिक प्राणी बाहर खड़े होकर बातें कर रहे थे। हम उनके पास से गुज़रकर रेस्टोरेंट में चले गए। रेस्टोरेंट अलौकिक प्राणियों से भरा हुआ था। मेरे दोस्तों के चेहरों पर वही हैरानी झलक रही थी जो मुझमें थी। हमने

पहली बार एक साथ इतने अलग-अलग तरह के अलौकिक प्राणियों को देखा था। वे सब अचंभित थे। तभी कोई मुझसे टकरा गया। मैंने पीछे मुड़कर देखा, लेकिन कोई नहीं दिखा। तभी किसी ने मेरी पैंट का पाँव खींच लिया, जिससे मैंने नीचे देखा। "क्या तुम यहीं खड़े होकर हमारा रास्ता रोकोगे? हममें से कुछ लोगों को पानी चाहिए," मेरे घुटनों के पास खड़े गुस्से वाले बौने ने कहा। उसकी सफेद दाढ़ी थी और उसने लाल बेसबॉल कैप पहनी हुई थी।

मैंने हकलाते हुए माफी मांगी और एक तरफ हट गया। पोल, क्वेंटिन और बीट्रिज़ उस बौने को हैरानी से देखते रह गए, जो मुझे धक्का देकर आगे बढ़ा और जल्दी से बार की ओर चल दिया। हम सब आश्चर्य से देखते रहे जब वह एक खास कुर्सी पर चढ़ा और बारटेंडर को हाथ हिलाया।

"आप कहाँ बैठना चाहते हैं?" पोल ने पूछा।

"वहाँ," मैंने एक खाली मेज की ओर इशारा किया।

हम चलकर गए और बैठ गए। मैंने बार और उसके पीछे खड़े बारटेंडर को देखा। वह देखने में भले आदमी लग रहे थे, लेकिन उनकी मजबूत भुजाओं को देखकर मुझे याद आया कि वह कमरे में किसी को भी चीर-फाड़ सकते हैं। मैंने देखा कि वह बार में बैठे कई लोगों से बातें कर रहे थे। उनके चेहरे पर हमेशा मुस्कान रहती थी। कोने में मुझे एक उदास पिशाच जैसा कुछ दिखाई दिया। हमारे आस-पास मैंने कुछ रूप बदलने वाले लोगों को पहचाना। मैंने अंदाज़ा लगाया कि वे क्या थे, क्योंकि वे मुझे सेंटर के रूप बदलने वाले लोगों की याद दिला रहे थे। कुछ लोग लबादा ओढ़े हुए थे, जो शायद जादूगर थे। मैं इतने सारे अलग-अलग तरह के अलौकिक प्राणियों को पहचान नहीं पा रहा था।

"क्या हम सब अपने-अपने रत्न उतार दें?" क्वेंटिन ने अपने रत्न को महसूस किया।

"लगता तो इसका कोई मतलब ही नहीं है। ये सब अलौकिक शक्तियां हैं," मैंने कहा।

उन्होंने जवाब दिया, "हम अनुमान लगा सकते हैं कि इनमें से प्रत्येक क्या है।"

"रुको," बीट्रिज़ ने हमें चेतावनी दी।

"क्या?" हमने एक साथ जवाब दिया।

"अगर हम इन्हें उतार देंगे, तो उन्हें पता चल जाएगा कि हम इंसान हैं। क्या ड्रैगन का रूप बदलने वालों ने यही नहीं कहा था?" उसने कहा।
हमने एक-दूसरे को असहज निगाहों से देखा। "शायद हमें इन्हें प्रदर्शन के लिए रख देना चाहिए," क्वेंटिन ने दोबारा सोचते हुए कहा।
एक वेट्रेस मेरे पास आकर खड़ी हो गई। मैंने उसकी तरफ देखा। उसने च्युइंग गम चबाते हुए हमें चार मेन्यू थमा दिए। "हाय, मैं ग्रेटा हूँ। मैं आपकी वेट्रेस हूँ। मैंने आपकी बातें सुनीं। आपको इतनी ज़ोर से नहीं बोलना चाहिए।" ग्रेटा ने फिर से च्युइंग गम चबाते हुए कहा, "शिफ्टर बहुत अच्छी तरह सुन सकते हैं, इसलिए अगर आप उनके बारे में गपशप करना चाहते हैं, तो यह जगह इसके लिए ठीक नहीं है। और आप सही कह रहे हैं, आपको अपने ताबीज़ पहने रखने चाहिए।"
मैं उसे हैरानी से देखता रह गया। बाकी लोग भी मेरी तरह ही अचंभित दिख रहे थे।
"मेरा सुझाव है कि आप भोजन का आनंद लें और जो भी खेल आप खेल रहे हैं उसे कहीं और खेलें जहां शिफ्टर्स आपको सुन न सकें। शायद कोई शोरगुल वाली जगह," उसने आगे कहा।
"क्या आप कोई जगह सुझाएंगी?" पोल ने उससे पूछा। हम सबने उसे हैरानी भरी निगाहों से देखा। बीट्रिज़ ने तो उसकी इस गुस्ताखी पर उसके हाथ पर एक थप्पड़ भी मार दिया।
ग्रेटा के चेहरे पर एक टेढ़ी मुस्कान आ गई। "मैं तुम्हें पसंद करती हूँ।"
पोल ने अपना सिर झुका लिया।
उसके सवाल पर विचार करते हुए उसके चेहरे पर गंभीर भाव आ गए। "शायद वैम्पायर लाउंज आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प होगा। शेड्स नाम की एक जगह है। यह एइक्सैम्पल में है। अगर आप वाकई अलग-अलग तरह के सुपरहीरो देखना चाहते हैं, तो आपको वहां जाना चाहिए।"
"क्या वे हमें अंदर आने देंगे?" बीट्रिज़ ने पूछा।
ग्रेटा ने कंधे उचकाते हुए कहा, "मुझे पक्का नहीं पता, लेकिन कोशिश करने में कोई हर्ज नहीं है। तुम्हारे ताबीज़ से सब ठीक हो जाएगा। मैं अभी आती हूँ। तुम तय कर लो कि तुम्हें क्या खाना है।"

"तो ऐसा लगता है कि हमें पता है कि हम कल रात क्या करने वाले हैं," पोल मुस्कुराया।
मैंने कहा, "मुझे लगता है ऐसा ही है।"
"हम एक वैम्पायर लाउंज में जा रहे हैं," बीट्रिज़ ने उत्साह से भरी आवाज़ में कहा।
मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि यही मेरी जिंदगी है।

तेईस

अध्याय 23

"क्या आपको लगता है कि हमें कोई ट्रोल या जिन्न देखने को मिलेंगे? मिगुएल के यहाँ हमने जो बौना देखा था, वह प्यारा था, है ना? या आपको लगता है कि हमें कुछ अजीबोगरीब जीव देखने को मिलेंगे? क्या आपको लगता है कि वहाँ बंशी भी हैं?" रेस्टोरेंट में हमारी वेट्रेस के वैम्पायर लाउंज जाने का सुझाव देने के बाद से बीट्रिज़ ने सवाल पूछना बंद ही नहीं किया था।
"क्या तुम चुप रहोगी?" मैंने अपने कान ढक लिए। मैं हँसी और उसका चेहरा देखकर मैंने अपने कान खोल दिए। "क्या तुम आज रात जाना चाहती हो?"
बीट्रिज़ ने शर्मिंदगी का भाव दिखाते हुए कहा, "माफ़ कीजिए, मैं बस बहुत उत्साहित हूँ।" उसकी आँखें चमक उठीं। "क्या आपको लगता है कि यह पिशाचों से भरा होगा?"
"यह एक वैम्पायर लाउंज है," केंटिन ने कहा।
हम सेंटर के आंगन में बैठकर एक प्रतियोगिता देख रहे थे। हम दुश्मन से मुकाबला और आत्मरक्षा की क्लास में थे। कल रात से ही बीट्रिज़ यह अटकलें लगा रही थी कि हमें किस तरह के जीवों का सामना करना पड़ेगा, और सच कहूँ तो मैं भी इस दुनिया के बारे में और जानने की संभावना से उत्साहित था।
"अगर कोई पिशाच तुमसे गर्दन चूसने को कहे तो तुम क्या करोगी?" पोल ने उसे चिढ़ाते हुए पूछा।

उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। "नहीं, वे ऐसा नहीं करेंगे।"
"क्या तुम उसे ऐसा करने दोगे?" उसने जोर देकर कहा।
उसने घबराकर सांस ली। उसके गाल लाल हो गए।
"उसे चिढ़ाना बंद करो," मैंने उसे डांटा। वह हँस पड़ा और क्वेंटिन भी उसके साथ हँसने लगा।
"क्या तुम किसी पिशाच को अपनी गर्दन चूसने दोगे?" मैंने भौंहें चढ़ाकर पूछा।
"अगर वह आकर्षक था, तो क्यों नहीं? मैं एक बार सब कुछ आजमा कर देखूंगी," पोल ने हंसते हुए जवाब दिया।
मैंने सिर हिलाया। "तुम ऐसा नहीं करोगे।"
"बस मुझे आजमा कर देखो।" उसने मुझे एक शरारती मुस्कान दी।
"मुझे लगता है, हमें पता चल जाएगा," मैंने कहा।
बीट्रिज़ हमारी बातचीत देख रही थी। "आपकी सबसे पसंदीदा तीन चीज़ें कौन सी होंगी जिन्हें आपने देखा होगा?"
"अगर मुझे मिनोटौर देखने को मिल जाए तो मुझे बहुत खुशी होगी," पोल ने स्वीकार किया।
क्वेंटिन ने अपनी भौहें ऊपर उठाईं। "यह दिलचस्प होगा।"
मैंने आंगन में चारों ओर नज़र घुमाई। हमारे दो सहपाठी आइरिस और जोर्डी ने अभी-अभी अपनी चुनौती पूरी की थी। उन्होंने हाथ मिलाया और चले गए। अगले प्रतियोगी, फ्रेंको और ओलिवर, रिंग में आ गए। मैं चारों ओर देखता रहा और मेरी नज़र लेयर पर पड़ी। वह एलेना और केविन से बात कर रही थी, उसके घमंडी भाव से लग रहा था कि वह उन्हें किसी बात पर उपदेश दे रही है। जैसे ही उसे एहसास हुआ कि मेरी नज़र उस पर है, वह मेरी ओर मुड़ी और हम दोनों एक-दूसरे को घूरने लगे। मैंने नज़र नहीं हटाई। उसका चेहरा और भी गंभीर हो गया। उसने एक पल के लिए रिंग की ओर देखा। यही वह जगह थी जहाँ मैंने उससे पहले लड़ाई की थी। मुझे नहीं पता कि मुझे क्या हो गया था और मुझे अभी भी याद नहीं था कि क्या हुआ था, लेकिन मैंने उसे इतनी बुरी तरह हराया था कि उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। वैसे भी मैं उसका पसंदीदा नहीं था, लेकिन उस दिन ने हमारे रिश्ते को और भी बदतर बना दिया था। उसकी आँखों में नफरत देखकर,

जब उसने मुझे घूरा, मैं समझ गया कि वह मुझे अपना दुश्मन मानती है। मुझे परवाह नहीं थी। मुझे धौंस जमाने वाले लोग पसंद नहीं थे और उसे पीटने की वजह से वह पिछले कुछ हफ्तों से मुझसे दूर रही थी।
"वैनेसा, तुम्हें कौन घूर रहा है?" बीट्रिज़ ने मुझे कोहनी से धक्का दिया।
मैंने लेयर से अपनी नज़र हटाई और बीट्रिज़ की ओर मुड़ी। उसने दूर खड़े किसी व्यक्ति की ओर इशारा किया।
एक युवा किशोर एक लंबे, हट्टे-कट्टे रूप बदलने वाले प्राणी के बगल में खड़ा था। जब मैंने उसकी तरफ देखा तो उस किशोर ने मुझे देखकर खुशी से हाथ हिलाया। मैंने भी मुस्कुराते हुए हाथ हिलाया। "यह कौन है?" बीट्रिज़ ने फुसफुसाते हुए पूछा।
मैंने जवाब दिया, "वो क्रिस्टोफर है।"
"कौन सी? वो खूबसूरत वाली?"
मैंने क्रिस्टोफर के पास खड़े व्यक्ति पर एक नजर डाली।
"वो एनफोर्सर है," मैंने फुसफुसाते हुए कहा, मुझे पूरी तरह से पता था कि अगर शिफ्टर्स ध्यान दें तो वे मुझे सुन सकते हैं।
"द एनफोर्सर?" उसने इतनी ज़ोर से चीख मारी कि मैं चौंक गया। वे इसे नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते थे।
पोल थोड़ा आगे झुका। "क्या तुम एनफोर्सर को जानते हो?"
यहां तक कि क्वेंटिन भी प्रभावित दिखे।
"मैं क्रिस्टोफर को जानता हूँ," मैंने कमजोर आवाज में कहा। मैंने उन्हें यह नहीं बताया कि मैंने एनफोर्सर से भी बात की थी। लेयर के साथ लड़ाई के बाद उस विशालकाय रूप बदलने वाले प्राणी से हुई मेरी मुठभेड़ याद आते ही मेरा चेहरा लाल हो गया।
"क्रिस्टोफर कौन है?" क्वेंटिन ने पूछा।
"वह इस कार्यक्रम में मेरे शामिल होने का कारण है।"
मैंने देखा कि क्रिस्टोफर और एनफोर्सर बातें करते रहे। मेरे दोस्तों ने मेरी तरफ देखा और क्वेंटिन ने पूछा, "तुम्हारा क्या मतलब है कि उसी की वजह से तुम इस प्रोग्राम में हो?"

मैंने कबूल किया, "जब मैंने पहली बार आवेदन किया तो मुझे अस्वीकार कर दिया गया। मैं अगले दिन वापस आया और देखा कि क्रिस्टोफर को धमकाया जा रहा था या उस समय ऐसा ही लग रहा था। मैंने हस्तक्षेप किया और वह मुझे गिलन के पास ले गया। उसने गिलन से मुझे दाखिला देने के लिए कहा।"
क्वेंटिन ने भौंहें चढ़ाईं। "यह अजीब है।"
"मुझे पता है, इसके बारे में बताओ। उसने गिलन से कहा था कि मैं उसका योद्धा हूँ।"
"इसका क्या मतलब है?" पोल ने पूछा।
मैंने सिर हिलाया। "मुझे कुछ पता नहीं। मुझे बस इतना पता है कि मुझे तुरंत कार्यक्रम में दाखिला मिल गया, जबकि उन्होंने मुझे एक दिन पहले ही अस्वीकार कर दिया था। क्रिस्टोफर ने यह संभव कर दिखाया।"
बीट्रिज़ सोच में पड़ गई। "यहाँ केवल बारह कमरे हैं।"
"क्या?" क्वेंटिन उलझन में दिख रहा था।
"हमारे विंग में बारह कमरे हैं।" उसने मेरी तरफ ऐसे देखा जैसे मुझे पता हो कि उसका मतलब क्या है। मैं अचंभित होकर उसे देखता रहा।
"एक तेरहवाँ प्रतिभागी भी था। वही लड़का जिसे गिलन ने बाहर निकाल दिया था। लेयर का दोस्त।" बीट्रिज़ को जैसे ही यह बात समझ में आई, वह बेचैन हो उठी। "इसीलिए वह तुमसे नफरत करती है। उसे लगता है कि तुमने उसके दोस्त की जगह ले ली है।"
मेरे कंधे झुक गए। "शायद ऐसा ही है।"
"लेकिन उसे कैसे पता चलेगा कि इसे वैनेसा ने लिया था?" पोल ने भौंहें चढ़ाते हुए पूछा।
बीट्रिज़ ने अपने बालों की एक लट को अपनी उंगली के चारों ओर लपेटा। "मुझे नहीं पता। लेकिन यह बात समझ में आती है, है ना?"
उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "काश उसे पता होता कि वैनेसा को आखिरी समय में शामिल किया गया था।"
हम सब एनफोर्सर के साथ खड़े उस किशोर को घूर रहे थे। पोल ने धीरे से सीटी बजाई।

"क्या?" हमने उससे पूछा।
"वह बहुत जवान दिखता है।"
"हां," मैंने सहमति जताई।
"तो आपको क्या लगता है कि उन्होंने उसकी बात क्यों सुनी?" पोल की आवाज धीमी फुसफुसाहट में बदल गई।
मैंने कंधे उचकाए और सिर हिलाया। "पता नहीं। मुझे भी यही हैरानी हुई थी। जाहिर है ड्रैगन शिफ्टर के बीच उसका कोई रुतबा या प्रभाव जरूर होगा।"
"ज़ाहिर है।" बीट्रिज़ ने क्रिस्टोफर को ऐसे घूरा जैसे उसे जवाब मिल जाएगा। "वह ज़रूर कोई महत्वपूर्ण व्यक्ति होगा और अपनी उम्र से कहीं ज़्यादा उम्र का होगा।"
"तुम्हें क्या लगता है उसकी उम्र कितनी है?" पोल ने क्रिस्टोफर को ध्यान से देखते हुए अपनी आँखें सिकोड़ीं।
मैंने फिर से कंधे उचका दिए। "मुझे कोई अंदाज़ा नहीं है।"
"चुप रहो, वो इधर आ रहा है।" बीट्रिज़ ने मुझे कोहनी मारी।
मैंने क्रिस्टोफर की ओर मुड़कर देखा और पाया कि वह सही थी। कुछ ही पलों में वह मेरे सामने खड़ा था। "हाय, वैनेसा।"
"हाय।" मैंने उसे एक और छोटा सा हाथ हिलाकर अभिवादन किया, और ऐसा करते ही मुझे मूर्खता का एहसास हुआ।
"तुम्हारे दोस्त कौन हैं?" क्रिस्टोफर ने उनमें से हर एक को देखकर मुस्कुराया।
"ये बीट्रिज़, पोल और क्वेंटिन हैं।" सबने एक-दूसरे को नमस्ते कहा। "दोस्तों, ये क्रिस्टोफर है।"
"क्लास कैसी चल रही है?" क्रिस्टोफर ने अपने पीछे हो रही चुनौती पर एक नजर डाली।
"कोई बात नहीं," मैंने कहा। सच तो यह था कि हम उसके बारे में गपशप करने में इतने व्यस्त थे कि कक्षा में क्या हो रहा था उस पर ध्यान ही नहीं दे रहे थे।
मुझे आश्चर्यचकित करते हुए वह मेरे बगल में बैठ गया। वह कोहनियों के बल पीछे की ओर झुक गया, उसके पैर सामने की ओर फैले हुए थे। उसकी निगाहें रिंग में चल रही चुनौती पर टिकी थीं। "क्या आप लोग प्रशिक्षण का आनंद ले रहे हैं?"
"हाँ," हम सबने धीरे से कहा।

वह हँसा। "तुम मुझे सच बता सकते हो। मैं किसी को नहीं बताऊंगा," उसने शरारती अंदाज़ में आँख मारते हुए कहा।
मैंने कहा, "यह अलग है।"
क्वेंटिन ने नाक सिकोड़ी।
क्रिस्टोफर ने उसे एक चौड़ी मुस्कान दी। इससे वह अपनी उम्र से भी छोटा दिखने लगा। "क्या तुम्हें यहाँ की आदत हो गई है?"
मैंने उसे खाली निगाहों से देखा और एक नजर में ही मैंने पाया कि बाकी लोग भी उसे उसी तरह देख रहे थे।
उसने आंगन की ओर हाथ हिलाया। "तुम केंद्र में हो और तुम्हारे चारों ओर दर्जनों ड्रैगन-रूपांतरित प्राणी हैं। क्या तुमने जादू के अस्तित्व को स्वीकार कर लिया है या अब भी तुम इससे चकित हो?"
"मैं अब भी आश्चर्यचकित हूं," क्वेंटिन ने स्वीकार किया।
क्रिस्टोफर ने हमें संक्षिप्त रूप से सिर हिलाकर जवाब दिया। "इसमें अभ्यस्त होने में आपको थोड़ा समय लगेगा। मुझे नहीं लगता कि आप कभी पूरी तरह से इसके अभ्यस्त हो पाएंगे। आप कभी भी इस जादू की अद्भुतता से उबर नहीं पाएंगे।"
"आप क्या करते हैं?" बीट्रिज़ ने अचानक पूछा।
मैं घबराकर उसे कोहनी मार बैठी। उसके चेहरे पर शर्मिंदगी झलक उठी। पोल और क्वेंटिन ने अपनी हंसी रोकी। क्रिस्टोफर ने उसे तिरछी नज़र से देखा। "तुम्हें क्या लगता है मैं क्या करता हूँ? मैं तो बस एक साधारण ड्रैगन रूप बदलने वाला हूँ।"
उसने अपनी आँखें सिकोड़ लीं। "मुझे ऐसा नहीं लगता।"
"आप क्यों कहते हो कि?"
"एनफोर्सर एक साधारण ड्रैगन शिफ्टर पर इतना ध्यान नहीं देगा।"
"ओह, तो एनफोर्सर सिर्फ महत्वपूर्ण ड्रैगनों पर ही ध्यान देता है?" क्रिस्टोफर ने अपनी आवाज में हल्की हंसी के साथ कहा।
उसने सिर हिलाया। "नहीं, लेकिन यह बात समझ में आती है, है ना?"
क्रिस्टोफर मुस्कुराया। "हाँ, ऐसा ही है। तुम बहुत ध्यान देने वाले हो। पुलिस वाले से बात करने से मेरी रुतबा बढ़ जाती है, है ना?"

हमारे प्रशिक्षक, एन्ज़ो ने आवाज़ लगाई। "पोल. बीट्रिज़. अब आप रिंग में हैं।"
पोल और बीट्रिज़ उठ खड़े हुए।
क्रिस्टोफर ने इसे जाने का संकेत समझा। "फिर मिलेंगे, वैनेसा।"
हमने उसे जाते हुए देखा। क्वेंटिन मेरी तरफ मुड़ा। "वह जितना खुद को बताता है, उससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है।"
मैंने सिर हिलाया। क्रिस्टोफर की आत्म-निंदा वाली बातों से मेरा ध्यान सच्चाई से नहीं भटका। क्रिस्टोफर ने किसी तरह कार्यक्रम में मेरा प्रवेश करवाया था। मुझे पता लगाना था कि केंद्र में उसकी क्या भूमिका है और मेरे द्वारा उसका रक्षक होने का क्या अर्थ है।

चौबीस

अध्याय 24

"लेयरे।" प्रशिक्षक ने उसका नाम चेतावनी भरे लहजे में लिया। वह चिड़चिड़ी थी और लेयरे की लगातार बहस से उसका सब्र टूट चुका था। हम ड्रैगन फंडामेंटल्स क्लास में थे और पिछले आधे घंटे से लेयरे और हमारी प्रशिक्षक कार्लोटा के बीच तीखी बहस चल रही थी।
लेयर के चेहरे पर गुस्से का भाव था। "क्या?"
मैंने बीट्रिज़ की ओर देखा। उसने अपनी भौंहें सिकोड़ीं।
"तुम तेरह नियमों में से एक को तोड़ने के बेहद करीब पहुंच रही हो," कार्लोटा ने उसे चेतावनी दी।
"वे तेरह नियम क्या हैं?" लेयर की आवाज चिड़चिड़ी और आक्रामक थी।
"ये ड्रैगन शिफ्टर्स के लिए तेरह सबसे महत्वपूर्ण नियम हैं।"
किसी ने हाथ उठाया।
"जी?" कार्लोटा ने उन्हें बोलने का इशारा किया।

"मैंने आचार संहिता में 'तेरह नियम' नहीं देखे," आइरिस ने कहा। "क्या वे केवल ड्रैगन शिफ्टर्स पर लागू होते हैं या हम पर भी?"
"ऐसा इसलिए है क्योंकि वे वहां नहीं हैं। और हां, वे आप पर लागू होते हैं।"
"नियम आचार संहिता में क्यों नहीं हैं?" आइरिस उलझन में थी। कमरे में चारों ओर नज़र घुमाने पर मुझे पता चल गया कि हम सब भी उलझन में थे।
"जब वे टूट जाते हैं तभी आपको उनका पता चलता है," कार्लोटा ने समझाया।
आवाजें फूट पड़ीं।
"आपका क्या मतलब है कि उन्हें केवल तभी सूचीबद्ध किया जाता है जब वे टूटे हुए हों?"
"हमें किसी ऐसे काम के लिए दंडित किया जा रहा है जिसके बारे में हमें पता ही नहीं था कि वह नियम है?"
"यह बात समझ में नहीं आती।"
कार्लोटा ने सबको चुप रहने को कहा। उसने शांत भाव से हमारी ओर देखा। "क्या सही है, यह तय करना आपका काम नहीं है।"
"यह ड्रैगनों का विरोधाभासी स्वभाव ही होगा," क्वेंटिन ने मेरे कान में फुसफुसाते हुए कहा। "क्या तुम्हें लगता है कि कोई नियम हैं, या वे हमें जहाँ चाहें वहाँ दंडित करने के लिए खुद ही नियम बना लेते हैं?"
"कौन जाने?" मैंने कंधे उचकाए और सिर हिलाया। ये ड्रैगन-रूप बदलने वाले जीव हर दिन और भी अजीब होते जा रहे थे।
कार्लोटा का चेहरा अचानक हमारी ओर घूम गया और क्वेंटिन अपनी कुर्सी पर धंस गया। मैं वहीं स्थिर रहा, कोशिश कर रहा था कि अजगर का ध्यान मेरी ओर न जाए।
"ड्रैगन का नाइट क्या होता है?" पोल ने पूछा। मुझे खुशी हुई कि उसके सवाल से कार्लोटा ने अपनी नज़र उसकी तरफ़ घुमाई।
"जब वे जल्दी सो जाते हैं," किसी ने मजाक में कहा। मुझे पूरा यकीन था कि यह फ्रेंको था।
कार्लोटा ने भौंहें चढ़ाकर उस भद्दे मजाक को नजरअंदाज कर दिया। "तुम क्यों पूछ रहे हो?"

मुझे विश्वास नहीं हुआ कि पोल ने यह सवाल पूछा। बीट्रिज़ ने उसकी कुर्सी पर लात मारी और मुझे माफ़ी भरी नज़रों से देखा। पोल ने इसे नज़रअंदाज़ कर दिया। उसने सहज स्वर में कहा, "हर ड्रैगन की कहानी में आमतौर पर एक राजकुमारी या एक योद्धा होता है। मुझे यहाँ कोई राजकुमारी नज़र नहीं आ रही। क्या यहाँ कोई योद्धा है?"

कार्लोटा उसे ऐसे घूर रही थी मानो यह जानने की कोशिश कर रही हो कि वह क्या जानता है। उसके चेहरे के भाव देखकर मैं सहम गई। वह पहले कभी इतनी गुस्सैल नहीं दिखी थी और पोल पहले कभी इतना शिकार जैसा नहीं लगा था। अचानक पैदा हुए तनाव को भांपते हुए, बाकी कक्षा शांत हो गई और पोल और शिक्षक के बीच बारी-बारी से देखने लगी। मैंने खुद को जितना हो सके छोटा दिखाने की कोशिश की।

"आमतौर पर शूरवीर ड्रैगन को मारते हैं और राजकुमारी को बचाते हैं," कार्लोटा ने अंत में कहा। "लेकिन ड्रैगन-शिफ्टर की कहानियों में शूरवीर अक्सर हमें राजकुमारियों से बचाते हैं।"

"तुम्हारा क्या मतलब है?" पोल आगे की ओर झुका।

प्रशिक्षक ने मुंह बनाया। "राजकुमारियां उतनी मीठी और प्यारी नहीं होतीं जितनी उन्हें चित्रित किया जाता है। वे कठोर, प्रतिशोधी और अपनी बात मनवाने पर तुली हुई हो सकती हैं, चाहे इससे किसी को भी दुख क्यों न पहुंचे।"

हा। लेइरे जैसी आवाज़ आ रही थी।

"ड्रैगन की तरह?" पीछे से एक आवाज आई।

"ड्रैगन की तरह," प्रशिक्षक ने स्वीकार किया। उनके चेहरे पर एक तीखी मुस्कान आ गई। उन्हें ज़रा भी बुरा नहीं लगा। बल्कि, वे इस आरोप पर काफ़ी गर्व महसूस कर रही थीं। मैंने अपना सिर हिलाया। क्वेंटिन सही था: यह उनका स्वभाव था।

"नाइट्स राजकुमारियों से ड्रैगन को कैसे बचाते हैं?" पोल ने आगे पूछा।

"खैर, एक बार जब कोई ड्रैगन अपने लिए एक योद्धा का नाम रख देता है, तो उनके बीच एक दायित्व उत्पन्न हो जाता है। अब योद्धा ड्रैगन की रक्षा करने के लिए जिम्मेदार होता है।"

मेरा दिल बैठ गया। क्रिस्टोफर को चार ड्रैगन-शिफ्टरों ने घेर रखा था, तभी मैंने आगे बढ़कर उनसे उसे परेशान करना बंद करने की मांग की। पोल, बीट्रिज़ और केंटिन तीनों अपनी-अपनी सीटों पर घूमकर मेरी तरफ देखने लगे। प्रशिक्षक ने यह देखा और भौंहें चढ़ा लीं। मैं अपनी कुर्सी पर और भी धंस गया।

क्या मुझे चार ड्रैगन-शिफ्टरों से लड़ना था? चाहे मैं शैमा के साथ कितनी भी आत्मरक्षा की कक्षाएं ले लूं, ऐसा करना मेरे लिए नामुमकिन था।

"क्या कोई खास वजह है कि तुम इसके बारे में जानना चाहते हो? क्या तुम ड्रैगन के योद्धा बनने की सोच रहे हो?" प्रशिक्षक ने पोल से पूछा। दुबले-पतले पोल को ड्रैगन रूप बदलने वालों से लड़ते हुए देखकर कक्षा के सभी छात्र हँस पड़े।

ऐसा लग रहा था कि क्रिस्टोफर ने जो किया था, वो कार्लोटा को किसी ने नहीं बताया था। मुझे हैरानी नहीं हुई क्योंकि मैंने यह सुनिश्चित कर लिया था कि ये अफवाह फैले ही नहीं। लेकिन अब पोल ने ये अफवाह फैलाना लाज़मी कर दिया था। मैं सोच रही थी कि इसके क्या परिणाम होंगे।

कार्लोटा ने घड़ी पर नज़र डाली। क्लास खत्म होने में अभी कुछ मिनट बाकी थे, लेकिन यह साफ था कि वह हमसे तंग आ चुकी थी। "तुम जा सकते हो। जाओ मेरे किसी सहकर्मी को परेशान करो।"

मैंने जल्दी से अपना सामान इकट्ठा किया और क्लास से निकल गया।

"वैनेसा, रुको!" पोल ने संघर्ष करते हुए मेरा पीछा किया।

मैं उसका इंतज़ार नहीं करना चाहती थी, लेकिन मुझे पता था कि उससे बचना नामुमकिन था। आख़िरकार हम दोनों एक ही क्लास में जा रहे थे। वह मेरे पास आ गया। "अरे, मुझसे नाराज़ मत हो।"

"तुमने ऐसा क्यों किया? तुमने पूरी कक्षा के सामने क्यों पूछा?" मैंने उस पर चिल्लाते हुए कहा।

"मुझे जिज्ञासा थी। मैं जानना चाहता था कि क्रिस्टोफर का कितना प्रभाव है। क्या आपको यह जानने की जिज्ञासा नहीं है कि इसका क्या मतलब है?"

मुझे जिज्ञासा तो थी, लेकिन मैं पोल के सामने यह बात स्वीकार करने को तैयार नहीं थी। "अब तो सबको पता चल गया है।"

पॉल ने बात टाल दी। "इंस्ट्रक्टर के अलावा किसी को भी समझ नहीं आया कि मैं क्या कह रहा हूँ, और वो ये सोच भी नहीं सकती कि तुम एक नाइट हो।" उसकी आँखें गंभीर हो गईं। "वैनेसा, हमें इसके बारे में जितना हो सके उतना पता लगाना होगा। जैसा कि तुमने कहा, हम इस दुनिया के बारे में जितना ज़्यादा जानेंगे, अगर कभी हमसे चार्मस्टोन छीन लिए जाएँ तो हम उतने ही बेहतर तरीके से तैयार रहेंगे।"
मैंने भौंहें चढ़ाते हुए उससे पूछा, "तुम्हें इस बात की चिंता क्यों है कि वे तुम्हारा ताबीज छीन लेंगे?"
उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं था। मुझे आश्चर्य हुआ कि वह कौन से रहस्य छिपाए हुए है और क्या वे मेरे रहस्यों जितने ही विस्फोटक हैं।

पच्चीस

अध्याय 25

"यही वह जगह है," पोल ने कहा।
हम इमारत के प्रवेश द्वार को घूर रहे थे। हम शेड्स के सामने वाले गली के कोने पर दुबके खड़े थे, वही वैम्पायर लाउंज जिसके बारे में वेट्रेस ग्रेटा ने हमें बताया था। हम आधे घंटे से वहाँ खड़े होकर अलग-अलग अलौकिक शक्तियों वाले लोगों को लाउंज में आते-जाते देख रहे थे।
मैंने अपने दोस्तों से पूछा, "क्या तुम लोग सच में ऐसा करना चाहते हो?"
"हाँ," मैरिबेल ने कहा। बीट्रिज़ और पोल आने के लिए राज़ी हो गए थे, लेकिन क्वेंटिन ने हमारे साथ न आने का फ़ैसला किया। उसने कहा कि उसे अपना कोर्सवर्क पूरा करना है। इसके बजाय, मैरिबेल आ गई, और वह नए अलौकिक प्राणियों को देखने के लिए उत्सुक थी।
"तो चलिए अंदर चलते हैं।" मैरिबेल हमसे आगे निकल गई। उसने सड़क पार की और वैम्पायर लाउंज के प्रवेश द्वार की ओर चल पड़ी। बाउंसर ने उसे नीचे देखा।

मैरिबेल ने उस लंबी अलौकिक शक्ति वाली महिला को ऊपर देखा। वह मैरिबेल से कई सिर लंबी थी, जिसके सामने हमारी सहपाठी छोटी सी लग रही थी। वह विशालकाय बाउंसर मुझे येती की याद दिला रही थी। मैंने सोचा कि क्या उसके शरीर पर इतने सारे बाल होने के कारण उसे गर्मी लग रही होगी।
"जी?" बाउंसर ने मैरिबेल से पूछा।
"यह शेड्स है, है ना?" मैरिबेल ने उससे पूछा। हमें पता तो पता था, लेकिन दरवाजे पर कोई साइनबोर्ड नहीं था। हमें यकीन तभी हुआ कि हम सही जगह पर हैं, जब इमारत में अलौकिक शक्तियों वाले लोगों की भीड़ अंदर आने लगी। और बाहर एक विशालकाय अलौकिक रक्षक खड़ा था।
"कौन पूछ रहा है?" यति ने मारिबेल को घूरकर देखा।
"कोई ऐसा व्यक्ति जो अंदर देखना चाहता हो," मेरे नीले बालों वाले दोस्त ने जवाब दिया।
मैं तुम्हें अंदर क्यों आने दूं?
"हमें बाहर रखने से आपको क्या फायदा होगा? इसका कोई कारण नहीं है।"
"तुम चारों इंसान हो।" यति ने हमारी ओर इशारा किया।
मैरिबेल ने अपनी बाली दिखाते हुए उसमें लगा रत्न दिखाया। यति ने चिढ़कर कहा, "मुझे पता है तुम्हारे पास रत्न है। वरना तुम मुझे कैसे देख सकती थी?"
मैरिबेल बिल्कुल भी शर्मिंदा नहीं दिखी। पोल बाउंसर के पास गया। "हम कोई गड़बड़ नहीं करने वाले हैं। हम बस उत्साहित हैं और कुछ अलौकिक शक्तियों को हरकत करते देखना चाहते हैं।"
येती जैसे दिखने वाले बाउंसर ने उसकी ओर मुड़कर कहा, "तुम यहाँ रहने के लिए थोड़े छोटे हो।"
"क्या हमें बाहर रखने के बारे में कोई नियम है?"
"कोई नियम नहीं," यति ने गुर्राते हुए कहा।
पॉल ने उसे एक प्यारी सी मुस्कान दी। वह आकर्षक था और उसे इस बात का एहसास था। उसमें एक सहज आत्मविश्वास था, जो मेरी समझ से परे कारणों से, बड़े से बड़े दृढ़ संकल्प को भी पिघला सकता था। उसके होंठों के कोने ऊपर की

ओर मुड़ गए। मैंने अपना चेहरा गंभीर बनाए रखने की कोशिश की। पॉल के आकर्षण को देखना वाकई दिलचस्प था। यह उसका अपना खास जादू था।
"हमें ज्यादा देर नहीं लगेगी। हमें ग्यारह बजे तक सेंटर वापस आना है," उसने शरारती अंदाज में आँख मारते हुए उससे कहा।
येती अनिच्छा से एक तरफ हट गया। "ज्यादा देर मत लगाना। मजे करो।"
पॉल ने उसे एक हल्की सी मुस्कान दी। "धन्यवाद।" वह लाउंज में चला गया और हम सब भी जल्दी से उसके पीछे-पीछे चले गए।
"यह बहुत ही शानदार था," बीट्रिज़ ने मेरे कान में फुसफुसाते हुए कहा।
मैंने सिर हिलाया। "उसमें प्रतिभा है।" मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या उसकी प्रतिभा दिखने से कहीं अधिक थी।
पॉल ने मुझे उसे घूरते हुए देख लिया और मुस्कुराते हुए पूछा, "प्रभावित हुए?"
मैं हँस पड़ा।
हम सब वहीं खड़े होकर सब कुछ निहार रहे थे। मुझे दूसरों के बारे में तो पता नहीं था, लेकिन हमारे चारों ओर मौजूद अलौकिक प्राणियों की विविधता देखकर मैं अभिभूत हो गया था। इतने सारे पिशाच थे कि मैं दंग रह गया। वे सचमुच बेहद खूबसूरत थे। उनमें नुकीले कानों, तेज दांतों, पंजों और पत्तों जैसे दिखने वाले अंगों वाले जीव भी थे। कुछ जीवों के पंख भी थे। मुझे उनमें से ज्यादातर के बारे में कुछ भी पता नहीं था।
मेजबान हमारे पास आई। "आपके समूह में चार लोग हैं?"
"हां," मैरिबेल ने कहा।
"मेरे पीछे आओ," होस्टेस ने कहा और इतराते हुए चली गई। हम उसके पीछे-पीछे चले, वह हमें रेस्टोरेंट के बीचोंबीच डीजे बूथ की ओर ले गई। जब मुझे एहसास हुआ कि डीजे एक वैम्पायर है, तो मैंने बीट्रिज़ को कोहनी मारी। उसकी आँखें उत्साह से चमक उठीं। संगीत इतना तेज़ था कि मेरे पूरे शरीर में कंपकंपी दौड़ गई। ग्रेटा सही कह रही थी: यहाँ अलौकिक शक्तियों को घूरना ज़्यादा आसान होगा। हम अपनी आवाज़ भी मुश्किल से सुन पा रहे थे, और मुझे शक था कि आकार बदलने वाले जीव हमारे बारे में बातें सुन पाएँगे।
हम उस मेज पर बैठ गए जिसकी ओर मेजबान ने इशारा किया था।

"यह तो अविश्वसनीय है," मैरिबेल चिल्लाई। "इन सभी पिशाचों को देखो।"
हम सबने सहमति में सिर हिलाया। सभी पिशाचों में एक चमक थी, एक तरह का आकर्षण जो उनके चेहरे को अविश्वसनीय रूप से परिपूर्ण बना देता था। यह अद्भुत था।
"क्या यह खून है?" बीट्रिज़ ने एक पिशाच की ओर इशारा करते हुए पूछा। पिशाच ने अपने नुकीले दांत बाहर निकाल रखे थे और उसके हाथ में गहरे लाल रंग के तरल से भरा एक मार्टिनी ग्लास था। उसने एक घूंट लिया और अपने होंठ चाटे। बीट्रिज़ के चेहरे पर घबराहट के भाव थे। "तुम्हें क्या लगता है कि उन्हें यह खून कहाँ से मिलता है?" उसने प्यासी पिशाच से अपनी नज़रें हटाए बिना पूछा।
मैंने कहा, "मैं इसके बारे में सोचना नहीं चाहती।" मेरा ध्यान इंसानों और छोटे जानवरों की ओर चला गया।
मैरिबेल ने मेज से मेनू उठाया और एक आइटम की ओर इशारा करते हुए कहा, "इसमें साफ-साफ लिखा है कि यह क्या है।"
मैंने पूछा, "यह क्या है?"
"'इच्छुक प्रतिभागियों से प्रतिदिन ताजा रक्त प्राप्त किया जाता है।'" उसने ऊपर देखा। "इसमें रक्त के प्रकार भी लिखे हैं। क्या आप ए-पॉजिटिव रक्त का एक राउंड लेना चाहेंगे?"
बीट्रिज़ ने मुँह बनाया। "नहीं!"
एक वेट्रेस आई। "खाना या पेय पदार्थ?" कुछ देर सोच-विचार करने के बाद हमने कुछ ऐपेटाइज़र ऑर्डर किए।
"मैं डांस फ्लोर देखना चाहती हूँ। कौन मेरे साथ आना चाहता है?" मैरिबेल ने पूछा।
"मैं करूँगा।" पोल अपनी कुर्सी से उठा और मैरिबेल की ओर हाथ बढ़ाया। उसने उसका हाथ पकड़ा और वे तड़पते हुए शरीरों की भीड़ की ओर चल पड़े।
"यह तो पागलपन है," बीट्रिज़ ने कहा।
"हाँ, बिल्कुल!" मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि मैं एक वैम्पायर लाउंज में हूँ। मुझे अब भी इस बात को पूरी तरह से स्वीकार करने में मुश्किल हो रही थी कि यह दुनिया सचमुच मौजूद है।

हमारी वेट्रेस हमारे ऐपेटाइज़र लेकर वापस आई और हम उन्हें खाते हुए अपने आस-पास मौजूद अलौकिक प्राणियों को देखते रहे। पोल और मैरिबेल हंसते हुए वापस आए और उन सभी प्राणियों की कहानियां सुनाने लगे जिनके साथ उन्होंने नृत्य किया था। "एक परी ने मेरे साथ नृत्य किया!" मैरिबेल ने उत्साह से कहा। "यह कितना अद्भुत है! क्या आप भी अलौकिक प्राणियों के साथ नृत्य करने नहीं जाना चाहते?"

बीट्रिज़ और मैंने सिर हिलाया। लाउंज में इतने सारे लोगों को देखकर हम अभिभूत हो गए थे। मुझे इसे समझने के लिए समय चाहिए था। बीट्रिज़ बस दूर से ही उन्हें निहारना चाहती थी।

"किसी को शौचालय जाना है?" मैंने पूछा। बीट्रिज़ और मारिबेल ने मना कर दिया, वे हमारे चारों ओर मौजूद कई प्राणियों को निहारने में ही मग्न थीं। मैं अकेले ही शौचालय गई, अलौकिक प्राणियों की भीड़ के बीच से रास्ता बनाते हुए। शौचालय में प्रवेश करते ही मैंने एक पिशाच को लिपस्टिक लगाते और दो अप्सराओं को मिनोटौर के बारे में गपशप करते देखा। मैंने उनकी अमानवीय भुजाओं को घूरने से बचने की कोशिश की। मुझे पोल को मिनोटौर के बारे में बताना ही होगा। यह एकमात्र अलौकिक प्राणी था जिसे मैं जानती थी कि वह देखना चाहता था।

मैंने अपना काम खत्म किया और हाथ धोए। जैसे ही मैं शौचालय से बाहर निकला, किसी ने मुझे टक्कर मार दी।

"माफ़ कीजिए," मैंने अनायास ही कह दिया।

"ओह, आपको माफ़ कर दिया गया है, ठीक है," एक कर्कश आवाज़ ने जवाब दिया।

मैंने ऊपर देखा और पीछे हट गई। एक पिशाच ने मुझे घूरते हुए देखा और मेरे चेहरे के करीब झुक गया। "तुम्हारे जैसी खूबसूरत लड़की इस खतरनाक जगह पर क्या कर रही है?"

मैंने कोई जवाब नहीं दिया। जैसे ही उसकी मुस्कान और चौड़ी हुई, मेरी दिल की धड़कन तेज हो गई। मेरे भीतर खतरे का एहसास हुआ।

"मैंने अभी तक नाश्ता नहीं किया है," उसने सोचते हुए मेरी ओर एक कदम बढ़ाया। उसकी नज़र मेरी गर्दन पर पड़ी। "मुझे तुम्हारे जैसा थोड़ा सा नाश्ता

चाहिए।"
"उम्म, मुझे इसमें दिलचस्पी नहीं है," मैंने घबराकर कहा।
पिशाच ने अपना सिर पीछे की ओर झुकाया और हँस पड़ा। यह देखकर मुझे कंपकंपी छूट गई। "भोजन कब से यह कहने लगा कि उसे खाए जाने में कोई दिलचस्पी नहीं है?"
मैंने अपने होंठ चाटे और देखा कि उसकी निगाहें मेरी हरकत पर टिकी हुई हैं। मैंने बाहर निकलने का रास्ता ढूंढा, लेकिन उसने मुझे दीवार से सटाकर घेर लिया था। मेरे पास वापस शौचालय में जाने के अलावा कोई चारा नहीं था, लेकिन ऐसा करने से मैं वहीं फंस जाती और अगर वह मेरे पीछे आ जाता तो मेरे पास बचने का कोई रास्ता नहीं होता।
मुझे अपने कानों में अपने दिल की धड़कन सुनाई दे रही थी।
वह और करीब आया। मैंने अपना पेंडेंट कसकर पकड़ लिया और पिशाच की निगाहें उस पर टिक गईं। "ओह, और तुम एक वर्जित नाश्ता हो। खाने में और भी मीठी लगती हो।"
वह आगे की ओर झुका, और मैंने खुद को तैयार किया, अपनी आत्मरक्षा प्रशिक्षण का उपयोग करने के लिए तैयार होते हुए, तभी एक आवाज आई, "तुम यहाँ क्या कर रहे हो?"
वैम्पायर हिचकिचाया, उसकी आँखें सिकुड़ गईं। उसने पीछे मुड़कर देखा। उसे व्यवधान डालने वाले व्यक्ति को देखकर वह सीधा खड़ा हुआ और पीछे मुड़ गया।
उस परिचित चेहरे को देखकर मुझे राहत की सांस सी आ गई। वह कैफेटेरिया के ड्रैगन शिफ्टर्स में से एक था। उसने मुझे देखा तक नहीं क्योंकि वह वैम्पायर पर इतना ध्यान केंद्रित किए हुए था।
"पर्सी, अब तुम किसे डरा रहे हो?" ड्रैगन रूप बदलने वाले ने कहा। उसकी नज़रें मुझ पर सरकीं और पहचानते ही ठहर गईं। उसने पलकें झपकाईं और भौंहें तन गईं। "तुम यहाँ क्या कर रहे हो?" वह पिशाच की ओर मुड़ा। "पर्सी, तुम्हें पता होना चाहिए कि हमारे शिष्यों से पंगा लेना ठीक नहीं है।"
वैम्पायर ने उपहास करते हुए कहा, "तुम इसके लायक नहीं हो, नीच रूपांतरक।"

मैं वहीं जम कर खड़ा रहा, जब दोनों अलौकिक शक्तियां एक-दूसरे को घूर रही थीं। ठीक जब मुझे लगा कि तनाव असहनीय हो जाएगा, तभी शौचालय का दरवाजा खुला और टकराव थम गया। पिशाच सीधा खड़ा हुआ, मुड़ा और ड्रैगन रूप बदलने वाले के पास से गुजर गया। जाते हुए उसने धीरे से कहा, "मुझे इससे बेहतर नाश्ता मिल सकता है।"

ड्रैगन रूपांतरित प्राणी ने उसे जाते हुए देखने के लिए अपना सिर घुमाया, फिर मेरी ओर मुड़ गया। उसकी आँखें सिकुड़ गईं। "तुम यहाँ क्या कर रहे हो?" उसने फिर पूछा।

मैंने अपने होंठ चाटे, मेरा गला सूख गया था।

उसने अपनी घड़ी पर नज़र डाली। "लगभग ग्यारह बजने वाले हैं।"

धत् तेरे की।

"क्या तुम यहाँ अकेले हो?" उसने पूछा। मेरे चेहरे पर छाए डर को देखकर उसकी आवाज़ नरम पड़ गई थी।

मैंने अपना सिर हिलाया।

"अपने बाकी साथियों को इकट्ठा करो और वापस सेंटर की ओर चलो। अगर किस्मत अच्छी रही तो समय पर पहुँच जाओगे।" उसने अपने होंठ भींच लिए। "मैं तुम्हें वापस छोड़ देता, लेकिन मुझे कुछ काम है।"

"धन्यवाद।" मुझे नहीं पता कि मैं ये बोल कैसे पाया।

"इस बारे में बात मत करो। बस वापस चले जाओ, इससे पहले कि तुम और मुसीबत में पड़ जाओ।"

मैं बाकी लोगों के पास वापस भागा। "हमें निकलना होगा! लगभग ग्यारह बज गए हैं!"

बाकी लोग झट से उठ खड़े हुए और हम वैम्पायर लाउंज से जल्दी से बाहर निकल गए।

कुछ ब्लॉक तक दौड़ने के बाद, हम वापस सेंटर पहुंचे तो देखा कि बड़ा दरवाजा बंद था। हम सबने चिंता भरी नजरों से एक-दूसरे को देखा।

हमें बहुत देर हो चुकी थी।

अध्याय 26

"क्या हम दरवाजा खटखटाएं?" बीट्रिज़ ने झिझकते हुए पूछा।
रात के ग्यारह बज चुके थे। हम वैम्पायर लाउंज, शेड्स में ज़रूरत से ज़्यादा देर रुक गए थे, और इसी वजह से कर्फ्यू का समय निकल गया था। हम चारों ड्रैगन रिसर्च एंड अथॉरिटी सेंटर के बाहर अपनी इस बेवकूफी भरी गलती पर अचंभित खड़े थे। ड्रैगनों ने हमें देर न करने की चेतावनी दी थी। विशाल दरवाज़ा कसकर बंद था।
"कोशिश करने में कोई हर्ज नहीं है," मैरिबेल ने जवाब दिया। वह सामने के दरवाजे तक गई और खटखटाया। किसी ने दरवाजा नहीं खोला। हमने एक-दूसरे की तरफ देखा।
मैंने पोल से पूछा, "कोई विचार है?"
उसने सिर हिलाया। "हम यहाँ दरवाज़े पर नहीं रुक सकते। शायद हमें घर वापस चले जाना चाहिए?" ड्रैगन रिसर्च इनिशिएट प्रोग्राम का नियम था कि सप्ताह के दिनों में हमें केंद्र में ही रहना पड़ता था। हालांकि, सप्ताहांत में साइन आउट करने के बाद हम अपने घर वापस जा सकते थे।
"आज गुरुवार है," बीट्रिज़ ने कहा। "क्या आपको लगता है कि इससे कोई समस्या होगी?"
"क्या हमें घर चलना चाहिए?" मैरिबेल ने भी यही बात दोहराई।
"क्या सप्ताह के दौरान घर जाने के बारे में कोई नियम है?" मैंने दूसरों से पूछा। पोल ने कंधे उचका दिए।
"मुझे नहीं पता," मैरिबेल ने कहा।
"हमें सप्ताह के दौरान सेंटर में ही रुकना है," बीट्रिज़ ने स्वीकार किया।
मैंने कहा, "खैर, दरवाजे पर सोना समझदारी की बात नहीं है।"
हमने एक-दूसरे की ओर देखा। "घर जाना ही एकमात्र सही विकल्प है," पोल ने कहा। "हम आज रात घर चले जाएंगे और कल क्लास में आ जाएंगे। क्या यह ठीक

रहेगा?"
हम बाकी लोगों ने भी सहमति में धीमी आवाज़ में अपनी सहमति व्यक्त की।
"कल मिलते हैं?" पोल ने पूछा।
"हां," मैंने कहा।
मैं घर जाने के लिए सड़क की ओर मुड़ा और तभी पीछे से एक नई आवाज़ सुनाई दी। "अगर मैं तुम्हारी जगह होता तो यहाँ से नहीं जाता।"
हम सब एक साथ घूम गए, इस उम्मीद में कि शायद कोई दरवाजे पर हो और हमें अंदर आने दे, लेकिन दरवाजा अभी भी बंद था। वहाँ कोई नहीं था। "ड्रैगन को यह पसंद नहीं आएगा," आवाज़ फिर से सुनाई दी। मैंने ऊपर देखा। वह एक गार्गोयल था। वह बिल्ली की तरह अंगड़ाई लेकर जम्हाई लेने लगा।
मैंने उससे पूछा, "तुम्हारा क्या मतलब है?"
"गिलन तुमसे नाराज़ होगा," उसने लापरवाही से कहा।
पोल, मैरिबेल और बीट्रिज़ ने मेरी तरफ देखा। गार्गोयल गिलन को जानता था। गार्गोयल यह भी जानता था कि ग्यारह बजे के बाद आने वाले लोगों का क्या होता है। "हमें शायद उसकी बात सुननी चाहिए।"
"तो क्या हमें पूरी रात यहीं रुकना चाहिए?" बीट्रिज़ ने पूछा। उसने अपनी भौंहें सिकोड़ीं।
"हाँ, दहलीज पर ही सो जाओ। तुम्हारे जाने से बेहतर होगा। तुम्हारी सज़ा कम होगी। अगर तुम चले गए, तो तुम्हें वापस नहीं बुलाया जाएगा। वे तुम्हारा ताबीज़ का पत्थर ले लेंगे या इससे भी बुरा..." गार्गोयल की आवाज़ धीमी पड़ गई। "पर मुझे क्या पता? मैं तो बस एक गार्गोयल हूँ।" उसने अपना शरीर हिलाया और एक बार फिर पत्थर की दीवार के सहारे लेट गया।
हमने घबराहट से एक-दूसरे की तरफ देखा।
"वह सही कह रहा है," मैरिबेल ने कहा।
"यह तो हास्यास्पद है," बीट्रिज़ ने कहा।
"लगता नहीं अब हमारे पास और कोई चारा नहीं है।" पोल दरवाजे की तरफ बढ़ा और उस पर झुककर बैठ गया। उसने अपने घुटनों को सीने से सटा लिया। "बेहतर

होगा कि आप लोग आराम से बैठ जाएं। रात लंबी होने वाली है, और सुबह तक हमारे शरीर में बहुत दर्द होगा।"
हम सब ज़मीन पर बैठ गए और आराम से बैठने की कोशिश करने लगे। पत्थर बहुत सख्त था। उसकी ठंडक मेरे शरीर की गर्मी सोख रही थी, जिससे मेरी हड्डियाँ तक काँप रही थीं। यह बिल्कुल भी मज़ेदार नहीं होने वाला था।
बार्सिलोना में हर समय लोग घूमते-फिरते रहते थे। अभी ज्यादा देर नहीं हुई थी, इसलिए हमने कुछ देर सड़क पर चलते लोगों को देखा। लोग हमें अजीब नजरों से देखते रहे, लेकिन अपने रास्ते चलते रहे।
कोने से कोई आया: क्रिस्टोफर। उसने हमें दरवाजे के पास खड़े देखा और अपना रास्ता बदलकर हमारी ओर बढ़ने लगा। उसने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "गिलन से अभी से झगड़ा हो गया?"
मैंने कंधा उचका दिया।
"तुम्हें पता है कि यह अच्छा नहीं है, है ना?" उसने बारी-बारी से हम सबकी तरफ देखा।
"आगे क्या होगा?" बीट्रिज़ ने पूछा।
क्रिस्टोफर ने अपने बालों में हाथ फेरा और उन्हें बिखेरते हुए उसके सवाल पर विचार किया। "यह उन पर निर्भर करता है।"
"वे कौन हैं?" उसने पूछा। उसकी आवाज कांपने लगी थी।
"वे पहरेदार हैं। जब दीक्षा लेने वाले उनका सम्मान नहीं करते तो उन्हें बहुत बुरा लगता है।"
"द्वारपाल कौन हैं?" पोल ने पूछा।
"गेटकीपर कौन हैं?" मैरिबेल ने पूछा।
"यह बताना मेरा काम नहीं है।" उसने अपना हाथ सिर से हटाया और दोनों हाथ जेब में डाल लिए।
मैंने भौंहें चढ़ाईं। क्रिस्टोफर ने एक खास अंदाज में दरवाजे पर दस्तक दी। मुझे ताला खुलने की आवाज सुनाई दी। एक जाना-पहचाना चेहरा हमें घूर रहा था।
"क्या बात है?"

क्रिस्टोफर धैर्यपूर्वक दरवाजे पर खड़े लड़के को देखता रहा। लड़के ने झुंझलाहट भरी आवाज में पीछे हटकर दरवाजा इतना खोला कि हम चुपके से अंदर आ सकें। क्रिस्टोफर ने हाथ से इशारा करके बीट्रिज़ को अंदर आने के लिए कहा। वह अंदर चली गई। मैरिबेल झट से उठी और उसके पीछे-पीछे चली गई। पोल मेरे उठने तक इंतजार करता रहा और फिर मेरे पीछे अंदर आ गया। क्रिस्टोफर के चेहरे पर संतुष्टि का भाव था।

"तुम्हें नियम पता है," लड़के ने क्रिस्टोफर को चेतावनी दी।

"हाँ, लेकिन अभी ग्यारह बजकर थोड़ा ही समय हुआ है। वे अभी नए हैं," उसने मुस्कुराते हुए कहा।

लड़के ने आह भरी। "एक अपवाद दूसरे को जन्म देता है। नया हो या पुराना, नियम वही रहता है।"

क्रिस्टोफर की मुस्कान थोड़ी नरम पड़ गई। "इनसे चौकीदारों को निपटने दो। इन्हें आज रात दरवाजे पर सोने की जरूरत नहीं है।"

लड़का गुस्से से हांफने लगा। वह वापस अपनी सीट पर चला गया।

क्रिस्टोफर हमारी तरफ मुड़ा। "मुझे खेद है कि मैं इससे ज़्यादा कुछ नहीं कर सकता। मैं गेटकीपरों या गिलन को पता चलने से नहीं रोक पाऊँगा।" उसने लड़के की तरफ देखा। "वह उन्हें बता देगा कि मैंने तुम्हें अंदर आने दिया। इसके बाद जो भी होगा, तुम्हें खुद ही झेलना पड़ेगा।" वह जाने के लिए मुड़ा, लेकिन रुका और फिर मुड़कर हमें आखिरी बात कही। "बस मान लो कि तुमने गलती की है। शुभकामनाएँ।" और इतना कहकर वह हमें उस अंधेरी और शांत लॉबी में उस अभी भी गुस्से में भरे लड़के के साथ छोड़कर चला गया।

हम सीढ़ियों से ऊपर चढ़ गए। "देखा तुमने कैसे उस लड़के को तुरंत पीछे हटते देखा जब क्रिस्टोफर ने उससे हमें अंदर आने देने के लिए कहा?" बीट्रिज़ ने फुसफुसाते हुए कहा।

"हाँ," मैंने कहा, और अब भी सोच रही थी कि क्रिस्टोफर का अधिकार क्या था। ड्रैगन शिफ्टर की श्रेणी में उसकी क्या स्थिति थी? इतने सारे लोग उसके अधिकार के आगे क्यों झुकते थे?

"वह फिर भी गिलन को बताएगा," पोल ने आगे कहा।

"हाँ, लेकिन उसने चौकीदारों के बावजूद उससे दरवाजा खुलवा लिया।" मुझे क्रिस्टोफर के प्रति थोड़ी सहानुभूति महसूस हुई।
हम घाट पर पहुँच गए। पोल ने फिर से बोलना शुरू किया, "तुम्हें क्या लगता है कि वे कौन हैं?"
"मुझे नहीं पता।" हर दिन मैं कुछ नया सीखता था और अपनी प्रश्नों की सूची में कुछ और प्रश्न जोड़ता जाता था।
"तुम्हें क्या लगता है वह कौन है?" उसने आगे पूछा।
"मैंने सुना है कि वह एनफोर्सर का भाई है," मैरिबेल ने कहा।
हमने उसकी ओर मुड़कर पूछा, "क्या? तुम्हें यह कैसे पता चला?"
"लेयर ने ऐसा कहा था," उसने कंधे उचकाते हुए कहा।
मैंने भौंहें चढ़ा लीं। "उसे कैसे पता चला?"
वह एनफोर्सर के बारे में हर संभव जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है।
बीट्रिज़ ने चिढ़कर कहा, "लेयरे से यही उम्मीद की जा सकती थी, सत्ता के करीब आने की कोशिश कर रही है।"
"हां, उसका भाई एक तरह का सलाहकार है," मैरिबेल ने आगे कहा। "वह यह समझ नहीं पाई, लेकिन उसे पता चला कि क्रिस्टोफर अपने भाई की तरह ही एक बहादुर योद्धा है।"
यह सब कुछ समझ से परे था। अगर क्रिस्टोफर एक बहादुर योद्धा था, तो बाकी चार ड्रैगन शिफ्टर्स उसे चुनौती क्यों दे रहे थे? और उसने मुझे अपना रक्षक क्यों चुना? लेयर ज़रूर गलत है।
मेरे पास कोई जवाब नहीं था, लेकिन एक बात निश्चित थी: मुझे क्रिस्टोफर के बारे में और अधिक जानकारी हासिल करनी थी।

सत्ताईस

अध्याय 27

अगले दिन क्लास में, पोल, मैरिबेल, बीट्रिज़ और मैं बुरी तरह थक चुके थे। शायद आधी रात के काफी बाद क्रिस्टोफर आया और हमें बिल्डिंग में अंदर आने दिया। कहने की जरूरत नहीं है कि अगली सुबह जल्दी उठकर क्लास जाने से हम सब बेहद थके हुए थे।
मैं कक्षा के पीछे बैठा था और दोबारा ऊंघने से बचने की कोशिश कर रहा था, तभी मैंने देखा कि लेयर ने पीछे मुड़कर देखा और मुस्कुराई। मैं भौंहें चढ़ा बैठा। आखिर वो क्या कर रही थी? तभी उसने अपना हाथ हवा में उठा दिया।
"जी?" गिलन ने हताश स्वर में पूछा।
"क्या तेरह नियमों में से एक नियम ग्यारह बजे के बाद बाहर रहना है?" उसने बेहद मासूमियत भरे लहजे में पूछा।
मैंने तिरछी नज़र से बीट्रिज़ की तरफ देखा। पोल और मारिबेल हमसे आगे वाली पंक्ति में बैठे थे।
गिलन ने हमारी बातचीत को नजरअंदाज नहीं किया। "तुम किस बारे में बात कर रहे हो?"
सवाल पूछे जाने के बावजूद, गुइलेन ने हार मान ली थी। ऐसा लग रहा था कि प्रशिक्षक भी लेयर की शरारतों से उतने ही तंग आ चुके थे जितने हम।
उसने आगे कहा, "आपने बताया था कि तेरह नियम हैं, लेकिन हमें उनके बारे में तभी पता चलेगा जब वे टूटेंगे। क्या बंद दरवाजे के बाहर खड़े रहना उन नियमों में से एक है?"
"क्या तुम मंदबुद्धि हो?" ड्रैगन रूपांतरित प्राणी ने अपनी जांघ पर एक रूलर से थपथपाया।
क्ले ने तेवर चढ़ाए।
गिलन उसे घूरती रही। "तुम्हें साफ तौर पर बताया गया था कि रात ग्यारह बजे के बाद बाहर रहना नियम है। तो अगर तुम्हें इसकी सूचना दी गई थी और यह तुम्हारी आचार संहिता में भी लिखा है, तो यह तेरह नियमों में से एक कैसे हो सकता है?"
लेइरे ने अपनी बाहें मोड़ लीं, उसका चेहरा गुस्से से लाल हो गया था। "खैर, मुझे पता है कि कुछ लोग कल रात देर तक बाहर थे और उन्हें कोई सजा नहीं मिली।"

बाकी कक्षा के छात्र इधर-उधर देखने लगे और अंदाज़ा लगाने लगे कि वह किसके बारे में बात कर रही है। जब हम अपने विंग में लौटे तो उनमें से अधिकतर अपने कमरों में थे। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या लेयर के अलावा किसी और ने ध्यान दिया था कि हम वहाँ नहीं थे।
गिलन का हाथ जम गया, पैमाना उसकी जांघ तक पहुँचने से पहले ही रुक गया। "और तुमने इस चूक को सुधारने का जिम्मा खुद पर ले लिया है? क्या तुम्हें मेरी जानकारी के बिना प्रशिक्षक बना दिया गया है?" उसकी आवाज़ में व्यंग्य साफ झलक रहा था।
लीरे ने ड्रैगन-शिफ्टर को घूरकर देखा और पीछे हटने से इनकार कर दिया। मुझे उसकी बहादुरी की तारीफ करनी ही पड़ी। या शायद वह बेवकूफ ही थी। जब कोई ड्रैगन-शिफ्टर आपको उस तरह घूरे जिस तरह गिलन ने लीरे को घूरा, तो डर न मानने के लिए खास तरह की हिम्मत चाहिए होती है।
बीट्रिज़ ने मुट्ठी कस ली। "मैं उसे मार डालूँगी," उसने मेरे कान में फुसफुसाते हुए कहा। मैं उसे दोष नहीं दे सकती थी। मैं भी बिल्कुल वैसा ही महसूस कर रही थी। मुझे ठीक से पता नहीं था कि लेयर मुझसे इतनी दुश्मनी क्यों रखती है, लेकिन अब वह मुझसे बदला लेने के लिए दूसरों को भी इसमें घसीटने की कोशिश कर रही थी।
प्रशिक्षक ने कक्षा जारी रखी।
"उसकी क्या समस्या है?" बीट्रिज़ ने मुझ पर फुफकारते हुए कहा।
मैंने सिर हिलाया। "मुझे बिल्कुल भी पता नहीं है।"
"वह हम पर नजर क्यों रख रही थी?"
मैंने उदास स्वर में कहा, "शायद गलती मेरी ही है।"
बाकी की क्लास में कोई खास घटना नहीं हुई। मैंने अपनी किताबें उठाईं, लेकिन इससे पहले कि हम जा पाते, गिलन ने हमें आवाज़ दी। "पोल, वैनेसा, बीट्रिज़, मैरिबेल। यहीं रुको। लेयर, तुम भी।"
हम उसके सामने खड़े थे जब वह अपनी घूमने वाली कुर्सी पर पीछे की ओर झुककर अपनी बाहों को अपनी छाती पर बांधे बैठा था।
उन्होंने हम सबको अंदर बुलाया। "मुझे नहीं पता तुम सबके बीच क्या चल रहा है, लेकिन जो भी हो, इसे बंद करो। तुम सब एक ही बैच के हो और तुम्हें मिलकर

काम करना होगा।" उनके लहजे में किसी भी तरह की बहस की गुंजाइश नहीं थी। उनकी निगाहें खासकर लेयर पर गड़ी हुई थीं।
उसकी निगाहें पड़ने पर वह बेचैन हो गई। "लेकिन उन्होंने नियमों का उल्लंघन किया।"
गिलन ने आह भरी। "हाँ, और हमें इसकी जानकारी थी। अपने सहपाठियों को मुसीबत में डालने की तुम्हारी इच्छा तुम्हारे नासमझी भरे फैसले को दर्शाती है। बधाई हो, तुम्हें भी वही सज़ा मिलेगी जो उन्हें मिलेगी।"
"लेकिन यह तो ठीक नहीं है!" वह अचानक बोल पड़ी।
मैंने संतुष्टि भरी मुस्कान को दबा लिया। उसके साथ यही होना चाहिए था।
हमारे प्रशिक्षक ने लेयर की ओर देखकर उदास मुस्कान के साथ कहा, "जीवन निष्पक्ष नहीं है। यदि तुम दूसरों के लिए मुसीबत खड़ी करना जारी रखोगे, तो जल्द ही तुम्हें पता चलेगा कि मुसीबत तुम्हारे दरवाजे पर दस्तक देगी।"
लीरे ने हमें ऐसे घूरा मानो इस मुसीबत के लिए हम ही ज़िम्मेदार हों, लेकिन उसकी सज़ा का कारण हम नहीं थे। एक तरफ तो मुझे इस बात की खुशी थी कि उसे उपद्रवी मान लिया गया है और ड्रैगन शिफ्टर्स अब उसके रवैये को बर्दाश्त नहीं करेंगे, लेकिन दूसरी तरफ मुझे इस बात का दुख भी था कि हमें उसके साथ और समय बिताना पड़ेगा।
"आपको एक सप्ताह के भीतर बता दिया जाएगा कि आपकी सजा क्या है," गिलन ने कहा।
"एक हफ्ता?" पोल ने पूछा।
गिलन ने अपनी आँखें सिकोड़ लीं। "तभी यह होगा। मेरा सुझाव है कि तब तक आप संयमित रहें।"
मैंने सिर हिलाया। लेयर मुड़ी और गुस्से में पैर पटकते हुए दरवाजे से बाहर चली गई। हम सब भी उसके पीछे-पीछे चले गए। "उसे यही मिलना चाहिए था," बीट्रिज़ ने कहा। "वह हमेशा मुसीबत खड़ी करने की कोशिश करती रहती है।"
लेइरे रुकी और घूम गई। उसने बीट्रिज़ को गुस्से से घूरते हुए पूछा, "तुमने क्या कहा?"

बीट्रिज़ रुक गई। पोल और मारिबेल ने उसकी ओर देखा। उसने अपनी किताबें सीने से लगा लीं। मैंने देखा कि उसका हाथ कांप रहा था। बीट्रिज़ को टकराव पसंद नहीं था।
"मैंने कहा था कि तुम्हारे साथ यही होना चाहिए," बीट्रिज़ ने धीमी आवाज़ में दोहराया।
लेइरे ने एक कदम आगे बढ़ाया। इससे पहले कि मुझे पता चलता, मैं बीट्रिज़ के सामने पहुँच गया।

अट्ठाईस

अध्याय 28

मैंने लेयर को चेतावनी देते हुए कहा, "उसे अकेला छोड़ दो।"
"या फिर क्या?" उसने मुझे ताना मारते हुए कहा, मानो मुझे अपनी धमकी को साबित करने की चुनौती दे रही हो।
मैंने अपनी आँखें सिकोड़ लीं। मेरे पीछे से बीट्रिज़ ने कहा, "वैनेसा, ऐसा मत करो!"
मैंने अपने दोस्त को नज़रअंदाज़ कर दिया। मेरी निगाहें लेइरे पर टिकी थीं। यह टकराव काफी समय से पनप रहा था। जब मैंने ड्रैगन रिसर्च इनिशिएट प्रोग्राम में दाखिला लिया था, तब से ही वह मुझसे नाराज़ थी। फिर मैंने सबके सामने उसकी पिटाई कर दी थी। तब से ही वह बदला लेना चाहती थी।
मैंने दांत पीसते हुए कहा, "वरना मैं तुम्हें सबक सिखाऊंगा। तुम्हें लोगों को परेशान नहीं करना चाहिए।"
"तुम? मुझे सबक सिखाने जा रही हो?" लेयर ने उपहास किया। उसके दिखावटी साहस के बावजूद, मुझे उसकी बनावटीपन में एक दरार दिखाई दी, जहाँ डर की एक झलक झलक रही थी। वह मुझसे डरी हुई थी। और उसका डर जायज़ था।
मैंने उसके डर का फायदा उठाया और उसकी ओर दौड़ पड़ी। उसकी हिम्मत की दाद देनी होगी कि वह पीछे नहीं हटी। मैंने उस पर वार किया और उसने मेरा

मुक्का रोकने के लिए अपना हाथ ऊपर उठाया। उसने मेरे बाल पकड़ने की कोशिश की, लेकिन मैंने झटककर अपना सिर छुड़ा लिया और वह उन्हें पकड़ नहीं पाई। हमारे पीछे शोर मच गया क्योंकि हमारे सहपाठी चिल्लाने लगे। मैं लेयर पर इतना ध्यान केंद्रित थी कि मुझे उनकी बातें समझ नहीं आईं। मुझे नहीं पता था कि वे इस लड़ाई का समर्थन कर रहे थे या विरोध, लेकिन मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। मुझे लेयर को हमेशा के लिए सबक सिखाना था।

उसने मुझे लात मारी और मेरी जांघ पर लगी। मैं दर्द से कराह उठा। इससे चोट का निशान पड़ जाएगा। मैंने उसे मुक्का मारने की एक और कोशिश की, उसका निशाना उसके पेट पर था, लेकिन मुक्का लगने से पहले ही वह किनारे हट गई। मैं यहीं नहीं रुका और तुरंत उसे कॉर्नर किक मारी, और मेरा पैर वहाँ पहुँच गया जहाँ मेरा मुक्का नहीं पहुँच पाया था। लेयर दर्द से कराह उठी और झुक गई। जब वह सीधी खड़ी हुई, तो उसकी आँखों में गुस्सा भरा हुआ था। उसने अपना सिर नीचे किया और मेरी तरफ दौड़ी। जैसे ही वह मुझ पर झपटी, मैंने खुद को संभाल लिया। उसने अपनी बाहों को मेरी कमर के चारों ओर लपेट लिया, मुझे पूरी ताकत से धक्का दिया, और हम दोनों ज़मीन पर गिर पड़े।

उसके बाद तो मेरा गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। वह मेरे ऊपर बैठ गई और मेरे शरीर पर मुक्के मारने लगी, लेकिन मैंने उसका सिर पकड़कर ज़ोर से दबा दिया। वह चीख पड़ी और मुझे छोड़ने के लिए मेरे हाथों पर खरोंचें मारने लगी। जब इससे भी काम नहीं बना, तो उसने मेरी आँखों पर हमला किया। मैं जानता था कि किस तरह की लड़ाई लड़नी है, और मैं अपनी आँखों की रोशनी खोना नहीं चाहता था, इसलिए मैंने उसे छोड़ दिया। मैंने जल्दी से उसके पेट में एक मुक्का मारा, जिससे वह मेरे ऊपर से हटकर पीठ के बल गिर पड़ी। मैं उसके ऊपर चढ़ गया और उसकी छाती पर बैठ गया, उसकी बाहों को ज़मीन पर दबा दिया। उसकी आँखें डर से चौड़ी हो गई थीं। आखिरकार, वह सामने आ ही गया।

मेरे भीतर से एक संतोष की भावना उभरी। मैंने उसे दबाने की कोशिश की, इस जानी-पहचानी प्रतिक्रिया को और अधिक महसूस नहीं करना चाहती थी। यह मेरा स्वभाव नहीं था, और मैं जानती थी कि यह ठीक नहीं है। यह बात मुझे तब भी पता थी जब मेरे हाथ उसे पीटते रहे। पिछली बार के टकराव के विपरीत, मैं पूरी तरह

से जानती थी कि मैं उसके साथ क्या कर रही हूँ। मैं यह भी जानती थी कि अगर मैं खुद को ऐसा करने देती, तो मुझे अपने इस कृत्य में आनंद आता। ड्रैगन रिसर्च इनिशिएट प्रोग्राम में शामिल होने के बाद जब से मैंने सेंटर में कदम रखा था, तब से मैं ऐसी ही भावनाओं का अनुभव कर रही थी - ऐसी भावनाएँ जो मेरे स्वभाव के विपरीत थीं। मुझे नहीं पता था कि क्या ड्रैगनों ने दुनिया के प्रति मेरा नजरिया बदल दिया था या मैं अपने जीन में बसे पागलपन को अपना रही थी, वही पागलपन जिसने मेरी माँ को मानसिक अस्पताल पहुँचा दिया था।

मेरे शरीर को सहज रूप से पता था कि अधिकतम प्रभाव के लिए सबसे सटीक वार कहाँ करने हैं। मैं लेयर की कमजोरियों को पहचान सकता था और जानता था कि अगर मैंने इस समय उसकी कलाई मरोड़ दी, तो मैं उसे एक टहनी की तरह तोड़ सकता हूँ। मुझे नहीं पता था कि यह निश्चितता कहाँ से आई, लेकिन मुझे पता था कि यह सच है। सबसे डरावनी बात यह थी कि मुझे ऐसा करने की संभावना पर, उसे तत्काल और संभवतः जीवन भर के लिए अपंग करने पर, कोई अपराधबोध नहीं था।

लेकिन लेयर ने बीट्रिज़ को चोट पहुँचाने की कोशिश की थी और उसे सज़ा मिलनी ही थी। बस यही मायने रखता था। मैंने उसे मुक्का मारने के लिए हाथ उठाया, मुझे किसी तरह पता था कि यही वो वार होगा जो उसे बेहोश कर देगा। जैसे ही मैंने उसे मारने के लिए अपना हाथ पीछे खींचा, उसकी आँखें घबराहट से चौड़ी हो गईं, लेकिन जब मैंने अपनी बांह पर किसी के मज़बूत हाथ का स्पर्श महसूस किया तो मैं रुक गया।

उनतीस

अध्याय 29

मैंने गुर्राते हुए अपना हाथ उस हाथ से छुड़ा लिया जिसने मुझे लेयर के साथ अपना पाठ पूरा करने से रोका था। मैंने ऊपर देखा तो मुझे एक बेहद गुस्से में खड़ा ड्रैगन-

शिफ्टर नज़र आया: गिलन।
"उठो।" उसने हर शब्द को धीमी और भयावह आवाज़ में बोला। उसका चेहरा गुस्से से लाल था।
ऐसा लगा जैसे मुझ पर बर्फीले पानी की बाल्टी उड़ेल दी गई हो। मैंने पलकें झपकाईं। मेरी दृष्टि पर छाई लाल धुंध छंटने लगी। मेरी हड्डियों में ठंडक सी छा गई और जैसे ही युद्ध का क्रोध मुझमें से निकला, मैं कांपने लगा। मैंने उस लड़की को देखा जिस पर मैं बैठा था और उसके चेहरे पर आदिम भय देखा। मैं महसूस कर सकता था कि शर्म मेरे शरीर से तेजी से निकल रहे एड्रेनालाईन की जगह ले रही है। जैसे ही मैंने लेयर को पहुँचाई चोटों को देखा, शर्म और भी बढ़ गई। उसके शरीर पर कई गहरे घाव थे जिनसे खून बह रहा था और नील के निशान भी बनने लगे थे।
"मुझे अपनी बात दोहराने पर मजबूर मत करो," गिलन ने चेतावनी दी।
मैंने लीरे के ऊपर से एक पैर खींचकर खुद को खड़ा किया। शरीर सीधा करते ही मुझे दर्द हुआ। गिलन ने गिरी हुई लड़की को नज़रअंदाज़ कर दिया। उसकी आँखों में भयंकर क्रोध भरा था और वो मुझ पर टिकी हुई थीं। "तुम क्या कर रही थीं?"
"उसे सबक सिखाना।" मुझे आईने में देखने की ज़रूरत नहीं थी, मैं जानती थी कि मेरे चेहरे पर नाराज़गी के भाव थे। मैंने अपने कांपते शरीर को छिपाने के लिए अपनी बाहें मोड़ लीं।
उसकी आँखें थोड़ी चौड़ी हो गईं। मैंने उसे चौंका दिया था। उसे मुझसे पलटवार की उम्मीद नहीं थी। भला कौन करता? जब से मैंने ड्रैगन रिसर्च इनिशिएट प्रोग्राम में दाखिला लिया था, मैं एक शांत छात्रा रही थी। हाँ, मैं एक बार मुसीबत में पड़ चुकी थी, लेकिन किसी को भी मेरी छिपी हुई शक्तियों का एहसास नहीं था। और किसी भी ड्रैगन शिफ्टर को मेरे उस रहस्य का पता नहीं था जिसे मैं छुपा रही थी। वे मुझे एक इंसान समझते थे, जो मुझे एक आकर्षण पत्थर देने और बार्सिलोना में छिपी जादुई दुनिया को खोजने की अनुमति देने के लिए उनके प्रति वफादार थी। उन्हें नहीं पता था कि मैं एक चुड़ैल हूँ। अगर उन्हें पता चलता कि उन्होंने अपने बीच एक अलौकिक प्राणी को अपने रहस्य जानने के लिए शामिल किया है, तो वे मुझे मार डालते।

मैंने अपनी आँखों के कोने से देखा कि मेरे सहपाठी लेइरे की मदद के लिए दौड़ पड़े। जब उन्होंने उसे उठाया तो वह सिसक रही थी। केविन ने उसे सहारा देने के लिए अपना हाथ उसके नीचे रखा। मैंने अपनी आँखें घुमाने से खुद को रोका। मुझे पता था कि वह खुद को पीड़ित दिखाएगी, जबकि पूरी घटना की शुरुआत उसी ने की थी। लेइरे को पीड़ित होने का नाटक बखूबी आता था।
"क्या शाइमा तुम्हें इसी तरह की लड़ाई सिखाती रही है?" गुइलेन ने पूछा।
"नहीं," मैंने धीरे से कहा।
"मुझे उम्मीद है ऐसा नहीं होगा। वह इस समय बहुत निराश होगी।" उसने मेरी तरफ घूरकर देखा।
"क्या वो ऐसा करेगी?" मेरे होंठों पर हल्की सी मुस्कान आ गई। "अगर आत्मरक्षा का इस्तेमाल ही न किया जाए तो उसका क्या फायदा?"
मेरी इस धृष्टता पर गिलन अविश्वास से देखने लगा। "यह आत्मरक्षा नहीं थी। तुमने लेयर पर हमला किया था। अगर तुम्हें अंतर नहीं पता, तो शाइमा ने तुम्हें ठीक से सिखाया नहीं है। मुझे यकीन है कि दूसरे ड्रैगन शिफ्टर तुम दोनों को हमले और आत्मरक्षा के बीच का अंतर सिखाने में खुशी-खुशी मदद करेंगे।"
उसकी इस अप्रत्यक्ष धमकी से मुझे ज़रा सी सिहरन हुई, और अंत में मुझे अपराधबोध सताने लगा जब मैंने सोचा कि मेरी हरकतों की वजह से शाइमा मुसीबत में पड़ जाएगी। अपराधबोध के बावजूद, मैंने कहा, "मैं बीट्रिज़ का बचाव कर रही थी।"
"क्या बीट्रिज़ अपने लिए खड़े होने में असमर्थ है?" उसने मुझसे नज़रें हटाए बिना बीट्रिज़ की ओर अंगूठा हिलाते हुए कहा।
"नहीं," मैंने स्वीकार किया।
हम एक दूसरे को घूरते रहे।
एक आवाज़ ने मेरा ध्यान भंग कर दिया और मैंने दाईं ओर देखा तो बीट्रिज़ वहाँ भयभीत खड़ी थी, उसके बगल में पोल भी था। उसका चेहरा पीला पड़ गया था। पोल के चेहरे पर पहली बार गंभीरता थी।
गिलन के अगले शब्दों ने मेरा ध्यान वापस उसकी ओर खींच लिया। "किसी और की लड़ाई अपने हाथ में लेकर, आप तेरह नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं।"

"तेरह नियम?"
"जी हां, मुझे यकीन है कि आपको इनकी जानकारी दे दी गई होगी।"
मैंने सिर हिलाया। "हमें बताया गया था कि हमें उनके बारे में तभी बताया जाएगा जब हम उन्हें तोड़ देंगे।"
"बधाई हो। अब आपको सूचित किया जा रहा है।"
इस बार मैंने अपनी आँखें घुमाने से खुद को नहीं रोका। अजगर के गले से एक धीमी सी गुर्राहट निकली। "अपने कमरे में जाओ," गिलन ने आदेश दिया। "किसी से बात मत करना। जब तक कोई ड्रैगन रूप बदलने वाला तुम्हें लेने नहीं आता, तब तक तुम वहीं बंद रहोगे।"
मैंने उसे घूरकर देखा, लेकिन मुझे भी पता था कि मेरे पास कोई और चारा नहीं था। मैं उसके इलाके में थी और मुझे उसके आदेश मानने ही थे। और हाँ, मैं जिद्दी तो थी, पर जानती थी कि मैं एक वयस्क ड्रैगन-रूपांतरित प्राणी से मुकाबला नहीं कर सकती। मैं इतनी पागल नहीं थी। मैं मुड़कर अपने दोस्तों के पास से गुज़र गई। बीट्रिज़ ने अपना हाथ मुँह पर रख लिया, वह अभी भी जो कुछ उसने देखा था उससे सदमे में थी। पोल ने मुझे सहानुभूति भरी नज़र से देखा। बिना कुछ कहे, मैं आँगन पार करके अपने दोस्तों को पीछे छोड़ गई।

तीस

अध्याय 30

मैं आंगन से निकलकर केंद्र की ओर चल पड़ा। ड्रैगन शिफ्टर्स की जिज्ञासु निगाहों को अनदेखा करते हुए मैं गलियारों के भूलभुलैया से होते हुए सीढ़ियों से ऊपर चढ़कर अपने प्रवेश कक्ष की ओर बढ़ा। दुर्भाग्यवश, ड्रैगन शिफ्टर्स से हमें बचाने वाला भारी दरवाजा मेरे लिए बंद करना बहुत मुश्किल था। मैं उस सुनसान जगह से होते हुए, बैठक कक्ष और पुस्तकालय को पार करते हुए, एक दर्जन बंद दरवाजों

तक पहुँचा। हर कमरा किसी न किसी नए सदस्य का था। मैंने अपने कमरे के सामने वाले लेइरे के कमरे पर एक तीखी नजर डाली।
मैंने गुस्से से दरवाजा पटक दिया और बिस्तर पर लेट गई। कुछ देर तक मैं चुपचाप सोचती रही, फिर किसी ने मेरे दरवाजे पर दस्तक दी। मैं पीठ के बल लेट गई और कोहनियों के बल उठ खड़ी हुई। जब मैंने कोई जवाब नहीं दिया, तो दरवाजे का हैंडल घूमा और दरवाजा खुल गया।
पोल ने अपना सिर अंदर झाँका।
"तुमने जवाब क्यों नहीं दिया?" उसने मेरे कमरे में घुसते हुए मुझसे पूछा। बीट्रिज़ उसके पीछे-पीछे आई। उसने धीरे से दरवाज़ा बंद कर दिया।
"गिलन ने उसे किसी से बात न करने के लिए कहा था।" उसने पोल को चिंता भरी नज़रों से देखा।
पोल ने अपनी भौंहें उठाईं और मैंने कंधे उचका दिए। वह सही थी।
मुझे उसके होशियार दिमाग में चल रही हलचल साफ दिखाई दे रही थी। "तुम्हारी नोटबुक कहाँ है?"
"नहीं, पोल, नहीं," बीट्रिज़ ने उसे चेतावनी दी, वह समझ रही थी कि उसे ऐसा करने की ज़रूरत क्यों थी। "यह तो काफी बुरा है कि हम उसके कमरे में हैं। अगर उन्हें पता चल गया कि वह हमें चिट्ठी लिख रही है, तो वह और भी बड़ी मुसीबत में पड़ जाएगी।"
मैंने उसकी बात अनसुनी कर दी और अपनी डेस्क की दराज में कुछ ढूंढने लगा। मैंने एक नोटबुक निकाली और पोल को दे दी। उसने उसे खोला और पन्ने पलटते-पलटते एक खाली पन्ना मिल गया। "पेन?"
मैंने उसे एक कागज़ दिया, लेकिन उसने बदले में मुझे नोटबुक थमा दी। मैंने बीट्रिज़ की तरफ देखा। वह अभी भी सिर हिला रही थी। "हम मामला और बिगाड़ रहे हैं। उसे जवाब मत दो, वैनेसा। अगर गिलन ने हमें पकड़ लिया, तो बहुत बुरा होगा।"
"तुम्हें क्या लगता है क्या होगा?" पोल ने मुझसे पूछा। उसने नोटबुक की ओर इशारा किया, लेकिन मुझे जवाब लिखने की ज़रूरत नहीं थी। मैंने कंधे उचका दिए।

मेरे जाने के बाद क्या हुआ? मैंने लिख लिया। मैंने नोटबुक को पलट दिया ताकि वह उसे पढ़ सके।
बीट्रिज़ सवाल पढ़ने के लिए पास आई। उसने कहा, "गिलन ने लेयर को फटकारा। यह बहुत बुरा था। आपको उसका चेहरा देखना चाहिए। उसे अस्पताल भेज दिया गया है।"
"फिर से," पोल ने मुस्कुराते हुए कहा।
मैं अपने चेहरे से मुस्कान नहीं हटा सका। यह दूसरी बार था जब मैंने उसे अस्पताल भेजा था। पहली बार तो मुझे बुरा लगा था, लेकिन इस बार मुझे कोई अफसोस नहीं था।
मैंने उस थोड़े से अपराधबोध को नजरअंदाज कर दिया जिसने मेरी संतुष्टि की भावना में घुसपैठ करने की कोशिश की थी।
उसे यही मिलना चाहिए था। अगली बार वह तुम्हें परेशान करने से पहले दो बार सोचेगी। मैंने नोटबुक बीट्रिज़ को दिखाई।
बीट्रिज़ ने अपने होंठ दबाए। "वैनेसा, तुम ऐसा सोच भी नहीं सकती। मेरा साथ देने के लिए धन्यवाद, लेकिन मैं नहीं चाहती थी कि मेरी वजह से तुम मुसीबत में पड़ो। वहाँ क्या हुआ था? तुम तो..." उसकी आवाज़ धीमी पड़ गई।
मुझे पता था कि वह क्या कहने वाली है: अलग। पहली बार लेयर को पीटने वाली वेनेसा तब से मेरे दिमाग में बसी हुई थी। मैं उस वेनेसा को नहीं जानती थी। उस पहली घटना के कुछ समय बाद ही मैंने बीट्रिज़ से अपनी चिंता ज़ाहिर की थी। लेकिन इस बार मुझे हिंसा में मज़ा आ रहा था। मैं खुद को रोक नहीं पा रही थी। मैं किस चीज़ में बदल रही थी?
बीट्रिज़ और मैं एक-दूसरे को घूरते रहे, बिना कुछ कहे ही हम एक-दूसरे की बात समझ गए। पोल ने हम दोनों की तरफ देखा। "क्या चल रहा है?"
"यह सामान्य नहीं था," बीट्रिज़ ने अंत में कहा। "मुझे खेद है, लेकिन यह सामान्य नहीं था। आप ऐसे नहीं हैं।"
मैंने कोई जवाब नहीं दिया। कलम मेरे हाथ में स्थिर पड़ी रही।
"तुम क्या बात कर रहे हो?" पोल ने बीच में टोकते हुए कहा। "वाह, कमाल था! वैनेसा, मुझे पता ही नहीं था कि तुम इस तरह लड़ सकती हो। मैं तुम्हारे आत्मरक्षा

शिक्षक से सबक लेने के लिए कहूंगा।" पोल अपनी आवाज़ में प्रशंसा छिपा नहीं सका।
बीट्रिज़ ने उसे नापसंदगी भरी नज़र से देखा। "अद्भुत? उसने लेयर की बुरी तरह पिटाई कर दी।"
वह धड़ाम से मेरे बिस्तर पर बैठ गया, जिससे मेरी तरफ का गद्दा ऊपर उठ गया। पोल की आँखों में शरारत भरी चमक थी। "अद्भुत," उसने दोहराया।
"तुम बहुत बड़ी मुसीबत में पड़ने वाले हो," बीट्रिज़ ने मुझे चेतावनी दी।
हालांकि उसे इसका एहसास नहीं था, लेकिन वह उसी विचार को दोहरा रही थी जो उसने कुछ समय पहले ही व्यक्त किया था। उसे वह रात याद नहीं थी जब मैंने उसे बताया था कि मैंने एक पिशाच की हत्या होते देखी थी। हत्या करने वाली हत्यारी चुड़ैल आई और उसने उस घटना की उसकी याददाश्त मिटा दी। फिर उस चुड़ैल ने मेरी याददाश्त भी मिटाने की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो सकी। तभी उसने मुझे बताया कि मैं एक चुड़ैल हूँ। मैंने अभी तक अपने किसी भी दोस्त को यह बात नहीं बताई थी।
तो? आपको क्या लगता है कि आगे क्या होगा? मैंने अपने प्रश्न की गंभीरता पर ज़ोर देने के लिए इसे रेखांकित किया है।
पॉल ने मेरे सवाल ज़ोर से पढ़े और सिर हिलाया। "मुझे खुद भी नहीं पता। इस कार्यक्रम में जितने भी लोग हैं, मैंने कभी नहीं सोचा था कि तुम ही उपद्रवी बनोगे।" उसके चेहरे पर टेढ़ी मुस्कान ने उसके शब्दों को नरम कर दिया।
मैंने होंठ सिकोड़ लिए। मैंने भी ऐसा नहीं सोचा था। अगर किसी ने मेरे पिताजी को बताया होता कि मैं समूह में शरारती बच्चा बनूँगा, तो उन्हें कभी विश्वास ही नहीं होता। अगली बार जब मैं उनसे मिलने जाऊँगा तो मुझे उन्हें यह बात बतानी ही पड़ेगी। उन्हें यह सुनकर बहुत मज़ा आएगा।
मैंने एक बार फिर पोल की गर्मजोशी भरी मुस्कान और बीट्रिज़ की चिंतित निगाहों को देखा। ये मेरे दोस्त थे, वो लोग जो मुझसे प्यार करते थे और मेरी परवाह करते थे। उसी क्षण मैंने एक फैसला किया: मैं उन्हें अपना राज़ बता दूँगी। मैंने नोटबुक उठाई और तेज़ी से लिखा, बीट्रिज़ सही कह रही है। मेरे साथ कुछ हो रहा है। मुझे

तुम दोनों को कुछ बताना है। मैंने नोटबुक अपने दोस्तों को दिखाई और वे आँखें फाड़कर देखने लगे।
एक गहरी सांस लेकर मैंने अपना रहस्य लिख लिया और नोटबुक पोल की ओर तान दी। उसने उसे पढ़ने के लिए अपनी नज़रें नीचे कर लीं, लेकिन उसी क्षण, दरवाज़ा इतनी ज़ोर से खुला कि दीवार से टकरा गया। हम तीनों ने तेज़ी से उसकी ओर सिर घुमाया।
एक लंबा, भयावह व्यक्ति अंदर आया।
मेरे हाथों से नोटबुक गिर गई, और वह स्वीकारोक्ति पढ़ी ही नहीं जा सकी।

इकतीस

अध्याय 31

उस डरावनी आकृति के बाल रूई जैसे सुनहरे थे, आँखें पन्ना जैसी हरी थीं और चेहरे पर तीखी मुस्कान थी। हमारी प्रशिक्षक कार्लोटा ने हम तीनों को देखा। हम सब जम गए। बीट्रिज़ मेरे बिस्तर के पास ही खड़ी रह गई और पोल मेरे बगल में बैठ गया, मेरी नोटबुक मेरी गोद में पड़ी हुई थी जिसे मैं भूल चुका था। मैंने प्रार्थना की कि कार्लोटा को इसमें दिलचस्पी न हो और वह कुछ पल पहले मैंने जो लिखा था उसे न पढ़ ले। शुक्र है कि नोटबुक उल्टी गिरी थी, इसलिए अपनी तेज़ नज़र के बावजूद कार्लोटा उसे दूर से नहीं पढ़ पाई।
"वाह वाह वाह," उसने कहा। "तुम अब भी गिलन को चुनौती दे रहे हो।"
"हमारा ऐसा करने का इरादा नहीं था--," बीट्रिज़ ने कहना शुरू किया।
"यह बस...", पोल ने कहना शुरू किया।
कार्लोटा ने हाथ उठाकर उनकी बात काट दी। मैं चुपचाप उसे सतर्कता से देखता रहा। कार्लोटा हमारी ड्रैगन फंडामेंटल्स क्लास की प्रशिक्षक थी। वह यकीनन हमारी सबसे विचित्र प्रशिक्षक थी, और उसे इस तरह दरवाजे पर इतने खतरनाक ढंग से खड़ा देखना मुझे बेचैन कर रहा था।

उसकी मुस्कान और चौड़ी हो गई। "मैं नाराज़ नहीं हूँ। मैं प्रभावित हूँ।"
"क्या?" बीट्रिज़ ने चीखते हुए कहा।
"यह तो समझदारी की बात है," उसने आगे कहा। "गिलन को तुम्हारी सज़ा के दायरे और किसी से बात न करने के उसके मतलब के बारे में और स्पष्ट रूप से बताना चाहिए था। उसने सीधे-सीधे यह तो नहीं कहा कि तुम लिख नहीं सकते, है ना?" प्रशिक्षक ने सीधे मेरी ओर देखा।
मैंने चुपचाप सिर हिलाया।
"मैं प्रभावित हूँ। ड्रैगन के बीच रहने वाले इंसान होने के नाते, आपको चतुर होना ही पड़ेगा।" उसने नोटबुक की ओर देखा और फिर हमारे चेहरों की ओर, पोल के चेहरे पर थोड़ी देर तक टकटकी लगाए रही। "यह तो वाकई चतुराई है।"
पोल के चेहरे पर शर्मिंदगी की लाली छा गई। मुझे शक था कि वह जानती है कि यह किसका विचार था। पोल शर्म से अपना सिर झुका लिया। कार्लोटा की शंका की पुष्टि होते ही उसकी मुस्कान और तीखी हो गई। "वैनेसा, मेरे साथ आओ। तुम दोनों गिलन के आसपास मंडराने से पहले यहाँ से गायब हो जाओ।"
"क्या मैं अब बात कर सकती हूँ?" मैंने बिस्तर से उतरते हुए उससे पूछा। मैंने नोटबुक और पेन को अपनी डेस्क की दराज में रख दिया।
"तुमने अभी-अभी किया," उसने चिढ़कर कहा। कार्लोटा मुड़ी और दरवाजे से बाहर चली गई।
मैंने अपने दोस्तों की तरफ देखा और बीट्रिज़ ने इशारे से कहा, "शुभकामनाएँ", जबकि पोल ने मुझे एक टेढ़ी मुस्कान दी। उसने अपना हाथ अपनी गर्दन के पीछे फेरा। मैं प्रशिक्षक के पीछे चलने के लिए जल्दी से आगे बढ़ी। मैं उसके पीछे-पीछे विंग से बाहर निकली, केविन के पास से गुज़री जिसने मुझे घूरकर देखा, लेकिन मुझे उससे और कुछ उम्मीद भी नहीं थी क्योंकि वह लेयर का दोस्त था। मैंने सोचा कि वह इन्फर्मरी में उसके साथ क्यों नहीं था। पिछली बार जब मैंने उसे वहाँ भेजा था, तब वह मुश्किल से ही उसके पास से हटा था।
क्वेंटिन आइरिस और मैरिबेल के साथ सोफे पर आराम कर रहा था। उसने बस मुझे हमदर्दी भरी नज़र से देखा। मेरे अंदर कुछ अजीब सा महसूस हुआ। मुझे समझ नहीं आया कि जब बीट्रिज़ और पोल मुझसे मिलने आए थे, तो वह उनके

साथ क्यों नहीं आया। मुझे लगा था कि हम अच्छे दोस्त हैं। मैरिबेल के बारे में भी यही कहा जा सकता है, लेकिन वह तो वैसे भी बहुत चिंता करती थी। लेकिन क्वेंटिन का पोल और बीट्रिज़ के साथ न आना मुझे उम्मीद से कहीं ज़्यादा चुभा।
कार्लोटा मुझे विंग से बाहर निकालकर गलियारों में ले गई। वह तेज़ी से सीढ़ियों से नीचे उतरने लगी। जैसे-जैसे वह आगे बढ़ती गई, मेरे मन में एक अजीब सी बेचैनी छाने लगी। मैंने उस रास्ते को पहचान लिया जिस पर हम जा रहे थे। मुझे एहसास हो गया कि हमारी मंज़िल क्या है। हम कालकोठरी की ओर जा रहे थे।
"क्या मुझे फिर से नालियाँ साफ करनी पड़ेंगी?" मैंने कार्लोटा से पूछा। पिछली बार जब मैंने लेयर को हराया था, तो मुझे कालकोठरी में भेज दिया गया था, जहाँ केंद्र के रखरखाव की ज़िम्मेदारी संभालने वाली दो बहनें थीं। वे मुझे केंद्र के सबसे भीतरी हिस्से में ले गई थीं, जहाँ मैंने सबसे भयानक चीज़ें देखी थीं। वहाँ दोबारा जाने के बारे में सोचकर ही मैं काँप उठी।
प्रशिक्षक असमंजस में पड़ गया। "क्या?"
"हम कालकोठरी में जा रहे हैं, है ना? पिछली बार जब मैंने लेयर को हराया था, तब एन्ज़ो ने मुझे वहीं भेजा था।"
कार्लोटा ने नाक सिकोड़ी। "मुझे आश्चर्य क्यों नहीं हो रहा है कि तुमने वहां जाने का रास्ता याद कर लिया है?"
मैंने अपना बचाव करते हुए कहा, "मैं वहां सिर्फ एक बार गया था।"
"तो फिर आपको दिशा का अच्छा ज्ञान होना चाहिए। ज्यादातर लोग रास्ता भूल जाते हैं, चाहे वे कितनी ही बार वहां गए हों।"
मैंने कंधे उचका दिए। "शायद मैं हमेशा से ही रास्ता ढूंढने में माहिर रहा हूँ।" मैंने इसके बारे में पहले कभी सोचा ही नहीं था। मैंने इसे हमेशा स्वाभाविक ही माना था।
हम कमरे में दाखिल हुए। पहली बार जब मैंने कालकोठरी का दौरा किया था, उससे अलग, अब यह जगह अच्छी तरह से रोशन थी और व्यवस्थित थी, दीवारों के किनारे अलमारियां दिलचस्प वस्तुओं से भरी हुई थीं। कमरे के बीच में एक बड़ी मेज थी। कमरे के दूसरे छोर पर दो सिंक कतार में लगे हुए थे। हमारे प्रवेश करते

ही कालकोठरी मुड़ गई। दोनों के चेहरे पर एक जैसी भौंहें चढ़ी हुई थीं। यह अजीब था।
"तुम फिर आ गई," साइनेड ने भौंहें सिकोड़ते हुए कहा।
"इस बार तुमने क्या किया है?" मेव ने मुझसे पूछा।
"उसकी फिर से लड़ाई हो गई," कार्लोटा ने मेरी तरफ से जवाब दिया।
डंजन बहनों ने मुझे ऊपर से नीचे तक देखा। मेव ने पूछा, "वही लड़की?"
"वही लड़की," कार्लोटा ने पुष्टि की।
"वह लड़ने-झगड़ने वाली नहीं लगती," सिनीड ने धीरे से कहा। उसकी गहरी आँखें सोच में डूब गईं। "वह झगड़ालू किस्म की है, है ना?"
मैंने दांत पीसते हुए बुदबुदाया, "मैं यहीं हूँ।"
कार्लोटा ने मेरी बात अनसुनी कर दी। वह साइनेड के पास गई और एक गोलाकार धातु की वस्तु उठा ली। साइनेड ने उसके हाथों पर हाथ मारा, लेकिन कार्लोटा ने उस वस्तु को ध्यान से देखने के लिए अपना शरीर घुमाया। "शाइमा उसे प्रशिक्षण दे रही है और ऐसा लगता है कि उसे ड्रैगन उन्माद हो गया है।"
"ड्रैगन उन्माद?" मैंने ज़ोर से पूछा। यह क्या था? क्या मैं बीमार था?
"ड्रैगन उन्माद? वो?" मेव के लहजे से साफ पता चल रहा था कि वो क्या सोच रही थी। "लेकिन वो तो इंसान है।"
"क्या कोई मुझे बताएगा कि ड्रैगन उन्माद क्या होता है?" मैंने उन तीनों की ओर देखा।
"तुम्हें उस दूसरी लड़की को देखना चाहिए," कार्लोटा ने मुझे फिर से नज़रअंदाज़ करते हुए कहा। "उसकी बुरी तरह पिटाई हुई है। गिलन को उसे उससे छुड़ाना पड़ा।" उसने वह चीज़ नीचे रख दी और साइनेड ने उसे झपटकर दूसरी शेल्फ पर रख दिया, जहाँ तक साइनेड की पहुँच न हो।
मैंने अपने लॉकेट को हाथ में लिया। यह जानते हुए भी कि वे जानबूझकर मुझे अनदेखा कर रहे थे, मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या मैं किसी तरह अदृश्य हो गई थी। क्या कोई ऐसी चीज है जिसका लॉकेट के विपरीत प्रभाव हो? क्या कोई ऐसा पत्थर है जो मनुष्यों को अलौकिक शक्तियों से उसी तरह अदृश्य कर देता है जैसे लॉकेट अलौकिक शक्तियों को मनुष्यों से छुपाता है?

कार्लोटा ने आह भरी। "खैर, जब तक गिलन को यह महसूस न हो कि अब बस हो गया, तब तक वह तुम्हारी है। उसके साथ जो चाहो करो। लगता है उसे नालियों से नफरत है।"
इस विश्वासघात को देखकर मैं दंग रह गया।
"हम्म," मेव ने सोचते हुए आखिरकार मेरी तरफ देखा। "क्या सच में ऐसा है?"
कार्लोटा मेरे पास से गुजरी और अपनी उंगलियों से मुझे हल्का सा इशारा करते हुए बोली, "ठीक से पेश आओ।"
मैंने उसे जाते हुए देखा। फिर मैं उन दो ड्रैगन-रूपांतरित प्राणियों की ओर मुड़ा। उनकी काली आँखें खुशी से चमक रही थीं। मेरा दिल बैठ गया।

बत्तीस

अध्याय 32

"यह ठीक नहीं है। तुम इंसानों को मिलजुलकर काम करना चाहिए।" मेव ने सिर हिलाया। उसकी बातों से मुझे हैरानी नहीं हुई। पिछली बार जब मैं यहाँ आई थी, तब भी मैंने यही बात सुनी थी।
"क्या यही इस कार्यक्रम का उद्देश्य नहीं है? शायद डिएगो को इसे तोड़ देने पर विचार करना चाहिए।" कार्लोटा के जाने के बाद सिनीड ने शेल्फ से कनस्तर उठा लिया था और अब उसे अपने हाथों में घुमा रही थी। वह खुलने से इनकार कर रहा था।
"ऐसा लगता है कि तुम्हें काम करना है," मेव ने मुझे सलाह दी।
"शायद अगर तुम उन्हें एक साथ किसी खतरनाक स्थिति में डाल दो..." साइनेड की आवाज़ धीमी पड़ गई और उसका हाथ पंजों में बदल गया और उसने कनस्तर पर वार किया। लेकिन इससे कोई फायदा नहीं हुआ।
"जैसे क्या?" मेव अपनी बहन के असफल प्रयासों को देखती रही।

"तुम उन्हें किसी दूसरे आकार बदलने वाले प्राणी से लड़वा सकती हो," सिनीड ने सुझाव दिया। उसने कनस्तर पर बार-बार वार किया।
"क्या ये ड्रैगनों में से एक है?" मेव ने साइनेड के हाथों से कनस्तर ले लिया। उसने उसे घुमाया और वह झट से टूट गया। उसने दोनों टुकड़े अपनी बहन को वापस दे दिए।
सिनेड ने गुस्से से उसकी तरफ देखते हुए कहा, "नहीं, यह बात समझ में नहीं आती। उन्हें तो हमारा सहयोगी होना चाहिए। उन्हें एक और रूप बदलने वाला प्राणी दो, जिनसे उन्हें मुकाबला करना पड़े।"
"भेड़िये?" मेव ने सोचा।
सिनेड ने एक रिंच उठाई। "शायद। मैं चूहों के बारे में ज्यादा सोच रही थी।"
"चूहे?" मेव ने भौंहें चढ़ा लीं।
"वे गंदी चालें चलते हैं। इससे उन्हें एक इकाई के रूप में काम करने का अच्छा सबक मिलेगा।"
"शायद आपको यह बात गिलन को सुझानी चाहिए," मेव ने कहा।
"शायद तुम्हें यह बात गिलन को बतानी चाहिए," सिनाड ने नकल करते हुए कहा। "जैसे मेरे पास उस घमंडी ड्रैगन के लिए समय हो। वह अपनी समस्या का हल खुद ही निकाल सकता है।"
"सिर्फ इसलिए कि तुम्हारा प्रेम प्रसंग सफल नहीं हुआ, इसका मतलब यह नहीं है कि वह घमंडी है," मेव बड़बड़ाई। उसने टूलबॉक्स से एक रिंच उठाई और अपनी बहन को दे दी। साइनेड ने उसे ज़ोर से पकड़ा और डिब्बे में ठूंस दिया, जिससे अंदर का ढीला बोल्ट कस गया।
मैंने चुपचाप यह सब देखा। शायद अगर मैं हिलता-डुलता नहीं तो वे भूल जाते कि मैं यहाँ हूँ और मुझे नालियाँ साफ करने की ज़रूरत नहीं पड़ती और मैं जा सकता था।
सिनेड ने बोल्ट कसने का काम पूरा किया और कनस्तर को एक तरफ रख दिया। उसने मेरी तरफ देखा और बोली, "अगर वे एक-दूसरे की मदद नहीं करेंगे, तो उनमें से एक को खा लिया जाएगा। मुझे लगता है कि यही उनके लिए मिलजुलकर रहने का पर्याप्त प्रोत्साहन है।"

मेव हंस पड़ी। "मुझे नहीं लगता कि डिएगो इससे बहुत खुश होगा।"
सिनेड ने कंधे उचकाते हुए कहा, "तो तुम ही कुछ सोच लो।"
मेव हंस पड़ी। "मुझे खुशी है कि यह मेरी जिम्मेदारी नहीं है। गिलन को इसे सुलझाने दो।"
मैंने तुम्हें यही तो बताया था।
"तो अब हम उसके साथ क्या करें?" मेव ने मेरी ओर इशारा करते हुए सिर हिलाया।
सिनेड ने घुरघुराहट की आवाज निकाली।
मेव फिर खिलखिलाकर हंस पड़ी। "कार्लोटा ने कहा कि जब तक गिलन उससे नाराज़ है, तब तक वह हमारे कब्जे में रहेगी।"
"इसमें सालों लग सकते हैं।" सिनीड ने रिंच को वापस टूलबॉक्स में फेंक दिया।
मैं चौंक गया। "क्या?"
वे दोनों खिलखिलाकर हंस पड़े। मैं उन्हें हैरानी से देखता रहा। "इसमें इतनी हंसी की क्या बात है?"
"लो," साइनेड ने मेज के नीचे हाथ डालकर मेरी तरफ एक बाल्टी फेंक दी।
मैंने किसी तरह उसे हवा में ही पकड़ लिया, इससे पहले कि वह मेरे सिर पर ज़ोर से टकराकर मुझे बेहोश कर दे। मैंने बाल्टी की तरफ देखा और फिर सिनीड की तरफ। "यह किसलिए है? फिर से नालियों के लिए?" मेरी आवाज़ में डर साफ झलक रहा था।
वह जोर से हंस पड़ी। "उसके बाद तुम्हें बुरे सपने आए होंगे, है ना?"
"हाँ," मैंने स्वीकार किया। हर सपने का अंत कीचड़ में डूबने और अपने आसपास छोटे-छोटे जीवों को रेंगते हुए देखने से होता था। मुझे और भी सपने आते थे, लेकिन उनके बारे में उसे बताने की कोई ज़रूरत नहीं थी।
"आज तुम्हें हॉल में पोछा लगाना है। जाओ बाल्टी में पानी भर लो, साबुन उधर रखा है।" उसने कमरे के कोने में रखे सिंक की ओर इशारा किया। जैसे ही बाल्टी में पानी भरने लगा, मुझे कालकोठरी वालों की बातचीत के कुछ अंश सुनाई दिए। मैंने पानी का बहाव थोड़ा धीमा कर दिया ताकि मैं उनकी बातें बेहतर ढंग से सुन सकूँ।
"उसका वापस आना अच्छा संकेत नहीं है," सिनीड ने कहा।

"क्या आपको लगता है कि लिंक्स नेतृत्व के लिए दावेदारी पेश करेगा?"
"वह यहाँ क्यों होगा? सालों में यह पहला इबेरियन लिंक्स है जो यहाँ आया है।"
"हो सकता है वह अकेला महसूस कर रहा हो," मेव ने सोचा।
"क्या तुम उसका बिस्तर गर्म करने की सोच रही हो?"
"मेरा बिस्तर काफी गर्म है। तुम अपना खुद का देखो," मेव ने अपनी बहन को फटकारा।
बाल्टी में पानी ऊपर तक भर गया था। मैंने साबुन उठाया और उसे बाल्टी में डालना शुरू कर दिया।
"पहला दिन तो ये होगा कि चुड़ैलें यहाँ शरण लेने आ जाएँगी," मेव ने कहा। चुड़ैलों का नाम सुनते ही मेरे कान खड़े हो गए।
"नहीं, चुड़ैलों में भी इतनी हिम्मत नहीं होगी कि वे डिएगो से शरण मांगें।"
मेव ने अपनी जीभ चटकाई। "वह उन्हें अंदर ले लेगा।"
"वह जानता है कि रूप बदलने वालों को यह पसंद नहीं आएगा।"
"यह पिशाचों से बेहतर है।"
सिनेड ने नाक सिकोड़ी। "यह तो कहने की ज़रूरत ही नहीं है। जैसे कि कोई तुलना ही हो। कोई भी प्राणी उन घिनौने खून चूसने वालों से बेहतर है।"
"राक्षसों के बारे में क्या?" मैंने पूछे बिना नहीं रह सका।
मेव और सिनेड ने हैरानी से मेरी तरफ देखा, मानो वे भूल ही गई हों कि मैं वहाँ हूँ। मुझे शर्मिंदगी महसूस हुई। या शायद उन्होंने यह उम्मीद ही नहीं की थी कि मैं उनकी बातें सुन रहा हूँ और उनकी बातचीत में शामिल हो जाऊँगा।
"राक्षस तो बेशक बेहतर होते हैं," मेव ने कहा।
"ऐसा क्यों?" मैंने बाल्टी को दोनों हाथों से उठाया, वह इतनी भारी थी।
"वे हमारी तरह ही हैं," मेव ने जवाब दिया।
मेरी उलझन स्पष्ट हो गई होगी क्योंकि साइनेड ने बात साफ़ कर दी। "वे अग्नि प्राणी हैं। राक्षस ज्वाला से पैदा होते हैं। हम ड्रैगन हैं, हम अग्नि प्राणियों के साथ अच्छे से घुलमिल जाते हैं।"
"बाकी रूप बदलने वालों का क्या? क्या वे राक्षसों के साथ मिलजुल कर रहते हैं? या फिर सिर्फ़ ड्रैगन ही उनके साथ रहते हैं?" मैंने बाल्टी को ज़मीन पर रख दिया

और उसे अपने पैरों के पास रख दिया।
शिफ्टर्स के इतिहास पर मेरी तमाम कक्षाओं के बावजूद, उनकी सामाजिक संरचना और अन्य अलौकिक प्राणियों के साथ उनके संबंधों को समझना अभी भी मुश्किल था। ड्रैगन शिफ्टर्स ने हमें उनकी दुनिया की बारीकियों के बारे में थोड़ा बहुत सिखाया, लेकिन उनका नजरिया हमेशा एक पक्षपातपूर्ण और विकृत था।
"क्या राक्षस चुड़ैलों से बेहतर हैं?" मैंने इसकी पुष्टि करने की कोशिश की।
सिनेड ने नाक सिकोड़ते हुए कहा, "ज़ाहिर सी बात है।"
"अगर तुम्हें यहाँ भेस बदले कोई चुड़ैल मिल जाए तो तुम क्या करोगे?" आखिरी शब्द मेरे मुँह से निकलते ही मैंने अपना मुँह झटक कर बंद कर लिया। मैंने ये सवाल क्यों पूछा? मैंने तो मानो अपने सिर के ऊपर एक चमकीली चिंगारी कर दी थी जो दुनिया को मेरा राज़ बता रही थी।
"जैसे कि कोई चुड़ैल बिना किसी ड्रैगन शिफ्टर को पता चले सेंटर में घूम सकती है," सिनीड ने उपहास उड़ाया।
मेरी पूछताछ पर बहनों को कोई संदेह नहीं हुआ, इसलिए मैंने थोड़ा और जोखिम उठाने का फैसला किया। "क्या वे जादू का इस्तेमाल नहीं कर सकती थीं?"
मेव सोच में पड़ गई। "हम उसे सूंघकर ढूंढ निकालेंगे।"
"आपका क्या मतलब है?"
"चुड़ैलों की गंध लौंग जैसी होती है। आस-पास की कोई भी चुड़ैल उसी की तरह बदबू मारेगी।"
सिनेड का चेहरा सिकुड़ गया। "अगर मुझे लौंग की गंध आती, तो मैं उसका सिर काट देती। मुझे चुड़ैलें बिल्कुल पसंद नहीं हैं, जो श्रापों और दुर्भावनाओं से भरी होती हैं," उसने शिकायत की।
मैंने उनसे पूछा, "क्या सभी को ऐसा ही लगता है?"
"नहीं, सभी नहीं। डिएगो उन्हें बर्दाश्त करता है। बाकी लोग उसका अनुसरण करते हैं। हम बेहतर जानते हैं। है ना, मेव?"
मैंने भौंहें चढ़ा लीं। "मुझसे कैसी गंध आ रही है?"
दोनों ने मेरी ओर मुड़कर अपनी ठुड्डी ऊपर उठाई। हवा में सांस लेते हुए उनकी नाक के नथुने फूल गए। मेव ने ध्यान से भौंहें चढ़ाईं। उसने अपनी ठुड्डी नीचे की

और अपनी बहन की ओर देखा। साइनेड ने भी उसे देखा। एक साथ, दोनों ने मेरी ओर सिर घुमाया। मैं उनके भावों को समझ नहीं पाई, लेकिन वे गंभीर लग रही थीं। कुछ सेकंड तक दोनों में से किसी ने कुछ नहीं कहा। उनकी निगाहों से मुझे पसीना आने लगा। मैंने क्यों पूछा था? मैंने अपने रहस्य को दोबारा क्यों उजागर किया था?
"मुसीबत!" सिनीड चिल्लाई। मेरी आँखें चौड़ी हो गईं। वह हंसने लगी और अपनी कमर पकड़कर बोली, "तुम्हें अपने चेहरे का हावभाव देखना चाहिए।"
"सिनेड।" उसकी बहन ने उसे फटकारा।
सिनेड हंसती रही और मेरी नकल करते हुए बोली, "'मुझसे कैसी गंध आ रही है?'"
मुझे राहत मिली और मैं लगभग मुरझा गई। मुझमें लौंग की गंध नहीं थी। मेरे दिमाग का एक हिस्सा जानता था कि ऐसा होना स्वाभाविक है, वरना ड्रैगन मुझे सेंटर में कदम रखते ही सूंघ लेते। फिर भी, आयशा ने मुझे जो जानकारी दी थी, उससे यह बात मेल नहीं खा रही थी। मैं चुड़ैल होकर भी वैसी गंध कैसे नहीं पा सकती?
सिनेड अचानक गंभीर हो गई। "तुम्हारी कोई गंध नहीं है।"
"आपका क्या मतलब है?"
"तुम्हारी कोई गंध नहीं है," मेव ने कहा। "यह बहुत ही अजीब बात है।"
"क्यों?"
"मैंने आज तक किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं देखा जिससे कोई गंध न आती हो," सिनीड ने पुष्टि की। अब बहनों को शक होने लगा।
"इसका क्या मतलब है?" मैंने हिचकिचाते हुए पूछा।
मेव ने अपने सिर के पीछे खुजली की। "मुझे कुछ पता नहीं है।"
"बाकी लोगों से कैसी गंध आती है?"
सिनेड की भौंहें तन गईं। "और कौन?"
"मेरे बैच के अन्य नए सदस्य।"
"मैं उनसे मिला नहीं हूँ इसलिए उनकी गंध नहीं ले पाया हूँ, लेकिन मुझे लगता है कि उनकी गंध इंसानों जैसी ही होगी।"
"इंसानों की गंध कैसी होती है?" और मेरी गंध इंसानों जैसी क्यों नहीं थी? मैंने अपने इस विचार को अनकहा ही छोड़ दिया।

"बदबू," सिनीड ने गुस्से से कहा। "लगातार बदबू।"
"और मुझसे बदबू नहीं आती?" मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मुझे इस बात पर खुश होना चाहिए था या नहीं।
दोनों बहनों ने एक साथ सिर हिलाया। "नहीं, तुम उन चीज़ों की गंध आ रही है जिन्हें तुमने छुआ है। बाल्टी। कागज़। स्याही।" मेव ने आगे कहा, "और बचे हुए अवशेषों से किसी और इंसान की बदबू आ रही है।"
खिड़की।
"तुम्हारी कोई गंध नहीं है," सिनीड ने अपनी बात की पुष्टि करने के लिए एक बार फिर हवा को सूंघा।
"इसका मतलब क्या है?"
सिनेड मुस्कुराई। "मुझे कुछ पता नहीं। तुम तो बड़े अजीब हो।"

तैंतीस

अध्याय 33

"यूलालिया के शासनकाल के दौरान, उन्हें सलाहकार जैक्मे की बुद्धिमत्ता से लाभ उठाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। हर युग का एक सलाहकार होता है।"
मैं ड्रैगन फंडामेंटल्स क्लास में बैठा था। हमारी इंस्ट्रक्टर कार्लोटा हमें शिफ्टर्स के पूर्व शासकों के बारे में बता रही थीं। मैं अपने एक सपने से परेशान होकर जागा था। कल पोछा लगाने की वजह से मेरा शरीर दुख रहा था। आज शाम कालकोठरी में वापस जाने का मेरा मन नहीं कर रहा था।
पोल ने हाथ उठाया। "अब सलाहकार कौन है?"
"हमारे पास ऐसा कोई नहीं है," कार्लोटा ने जवाब दिया।
"लेकिन आपने अभी कहा कि हर उम्र में एक होता है," क्वेंटिन ने कहा।
कार्लोटा थोड़ी देर रुकी। उसने अनिच्छा से कहा, "यह सच है, हर युग का एक सलाहकार होता है। हमारे युग का सलाहकार अभी तक सामने नहीं आया है।" वह

परेशान लग रही थी।
"आखिरी कौन था?" पोल ने पूछा।
"उसका नाम जैकमी था। क्या तुम सुन नहीं रहे थे?" क्वेंटिन ने गुस्से से कहा।
"वह कितने समय तक सलाहकार रहे?" बीट्रिज़ ने पूछा।
"कुछ सदियाँ।" कार्लोटा हमारी प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही थी।
मेरे सहपाठियों के बीच विस्मय की आवाज़ें गूंज उठीं। मैं दाईं ओर मुड़ी और बीट्रिज़ से आश्चर्य भरी नज़रें मिलाईं। ड्रैगन शिफ्टर कितने समय तक जीवित रहते हैं? बीट्रिज़ ने अपनी भौहें ऊपर उठाईं।
"उसकी मौत कैसे हुई?" पोल ने पूछा।
प्रशिक्षक ने व्यंग्यपूर्वक उत्तर दिया, "उसने बहुत सारे प्रश्न पूछे।"
पोल मुस्कुराया। कार्लोटा की बातों का उस पर कोई असर नहीं हुआ। "मैंने सुना है कि क्रिस्टोफर अगला सलाहकार होगा।"
अगर कार्लोटा पोल की भविष्यवाणी सुनकर हैरान थी, तो उसने इसे ज़ाहिर नहीं किया। "तुम्हें यह किसने बताया?" उसने शांत भाव से, लगभग झुंझलाहट भरे अंदाज़ में जवाब दिया।
पोल ने कंधे उचका दिए।
बीट्रिज़ अपने निचले होंठ को चबा रही थी। मैं अपनी कुर्सी पर झुककर बैठ गई और लेयर के सिर के पीछे की ओर देखा। उसी ने उस अफवाह का पता लगाया था। शिक्षिका ने कक्षा पर नज़र डाली। यह देखकर कि हम उसकी हर बात ध्यान से सुन रहे हैं, आखिरकार उसने हार मान ली।
"क्रिस्टोफर को अगला सलाहकार बनाए जाने की उम्मीद थी, लेकिन ज्वेल ने उनसे बात नहीं की है। वह इस मामले पर चुप है।"
"ज्वेल?" मेरे पीछे से मारिबेल ने कहा।
"वह अनमोल रत्न," कार्लोटा ने स्पष्ट किया।
"यह क्या है?" क्वेंटिन ने पूछा।
कार्लोटा अपनी डेस्क से टेक लगाकर बैठ गई। उसने अपनी उंगलियों को आपस में जोड़ा, मानो यह तय कर रही हो कि क्या वह हमें और जानकारी देना चाहती है। जाहिर तौर पर, उसने तय कर लिया कि वह देना चाहती है। "किंड्रेड ज्वेल एक

दुर्लभ पत्थर है। इसे ड्रैगन युग में गढ़ा गया था। हमारे समय में, इसने सलाहकार नियुक्त किए हैं, हालांकि पिछले सलाहकार की मृत्यु के बाद से यह मौन है।"
"एक पत्थर कैसे बोल सकता है?" केंटिन ने बुदबुदाया।
कार्लोटा ने frowning करते हुए कहा, "अगर यह बोलेगा, तो तुम इसे सुनोगे।"
"कैसे?" बीट्रिज़ ने पूछा।
"यह तुम्हारे जैसे इंसानों के समझने की बात नहीं है। अगर तुम समझोगे तो तुम्हें वो आवाज अपने दिमाग में सुनाई देगी।"
"ऐसा क्या है जो किसी को यह दावा करने से रोकेगा कि पत्थर उनसे बात कर रहा है?" पोल ने पूछा।
उसने अपने हाथ डेस्क पर पीछे रखे और खुद को आगे धकेला। वह इधर-उधर टहलने लगी। हम उसे मंत्रमुग्ध होकर देखते रहे।
मैरिबेल ने फिर से बोलना शुरू किया। "पिछले सलाहकार के निधन को कितना समय हो गया है?"
"सत्रह वर्ष।"
"इसका क्या मतलब है?" पोल ने पूछा।
"क्या किसी ने पत्थर बदल दिया?" लेयर ने एक साजिश सिद्धांत पेश किया।
"हो सकता है किसी ने इसे चुरा लिया हो," केविन ने उसका समर्थन किया।
कार्लोटा रुकी और हमारी ओर मुड़ी। "वह अनमोल रत्न अभी भी मौजूद है। हालांकि, उसकी चुप्पी चिंताजनक है। कुछ लोग इसे दुर्भाग्य का संकेत मानते हैं।"
"किसके लिए?" पोल ने हैरानी से पूछा।
"ड्रैगन शिफ्टर्स और हमारे नेता के लिए।"
"डिएगो?"
इस बिंदु पर, मुझे आश्चर्य हुआ कि कार्लोटा अभी भी पोल की जिज्ञासा को शांत करने की कोशिश कर रही थी, लेकिन उसने बोलना जारी रखा। "हाँ, कुछ लोग किंड्रेड ज्वेल की चुप्पी के कारण डिएगो के शासन पर सवाल उठाते हैं। शिफ्टर्स का एक गुट मानता है कि अगर कोई नया शासक उसकी जगह लेता है, तो किंड्रेड ज्वेल एक बार फिर बोलेगा। कुछ लोग इसे उसकी शक्ति और अधिकार का प्रमाण मानते हैं। वे गलत हैं।"

"क्यों गलत है?"
"डिएगो हमारा नेतृत्व करते हैं और वे बहुत अच्छे से नेतृत्व करते हैं। षड्यंत्र सिद्धांत लोगों को विभाजित करने और उनकी जगह किसी और को बिठाने की कोशिश करते हैं क्योंकि उन्हें उनकी नीतियां और उनके द्वारा किए गए बदलाव पसंद नहीं हैं।"
"सलाहकार क्या करती है?" मैंने उससे पूछा, आखिरकार बातचीत में भाग लेने का फैसला करते हुए।
"सलाहकार, शिफ्टर्स के वर्तमान नेता के प्रति समर्पित है। वह नियमों पर टिप्पणी और प्रतिक्रिया देता है। सलाहकार शिफ्टर्स के मुद्दों में मध्यस्थ की भूमिका निभाता है।"
"इसकी आवश्यकता क्यों है?" क्वेंटिन ने पूछा।
"सलाहकार ही अंतिम सहारा है। उसका या उसकी बात डिएगो के फैसले को प्रभावित कर सकती है। यही उनकी शक्ति है।"
मैंने भौंहें चढ़ाईं। बीट्रिज़ ने मुझे कोहनी मारी। "यह क्रिस्टोफर जैसा लगता है। उसने बाकी ड्रैगनों का मन बदलवा लिया।"
मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या मेरा ड्रैगन रूप बदलने वाला दोस्त अगला सलाहकार बनने के लिए नियत था। और अगर ऐसा था, तो पत्थर ने उससे अभी तक बात क्यों नहीं की?

चौंतीस

अध्याय 34

"आप क्या सोचते हैं?"
"किस बारे में?" मैंने बीट्रिज़ से पूछा। हम अपने विंग के लिविंग रूम में थे। होमवर्क खत्म करने के बाद हम यहाँ आ गए थे। पोल हमारे साथ बैठकर नोटबुक में रेखाचित्र बना रहा था। इससे मुझे अपने उस राज़ की याद आ गई जो मेरे अंदर

छिपा था। कार्लोटा के मुझे सज़ा देने जाने से पहले मैंने उसे एक दराज में रख दिया था, और तब से मैंने इस विषय पर बात नहीं की थी। शायद यही बेहतर था कि मैं अपना राज़ अपने तक ही रखूँ और किसी से निजी तौर पर सलाह लूँ।
"क्या आपको लगता है कि क्रिस्टोफर सलाहकार है?" बीट्रिज़ ने दोहराया।
मैंने भौंहें चढ़ा लीं। "ऐसा कैसे हो सकता है? तुमने कार्लोटा की बात सुनी थी। किंड्रेड ज्वेल ने उससे बात नहीं की है।"
"तुम क्यों सोचते हो कि ऐसा है?"
"तुम्हें क्या फर्क पड़ता है?" पोल ने अपनी ड्राइंग से नज़रें उठाते हुए उससे पूछा। उसने उड़ते हुए दो ड्रैगन बनाए थे।
"तुम ऐसा कैसे नहीं कर सकती?" बीट्रिज़ ने अपने बालों को संवारा।
"इससे मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता।"
उसने आह भरी। "बेशक, इसका असर पड़ता है। यह हम सभी को प्रभावित करता है। आपको क्या लगता है कि यह कार्यक्रम क्यों अस्तित्व में है? क्योंकि डिएगो ने इसे शुरू करने का फैसला किया था।"
"सच में? मुझे तो पता ही नहीं था," मैंने कहा।
बीट्रिज़ का चेहरा लाल हो गया। "सच कहूँ तो, मुझे पक्का नहीं पता, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा ही है। अगर नया सलाहकार आकर हम सबको बाहर निकाल दे, यह कह दे कि अब इंसानों की ज़रूरत नहीं है, तो क्या होगा? इसका मतलब है कि हम पहले जैसी स्थिति में लौट जाएँगे।"
मेरे हाथ ने सहज ही मेरे गले में लटके रत्न के पेंडेंट को पकड़ लिया। मैं अतीत में लौटने की कल्पना भी नहीं कर सकती थी। यह अजीब लग रहा था कि मेरे जीवन में एक ऐसा समय भी था जब मुझे जादू के अस्तित्व का पता ही नहीं था। ऐसा लग रहा था मानो मेरी आत्मा हमेशा से मानती आई हो कि जादू होता है, और अब मेरा विश्वास सच हो गया था। अगर कोई आकर यह फैसला कर ले कि सभी मनुष्यों का अस्तित्व समाप्त हो जाना चाहिए, तो मेरे पास क्या बचेगा? क्या मैं कभी अपने असली स्वरूप के बारे में सच्चाई जान पाऊँगी?
मैंने अपना लॉकेट उतारकर उसे निहार लिया। गहनों की दुकान में देखते ही मेरी नज़र उस पर टिक गई थी। वह सोने के सिक्के के आकार का था और उस पर

एक ड्रैगन की आकृति बनी हुई थी। जब मैंने पहली बार हार देखा था, तब उसमें हीरा लगा हुआ था, लेकिन जौहरी ने हीरा निकालकर उसकी जगह लाल लॉकेट लगा दिया था। उसमें एक अलग ही चमक थी।
मैंने बीट्रिज़ और पोल की ओर देखा। "मैं मैजिक रून्स वापस जाना चाहती हूँ। हमें कारमेन से बात करनी होगी।"
"किस बारे में?" पोल ने पूछा।
मैं अपने दोस्तों को अपना राज़ नहीं बता पाई। "मैं जानना चाहती हूँ कि अगर वे प्रोग्राम से छुटकारा पाना चाहें तो क्या वे हमारी यादें मिटा सकते हैं?" मेरे दोस्तों को यह नहीं पता था कि मुझे इसका जवाब पहले से ही पता था, लेकिन फिर भी यह एक अच्छा बहाना बन गया। मैं कारमेन से दोबारा मिलने इसलिए जाना चाहती थी क्योंकि मुझे जवाब चाहिए थे, और कारमेन ही एकमात्र ऐसी चुड़ैल थी जिसे मैं जानती थी जो शायद मुझे जवाब दे सकती थी।
"वे ऐसा नहीं कर पाएंगे," बीट्रिज़ ने विरोध किया। उसने हम दोनों की ओर देखा। "क्या वे कर पाएंगे?"
पोल सोच में पड़ गया। "क्यों नहीं? बस एक जादू की ज़रूरत होगी।"
बीट्रिज़ के चेहरे पर चिंता के भाव उभर आए। उसे जरा भी अंदाजा नहीं था कि उस पर स्मृति का जादू कर दिया गया था।
मुझे अपराधबोध का एक तेज झटका लगा। मैंने उसे दबा दिया। "हमें सच जानना होगा। केवल एक चुड़ैल ही हमें बता सकती है। हमें कारमेन से मिलना होगा।"
"तुम नहीं जा सकते," बीट्रिज़ ने स्पष्ट किया। "जब तक तुम्हारी सज़ा पूरी नहीं हो जाती, तुम केंद्र छोड़कर नहीं जा सकते।"
"मैं तुम्हारे साथ चल सकता हूँ। उन्हें पता नहीं चलेगा कि मैं चुपके से बाहर निकला था।"
"नहीं, वैनेसा!" बीट्रिज़ हांफते हुए बोली। "तुम पहले से ही काफी मुसीबत में हो। तुम्हें और मुसीबत में पड़ने की ज़रूरत नहीं है।"
हैरानी की बात यह थी कि पोल उससे सहमत हो गया। "हाँ, तुम्हें जोखिम नहीं लेना चाहिए। अगर वे तुम्हें ढूंढने आ गए तो क्या होगा? बीट्रिज़ सही कह रही है, यह जोखिम लेने लायक नहीं है।"

"यह कोई अत्यावश्यक बात नहीं है," बीट्रिज़ ने आगे कहा। "ऐसा नहीं है कि सलाहकार कल आकर हमें बाहर निकाल देंगे।"
मैंने कहा, "मुझे नींद नहीं आएगी।"
दोनों ने एक दूसरे की ओर देखा।
"हम जाकर पता लगा सकते हैं," पोल ने कहा। "वापस आने पर हम आपको जानकारी देंगे।"
लेकिन उनमें से किसी को भी यह नहीं पता था कि यह वास्तव में कितना ज़रूरी था, और न ही उन्हें यह पता था कि मुझे वास्तव में यह जानने की ज़रूरत नहीं थी कि स्मृति मिटाने वाले मंत्र संभव हैं या नहीं। मुझे तुरंत अपना रहस्य जानने की तीव्र इच्छा हो रही थी। मैंने अपनी मुट्ठी खोली और ताबीज़ का हार हमारे सामने मेज पर रख दिया। "कल्पना करो कि ये अब तुम्हारे पास नहीं हैं और तुम जादुई दुनिया को नहीं देख पा रही हो। क्या तुम अभी वहाँ जाओगी?"
"इतनी जल्दी क्या है?" पोल ने पूछा।
"यह मुझे परेशान कर रहा है।"
"ठीक है।" पोल उठ खड़ा हुआ। "चलो, बीट्रिज़, इससे पहले कि वह हमें बाहर धकेल दे।"
"तुम्हें पता भी नहीं चलेगा और हम वापस आ जाएंगे," बीट्रिज़ ने वादा किया।

पैंतीस

अध्याय 35

बीट्रिज़ और पोल बैठक कक्ष से बाहर निकले। मैं उनके पीछे-पीछे दरवाजे तक गया और उनके हमारे विंग से चले जाने तक उन्हें देखता रहा। उनके जाते ही मैंने खुद को अपने कमरे में बंद कर लिया और बालकनी का दरवाजा खोला। मैं बाहर निकला और झुककर देखा कि ज़मीन कितनी दूर है - वाकई बहुत दूर थी। मैंने बगल की दीवार की ओर देखा। सेंटर एक ऐसी इमारत थी जो किसी महल जैसी

दिखती थी। इसके अग्रभाग पर पत्थर के बड़े-बड़े उभरे हुए ब्लॉक लगे थे। मैंने उन पत्थरों को गौर से देखा और पाया कि अगर मैं सावधानी बरतूँ तो वहाँ पैर जमा सकता हूँ। यह प्रशिक्षण आंगन में मौजूद रॉक-क्लाइम्बिंग दीवार से ज़्यादा अलग नहीं होगा।

मैंने पत्थर के किनारों पर उंगलियां फेरकर चिनाई की मजबूती का परीक्षण किया। मुझे अच्छी पकड़ मिल रही थी। मैंने नीचे देखा और इमारत पर बिखरे हुए गार्गोयल्स पर नजर डाली। जरूरत पड़ने पर मैं उनका इस्तेमाल नीचे उतरने के लिए कर सकता था। शायद उन्हें मेरा सहारा बनना पसंद न आए, लेकिन मुझे यकीन था कि वे इसे नजरअंदाज कर देंगे।

मैं बालकनी की रेलिंग पर चढ़ गया और अगली चाल के बारे में सोचते हुए उसे पकड़ लिया। मैंने गहरी सांस ली। बस यही मौका था। मैंने अपना हाथ दीवार में लगे पत्थर पर रखा और पकड़ बनाने के लिए जगह तलाशने लगा। जब मुझे जगह मिल गई, तो मैंने धीरे से अपना दाहिना पैर पत्थर पर रखा, ताकि जगह मिल सके। मेरा पैर पत्थरों के बीच की जगह में फिसल गया। मैंने अपना बायां पैर भी उसके पीछे-पीछे रखा।

मैंने खुद को संभाला। मैं इमारत के किनारे लटका रहा। मैंने एक पैर नीचे रखा और दूसरी जगह तलाशने लगा। मैंने अपना पैर जमाया और धीरे-धीरे इमारत से नीचे उतरने लगा। मैं अभी भी बालकनी के करीब था और अगर मेरा संतुलन बिगड़ता तो मैं सहारा ले सकता था, लेकिन जैसे-जैसे मैं नीचे उतरता गया, वह सुरक्षा जाल मुझसे दूर होता गया।

मैंने अपनी गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया, सावधानीपूर्वक एक-एक कदम बढ़ाते हुए। एक पत्थर, दो पत्थर, तीन पत्थर। जैसे-जैसे मेरे हाथ-पैर लय में आते गए, मेरा आत्मविश्वास बढ़ता गया।

जैसे-जैसे मैं नीचे उतरता गया, मैं एक जगह रुक गया जहाँ मुझे हाथ रखने के लिए केवल एक छोटा सा उभरा हुआ पत्थर मिला। मैं अपना वज़न ठीक से बाँट नहीं पा रहा था और मुझे उस छोटे से पत्थर को दोनों हाथों से पकड़ना पड़ा। जैसे ही मैंने अपनी उंगलियों को आपस में सटाया, मेरा बायाँ पैर अचानक फिसल गया और मैं चीख पड़ा क्योंकि मेरा शरीर उस कठोर पत्थर से टकरा गया। मेरी उंगलियाँ

इमारत के किनारे को पकड़ने के लिए ज़ोर-ज़ोर से काम कर रही थीं। मैंने पैर रखने की जगह खोजने की कोशिश की, लेकिन मुझे वह नहीं मिली। मेरे शरीर का वज़न गुरुत्वाकर्षण के कारण नीचे गिर रहा था और मैं महसूस कर सकता था कि पसीने से मेरे हाथ फिसल रहे थे क्योंकि जिस छोटे से पत्थर को मैंने पकड़ रखा था, उस पर मेरी पकड़ कमज़ोर होती जा रही थी।
"नहीं, नहीं, नहीं, नहीं," मैं गिड़गिड़ाते हुए खुद को गिरने से रोकने की कोशिश कर रही थी। मेरा सिर पत्थर की दीवार से टकरा गया था। मैं बालकनी से इतनी दूर थी कि खुद को वापस ऊपर खींचकर सुरक्षित जगह पर नहीं पहुँच सकती थी। मैंने नीचे देखा। यह सब एक बड़ी गलती थी। अगर मैं इतनी ऊँचाई से गिरती, तो शायद मेरी कुछ हड्डियाँ ही टूटतीं। ज़्यादा संभावना यही थी कि गिरने के प्रभाव से मेरी मौत हो जाती।
मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था और मैं खुद को सीधा रखने के लिए संघर्ष कर रही थी। मेरे पैर इमारत से लटक रहे थे। मेरी उंगलियों की पकड़ धीरे-धीरे छूट रही थी। मेरी आँखों में जो पसीना आ रहा था, उसे मैंने पलकें झपकाकर पोंछा।
बस यही था। इसी तरह मेरी मृत्यु होने वाली थी।
मेरी उंगलियां फिसल गईं और मैं गिर गया।
हवा का तेज़ झोंका मेरे कपड़ों को खींच रहा था। कुछ सोचने का समय ही नहीं मिला कि किसी चीज़ ने मुझे इमारत से ज़ोर से टकरा दिया, जिससे मेरी साँस रुक गई। मैं साँस लेने के लिए संघर्ष कर रही थी, ज़ोर-ज़ोर से साँसें ले रही थी। स्तब्ध होकर मैंने खुद को संभालने की कोशिश की। किसी चीज़ ने मुझे पत्थर की दीवार से कसकर पकड़ रखा था। मैंने धीरे से अपना सिर घुमाकर देखा कि वह क्या है। आँखों का एक जोड़ा मेरी ओर झपका रहा था। मैं चीख पड़ी।
"अरे, यह बंद करो!" गार्गोयल ने चेतावनी दी।
"मुझे खेद है," मैंने पत्थर को कसकर पकड़ लिया और गार्गोयल को गौर से देखा। उसकी शक्ल अजगर जैसी थी, लेकिन उसके सिर के चारों ओर शेर की तरह अयाल था। मैंने पहले कभी ऐसा प्राणी नहीं देखा था।
"क्या तुम पागल हो?" गार्गोयल ने मुझसे पूछा। मुझे उसकी आवाज़ में स्त्रीत्व का भाव महसूस हुआ।

"हां। नहीं। मुझे नहीं पता," मैंने स्वीकार किया।
"पकड़ लें।"
मैंने उसकी बात सुनी, अपने हाथ-पैर पत्थर की दरारों में फंसा लिए। मैंने प्रार्थना की कि वह मुझे न छोड़े। गार्गोयल ने मुझे हैरानी भरी नज़रों से देखा। "तुम एक सामान्य व्यक्ति की तरह दरवाजे से बाहर निकलने के बजाय खुद को मारने की कोशिश क्यों कर रहे हो?"
मैं गार्गोयल को अपनी सज़ा के बारे में बताने ही वाला नहीं था, लेकिन मेरे चेहरे के हाव-भाव से शायद सब पता चल गया। "ओह, तुम्हें यहाँ से जाने की मनाही है, है ना?"
"हां," मैंने कहा।
"तुम्हारा नाम क्या है?"
"वैनेसा।"
"मैं फ्रेशिया हूँ। अगर वे तुम्हें पकड़ लेते हैं, तो तुम मुसीबत में पड़ जाओगे। और वे तुम्हें पकड़ ही लेंगे, तुम्हें पता है। बस समय की बात है। ड्रैगन से कुछ भी छिपाना मुमकिन नहीं है। क्या तुम वाकई ऐसा करना चाहते हो?"
"हां। नहीं। मुझे नहीं पता," मैंने दोहराया।
उसने ज़मीन की ओर देखा। "खैर, अब तुम्हें ज़्यादा दूर नहीं जाना है। इस बिंदु से आगे, तुम्हें बस कुछ हड्डियाँ टूटने का ही दर्द सहना पड़ेगा।"
मैंने नीचे झाँका। मुझे अभी भी वह बहुत गहरी खाई लग रही थी। गार्गोयल ने सीटी बजाई, जिससे मैं चौंक गया। "थियागो," उसने नीचे से आवाज़ दी।
एक गार्गोयल हिला, उसका पतला चेहरा हमारी ओर देख रहा था। "हाँ?"
"इस पर नज़र रखें। यह ज़मीन की ओर बढ़ रही है। अगर यह फिसल जाए तो इसे पकड़ लें।"
"मैं ऐसा क्यों करना चाहूंगा?" गार्गोयल ने असंतुष्ट स्वर में कहा।
"क्योंकि अगर नीचे आते समय उसका सिर फट गया, तो मैं ड्रैगनों को इसमें तुम्हारी भूमिका के बारे में बता दूंगा।"
"यह हमेशा मेरी ही गलती होती है," गार्गोयल बुदबुदाया। "'थियागो ये, थियागो वो।' अगर बेवकूफ इंसान सामने के दरवाजे का इस्तेमाल ठीक से नहीं करते तो मैं क्या

करूँ।"
"उसकी बातों पर ध्यान मत दो। वह बड़बड़ाएगा और शिकायत करेगा, लेकिन अगर तुम दोबारा फिसल गए तो वह तुम्हें संभाल लेगा," फ्रैसिया ने मुझसे कहा।
मैंने उससे कहा, "आपकी मदद के लिए धन्यवाद। आपने मेरी जान बचाई।"
उसने अपना सिर झुका लिया। "कुछ नहीं हुआ। मुझ पर एक एहसान करो और पकड़े मत जाना। मुझे ड्रैगनों को अपने पीछे नहीं देखना है। अब क्या तुमने मुझे अच्छे से पकड़ लिया है? मैं तुम्हें धीरे-धीरे छोड़ दूंगी।"
"ठीक है," मैंने कहा।
जैसे-जैसे उसने अपनी पकड़ ढीली की, उसकी पकड़ का दबाव कम होता गया। मैंने गहरी सांस ली। यह जानते हुए भी कि ज़रूरत पड़ने पर मदद के लिए नीचे एक और गार्गोयल मौजूद है, मेरी घबराहट कम नहीं हुई। मैं धीरे-धीरे नीचे उतरने लगा। थियागो के पास से गुज़रते हुए मैंने उसे नमस्ते कहा। "तुम लगभग पहुँच ही गए हो," उसने कहा। "अब अगर तुम गिर भी जाओ तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बस एक-दो हड्डियाँ टूट जाएँगी।"
मेरे चेहरे पर जो भी भाव थे, उन्हें देखकर वह हंसने लगा। पागल गार्गोयल। मैं जल्दी से ज़मीन पर उतरा। जब मेरे पैर ज़मीन पर पड़े तो मुझे इतनी राहत मिली कि मैं ज़मीन को चूमने ही वाला था। कुल मिलाकर, पूरी घटना में दस मिनट से भी कम समय लगा। बीट्रिज़ और पोल ज़्यादा दूर नहीं गए होंगे। मैं सड़क पर निकल पड़ा।
मैंने उन्हें आगे देखा। "अरे, रुको," मैंने पुकारा।
वे दोनों मुड़ गए। बीट्रिज़ मुझे हैरानी से देखती रही। उसने अपने हाथ कमर पर रख लिए। "तुम यहाँ क्या कर रहे हो? मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि तुमने सेंटर छोड़ दिया। अगर वे तुम्हें ढूंढने निकल पड़े तो क्या होगा?"
पोल हंसने लगा।
मैं हाँफते हुए उनके पास पहुँचा। बीट्रिज़ ने मुझे डांटना जारी रखा। उसका चेहरा लाल हो गया था। "परेशान मत हो।" मैंने शांति का संकेत देते हुए अपने हाथ ऊपर उठा लिए।

"तुम तो पहले से ही मुसीबत में हो। अगर हम दोनों एक साथ पकड़े गए, तो हम भी मुसीबत में पड़ जाएंगे। क्या तुमने इस बारे में नहीं सोचा?"
"दरअसल, मैंने ऐसा नहीं किया," मैंने स्वीकार किया।
पोल मुस्कुराया। "कोई बात नहीं। मैं कह दूंगा कि यह मेरी गलती है।"
बीट्रिज़ उस पर भड़क उठी। "और मेरा क्या? तुम्हें क्या लगता है कि उन्हें इस बात की परवाह होगी कि इसके लिए कौन ज़िम्मेदार है? वे हम सबको सज़ा देंगे।"
"तुम मुसीबत में नहीं पड़ना चाहते। मैं सारी जिम्मेदारी ले लूंगा।" पोल ने अपनी गर्दन के पीछे हाथ फेरा।
"बात वो नहीं है।" उसने पैर पटकते हुए कहा।
मैंने स्वेच्छा से कहा, "अगर आप मेरे साथ नहीं आना चाहते तो मैं आगे जा सकता हूँ।"
"ठीक है। चलो चलते हैं।" उसने मेरी तरफ पीठ फेर ली और चली गई।
मैंने पोल की ओर भौंहें चढ़ाकर देखा। उसने अपने होठों पर एक व्यंग्यात्मक मुस्कान लिए सिर हिलाया। बीट्रिज़ की इस अतिरंजित प्रतिक्रिया ने मुझे सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या मैंने उन दोनों के बीच कुछ दखल दिया था।

छत्तीस

अध्याय 36

हम एल बोर्न की गलियों से होते हुए जादुई दुकान तक पहुँचे। दरवाजे के ऊपर एक बोर्ड पर "जादुई प्रतीक" लिखा हुआ था।
पोल धीरे-धीरे दरवाजे तक गया और उसे धक्का देकर खोल दिया। ऊपर लगी घंटी बज उठी। अंदर आते ही लौंग, दालचीनी और लैवेंडर की खुशबू का एक सुखद मिश्रण मेरी नाक में समा गया। दुकान काफी बड़ी थी। मैंने चारों ओर देखा तो कुछ लोग आरामकुर्सियों पर बैठे हुए थे।
"हैलो," बीट्रिज़ ने मेरे बगल में खड़े होकर कारमेन का अभिवादन किया।

"वापस स्वागत है," कारमेन ने हमें एक सहज मुस्कान देते हुए कहा।
हलचल देखकर हम सब खिड़की वाली सीट की ओर मुड़ गए। एक गार्गोयल ने हमें घूरकर देखा। "वाह वाह वाह! देखो कौन वापस आ गया है!"
"नमस्ते, मातेउ," मैंने कहा। बीट्रिज़ और पोल ने भी मेरी तरह अभिवादन किया। हम बैठने की जगह की ओर चल पड़े।
कारमेन ने अपने बगल में बैठी महिला की ओर इशारा किया। उसके बाल सुनहरे थे और हाथों में चाय का प्याला था। "यह नताली है।"
"आपसे मिलकर आखिरकार बहुत अच्छा लगा।" नताली ने मुस्कुराते हुए हमारी ओर देखा।
हम तीनों ने एक-दूसरे की ओर देखा, और मैं सोचने लगी कि कारमेन उस महिला से हमारे बारे में क्या कह रही थी।
जैसे कि उसने मेरे मन की बात पढ़ ली हो, कारमेन ने अपना सिर हिलाया। "नहीं, यह मैं नहीं थी। यह तो उसकी आदत है।"
"नताली एक मानसिक शक्ति वाली महिला है," मातेउ ने मदद करते हुए कहा।
"सचमुच?" बीट्रिज़ ने हैरानी से पूछा।
नताली की मुस्कान फीकी पड़ गई। "सच में?"
गार्गोयल हँसा। "उससे कुछ भी मत पूछो। वह बहुत कम बोलती है।"
"तो फिर मानसिक शक्तियों वाली होने का क्या फायदा?" बीट्रिज़ ने पूछा। उसके कंधे झुक गए।
"क्या तुम भविष्य देख सकते हो?" पोल ने पूछा।
"समय-समय पर," ज्योतिषी ने उत्तर दिया।
मैं उससे यह पूछने के लिए बेताब था कि वह मेरे भविष्य में क्या देखती है। क्या उसे मेरे सवालों के जवाब पता थे? मैं पूछने में हिचकिचा रहा था। तभी नताली की निगाहें मुझ पर टिक गईं। "तुम दिलचस्प हो।" वह थोड़ी देर रुकी और सोच-समझकर अपने अगले शब्द चुने। "तुम्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा, लेकिन आखिरकार सब ठीक हो जाएगा।"
"उसे पता है कि तुम्हें यहां नहीं होना चाहिए," बीट्रिज़ ने फुसफुसाते हुए कहा।

"क्योंकि तुमने अभी-अभी उसे बताया है," पोल ने धीमी आवाज़ में कहा, उसकी आवाज़ लगभग फुसफुसाहट जैसी थी।
गार्गोयल ने अपना शरीर फैलाया और खिड़की वाली सीट से कूद गया। वह धीरे-धीरे हमारी ओर आया और नताली और कारमेन की कुर्सियों के बीच रखे सोफे पर बैठ गया। "बैठ जाओ, तुम्हें ऊपर देखते-देखते मेरी गर्दन दुख रही है।"
हम तीनों उसके सामने सोफे पर बैठ गए।
"वैनेसा, क्या तुम कारमेन को चाय बनाने में मदद करोगी? चाय का कप ठंडा हो गया है।" नताली ने चाय का कप उठाया।
कारमेन ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "क्या सच में?"
नताली ने सौम्य मुस्कान दी। मुझे लगा कि अगर मैं बर्तन का ढक्कन उठाऊँगी तो उसमें से भाप निकलेगी। कारमेन कराहते हुए उठी। मातेउ ने मुस्कुराते हुए कहा, "अब तुम रोमांच के लिए बहुत बूढ़ी हो रही हो।"
"क्या तुम खुद से बात कर रहे हो?" उसने पलटकर जवाब दिया।
उसने मुस्कुराते हुए जवाब दिया।
कारमेन मुझे पीछे वाले कमरे में ले गई। मैं उसके पीछे-पीछे अंदर गई और उसने हमारे पीछे दरवाजा बंद कर दिया। "तो क्या बात है?" उसके चेहरे पर एक व्यंग्यात्मक मुस्कान फैल गई।
मुझे अजीबोगरीब सपने आ रहे हैं।
"सपने आना सामान्य बात है। ये आपके शरीर का आपको कुछ बताने का तरीका है," उसने मुझे आश्वस्त किया। "क्या आपने अपनी माँ से बात की है?"
मैंने शुरू किया। "नहीं!"
"क्यों नहीं?"
"क्या होगा अगर मैं भी उसकी तरह पागल हूँ?"
"इससे तो हम सब पागल हो जाएंगे," कारमेन ने सोचा। उसने फिल्टर से पानी लेकर एक बर्तन भर लिया। वह अलमारी के पास गई और एक डिब्बा निकाला। "लेकिन सच तो यह है कि तुम पागल नहीं हो। तुम्हें सच्चाई का पता लगाना होगा। मुझे पूरा यकीन है कि तुम्हारी माँ को यह पता है।"

"तुम्हें ये सब कैसे पता?" मैं अचंभित होकर उसे देखती रही। मैं उससे इस बारे में बात करने आई थी, लेकिन ऐसा लग रहा था जैसे उसे पहले से ही सब कुछ पता हो।
उसने मेरी तरफ देखकर मुस्कुराते हुए कहा, "नताली ने मुझे पहले ही बता दिया था कि तुम्हें क्या कहना है। मुझे सच में नहीं पता कि क्या हो रहा है। क्या तुम मुझे समझा सकती हो?"
मैंने उसे सब कुछ बताया और वह धैर्यपूर्वक सुनती रही। जब मैंने अपनी बात समाप्त कर दी, तो उसने मुझसे पूछा, "क्या आपको बुरा लगेगा अगर मैं आपको छू लूँ?"
"नहीं," मैंने कहा।
जब मैं उसके सामने खड़ा था, उसने अपना हाथ मेरे माथे पर रखा। उसने एकाग्रता में अपनी आँखें बंद कर लीं। कुछ देर बाद, उसके चेहरे पर शिकन आ गई। मैं सोच में पड़ गया कि वह क्या कर रही है। उसने अपना हाथ हटा लिया। उसकी आँखों में परेशानी झलक रही थी। "तुम्हारे अंदर अपार शक्ति है, लेकिन वह अवरुद्ध है। और इससे भी अजीब बात यह है कि मुझे उसे खोजने के लिए बहुत गहराई तक छानबीन करनी पड़ी। तुम्हारी शक्ति बहुत अच्छी तरह से छिपी हुई है। जिसने भी इसे अवरुद्ध किया है, उसने बहुत अच्छा काम किया है।"
मैं इसे कैसे अनलॉक कर सकता हूँ?
कारमेन ने कंधे उचकाते हुए कहा, "नताली की सलाह मानो। अपनी माँ से बात करो।"
"मुझे पता है कि आप जो कह रहे हैं वह तर्कसंगत है, लेकिन अपनी मां को फोन करके उनसे जादू के बारे में पूछने का ख्याल मुझे बेचैन कर देता है," मैंने स्वीकार किया।
कारमेन ने मेरा कंधा पकड़ा और धीरे से दबाया। "सब ठीक हो जाएगा। तुम ठीक हो जाओगी।"
"अगर ड्रैगन को पता चल गया तो क्या होगा?" मैंने अपना डर ज़ोर से व्यक्त किया।
"मैं ड्रैगन को तुम्हारा कुछ नहीं बिगाड़ने दूंगी," कारमेन ने गुस्से से कहा। "अगर तुम्हें डिएगो से बात करने की ज़रूरत हो, तो मैं कर दूंगी।"

"नहीं," मैंने घबराते हुए कहा। "उसे मत बताना!"
"जब तक तुम मुझे इजाज़त नहीं दोगी, मैं नहीं दूंगी। तब तक, किसी मुसीबत में मत पड़ना।" कारमेन ने मुझे छोड़ दिया और काउंटर से टेक लगाकर खड़ी हो गई।
मैंने स्वीकार किया, "अब इसके लिए बहुत देर हो चुकी है।"
"ओह?" उसकी उठी हुई भौंह ने मुझे आगे बोलने के लिए प्रेरित किया।
"तकनीकी तौर पर मुझे यहां नहीं होना चाहिए।" मैंने अपने पैरों की उंगलियों को घूरकर देखा।
"तुम्हें कहाँ होना चाहिए?"
"मेरा कमरा," मैंने स्वीकार किया।
"हम्म।"
मैंने ऊपर देखा। कारमेन आसपास देख रही थी।
"यह क्या है?"
"मैं सोच रहा हूँ कि क्या मैं इसे आपके कमरे के नाम से मिलता-जुलता बना सकता हूँ ताकि तकनीकी रूप से आप उल्लंघन न करें, लेकिन मुझे लगता है कि ड्रैगनों को यह पसंद नहीं आएगा।"
मुझे आश्चर्य से हंसी आ गई।
"अब बात कुछ ठीक लग रही है। हर समय इतना उदास रहने की ज़रूरत नहीं है। हालात सुधरेंगे। मैं लोगों के संपर्क में हूँ और पूछताछ करता रहूँगा, लेकिन कभी न कभी आपको किसी से मिलना पड़ सकता है ताकि वे आपकी जाँच-पड़ताल उसी तरह कर सकें जैसे मैंने की।"
"क्या आप वाकई यह नहीं बता सकते कि मेरे पास किस प्रकार का जादू है?" मेरी आवाज में निराशा झलक रही थी।
नहीं। मुझे तुम्हारे भीतर एक अपार शक्ति का अहसास हो रहा है, लेकिन वह अवरुद्ध है और मुझे नहीं पता कि उसे कैसे मुक्त किया जाए। मुझे अवरोध का स्रोत नहीं पता और मैं तुम पर प्रयोग नहीं करना चाहता। इससे स्थिति और बिगड़ सकती है।
"धन्यवाद," मैंने कहा।

पानी गर्म करने वाले हीटर से क्लिक की आवाज़ आई, जिससे हमें पता चला कि काम पूरा हो गया है। कारमेन ने पानी को एक नए बर्तन में डालना शुरू किया। उसने उबलते हुए पानी में कुछ चाय की पत्तियां भिगोईं।
कारमेन मुस्कुराई। "बर्तन उठाओ और चलो वापस बाहर चलते हैं। मुझे यकीन है कि मातेउ और नताली अब तक आपस में झगड़ रहे होंगे। मुझे उन्हें अलग करना होगा।"
हम बैठक वाले हिस्से में लौट आए। मेरे दोस्तों के बीच एक जाना-पहचाना चेहरा बैठा था। "हाय, दीना," कारमेन ने उसका अभिवादन किया। "मुझे आज तुमसे मिलने की उम्मीद नहीं थी।"
दीना ने कारमेन को देखकर मुस्कुराते हुए कहा, "मेरे पास थोड़ा खाली समय था और मैंने सोचा कि यहाँ से गुजर जाऊं। सोचो, जब मैंने अपने पुराने ग्राहकों को यहाँ देखा तो मुझे कितनी हैरानी हुई।" वह खुशी से झूम उठी।
बीट्रिज़ बेहद खुश दिख रही थी। उसे अपनी अंगूठी बहुत पसंद थी।
"हैलो, वैनेसा," दीना ने कहा। उसकी नज़र मेरी गर्दन पर पड़ी और उसकी भौहों के बीच एक हल्की सी शिकन आ गई। "तुम्हारा पेंडेंट कहाँ है?"

अध्याय 37

मैंने अपना हाथ गर्दन पर रखा, लेकिन मुझे वह चिकनी सोने की चेन नहीं मिली। घबराहट की लहर मेरे शरीर में दौड़ गई। मेरा रत्न। वह कहाँ था?
बीट्रिज़ का मुँह खुला रह गया। अचानक मुझे याद आया कि वो कहाँ था। इससे पहले कि मैं कुछ कह पाती, बीट्रिज़ ने मेरी तरफ इशारा किया। "तुमने उसे लिविंग रूम में उतार दिया था।" उसकी आँखें चौड़ी हो गईं, उसने कारमेन, दीना को देखा और अंत में उसकी हैरान निगाहें मुझ पर टिक गईं। "अगर तुमने अपना रत्न नहीं पहना था, तो तुम्हें दुकान कैसे दिखी?"

"इसका मतलब है..." पोल की आवाज़ धीमी पड़ गई। उसने दरवाजे की ओर देखा।
बीट्रिज़ ने दोनों चुड़ैलों, उस तांत्रिक और गार्गोयल की ओर देखा। "अगर उसके पास उसका आकर्षण पत्थर नहीं है तो वह तुम सबको कैसे देख सकती है?"
मेरे दोस्तों को जब इस बात का एहसास हुआ तो मेरा चेहरा शर्म से लाल हो गया। चारों ओर गहरी खामोशी छा गई।
एक हल्की सी आवाज़ ने तनाव को तोड़ दिया। हम सबने उस आवाज़ की ओर देखा। गार्गोयल मुस्कुरा रहा था। उसने नताली से कहा, "अब मुझे समझ आया कि तुमने उसे दिलचस्प क्यों कहा था।"
उसने हाथ से चुप रहने का इशारा किया। "यह सही समय नहीं है।"
मातेउ ने अपना कान खुजाया। "मुझे लगता है कि यही सही समय है। सच सामने आ रहे हैं। काश मेरे पास कुछ पॉपकॉर्न होते।" उसने कारमेन की ओर देखा। कारमेन ने भौंहें चढ़ाकर सिर हिलाया।
"क्या हो रहा है?" बीट्रिज़ ने पूछा।
पोल के चौंके हुए चेहरे की जगह विचारशील भाव आ गया। मुझे लगभग ऐसा लग रहा था जैसे उसके दिमाग में कुछ चल रहा हो।
"तुम भी उनमें से एक हो?" बीट्रिज़ ने हिस्टीरिया में पूछा।
"मुझे नहीं पता!" मैंने झट से कहा। "मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं है।"
"तुम्हारा मतलब क्या है कि तुम्हें नहीं पता?!"
"तुम कौन हो?" पोल ने पूछा।
उसके शब्दों से मैं सहम गई। दबाव बढ़ता जा रहा था और मैं बीट्रिज़ की इल्ज़ाम भरी निगाहों और पोल की शंकालु निगाहों से बचना चाहती थी। तभी किसी ने मेरे कंधे पर हाथ रखा। कारमेन ने कहा, "सब ठीक हो जाएगा। है ना?" उसने नताली की तरफ देखा।
हम सबने ज्योतिषी की ओर देखा। उसने नाक सिकोड़ी। "आप जानते हैं कि मैं इसका जवाब नहीं दे सकती।"
"नताली," कारमेन ने फुफकारते हुए कहा।

"तुम अभी कुछ तसल्ली देने वाली बात कह सकते हो," दीना ने धीरे से कहा। वह इस बात से परेशान लग रही थी कि उसने ही यह सब शुरू किया था।
"होगा," नताली ने अंत में कहा।
"इसका क्या मतलब है?" बीट्रिज़ ने पूछा।
मातेउ हंस पड़ा।
"तुम कौन हो?" बीट्रिज़ ने एक बार फिर मेरी ओर मुड़ते हुए पूछा।
"मुझे नहीं पता। मैं यही पता लगाने की कोशिश कर रहा हूँ," मैंने विनती भरे लहजे में कहा।
"क्या तुम्हें इतने समय से पता था कि तुम इंसान नहीं हो?" उसने अपनी बाहें मोड़ लीं।
मैं फिर से चौंक गया। "नहीं। मुझे पता चल गया है..."
"कब?"
"हमारे पहले सप्ताह के दौरान," मैंने बात समाप्त की।
"यह तो एक महीने से भी पहले की बात है। तुम्हें इस सब के बारे में पता था?" उसकी आँखों में आँसू भर आए।
मैंने कहा, "कारमेन को भी नहीं पता कि मैं क्या हूँ।"
"लेकिन तुम तो चुड़ैल हो, तुम्हें कैसे पता नहीं चलेगा?" बीट्रिज़ ने कारमेन पर पलटवार किया।
"इसका मतलब यह नहीं है कि मुझे सब कुछ पता है," कारमेन ने कहा।
"ज़्यादातर चुड़ैलों को कुछ नहीं पता होता," मातेउ ने आगे कहा। दीना और कारमेन ने उसे घूरकर देखा। उसने कंधे उचकाए। "क्या? यह सच है।"
मातेउ ने नताली की ओर देखा। वह उसे अनसुना करती रही। मैं समझ गया कि उसका क्या मतलब था। उसके पास सारे जवाब थे। अगर वह मुझे बता देती कि उसने क्या देखा, तो मुझे पता चल जाता कि मैं क्या हूँ। साथ ही, मुझे उस पर दया भी आई। सारे जवाब जानते हुए भी चुप रहना आसान नहीं होता।
"जब समय आएगा, तब तुम्हें पता चल जाएगा कि तुम कौन हो," कारमेन ने मुझे आश्वस्त किया।

अपने दोस्तों की आंखों में दिख रहे विश्वासघात को देखकर मुझे नहीं लगा कि यह सही जवाब था।

अड़तीस

अध्याय 38

समय आने पर आपको पता चल जाएगा कि आप वास्तव में कौन हैं।
कारमेन की बातें पिछले दो दिनों से मेरे दिमाग में बार-बार गूंज रही थीं और जितना ज्यादा मैं उनके बारे में सोचती, उतना ही ज्यादा मेरा गुस्सा बढ़ता जाता। यह जानकर तसल्ली तो हुई कि मुझे अपने सवालों के जवाब मिल जाएंगे, लेकिन यह न जानना बेहद परेशान करने वाला था कि कब मिलेंगे। आखिर वो समय कब आएगा?
"क्या मैं यहाँ बैठ सकता हूँ?" एक आवाज़ ने मेरे विचारों को बाधित कर दिया।
मैंने ऊपर देखा तो क्वेंटिन नज़र आया। उसने मेरे जवाब का इंतज़ार किए बिना मेरे बगल वाली कुर्सी पर बैठ गया। मैंने कैफ़ेटेरिया में चारों ओर देखा तो पाया कि बैठने के लिए काफ़ी सीटें खाली थीं। मैरिबेल मेरे सामने बैठी थी, लेकिन मेरे दाएं और बाएं की सीटें खाली थीं। बीट्रिज़ और पोल कहीं नज़र नहीं आ रहे थे।
"आपका दिन कैसा चल रहा है?"
“कोई बात नहीं,” मैंने बुदबुदाते हुए कहा। मैंने हरी बीन्स को अपनी प्लेट में ठूंस लिया। सच कहूँ तो आज का दिन बहुत बुरा था। कारमेन की दुकान पर मेरा राज़ खुल जाने के दो दिन हो चुके थे और बीट्रिज़ और पोल के साथ हालात बेहद अजीब हो गए थे। बीट्रिज़ के साथ तो और भी बुरा हाल था, वो दुखी और गुस्से में लग रही थी। पोल तो बस हैरान था, लेकिन उसने भी मुझसे एक शब्द नहीं कहा। उसे समझ नहीं आ रहा था कि मुझसे क्या कहे। हम हमेशा की तरह क्लास गए, लेकिन हमने कोई हंसी-मज़ाक नहीं किया। मुझे यकीन था कि मैरिबेल और क्वेंटिन ने यह बात नोटिस कर ली होगी। मैरिबेल मुझसे कुछ ज़्यादा ही अच्छे से पेश आ रही थी।

क्वेंटिन आमतौर पर लंच के समय ओलिवर और फ्रेंको के साथ बैठता था, लेकिन कल वो मेरे साथ बैठा था। मैंने चेहरे पर ज़बरदस्ती मुस्कान ला दी। “तुम्हारा दिन कैसा जा रहा है?”
"कोई बात नहीं।" उसने कंधे उचकाते हुए कहा। "यह अजीब है कि जादू कितनी जल्दी खत्म हो गया, है ना?"
"आपका क्या मतलब है?"
"हम इस दुनिया के अस्तित्व से अनजान थे, और अचानक हम जादू से घिर गए, और यह सब इतना सामान्य हो गया है।" उसने ड्रैगन-शिफ्टर्स से भरी मेज की ओर देखा। मैंने उनमें से कुछ को पहचान लिया।
"हाँ, मैं समझ गया कि तुम क्या कहना चाहते हो। यह अजीब बात है कि कैसे असाधारण चीज़ें साधारण बन जाती हैं।" मैं अपनी थाली में रखे बिना छुए खाने की ओर मुड़ गया।
"क्या तुम्हें अभी भी घर में बंद रहने की सजा मिली है?" मेरे सामने बैठी मारिबेल ने पूछा।
मेंने सिर हिलाया।
"क्या लेइरे से सुलह की कोई संभावना नहीं है?" उसने पूछा।
मैंने मेज पर बैठी लेयर की ओर देखा। वह केविन के बगल में बैठी थी और अपने हाथों से इशारे कर रही थी, उसके चेहरे पर घमंडी भाव था। हमारी नज़रें मिलीं और वह रुक गई। उसके साथियों ने देखा और उसकी नज़र का पीछा किया। उसकी आँखें सिकुड़ गईं, लेकिन उसने अपनी ठुड्डी ऊपर उठाई और अपनी कहानी या भाषण फिर से शुरू कर दिया। केविन ने मुझे घूरकर देखा। वह उसका सबसे बड़ा प्रशंसक और चापलूस था। मैं उसे तब तक घूरता रहा जब तक उसने नज़रें नहीं हटा लीं।
"लगता है मेरे सवाल का जवाब मिल गया," मैरिबेल ने सोचा। "उन्होंने तुम्हें किस सजा से दंडित किया? मैंने तो कभी पूछा ही नहीं।"
"मुझे पोछा लगाने की ड्यूटी मिली है। आज आखिरी क्लास के बाद मुझे जाकर पोछा लगाना होगा।"
"शाइमा की सिफारिश करने के लिए धन्यवाद," मैरिबेल ने विषय बदलते हुए कहा।

"क्या आपको उसकी आत्मरक्षा की कक्षाएं पसंद आ रही हैं?"
"हाँ, वह कमाल की है। मैं उससे बहुत सारे शानदार करतब सीख रही हूँ। तुम्हें भी उससे सबक लेना चाहिए," मैरिबेल ने क्वेंटिन से कहा।
"किसलिए?" उसने कहा। उसके शब्द थोड़े अस्पष्ट थे क्योंकि उसने अभी-अभी अपने मुंह में खाना ठूंस लिया था।
"कौन जाने," मैरिबेल ने कंधे उचकाते हुए कहा। "हो सकता है हम निशाने पर आ जाएं क्योंकि हम इस दुनिया के बारे में जानते हैं। तैयार रहना कभी नुकसानदायक नहीं होता, है ना?"
"हाँ, आपको कभी पता नहीं चलता कि आपके रास्ते में कौन सा आश्चर्य आ सकता है," मैंने कहा।
मैरिबेल ने मेरे कंधे के ऊपर से देखा। "सावधान रहो। तुम्हारी दोस्त तुम्हारी तरफ आ रही है।"
मैंने गर्दन घुमाकर देखा कि वह किसके बारे में बात कर रही है। क्रिस्टोफर। मुझे घूरते देख उसके चेहरे पर मुस्कान आ गई। वह मेज के पास आया और हम सभी को देखकर मुस्कुराने लगा। "हाय, तुम्हें देखे हुए काफी दिन हो गए। कहाँ छिपे हुए थे तुम?"
मैंने मुंह बनाया। "मैं कालकोठरी में रहा हूँ।"
उसकी मुस्कान और चौड़ी हो गई। "फिर से मुसीबत में पड़ गए? इस बार तुमने क्या किया?"
"मैंने पिछली बार भी यही किया था।"
वह हँस पड़ा। "क्या तुम अपनी गलतियों से सीखते नहीं हो?"
"कभी-कभी मुझे उन्हें दोहराना अच्छा लगता है।"
क्रिस्टोफर ज़ोर से हँस पड़ा। मैं लेइरे की तरफ देखे बिना नहीं रह सकी। वह हमसे इतनी दूर थी कि हमारी आवाज़ नहीं सुन सकती थी, लेकिन एक ड्रैगन-शिफ्टर को मेरे साथ हँसते देख उसका चेहरा बैंगनी पड़ गया था।
"हमारे साथ बैठिए," मैंने अपने बगल वाली खाली सीट की ओर इशारा किया।
उसने कुर्सी पीछे खींची और बैठ गया। उसने क्वेंटिन को सिर हिलाकर इशारा किया।

"मुझे तुम्हारे बाल बहुत अच्छे लगे," उसने मैरिबेल से कहा, जिसकी उंगली पर नीले-बैंगनी रंग के बालों की एक लट लिपटी हुई थी। तारीफ सुनकर वह स्तब्ध रह गई और फिर मुस्कुराई। "धन्यवाद।" उसके गाल लाल हो गए और उसने अपना सिर नीचे कर लिया।
क्रिस्टोफर मुस्कुराया। वह देखने में किशोर जैसा लग रहा था, हालांकि मुझे पता था कि वह काफी बड़ा था, लेकिन उसकी मुस्कान ने उसे और भी जवान बना दिया।
"कक्षाएं कैसी चल रही हैं?" उसने सवाल में बाकी लोगों को भी शामिल कर लिया।
मैंने मुंह बनाया। क्वेंटिन और मैरिबेल ने धीमी आवाज़ में जवाब दिए।
कुछ ड्रैगन-रूपांतरित प्राणी हमारे पास से गुज़रे। मैंने उनमें से एक को पहचान लिया, वही था जिसने वैम्पायर लाउंज में मेरे भयानक मुठभेड़ में मेरा साथ दिया था। "उससे सावधान रहना," उसने क्रिस्टोफर की ओर उंगली करते हुए कहा।
"सच में?" क्रिस्टोफर ने नाराज़ होने का नाटक किया।
नीली आंखों वाले ड्रैगन रूपांतरक ने अपना सिर पीछे की ओर झुकाया और हँस पड़ा। वह धीरे-धीरे हमसे दूर चला गया।
मैंने उसकी पीठ की ओर देखा। "मैं उसे पसंद करती हूँ।"
"नासेर? हाँ, वह एक अच्छा आदमी है," क्रिस्टोफर ने पुष्टि की। "आप ड्रैगन शिफ्टर्स में से ज़्यादा लोगों को नहीं जानते, है ना? सिर्फ़ प्रशिक्षकों को, है ना?"
हम सबने सिर हिलाया।
क्रिस्टोफर सोच में पड़ गया। "शायद अब इसे बदलने का समय आ गया है।"
मुझे उनकी बातों से रोमांच महसूस हुआ।
"क्या हम डिएगो से मिलेंगे?" क्वेंटिन ने पूछा, जो मेरे मन में चल रहे विचारों को दोहरा रहा था।
क्रिस्टोफर मुस्कुराया। "देखते हैं।"
हम तीनों ने खुशी भरी नजरों से एक-दूसरे को देखा।
"लेकिन शायद पहले बेहतर होगा कि आप अपनी सजा पूरी कर लें ताकि दूसरे लोग यह सवाल न करें कि आपको यह विशेषाधिकार क्यों मिला," क्रिस्टोफर ने मेरी ओर इशारा करते हुए कहा।
मैंने मुंह बनाया। "गिलन इसे कभी खत्म नहीं करने वाला।"

"तो मुझे लगता है कि मुझे अपने शूरवीर को डिएगो से मिलवाने का मौका नहीं मिलेगा।"
मैंने अपना सिर मेज पर झुकाया और आह भरी। क्रिस्टोफर हँसा, और क्वेंटिन और मैरिबेल भी उसके साथ हँसने लगे।
शायद सब कुछ ठीक हो जाएगा।

उनतीस

अध्याय 39

मैंने अपने सामने रखे पोछे और बाल्टी को घूरकर देखा। मैं उनसे तंग आ चुकी थी। एक गहरी साँस लेते हुए मैंने पोछा उठाया और पत्थर के फर्श पर पानी छिड़का। मैं इसे चमका तो नहीं पाऊँगी, लेकिन इसे साफ़ करने की पूरी कोशिश करूँगी।
मुझे अपने पास आते कदमों की आहट सुनाई दी। मैंने ऊपर देखा और पोछे के हैंडल को कसकर पकड़ लिया।
लीरे ने मुझे तिरछी नज़रों से देखा। वह मुझसे कद में छोटी थी, फिर भी उसने ऐसा किया। "तो वे तुमसे खूब काम करवा रहे हैं? क्या तुमने मेरे साथ जो किया उसके लिए पश्चाताप करने के लिए पर्याप्त छोटे-मोटे काम किए हैं?"
मैंने कहा, "मैंने जो किया उसके लिए मुझे कभी पछतावा नहीं होगा।" मैंने जानबूझकर उसके चेहरे पर पड़े कई चोट के निशानों और ठीक हो रहे घावों को घूरकर देखा।
लेयर ने अपनी बाहें मोड़ लीं। मैंने आँखें सिकोड़कर अपना पोछा ऐसे उठाया जैसे वह कोई हथियार हो। "तुम्हारी छवि एक उपद्रवी के रूप में बन रही है," उसने कहा।
"तुम गलत लोगों की बात सुन रहे होगे। ड्रैगनों के बीच, मैंने एक भयंकर योद्धा के रूप में ख्याति प्राप्त कर ली है जो तुम्हें लगातार हराता है।"

"तुम तो किस्मत वाली हो," उसने ताना मारा।
"दो बार।"
उसका चेहरा लाल हो गया। "क्या तुम दोबारा मुकाबला चाहते हो? मैं तुम्हें दोबारा मुकाबला दूंगी।"
"ठीक है। समय बताइए।"
उसने इस पर विचार किया। "कल। आधी रात को। आंगन में।"
मेरे सहमत होने से पहले ही लेयर गुस्से में वहां से चली गई।
मैं उसके जाते हुए रूप को देखता रहा। मुझे पूरा यकीन था कि वह कुछ साजिश रच रही थी। शायद वह लड़ाई में दूसरों को भी साथ लाने वाली थी। मैंने सोचा कि क्या मुझे बीट्रिज़ और पोल से पूछना चाहिए कि क्या वे मेरे साथ आएंगे। मैंने यह विचार मन से निकाल दिया। बीट्रिज़ मुसीबत में नहीं पड़ना चाहती थी और पोल को इसमें घसीटना अनुचित था, भले ही वह आना चाहता हो। लेयर ने जो भी योजना बनाई थी, मैं उसका अकेले सामना करूंगा।
मैंने पोछे का सिर जमीन पर गिरा दिया और अपनी सारी झुंझलाहट फर्श पर निकालते हुए उसे जोर-जोर से रगड़ने लगी।
"इसने तुम्हारा क्या बिगाड़ा?" मेरे पीछे से एक आवाज आई।
मैं झाड़ू को तलवार की तरह लहराते हुए घूम गया। क्वेंटिन ने अपने हाथ हवा में उठा लिए। "अरे रुको, मैं अकेला हूँ। मुझे झाड़ू से मत मारो। नहीं तो मुझे ताने सुनने को मिलेंगे।"
मुझे थोड़ी शर्मिंदगी महसूस हुई और मैंने पोछा नीचे रख दिया। "उसके लिए क्षमा करें।"
"क्या हुआ?" उसने मेरी ओर गौर से देखा।
मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहता। क्षमा करें।
उसने अपने हाथ जेब में डाले। "मैंने बीट्रिज़ और पोल से पूछा और उन्होंने भी यही बात कही। तुम तीनों के साथ क्या चल रहा है?"
"कहने को कुछ खास नहीं है।" मैंने गीले पोछे से पत्थर के फर्श पर फिर से वार करना शुरू कर दिया।

"सुनो, अगर तुम्हें किसी से बात करनी हो तो मैं तुम्हारे लिए हाज़िर हूँ। जैसा कि मैंने कहा, ये सब कुछ अजीब है और अजनबियों के साथ रहना कोई अच्छी स्थिति नहीं है। अगर तुम्हें दोस्त की ज़रूरत हो तो बस मुझसे संपर्क कर लेना।"
"धन्यवाद।" मैंने उनकी दयालुता की सराहना की, लेकिन मुझे यह नहीं पता था कि उचित प्रतिक्रिया कैसे दूं।
क्वेंटिन ने जेब से हाथ निकाला और अपने बालों में उंगलियां फिराईं। "हाँ, ठीक है... लगता है फिर मिलेंगे।" उसने पोछे से फर्श की ओर देखा। "फर्श को खराब मत करना।"
मैंने उसे जाते हुए देखा और सोचने लगी कि कहीं उसके प्रस्ताव में कुछ और भी तो नहीं छिपा है। मैंने अपना सिर हिलाया, अपने उलझे हुए दिमाग से उन विचारों को दूर करने की कोशिश की। मैं इस बारे में सोच भी नहीं सकती थी। मेरे पास पहले से ही बहुत सारी समस्याएं थीं।
मुझे इस बात का इतना डर था कि कहीं लोगों को मेरा राज़ पता न चल जाए कि मैं अपने दोस्तों को ही भूल गई थी। अब जब उन्हें सच्चाई पता चल गई है, तो उन्हें धोखा महसूस हो रहा है और शायद वे भी मेरी तरह ही डरे हुए हैं। मैंने आखिर किया क्या था? मैंने उनसे मदद मांगने के बजाय उनसे भाग गई थी।
अब समय आ गया था कि मैं अपने दोस्तों पर भरोसा करूं और भागना बंद करके लड़ना शुरू करूं। और इसकी शुरुआत करने का इससे बेहतर समय और कोई नहीं हो सकता था, जितना कि लीरे के साथ मेरी लड़ाई से शुरू करना।
कल।

आशा है आपको स्ट्रेंज मैजिक सीरीज़ का यह प्रीक्वल पढ़कर मज़ा आया होगा। वैनेसा गार्सिया लड़ने के लिए तैयार है और जल्द ही वापस आएगी। फ़ातिमा फ़ायेज़ को इस कहानी के बारे में अपनी राय ज़रूर बताएँ, चाहे वह एक पंक्ति की ही क्यों न हो। समीक्षाएँ पाठकों और फ़ातिमा को यह जानने में मदद करती हैं कि आपको कहानी में क्या पसंद आया और क्या नहीं।
और अगर आप अपना अनुभव साझा करना चाहें, तो हमें बताएं कि आप किस प्रकार का रत्न चुनेंगे: हार? अंगूठी? कंगन?

क्या आप जादुई बार्सिलोना में घटित एक और कहानी पढ़ना चाहते हैं? आज ही आयशा बोन श्रृंखला में डूब जाइए।

***** *****